वार्षिक प्रतिवेदन
Annual Report
2020-2021

आरोग्यम् सुखसम्पदा

राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान
The National Institute of Health and Family Welfare
Munirka, New Delhi - 110067

वार्षिक प्रतिवेदन

Annual Report

2020-2021

आरोग्यम् सुखसम्पदा

राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान

बाबा गंगनाथ मार्ग, मुनीरका, नई दिल्ली-110067

The National Institute of Health and Family Welfare

Baba Gangnath Marg, Munirka, New Delhi - 110067

The National Institute of Health and Family Welfare

Organizational Chart of NIHFW

Dr. Harsh Vardhan

(Hon' ble Union Minister of Health and Family Welfare)
Chairperson

Governing Body

Mr. Rajesh Bhushan

Secretary, Health and Family Welfare,
Govt. of India
Chairperson

Standing Finance Committee

Chairperson

Program Advisory Committee

Dr. Saudan Singh

Dr. Harshad Thakur

Director

Dean

Academics

Deputy Director (Admn.)

- Administration I
- Administration II
- Accounts
- Accounts (Project Cell)
- Press
- Reprography
- Stores
- Transport
- Works and Maintenance

Departments and Projects

- Communication
- Community Health Administration
- Education and Training
- Epidemiology
- Management Sciences
- Medical Care and Hospital Administration
- Planning and Evaluation
- Projects
- Reproductive Bio Medicine
- Social Sciences
- Statistics and Demography

Services and Other Units

- Computer Centre
- Distance Learning Cell
- Hindi Cell
- Hostel
- National Documentation Centre

क्रम संख्या	विषय-वस्तु	पृष्ठ
	निदेशक की कलम से...	**i**
	सिंहावलोकन	**ii-viii**
1.	शिक्षा	1-4
2.	प्रशिक्षण	5-12
3.	अनुसंधान एवं मूल्यांकन	13-46
4.	विशिष्ट परियोजनाएं एवं कंसोर्टियम गतिविधियां	47-53
5.	विशिष्ट सेवाएं	54-61
6.	परामर्श सेवाएं	62-70
7.	प्रशासनिक समाचार	71
8.	सरकारी कामकाज में हिन्दी का प्रयोग	72-75
9.	घटनाक्रम	76-79
10.	प्रकाशन	80-84
11.	नियुक्ति, पदोन्नति और सेवानिवृत्ति	85-86
12.	संलग्नक	87
I	शासी निकाय सदस्यों की सूची	88-89
II	स्थायी वित्त समिति के सदस्यों की सूची	90
III	कार्यक्रम सलाहकार समिति के सदस्यों की सूची	91-92
IV	संकाय सदस्यों की सूची	93
V	संस्थान में स्वीकृत जनशक्ति की स्थिति	94

निदेशक की कलम से...

संस्थान की वर्ष 2020-21 की वार्षिक रिपोर्ट आपके सामने रखते हुए मुझे हर्ष का अनुभव हो रहा है। संस्थान वर्तमान में अपने कामकाज के 45वें वर्ष में है और इन सभी दशकों में हमने महत्वपूर्ण प्रगति का प्रदर्शन किया है। इस रिपोर्ट में संस्थान की प्रमुख गतिविधियों और उपलब्धियों के संक्षिप्त विवरण उपलब्ध कराने का प्रयास किया गया है। यह रिपोर्ट हमारी मजबूत नींव और उत्तरोत्तर विकसित होते प्रदर्शन का प्रमाण है।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों के आवश्यक निर्देशों और समर्थन के बिना हम सार्वजनिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में विभिन्न गतिविधियों को लागू करने में प्रमुखता हासिल नहीं कर पाते। संस्थान के शासी निकाय के प्रतिष्ठित सदस्यों, स्थायी वित्त समिति और कार्यक्रम सलाहकार समिति द्वारा वर्ष भर प्रदान किए गए समर्थन के लिए भी मैं ईमानदारी से कृतज्ञता ज्ञापित करता हूं।

हमारे मिशन और दृष्टि के आधारभूत तत्व एमडी (सीएचए), डीएचए, पीजीडीपीएचएम, डीएलसी और अन्य पाठ्यक्रमों सहित नियमित शैक्षणिक पाठ्यक्रमों में परिलक्षित होते हैं। बीते वर्ष में, हमने अपने सभी शिक्षण और प्रशिक्षण गतिविधियों के दौरान प्रगतिशील और प्रेरक वातावरण बनाने का प्रयास किया है। हमारे संकाय सदस्यों ने अपनी व्यावसायिक अभिप्रेरणाओं के आधार पर सीखने के रास्ते बनाने में अपने प्रयासों को समर्पित किया है और वर्ष के दौरान विभिन्न प्रशिक्षणों/कार्यशालाओं/बैठकों में एक अग्रसर कौशल यात्रा के रूप में प्रतिभागियों को विशेषज्ञों से जोड़ने का प्रयास किया है। जन स्वास्थ्य में लगभग 34 शोध अध्ययन किए गए। संकाय ने शिक्षण, प्रशिक्षण और अनुसंधान गतिविधियों से लेकर विभिन्न अतिरिक्त गतिविधियों में स्रोत व्यक्तियों के रूप में विशेषज्ञता प्रदान की है। उन्होंने विभिन्न संगोष्ठियों और सम्मेलनों में भाग लिया और शोध पत्र प्रस्तुत किए। हमारे पास आगे की चुनौतियों के लिए तैयारी करते हुए गर्व के साथ पीछे मुड़कर देखने के लिए बहुत कुछ है। सबसे बड़ी समस्या संकाय सदस्यों की कमी है। इसके अलावा, हमें स्पष्ट रूप से हमारे शिक्षण, प्रशिक्षण, मूल्यांकन और अनुसंधान गतिविधियों के संदर्भ में नई सामान्य कोविड-19 उपरांत स्थिति में एक नया रास्ता तय करने की आवश्यकता है। नवीनतम तकनीक के साथ विकसित होने की हमारी यात्रा में, हम अपनी आईटी सुविधाओं को सर्वश्रेष्ठ से संगत होने के लिए अद्यतन कर रहे हैं।

संकाय, कर्मचारियों और छात्रों की ओर से, हमारे संस्थान को और अधिक ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए समर्पित कड़ी मेहनत और प्रतिबद्धता के लिए कृपया मेरा हार्दिक धन्यवाद स्वीकार करें।

प्रो. (डॉ.) हर्षद ठाकुर
निदेशक, रा.स्वा.प.क. संस्थान

सिंहावलोकन

राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान ने अपनी स्थापना के समय से ही शैक्षिक पाठ्यक्रमों, प्रशिक्षणों, अनुसंधान और मूल्यांकन गतिविधियों के माध्यम से क्षमता निर्माण जैसी विविध गतिविधियों का संचालन करके स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा जन स्वास्थ्य के क्षेत्र में योगदान दिया है। संस्थान के प्रमुख क्षेत्रों में स्वास्थ्य और संबंधित नीतियां, जन स्वास्थ्य प्रबंधन, स्वास्थ्य क्षेत्र में सुधार, स्वास्थ्य अर्थशास्त्र और वित्त पोषण, जनसंख्या अनुकूलन, प्रजनन स्वास्थ्य, अस्पताल प्रबंधन, स्वास्थ्य के लिए संचार और स्वास्थ्य में प्रशिक्षण प्रौद्योगिकी शामिल हैं। समय-समय पर चल रहे दस विभागों और अन्य परियोजनाओं ने ऊपर बताए गए मुद्दों की एक विस्तृत श्रृंखला को संबोधित करना संभव बना दिया है।

दृष्टि

राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान जन स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण में प्रशिक्षण प्रदान करने में उत्कृष्टता के लिए प्रयास करने वाला वैश्विक ख्याति का संस्थान होगा। यह दुनिया के लिए जन स्वास्थ्य के क्षेत्र में एक अग्रणी उदाहरण बनने का प्रयास करेगा।

मिशन

राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान जन स्वास्थ्य और संबंधित स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण कार्यक्रमों में प्रशिक्षण के लिए एक थिंक टैंक (प्रबुद्ध मंडल), उत्प्रेरक और नवप्रवर्तनक होगा। यह निम्नलिखित गतिविधियों का पालन करके किया जाएगा:

i) शिक्षा और प्रशिक्षण
ii) अनुसंधान एवं मूल्यांकन
iii) परामर्श और सलाहकारी सेवाएं
iii) अंतर-अनुशासनात्मक टीमों के माध्यम से विशेष सेवाओं का प्रावधान तथा
iv) राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अन्य संस्थानों और संगठनों के साथ नेटवर्किंग।

प्रमुख समितियां

संस्थान की प्रमुख समितियों में शासी निकाय, स्थायी वित्त समिति और कार्यक्रम सलाहकार समिति शामिल हैं। शासी निकाय केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री की अध्यक्षता में संस्थान के समग्र शासन को देखता है। स्थायी वित्त समिति का नेतृत्व केंद्रीय सचिव, स्वास्थ्य

एवं परिवार कल्याण मंत्रालय करते हैं और वित्तीय पहलुओं का ध्यान रखते हैं। कार्यक्रम सलाहकार समिति संस्थान की शैक्षणिक गतिविधियों की देखभाल करती है।

निदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान, इन सभी समितियों में सदस्य-सचिव के रूप में कार्य करते हैं।

शिक्षा और प्रशिक्षण

शैक्षणिक गतिविधियां

स्नातकोत्तर शिक्षा

बुनियादी जन स्वास्थ्य शिक्षा आवश्यकताओं को पूरा करने और देश में स्वास्थ्य और परिवार कल्याण कार्यक्रमों के क्षेत्र में अकादमिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के लिए संस्थान द्वारा निम्नलिखित शैक्षिक गतिविधियों का आयोजन किया जाता है:

(i) एमडी (सामुदायिक स्वास्थ्य प्रशासन): सामुदायिक स्वास्थ्य प्रशासन में तीन वर्षीय स्नातकोत्तर डिग्री एमडी (सीएचए) दिल्ली विश्वविद्यालय से संबद्ध है और भारतीय चिकित्सा परिषद (एमसीआई) द्वारा मान्यता प्राप्त है। यह कोर्स 1969 से जारी है। इस पाठ्यक्रम में प्रत्येक वर्ष दस सीटें निर्धारित होती हैं।

(ii) स्वास्थ्य प्रशासन में डिप्लोमा: स्वास्थ्य प्रशासन में दो वर्षीय स्नातकोत्तर डिप्लोमा (डीएचए), दिल्ली विश्वविद्यालय से संबद्ध है और भारतीय चिकित्सा परिषद (एमसीआई) द्वारा मान्यता प्राप्त है। इस पाठ्यक्रम में हर साल छह छात्रों की प्रवेश क्षमता है।

(iii) सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडीपीएचएम): यह पाठ्यक्रम 2008 में संस्थान द्वारा पब्लिक हेल्थ फाउंडेशन ऑफ इंडिया के सहयोग से शुरू किया गया था जोकि स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा समर्थित था। पाठ्यक्रम में राष्ट्रीय उम्मीदवारों के लिए 30 सीटें और अंतरराष्ट्रीय उम्मीदवारों के लिए 10 सीटें हैं। पाठ्यक्रम का उद्देश्य मध्यम स्तर के सेवारत स्वास्थ्य पेशेवरों की क्षमता को बढ़ाना है। उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, राजस्थान, जम्मू और कश्मीर राज्यों को स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान को सौंपा गया है।

एआईसीटीई द्वारा अनुमोदित दूरस्थ शिक्षा मोड के माध्यम से 15 महीने की अवधि के प्रस्तावित पीजीडीएम कार्यकारी पाठ्यक्रम इस प्रकार हैं:

(i) स्वास्थ्य और परिवार कल्याण प्रबंधन में प्रबंधन (कार्यकारी) में स्नातकोत्तर डिप्लोमा
(ii) अस्पताल प्रबंधन में प्रबंधन (कार्यकारी) में स्नातकोत्तर डिप्लोमा
(iii) स्वास्थ्य संवर्धन में प्रबंधन (कार्यकारी) में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से एक वर्ष की अवधि के तीन डिप्लोमा पाठ्यक्रम भी संचालित किए जाते हैं जिनमें शामिल हैं:

(i) जन स्वास्थ्य पोषण
(ii) अनुप्रयुक्त महामारी विज्ञान
(iii) स्वास्थ्य संचार

प्रशिक्षण और कार्यशाला गतिविधियाँ

संस्थान ने पाठ्यक्रम डिजाइन और मूल्यांकन, स्वास्थ्य संवर्धन, नर्सिंग प्रशासन, सामाजिक और व्यवहार परिवर्तन संचार, व्यावसायिक और पर्यावरणीय स्वास्थ्य, अस्पताल प्रशासन, नेतृत्व और परामर्श, निगरानी और मूल्यांकन इत्यादि कई प्रशिक्षण आयोजित किए। संस्थान द्वारा कुल मिलाकर तीस प्रशिक्षण पाठ्यक्रम और कार्यशालाएं आयोजित की गईं।

अनुसंधान और मूल्यांकन

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण के विभिन्न पहलुओं में अनुसंधान एक प्राथमिकता वाला क्षेत्र है। समीक्षाधीन वर्ष के दौरान संस्थान पैंतीस शोध अध्ययनों में शामिल रहा। इनमें से 30 शोध अध्ययन पूरे हो चुके हैं। इसमें एमडी (सीएचए) के छात्रों द्वारा किए गए आठ अध्ययन शामिल हैं। शेष पांच का अध्ययन प्रगति पर है।

अंतर-अनुशासनात्मक दलों के माध्यम से विशिष्ट सेवाओं का प्रावधान

विशिष्ट सेवाएं

नैदानिक, प्रलेखन, मुद्रण और प्रकाशनों सहित संस्थान की विशिष्ट सेवाओं का संक्षिप्त विवरण नीचे दिया गया है:

क्लिनिक सेवाएं

संस्थान को प्रजनन स्वास्थ्य देखभाल में उत्कृष्टता के एक केंद्र के रूप में मान्यता प्राप्त है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान क्लिनिकल (नैदानिक) सेवाएं प्रदान करता है जिसमें संतानहीनता प्रबंधन, प्रजनन एंडोक्रिनोलॉजिकल और स्त्री रोग संबंधी विकारों का प्रबंधन, प्रसवपूर्व देखभाल, प्रसवपूर्व रोगियों, शिशुओं और बच्चों का टीकाकरण और गर्भनिरोधक सेवाएं शामिल हैं।

प्रयोगशाला सुविधाएं

संस्थान की प्रयोगशाला जैव-रासायनिक, शारीरिक, एंडोक्रिनोलॉजिकल आदि जैसे प्रजनन संबंधी विकारों के कारणों की गहन जांच प्रदान करती है। एंडोक्रिनोलॉजिकल और प्रजनन संबंधी विकारों के प्रबंधन में अपनाए गए वैज्ञानिक दृष्टिकोण और बांझपन प्रबंधन ने समृद्ध लाभांश का भुगतान किया है।

आधिकारिक प्रकाशन

- स्वास्थ्य और जनसंख्या: परिप्रेक्ष्य एवं मुद्दे- यह 1978 से प्रकाशित हो रहा संस्थान का एक त्रैमासिक जर्नल है। समीक्षाधीन अवधि के दौरान 2020 के लिए एचपीपीआई के सभी अंकों (संख्या नंबर 43 (2, 3 और 4) और 2021 (संख्या नंबर 44) (1) प्रकाशित हो चुकी है।.
- जन स्वास्थ्य धारणा- यह जन स्वास्थ्य के विषयों पर केन्द्रित 1995 से प्रकाशित हो रही संस्थान की हिंदी पत्रिका है।

सरकारी कामकाज में हिंदी का प्रयोग

संस्थान में राजभाषा कार्यान्वयन की नियमित निगरानी इस उद्देश्य के लिए गठित एक समिति द्वारा की जाती है। प्रतिवेदित अवधि के दौरान, 83.36% पत्र (ई-मेल और फैक्स संदेशों सहित), 86.28% पत्र क्षेत्र 'क' के लिए, 72.51% क्षेत्र 'ख' के लिए और 74.39 फीसदी क्षेत्र 'ग' के लिए हिंदी में जारी किए गए थे। पत्राचार हेतु 'क' और 'ख' क्षेत्रों के लिए 100% और 'ग' क्षेत्र के लिए 65% का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उक्त अवधि के दौरान (अर्थात् अप्रैल, 2020 से मार्च, 2021 तक) सामान्य आदेश शत-प्रतिशत द्विभाषी रूप में जारी किए गए थे। इसी प्रकार हिन्दी में प्राप्त सभी पत्रों के उत्तर हिन्दी में दिए गये।

राष्ट्रीय प्रलेखन केंद्र

राष्ट्रीय प्रलेखन केंद्र डेवलपिंग लाइब्रेरी नेटवर्क का एक सक्रिय सदस्य है और लाइब्रेरी ऑफ कांग्रेस, वाशिंगटन सहित 5000 से अधिक सदस्य पुस्तकालयों के साथ अपने संसाधनों को साझा करता है। राष्ट्रीय प्रलेखन केंद्र 258 पत्रिकाओं तक मुफ्त पहुंच प्रदान करने के लिए एनएमएल-ईआरएमईडी इंडिया कंसोर्टियम का भी सदस्य है। उपरोक्त के अलावा, ऑनलाइन पब्लिक एक्सेस कैटलॉग (ओपीएसी) के माध्यम से, सभी प्रकाशनों/दस्तावेजों के ग्रंथ सूची संबंधी विवरण लिंक-एचटीटीपी://14.1393.63.242/पर उपलब्ध हैं। समिति/आयोग की रिपोर्ट, तकनीकी रिपोर्ट,

एचपीपीआई पत्रिकाओं, महत्वपूर्ण एनआईएचएफडब्ल्यू प्रकाशनों आदि जैसे महत्वपूर्ण प्रकाशनों को डिजिटलीकृत किया गया है और इसे http://www.nihfw.org/WNDC.aspx। लिंक के माध्यम से सुलभ बनाया गया है।

स्वास्थ्य सूचना विज्ञान केंद्र

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य पोर्टल (एनएचपी) की गतिविधियों के प्रबंधन के लिए सचिवालय के रूप में काम करने के लिए राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान में स्वास्थ्य सूचना विज्ञान केंद्र (सीएचआई) की स्थापना की है। सीएचआई का राष्ट्रीय स्वास्थ्य पोर्टल बहुभाषी स्वास्थ्य सूचना, अनुप्रयोग और संसाधनों तक पहुंच के एकल बिंदु के रूप में कार्य करता है। शिक्षाविदों, नागरिकों, छात्रों, स्वास्थ्य देखभाल पेशेवरों, शोधकर्ताओं, आदि जैसे उपयोगकर्ताओं के व्यापक स्पेक्ट्रम को राष्ट्रीय स्वास्थ्य पोर्टल से लाभान्वित किया जाता है।

सीएचआई वर्तमान में देश में कोविड-19 की तैयारियों और स्थिति की निगरानी के लिए कोविड-19 डैशबोर्ड/पोर्टल का प्रबंधन कर रहा है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय इस पोर्टल का उपयोग राज्यों में डेटा प्राप्त करने के लिए करता है। इस पोर्टल का उपयोग हॉटस्पॉट विश्लेषण, नियंत्रण क्षेत्र की जानकारी, सकारात्मक मामलों और अन्य सभी सुविधा/उपयोगकर्ता स्तर की जानकारी के लिए किया जाता है।

राष्ट्रीय शीत-श्रृंखला और टीका प्रबंधन संसाधन केंद्र (एनसीसीवीएमआरसी)

राष्ट्रीय शीत-श्रृंखला और टीका प्रबंधन संसाधन केंद्र की स्थापना राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान में यूनिवर्सल टीकाकरण कार्यक्रम में शामिल सभी जिला-स्तरीय कोल्ड चेन तकनीशियनों की क्षमता निर्माण के उद्देश्य से की गई है, जो लगभग 27000 शीत-श्रृंखला पॉइंट्स में लगभग 70000 शीत-श्रृंखला उपकरणों की मरम्मत और रखरखाव का कार्य करते हैं। वित्त वर्ष 2020-21 में, राष्ट्रीय शीत-श्रृंखला और टीका प्रबंधन संसाधन केंद्र ने कोविड महामारी के दौरान भी कई गतिविधियों का आयोजन किया। आईएलआर-डीएफ और वीएस (1 बैच) की मरम्मत और रखरखाव पर आभासी प्रशिक्षण सहित एनसीसीवीएमआरसी ने भारत में स्वास्थ्य कार्यबल की क्षमता निर्माण के लिए कई आभासी कार्यशालाओं का आयोजन किया। झारखंड राज्य के लिए टी-वीएसीसी (1 बैच), वीसीसीएच (वैक्सीन और कोल्ड चेन मैनेजमेंट) प्रशिक्षण, कोविड-19 टीकाकरण अभियान के रोल-आउट के लिए परिचालन दिशानिर्देशों पर राष्ट्रीय टीओटी, वर्चुअल एनसीएमआईएस और सहायक पर्यवेक्षण, (कोल्ड चेन और कोविड-19 सत्र साइट निगरानी) समीक्षा और पुन: उन्मुखीकरण कार्यशाला (17 राज्य/केंद्र शासित प्रदेश), और 4 तकनीकी सचिवालय विकास समूह (TSDG) की बैठकें आयोजित की गईं।

राष्ट्रीय शीत-श्रृंखला और टीका प्रबंधन संसाधन केंद्र ने कई अनुसंधान गतिविधियों जैसे वीसीसीएच की प्रशिक्षण आवश्यकताओं का आकलन, आभासी प्रशिक्षण के साथ प्रभावशीलता और चुनौतियों पर एक शोध अध्ययन, भारतीयों के बीच कोविड-19 के प्रति केएपी का आकलन, भारत में कोविड-19 महामारी का मनोवैज्ञानिक प्रभाव, का आयोजन किया और भारत में विद्युत कोल्ड चेन उपकरण की जीवनकाल विश्लेषण जैसी कई शोध गतिविधियों का आयोजन किया। एनसीसीवीएमआरसी को कोविड-19 टीकाकरण अभियान शुरू करने से पहले भारत में कोल्ड चेन स्टोरेज स्पेस की उपलब्धता की गणना करने की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। राष्ट्रीय शीत-श्रृंखला और टीका प्रबंधन संसाधन केंद्र को कोविड-19 टीकाकरण अभियान शुरू करने से पहले भारत में कोल्ड चेन स्टोरेज स्पेस की उपलब्धता की गणना करने की जिम्मेदारी सौंपी गई थी।

टीकाकरण पर राष्ट्रीय तकनीकी सलाहकार समूह (एनटीएजीआई)

एनटीएजीआई सचिवालय की स्थापना एनटीएजीआई और एसटीएससी और इसके कार्यकारी समूहों को तकनीकी-प्रबंधकीय सहायता प्रदान करने के लिए 2013 में की गई थी। 09 दिसंबर, 2016 को यह निर्णय लिया गया कि एनटीएजीआई सचिवालय को भारत सरकार द्वारा पूरी तरह से समर्थन दिया जाएगा और राष्ट्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण संस्थान में एनटीएजीआई सचिवालय स्थापित करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान में, सचिवालय ने मई, 2017 से अपना कामकाज फिर से शुरू किया। एनटीएजीआई सचिवालय पर एक वर्ष में दो एनटीएजीआई और चार एसटीएससी बैठकें आयोजित करने की जिम्मेदार है।

राष्ट्रीय कौशल प्रयोगशाला (दक्ष)

भारत सरकार ने योग्यता-आधारित प्रशिक्षण की एक प्रणाली शुरू की है और प्रमाणन कार्यक्रम को कौशल प्रयोगशालाओं के माध्यम से कार्यान्वित किया जाएगा। कौशल प्रयोगशाला स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं के लिए एक प्रोटोटाइप प्रदर्शन और सीखने की सुविधा के रूप में कार्य करता है; और यह योग्यता आधारित प्रशिक्षण पर केंद्रित है। इसकी स्थापना के बाद से 31 मार्च 2021 तक कुल 861 स्वास्थ्य देखभाल पेशेवरों को प्रशिक्षित किया गया है। इसमें से 30 प्रतिभागियों को समीक्षाधीन वर्ष के दौरान 2 बैचों में प्रशिक्षित किया गया।

मातृ एवं शिशु निगरानी सुविधा केंद्र (एमसीटीएफसी)

राष्ट्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण संस्थान (NIHFW) में मातृ एवं शिशु निगरानी सुविधा केंद्र स्थापित किया गया है। यह भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं में सुधार के लिए उठाया गया एक बड़ा कदम है।

31 मार्च, 2021 तक, डेटा सत्यापन, प्रचार और मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं और सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने में सुविधा के लिए एमसीटीएफसी के माध्यम से लाभार्थियों (गर्भवती महिलाओं और नवजात बच्चे के माता-पिता) को 1.22 करोड़ कॉल किए गए हैं। डेटा सत्यापन और उनके प्रश्नों के समाधान के लिए आशा और एएनएम को 12.20 लाख से अधिक कॉल किए गए। 31 मार्च 2021 तक, लाभार्थियों को मातृ एवं शिशु देखभाल पर 63.23 लाख ध्वनि संदेश वितरित किए जा चुके हैं।

सलाहकारी और परामर्श सेवाएं

संस्थान के निदेशक और संकाय सदस्य विभिन्न क्षमताओं में विभिन्न राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय और स्वैच्छिक संगठनों को सलाहकार और परामर्श सेवाएं प्रदान करते हैं। निदेशक और संकाय ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों में भाग लिया।

सुविधाएं

राष्ट्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण संस्थान में हाई-टेक पब्लिक-एड्रेस सिस्टम से लैस 280-सीटर ऑडिटोरियम के अलावा अत्याधुनिक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सुविधा है। आधुनिक शिक्षण-साधनों से सुसज्जित अनेक हॉलों वाला एक विशिष्ट शिक्षण खंड उन प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों के लिए समर्पित है जिनमें एक साथ कई प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित किए जा सकते हैं। छात्रावास एक बार में लगभग 100 मेहमानों को समायोजित कर सकता है। इसमें एक व्यायामशाला, एक बैडमिंटन कोर्ट और आउट-डोर खेलों के साथ-साथ शतरंज, कैरम और टेबल टेनिस इनडोर-गेम की सुविधा के लिए क्रिकेट-सह-फुटबॉल मैदान है

1.0 शिक्षा

संस्थान में विभिन्न प्रकार के शिक्षण कार्यक्रम संचालित किए जाते है। जिसके अंतर्गत, सामुदायिक स्वास्थ्य प्रशासन में तीन वर्षीय स्नातकोत्तर उपाधि (एमडी-सीएचए), स्वास्थ्य प्रशासन में दो वर्षीय स्नातकोत्तर डिप्लोमा (डीएचए), जन स्वास्थ्य प्रबंधन में दूरस्थ शिक्षण माध्यम से एक वर्षीय स्नातकोत्तर डिप्लोमा, एक वर्ष की अवधि के तीन डिप्लोमा पाठ्यक्रम, ई-लर्निंग मोड के माध्यम से एक प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम, पीएचडी कार्यक्रम आदि शामिल हैं।

1.1 शिक्षण

संस्थान ने वित्तीय वर्ष 2019-20 की रिपोर्ट के दौरान निम्नलिखित शिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए:

1.1.1 सामुदायिक स्वास्थ्य प्रशासन में तीन वर्षीय एम.डी.

देश की स्वास्थ्य आवश्यकताओं को पूरा करने तथा उपयुक्त प्रशिक्षित स्वास्थ्य श्रमशक्ति प्रदान करने के प्रयोजन से, संस्थान वर्ष 1969 से सामुदायिक स्वास्थ्य प्रशासन में तीन वर्षीय स्नातकोत्तर उपाधि पाठ्यक्रम एमडी पाठ्यक्रम संचालित कर रहा है। यह पाठ्यक्रम दिल्ली विश्वविद्यालय से संबद्ध है तथा भारतीय चिकित्सा परिषद द्वारा मान्यता प्राप्त है। वर्षों से इस पाठ्यक्रम ने देश में स्वास्थ्य व्यावसायिकों के बीच अत्यंत लोकप्रियता प्राप्त की हैं। कुल 303 छात्रों ने इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण किया है।

2020-2021 के दौरान, तीसरे वर्ष में आठ, दूसरे वर्ष में सात और पहले वर्ष में आठ छात्रों सहित कुल 23 छात्रों ने इस पाठ्यक्रम में भाग लिया।

1.1.2 स्वास्थ्य प्रशासन में दो वर्षीय स्नातकोत्तर डिप्लोमा

इस डिप्लोमा को संस्थान द्वारा वर्ष 1993 में शुरू किया गया। स्वास्थ्य प्रशासन में दो वर्षीय पोस्ट-ग्रेजुएट डिप्लोमा दिल्ली विश्वविद्यालय से भी संबद्ध है तथा मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया द्वारा मान्यता प्राप्त है।

वर्ष 2020-2021 के दौरान, दूसरे वर्ष में दो और पहले वर्ष में तीन छात्रों सहित कुल 5 छात्रों ने इस पाठ्यक्रम में भाग लिया। इस पाठ्यक्रम में कुल 65 छात्र उत्तीर्ण हुए हैं।

1.1.3 जन स्वास्थ्य प्रबंधन में एक वर्षीय स्नातकोत्तर डिप्लोमा

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार (भारत सरकार) तथा पब्लिक हेल्थ फाउंडेशन के सहयोग से संस्थान जन स्वास्थ्य प्रबंधन (पब्लिक हेल्थ मैनेजमेंट) में पोस्ट-ग्रेजुएट डिप्लोमा प्रदान करता है। जीओआई पार्टनर्स द्वारा जनसंख्या और विकास (पीपीडी) में सुविधा प्राप्त दस अंतरराष्ट्रीय छात्रों के लिए फेलोशिप देता है। इसमें राष्ट्रीय स्तर पर वर्ष 2020-21 के लिए भारत से सात छात्रों ने प्रवेश लिया। इस पाठ्यक्रम की शुरुआत के बाद से, 211 छात्रों ने इसे उत्तीर्ण किया है।

1.2 दूरस्थ शिक्षण पाठ्यक्रम

1.2.1 दूरस्थ शिक्षण के माध्यम से स्वास्थ्य और परिवार कल्याण प्रबंधन में विशेषज्ञता के साथ प्रबंधन (कार्यकारी) में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

बैच 2020-21 के लिए 15 महीने की अवधि के साथ 100 वार्षिक प्रवेश हेतु इस पाठ्यक्रम को एआईसीटीई से मान्यता प्राप्त है। पाठ्यक्रम को विशेष रूप से स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली की मौजूदा संरचना और कार्यप्रणाली के बारे में प्रतिभागियों को ज्ञान प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जिसमें इसकी प्रबंधकीय समस्याएं भी शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, इस पाठ्यक्रम में विभिन्न प्रबंधन अवधारणाओं, तकनीकों, उपकरणों और संसाधन प्रबंधन पर चर्चा की जाती है, जो कि चिकित्सा, नर्सिंग, दंत चिकित्सा और आयुष स्नातकों के लिए है। वर्ष 2020-2021 के लिए 39 आवेदकों ने इस पाठ्यक्रम में प्रवेश लिया।

इस पाठ्यक्रम को पूर्व में एक वर्ष की अवधि के साथ स्वास्थ्य और परिवार कल्याण प्रबंधन में डिप्लोमा के रूप में जाना जाता था। वर्ष 2020-21 परीक्षा में 17 परीक्षार्थी उपस्थित हुए, जिनमें से 13 ने सफलतापूर्वक पाठ्यक्रम पूरा कर लिया है। वर्ष 1991-92 से वर्ष 2020-21 तक इस पाठ्यक्रम की शुरुआत के बाद से, 1648 छात्रों को इस डिप्लोमा से सम्मानित किया गया है।

1.2.2 दूरस्थ शिक्षण के माध्यम से अस्पताल प्रबंधन में विशेषज्ञता के साथ प्रबंधन (कार्यकारी) में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

बैच 2020-21 के लिए 15 महीने की अवधि के साथ 300 वार्षिक प्रवेश हेतु इस पाठ्यक्रम को एआईसीटीई से मान्यता प्राप्त है। अस्पताल प्रबंधन में विशेषज्ञता के साथ पोस्ट-ग्रेजुएट डिप्लोमा इन मैनेजमेंट (कार्यकारी) विशेष रूप से अस्पतालों में प्रबंधकीय समस्याओं सहित स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली की मौजूदा संरचना और कामकाज के बारे में प्रतिभागियों को ज्ञान प्रदान करने

के लिए डिज़ाइन किया गया है। इसके अतिरिक्त, इस पाठ्यक्रम में विभिन्न प्रबंधन अवधारणाओं, तकनीकों, उपकरणों और संसाधन प्रबंधन पर चर्चा की जाती है जो चिकित्सा, नर्सिंग, दंत चिकित्सा और आयुष स्नातकों के लिए खुला है। वर्तमान में, 2020-21 लिए 78 आवेदकों का नामांकन किया गया था।
यह पाठ्यक्रम एक वर्ष की अवधि के साथ अस्पताल प्रबंधन में डिप्लोमा के रूप में लोकप्रिय था। इस पाठ्यक्रम की शुरुआत अगस्त 1995 में 100 छात्रों के नामांकन के साथ की गई थी। अब तक 2856 छात्रों ने सफलतापूर्वक इस डिप्लोमा पाठ्यक्रम को पूरा किया है।

2020-21 के दौरान, 110 आवेदक परीक्षा में उपस्थित हुए, जिनमें से 93 ने सफलतापूर्वक पाठ्यक्रम पूरा कर लिया है।

1.2.3 दूरस्थ शिक्षण के माध्यम से स्वास्थ्य संवर्धन में विशेषज्ञता के साथ प्रबंधन (कार्यकारी) में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

बैच 2020-21 के लिए 15 महीने की अवधि के साथ 150 वार्षिक प्रवेश हेतु इस पाठ्यक्रम को एआईसीटीई से मान्यता प्राप्त है। इस पाठ्यक्रम को प्रतिभागियों की जीवन शैली से संबंधित समस्याओं पर केंद्रित ज्ञान प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है तथा यह चिकित्सा, पैरामेडिकल और अन्य हितधारकों के लिए भी है।

पूर्व में स्वास्थ्य संवर्धन डिप्लोमा की मान्यता एक वर्ष की अवधि की थी। यह पाठ्यक्रम अकादमिक वर्ष 2010-11 में शुरू किया गया था। अब तक, 367 छात्रों को यह डिप्लोमा प्रदान किया गया है।

1.2.4 दूरस्थ शिक्षण के माध्यम से अनुप्रयुक्त महामारी विज्ञान में डिप्लोमा

यह पाठ्यक्रम 2015-16 में 100 वार्षिक प्रवेश के साथ 12 महीने की अवधि के लिए शुरू किया गया था। यह पाठ्यक्रम विशेष रूप से विभिन्न महामारी विज्ञान तकनीकों और प्रतिभागियों को महामारी विज्ञान के उपयोग का ज्ञान प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। 2019-20 में, 6 उम्मीदवार परीक्षा में उपस्थित हुए और उनमें से 5 उत्तीर्ण हुए। अब तक कुल 105 उम्मीदवारों ने नामांकन किया है, जिनमें से 65 उत्तीर्ण हुए हैं।

1.2.5 दूरस्थ शिक्षण के माध्यम से जन स्वास्थ्य पोषण में डिप्लोमा

यह पाठ्यक्रम 2015-16 में 100 वार्षिक प्रवेश के साथ 12 महीने की अवधि के लिए शुरू किया गया था। पाठ्यक्रम विशेष रूप से प्रतिभागियों के बीच जन स्वास्थ्य पोषण से संबंधित पोषण विज्ञान की अधिक जागरूकता और समझ उत्पन्न करने के लिए बनाया गया है। 2019-20 में, 9 उम्मीदवार परीक्षा में उपस्थित हुए और उनमें से 6 उत्तीर्ण हुए। कुल 126 आवेदकों ने प्रवेश लिया, जिनमें से 76 ने इस पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक उत्तीर्ण किया है।

2.0 प्रशिक्षण

2.0 प्रशिक्षण

संस्थान में जन-स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विषय पर स्वास्थ्य चिकित्सकों के लिए विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किये जाते हैं। संस्थान द्वारा प्रति वर्ष प्रशिक्षण पाठ्यक्रम (इंट्रा-म्यूरल और एक्स्ट्रा-म्यूरल) आयोजित किए जाते हैं, जिसका उद्देश्य (i) प्रतिभागियों को स्वास्थ्य और परिवार कल्याण कार्यक्रमों के लक्ष्यों और उद्देश्यों से परिचित कराना; (ii) कार्यान्वयन में परिचालन संबंधी कठिनाइयों के बारे में उनके ज्ञान और समझ को अद्यतन करना; और (iii) ऐसी बाधाओं को दूर करने के लिए उपचारात्मक उपायों का सुझाव देना है। इन गतिविधियों का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है:

वित्तीय वर्ष 2020-21 के दौरान संस्थान में 32 प्रशिक्षण पाठ्यक्रम, 2 कार्यशालाएं और 4 बैठकें आयोजित की गई हैं। वित्तीय वर्ष 2020-21 के दौरान प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों की सूची निम्नवत है:

2.1 प्रशिक्षण पाठ्यक्रम

क्रम संख्या.	पाठ्यक्रम का शीर्षक	समन्वयक/नोडल अधिकारी का नाम	अवधि	प्रतिभागियों की संख्या
1.	आरटीआई अधिनियम 2005 पर उन्मुखीकरण	प्रोफ़ेसर मिहिर कुमार मलिक	4 अप्रैल, 2020	30
2.	स्वास्थ्य कर्मियों के लिए जनसांख्यिकीय डेटा विश्लेषण पर ऑनलाइन प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	प्रोफ़ेसर पुष्पांजलि स्वैन	17-21 अगस्त, 2020	16
3.	राष्ट्रीय कौशल प्रयोगशाला प्रशिक्षण	प्रोफ़ेसर नंदिनी सुब्बैया	14-18 सितंबर, 2020	11
4.	महामारी की तैयारी तथा प्रबंधन पर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	प्रोफ़ेसर जयंत दास	21-25 सितंबर, 2020	25
5.	भोपाल, जम्मू एवं कश्मीर, नागपुर, राजकोट, बीबीनगर और मदुरै में स्थापित नए एम्स के उप निदेशक प्रशासन (डीडीए) के लिए सामान्य और अस्पताल प्रशासन पर प्रथम फाउंडेशन प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	प्रोफ़ेसर हर्षद पी. ठाकुर प्रोफ़ेसर संजय गुप्ता	21 सितंबर- 17 अक्टूबर, 2020	6
6.	सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज/सतत विकास लक्ष्यों प्राप्त करने के लिए नर्सिंग तथा मिडवाइफरी के नेतृत्व निर्माण पर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	प्रोफ़ेसर रजनी बग्गा	5-9 अक्टूबर, 2020	59
7.	वैक्सीन और शीत श्रृंखला प्रबंधन पर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम (टी-वीएसीसी)	प्रोफ़ेसर संजय गुप्ता डॉ. सुमित जुनेजा	5- 16 अक्टूबर, 2020	23
8.	एनसीसीवीएमआरसी, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान, नई दिल्ली में आईएलआर, डीएफ़ और वोल्टेज स्टेबलाइजर की मरम्मत और रखरखाव में कोल्ड चेन तकनीशियनों का प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	प्रोफ़ेसर संजय गुप्ता इंजीनियर हितेश कुमार	12- 23 अक्टूबर, 2020	22
9.	नर्सिंग व्यावसायिकों के लिए अनुसंधान पद्धति पर ऑनलाइन प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	प्रोफ़ेसर नंदिनी सुब्बैया	19- 23 अक्टूबर , 2020	79
10.	"एनटीसीपी के प्रशिक्षकों का ऑनलाइन प्रशिक्षण"	प्रोफ़ेसर पूनम खट्टर	2- 10 नवंबर, 2020	23
11.	एपी-इन्फो सॉफ्टवेयर का उपयोग करके सांख्यिकीय विश्लेषण पर ऑनलाइन प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	प्रोफ़ेसर पुष्पांजलि स्वैन	23- 25 नवंबर, 2020	27

12.	"एनटीसीपी के प्रशिक्षकों का ऑनलाइन प्रशिक्षण"	प्रोफ़ेसर हर्षद ठाकुर डॉ पूनम खट्टर	7- 15 दिसंबर, 2020	16
13.	महामारी विज्ञान और जन-स्वास्थ्य में जैव सांख्यिकी के अनुप्रयोग पर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	प्रोफ़ेसर पुष्पांजलि स्वैन प्रोफ़ेसर संजय गुप्ता	14 - 18 दिसंबर, 2020	20
14.	जीवन शैली जन्य रोग तथा स्वास्थ्य संवर्धन पर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम (वर्चुअल मोड)	प्रोफ़ेसर पूनम खट्टर	9 -12 फरवरी, 2021	25
15.	भारत में सुरक्षित मातृत्व के लिए मिडवाइफरी पद्धति के सुदृढ़ीकरण पर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम (वर्चुअल मोड)	प्रोफ़ेसर नंदिनी सुब्बैया	1- 5 फरवरी, 2021	60
16.	भारतीय खाद्य सुरक्षा मानक प्राधिकरण पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	प्रोफ़ेसर संजय गुप्ता	1-12 फरवरी, 2021	95
17.	भारतीय खाद्य सुरक्षा मानक प्राधिकरण पर द्वितीय प्रशिक्षण कार्यक्रम	प्रोफ़ेसर संजय गुप्ता	15- 26 फरवरी, 2021	95
18.	वरिष्ठ अस्पताल प्रशासकों के लिए अस्पताल प्रशासन पर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम (वर्चुअल मोड)	प्रोफ़ेसर मनीष चतुर्वेदी प्रोफ़ेसर संजय गुप्ता	1- 19 फरवरी, 2021	31
19.	आईडीएसपी पर प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण	प्रोफ़ेसर संजय गुप्ता	22-26 फरवरी, 2021	26
20.	स्वास्थ्य व्यावसायिकों हेतु पर्यावरणीय एवं व्यावसायिक स्वास्थ्य पर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम (वर्चुअल मोड)	प्रोफ़ेसर संजय गुप्ता	22- 26 फरवरी, 2021	37
21.	अस्पताल प्रबंधन और राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों के लिए उन्मुखीकरण	एमडी (सीएचए) द्वितीय वर्ष के छात्र	23-26 फरवरी, 2021	70
22.	आर सॉफ्टवेयर का उपयोग करके सांख्यिकीय डेटा विश्लेषण पर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम। (वर्चुअल मोड)	डॉ धर्मेंद्र कुमार यादव	1-3 मार्च, 2021	67
23.	"स्वास्थ्य और परिवार कल्याण में रसद और आपूर्ति प्रबंधन प्रणाली" पर 26 वां प्रशिक्षण पाठ्यक्रम।(वर्चुअल मोड)	प्रोफ़ेसर मनीष चतुर्वेदी	1- 5 मार्च, 2021	21
24.	पाठ्यचर्या डिजाइन पर 40वां प्रशिक्षण पाठ्यक्रम।(वर्चुअल मोड)	प्रोफ़ेसर नीरा धर	3- 5 मार्च 2021	39
25.	"महिला स्वास्थ्य संवर्धन हेतु लिंग आधारित हिंसा और मानवाधिकार" विषय पर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम।(वर्चुअल मोड)	प्रोफ़ेसर मीराम्बिका महापात्रो	15- 17 मार्च, 2021	39
26.	वैज्ञानिक लेखन पर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम (वर्चुअल मोड)।	डॉ रेणु शेहरावत	17- 19 मार्च, 2021	56
27.	"कायाकल्प हेतु मूल्यांकनकर्ता" विषय पर प्रशिक्षण।	प्रोफ़ेसर संजय गुप्ता	18 मार्च, 2021	20
28.	एनएचएम सहित राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों की निगरानी और मूल्यांकन पर 15वां प्रशिक्षण पाठ्यक्रम (वर्चुअल मोड)	प्रोफ़ेसर वी.के. तिवारी	22- 24 मार्च, 2021	24
29.	सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज (यूएचसी) और सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) को प्राप्त करने के लिए नर्सिंग नेतृत्व के निर्माण पर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम(वर्चुअल मोड)	प्रोफ़ेसर रजनी बग्गा	23- 25 मार्च, 2021	33
30.	स्वास्थ्य व्यवसायिकों के लिए मूल अप्रजननशीलता प्रबंधन पर ऑनलाइन प्रशिक्षण पाठ्यक्रम (वर्चुअल मोड)	डॉ. रेणु शेहरावत	24-26 मार्च , 2021	49
31.	दक्ष राष्ट्रीय कौशल प्रयोगशाला (प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण) में प्रशिक्षण।	डॉ. गीतांजलि	22- 27 मार्च 2021	3
32.	भारतीय तकनीकी एवं आर्थिक निगम के अंतर्गत विदेश मंत्रालय के सहयोग से सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज (यूएचसी) तथा सतत विकास लक्ष्य 2021 (एसडीजी) को प्राप्त करने के लिए नर्सिंग नेतृत्व के निर्माण पर वर्चुअल प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	प्रोफ़ेसर हर्षद ठाकुर प्रोफ़ेसर रजनी बग्गा	23-25 मार्च 2021	33

एकीकृत रोग निगरानी कार्यक्रम (आईडीएसपी) पर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम

यह प्रशिक्षण पाठ्यक्रम एनएचएम/आरसीएच, एचआईवी/एड्स, राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रम, प्रजनन जैव-चिकित्सा, वृद्धजनों की स्वास्थ्य देखभाल, टीकाकरण, स्वास्थ्य में सूचना प्रौद्योगिकी, पोषण और जीवन विकार, भौगोलिक सूचना प्रणाली, रसद और आपूर्ति प्रबंधन प्रणाली, स्वास्थ्य प्रबंधन, अस्पताल प्रबंधन, मानव संसाधन प्रबंधन, स्वास्थ्य संचार, प्रशिक्षण प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य संवर्धन, स्वास्थ्य अर्थशास्त्र/स्वास्थ्य वित्तपोषण, सांख्यिकी और जनसांख्यिकी, सामाजिक विज्ञान, किशोर अनुसंधान पद्धति जैसे मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करते हैं।

आरटीआई अधिनियम 2005 पर उन्मुखीकरण

प्रासंगिक कार्य पत्रक की अध्ययन सामग्री की क्षेत्रों के साथ मिलान में महत्वपूर्ण भूमिका थी । प्रशिक्षण के लिए कौशल विकास की आवश्यकता होती है। डमी, मॉडल तथा अन्य प्रशिक्षण सहायता सामग्री का उपयोग करते हुए अभ्यास के लिए 'हैंड्स ऑन ट्रेनिंग' दी गई। शिक्षण के अनुभवों का सहयोग करने के लिए क्षेत्र के दौरे (विजिट) किए गए । अधिकांश प्रशिक्षणों में, प्रशिक्षण की आवश्यकताओं एवं उद्देश्यों के अनुसार 'कार्य योजना' विकसित करने के लिए समयबद्ध योजना तैयार की गई थी ।

शीत श्रृंखला तकनीशियनों के लिए प्रशिक्षण पाठ्यक्रम

2.2 कार्यशालाओं का आयोजन

वित्तीय वर्ष 2020-21 के दौरान आयोजित सम्मेलन/कार्यशालाओं की सूची निम्नवत है:

क्रम संख्या.	पाठ्यक्रम का शीर्षक	समन्वयक/नोडल अधिकारी का नाम	अवधि	प्रतिभागियों की संख्या
1.	राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान के साथ संयुक्त रूप से आयोजित भारतीय जनसंख्या अध्ययन संघ का 41वां वार्षिक सम्मेलन (आईएएसपी)	प्रोफ़ेसर हर्षद ठाकुर प्रोफ़ेसर वी. के. तिवारी	28-30 नवंबर, 2020	400
2.	स्वास्थ्य के लिए मानव संसाधन पर वर्चुअल ग्लोबल संगोष्ठी : विश्व स्वास्थ्य संगठन तथा यूनिसेफ की सहभागिता से भारत में सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज में गति लाने हेतु स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं का इष्टतम उपयोग	प्रोफ़ेसर हर्षद ठाकुर प्रोफ़ेसर रजनी बग्गा (संयोजक) डॉ. मोनिका सैनी (कोर टीम सदस्य)	03-05 दिसंबर 2020	2156

2.2.1 41वां वार्षिक सम्मेलन (आईएएसपी):-

कोविड-19 महामारी के कारण प्रथम बार वर्चुअल प्लेटफॉर्म का उपयोग करते हुए 28-30 नवंबर 2020 के दौरान भारतीय जनसंख्या अध्ययन संघ का 41वां वार्षिक सम्मेलन आयोजित किया गया। सम्मेलन के कार्यक्रम की घोषणा मई 2020 में की गई थी। राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान ने इस सम्मलेन में सह-मेजबानी की। सम्मेलन का विषय 'जनसांख्यिकीय तथा कोविड-19 के स्वास्थ्य पहलू' था। नौ उप-विषयों के अंतर्गत सार आमंत्रित किए गए थे, जिनमें से 8 कोविड-19 से संबंधित थे।

सम्मेलन का उद्घाटन 28 नवंबर 2020 को सुबह 10:00 बजे प्रो हर्षद ठाकुर, निदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान द्वारा किया गया। डॉ केवीआर सुब्रह्मण्यम, कोषाध्यक्ष,

आईएएसपी (आईपीसी) ने अतिथियों का स्वागत किया। प्रो. हर्षद ठाकुर ने उद्घाटन भाषण दिया। डॉ यू वी सोमयाजुलु ने आईएएसपी का सभापति के रूप में भाषण दिया। प्रो. हर्षद ठाकुर, निदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान ने सम्मेलन ई स्मारिका का विमोचन किया। डॉ. अर्जेंटीन ने आईएएसपी की पुन: डिज़ाइन की गई नई वेबसाइट जारी की। डॉ. वी के तिवारी, महासचिव, आईएएसपी ने प्रो. श्रीनिवासन पुरस्कार और प्रो. केबी पाठक पुरस्कार की घोषणा की। प्रो. सुरेश शर्मा, कोषाध्यक्ष आईएएसपी ने धन्यवाद प्रस्ताव रखा। उन्होंने वित्तीय सहायता के लिए यूएनएफपीए और आईएचएटी को धन्यवाद दिया तथा आईएएसपी के साथ सहयोग करने के लिए राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान को धन्यवाद दिया।

कुल 124 सारांश प्राप्त हुए जिन्हें वरिष्ठ जनसांख्यिकीविदों द्वारा इन सारांशों का ब्लाइंड-रिव्यू किया गया

लगभग 70 पेपर मौखिक के लिए और 29 पोस्टर प्रस्तुति के लिए स्वीकार किए गए थे।

भारतीय जनसंस्था अध्ययन संघ का 41वां वार्षिक सम्मेलन

सम्मेलन का समापन सत्र 30 नवंबर,2020 को आयोजित किया गया जिसमें प्रो वी के तिवारी ने अतिथियों और सत्र के प्रतिभागियों का स्वागत किया। आईएएसपी के अध्यक्ष डॉ यू वी सोमयाजुलु द्वारा उद्घाटन भाषण दिया गया। राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान के निदेशक प्रोफेसर हर्षद ठाकुर ने सभा को संबोधित किया। डॉ. एस अनिल चंद्रन ने सम्मेलन की संक्षिप्त रिपोर्ट प्रस्तुत की। मुख्य अतिथि डॉ ओंकार राय, डीजी, एसटीपीआई ने समापन भाषण दिया। प्रोफ़ेसर वी के तिवारी ने पोस्टर पुरस्कारों की घोषणा की. अंत में प्रो सुरेश शर्मा ने धन्यवाद प्रस्ताव रखा।

2.2.2. स्वास्थ्य के लिए मानव संसाधन पर वर्चुअल वैश्विक संगोष्ठी: भारत में सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज में गति लाने हेतु स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं का इष्टतम उपयोग

स्वास्थ्य के लिए मानव संसाधन पर दो दिवसीय संगोष्ठी: भारत में सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज में तीव्रता लाने के लिए 'स्वास्थ्य कार्यबल का अनुकूलन' विषय पर 03-04 दिसंबर 2021 को यूनिसेफ और डब्ल्यूएचओ की साझेदारी में आयोजित किया गया था। ईसीएचओ इंडिया ने इस संगोष्ठी को आयोजित करने के लिए वर्चुअल साझेदारी का विस्तार किया। संगोष्ठी की घोषणा को चारों ओर से अच्छी प्रतिक्रिया मिली और दो दिनों के कार्यक्रम में भाग लेने के लिए कुल 2156 प्रतिभागियों ने पंजीकरण कराया।

इस सत्र में देश के मौजूदा स्वास्थ्य देखभाल कार्यबल को गति प्रदान करने के लिए एचआरएच चुनौतियों, नेतृत्व और शासन, नर्सिंग और मिडवाइफरी सुदृढ़ीकरण, परिवर्तनकारी शिक्षा विषय पर सीखने हेतु कई अनुभव सम्मिलित थे

इस बहुमूल्य सत्र में दो प्रमुख संबोधन तथा चार विस्तृत प्रस्तुतियों की अध्यक्षता तथा सह-अध्यक्षता अत्यधिक प्रतिष्ठित एवं प्रशंसित विशेषज्ञ जैसे प्रो. वी. के. पॉल, श्री मनोज झालानी, प्रो. एस. डी. गुप्ता, डॉ. एस. के. सिकंदर, सुश्री प्रीति सूदन, प्रो. एम.सी. मिश्रा, मिस्टर लुइगी डी'क्विनो, प्रो. राजीव दास गुप्ता, डॉ. मंजू छुगानी, डॉ. लीला कालेब वेर्की, डॉ. निपुण विनायक द्वारा की गई।

संगोष्ठी के अपेक्षित परिणाम के अनुरूप, भारत सरकार को सुझाव देने के लिए, एचआरएच को मजबूत करने तथा यूएचसी और एसडीजी से संबंधित लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में एचआरएच की रिपोर्ट कार्रवाई हेतु मुख्य परिणाम के रूप में '*सात कॉल की पहचान*' करने के लिए समाप्त हुई और यूएचसी की प्रतीकात्मक छतरी के नीचे चित्रित की गई है।

2.3 बैठकें:- एसएफसी/जीबी/पीएसी/आईआरबी

वित्तीय वर्ष 2020-21 के दौरान आयोजित बैठकों की सूची निम्नवत है:

क्रम संख्या.	बैठक का शीर्षक	समन्वयक/नोडल अधिकारी का नाम	अवधि	प्रतिभागियों की प्रकृति
1.	62 स्थायी वित्त समिति	निदेशक	14 अगस्त 2020	सचिव (स्वास्थ्य मंत्रालय), ए एस तथा एफए, जीएचएस, जे एस (प्रशिक्षण), निदेशक रास्वापक संस्थान
2.	कार्यक्रम सलाहकार समिति	निदेशक	11 दिसंबर, 2020	संकाय सदस्य, चिकित्सा अधिकारी और अनुसंधान अधिकारी
3.	40 शासी निकाय	निदेशक	18 फरवरी 2021	माननीय केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री, जीबी सदस्य, निदेशक रास्वापक संस्थान
4.	संस्थागत समीक्षा बोर्ड की बैठक	डॉ. मीराम्बिका महापात्रो	04 मार्च 2021	सभी आईआरबी सदस्य, डीन ऑफ स्टडीज और विभिन्न परियोजनाओं के प्रमुख अन्वेषक

कार्यक्रम सलाहकार समिति की मध्यावधि बैठक

2.4 आयोजित वेबिनार

वित्तीय वर्ष 2020-21 के दौरान संस्थान द्वारा आयोजित कोविड-19 महामारी से संबंधित वेबिनार की सूची निम्नवत है::

क्रम संख्या	वेबिनार का शीर्षक	समन्वयक	तिथि	प्रतिभागियों की संख्या
1.	कोविड-19 महामारी के प्रतिउत्तर में सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकालीन प्रबंधन	प्रोफ़ेसर मनीष चतुर्वेदी	5 जून 2020	198
2.	कोविड-19 प्रबंधन के दौरान स्वास्थ्य देखभाल प्रदाताओं के बीच बढ़ता तनाव: चुनौतियाँ और निवारक रणनीतियाँ	प्रो. रजनी बग्गा	19 जून 2020	200

3.	वर्तमान परिवार नियोजन कार्यक्रम की सफलताएँ और चुनौतियाँ तथा भविष्य के लिए दृष्टिकोण	डॉ राजेश कुमार (पाथ फाइंडर इंटरनेशनल के साथ संयुक्त रूप से)	21 जुलाई 2020	102
4.	स्वस्थ विश्व के निर्माण के लिए स्तनपान को प्रोत्साहित करें	प्रोफ़ेसर नंदिनी सुब्बैया	8 अगस्त 2020	135
5.	जन स्वास्थ्य संस्थान: कोविड-19 की प्रतिक्रिया में मुद्दे और चुनौतियां	प्रोफ़ेसर मनीष चतुर्वेदी	21 अगस्त 2020	212
6.	हाल ही में फैली महामारी के दौरान वृद्धजनों के स्वास्थ तथा स्वास्थ्य प्रणालियों की प्रतिक्रिया	डॉ. ए.एम. एलिज़ाबेथ डॉ. जे.पी. शिवदासानी डॉ. किरण रंगारी डॉ. रमेश गंदोत्रा डॉ. शेरिन राज टी.पी	22 अगस्त 2020	192
7.	कोविड-19 की प्रतिक्रिया में सीबी-पीएचईएम् समन्वयक प्रकोष्ठ के अंतर्गत वेबिनार	प्रोफ़ेसर मनीष चतुर्वेदी	28 अगस्त 2020	208
8.	अभिगम एवं विकल्प को बढ़ावा देने के लिए, जन स्वास्थ्य प्रणाली के अंतर्गत प्रतिवर्ती गर्भनिरोधक की एक नई विधि शुरू करने में सफलताएं और चुनौतियां	डॉ राजेश कुमार (पाथ फाइंडर इंटरनेशनल के साथ संयुक्त रूप से)	4 सितंबर 2020	120
9.	बच्चों एवं उनकी उपचर्या प्रबंधन पर कोविड-19 का प्रभाव	प्रोफ़ेसर नंदिनी सुब्बैया	12 सितंबर 2020	260

2.5 ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम

विभिन्न शिक्षण पाठ्यक्रमों के अतिरिक्त, विश्वविद्यालयों के छात्रों को संस्थान में विभिन्न क्षेत्रों जैसे जैव-प्रौद्योगिकी, जैव-रसायन, सार्वजनिक स्वास्थ्य आदि में अपने ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण को आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

संस्थान के विभिन्न विभागों में 6 छात्रों ने अपने अल्पकालिक ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण पाठ्यक्रम पूरे किए।

3.0 अनुसंधान एवं मूल्यांकन

संस्थान स्वास्थ्य और परिवार कल्याण के विभिन्न पहलुओं में अनुसंधान कार्य को प्राथमिकता देता है। संस्थान में एक अकादमिक समिति और एक उच्च स्तरीय कार्यक्रम सलाहकार समिति है जिसमें पूरे भारत के प्रख्यात विशेषज्ञ शामिल हैं। शैक्षणिक प्रयासों में गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए इन समितियों द्वारा संस्थान की सभी शैक्षिक और अनुसंधान गतिविधियों की जांच की जाती है और संबद्ध विचार-विमर्श भी किया जाता है। इसके अलावा, प्रत्येक शोध प्रस्ताव को संस्थान के नैतिक समीक्षा बोर्ड के समक्ष रखा जाता है जिसमें नैतिक और अन्य प्रासंगिक मुद्दों को देखने के लिए स्वास्थ्य, अनुसंधान और प्रासंगिक तकनीकी पृष्ठभूमि के शिक्षाविद शामिल होते हैं।

संस्थान भारत सरकार द्वारा शुरू की गई विभिन्न गतिविधियों और राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों का मूल्यांकन अध्ययन करता है।

3.0 अनुसंधान और मूल्यांकन

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान, संस्थान 24 शोध अध्ययनों में शामिल रहा। इन शोध अध्ययनों में से 16 पूरे हो चुके हैं। इसमें एम.डी. (सीएचए) के छात्रों द्वारा किए गए 5 अध्ययन शामिल हैं। शेष 08 चल रहे हैं।

3.1 पूर्ण अनुसंधान अध्ययन

3.1.1 भारतीय निवासियों के बीच कोविड-19 के प्रति ज्ञान, दृष्टिकोण और व्यवहार का आकलन करने के लिए

(प्रधान अन्वेषक- प्रो. संजय गुप्ता सह अन्वेषक- डॉ स्नेहिल, डॉ. सुमित, श्री शशि)
सामान्य उद्देश्य

कोविड-19 और इसकी रोकथाम के प्रति भारतीय निवासियों के ज्ञान, दृष्टिकोण और व्यवहार का आकलन करना।

विशिष्ट उद्देश्य

1. कोविड-19 और इसकी रोकथाम के प्रति भारतीय निवासियों के ज्ञान, दृष्टिकोण और व्यवहार को प्रभावित करने वाले कारकों का आकलन करना
2. भारतीय निवासियों के बीच कोविड-19 की ओर आरोग्य सेतु ऐप सहित विभिन्न निवारक उपायों के उपयोग का आकलन करना
3. भारतीय निवासियों के बीच कोविड--19 से संबंधित मिथकों और मान्यताओं का वर्णन करना

4. गैर-आवश्यक श्रमिकों के साथ आवश्यक कार्यकर्ता के ज्ञान, दृष्टिकोण और प्रथाओं की तुलना करना । आईईसी और प्रशिक्षण सामग्री विकसित करने के लिए संबंधित अधिकारियों को साक्ष्य आधारित सिफारिशें प्रदान करना।

अध्ययन योजना

इसके अंतर्गत एक ऑनलाइन क्रॉस सेक्शनल अध्ययन आयोजित किया गया था क्योंकि लॉकडाउन अवधि के दौरान समुदाय आधारित अध्ययन करना संभव नहीं था। प्रश्नावली को उपयोगकर्ता के अनुकूल, मुफ्त उपलब्ध प्लेटफॉर्म जैसे कोबो संग्रहण का उपयोग करके विकसित किया गया था और विभिन्न ऑनलाइन और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म जैसे व्हाट्सएप, फेसबुक, ट्विटर, ई-मेल आदि का उपयोग करके वितरित किया गया था। डेटा संग्रह के लिए ऑनलाइन टूल को राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान के विभिन्न नेटवर्क जैसे ईवीएम समूहों में साझा किया गया था। टी-वीएसीसी समूह, कोल्ड चेन तकनीशियन समूह, राज्य स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान समूह, एनसीसीएमआईएस समूह आदि।

परिणाम का सारांश

अध्ययन की अवधि जून, 2020 के महीने में दस दिनों के लिए थी। विभिन्न राज्यों में, कुल 822 व्यक्तियों ने ऑनलाइन सर्वेक्षण में भाग लिया। प्रतिभागी देश के 25 राज्यों या केंद्र शासित प्रदेशों से संबंधित थे, जिनमें से अधिकतम प्रतिनिधित्व दिल्ली 144 (17.5%) और बिहार (10%) से था।

कोविड-19 के प्रति ज्ञान

रोग महामारी विज्ञान, इसकी रोकथाम और उपचार पर 16 प्रश्नों पर अध्ययन प्रतिभागियों के ज्ञान का मूल्यांकन किया गया था। प्रतिभागियों का औसत ज्ञान स्कोर 16 में से 9.27 रहा। बाजारों, रेलवे स्टेशनों जैसे भीड़-भाड़ वाले स्थानों पर जाने से बचने और सार्वजनिक परिवहन (95%) लेने से बचने के माध्यम से कोविड-19 द्वारा संक्रमण की रोकथाम के बारे में ज्ञान सबसे अधिक पाया गया।

इसके बाद प्रारंभिक पहचान और उपचार (92%) के माध्यम से संक्रमण से उबरने के बारे में जानकारी दी गई।

कोविड -19 के प्रति रवैया और व्यवस्था पर भरोसा

अधिकांश उत्तरदाताओं का भारत में कोविड -19 की रोकथाम और नियंत्रण के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण था। 44% पूरी तरह से और 36% कुछ हद तक इस बात से सहमत हैं कि भारत में

कोविड -19 महामारी को नियंत्रित किया जाएगा। अधिकांश यानी 95%, 98% और 99% पूरी तरह से या कुछ हद तक इस बात से सहमत हैं कि सार्वजनिक लॉकडाउन, बार-बार हाथ धोना और सामाजिक दूरी क्रमशः महामारी की रोकथाम और नियंत्रण के लिए प्रभावी उपाय हैं।

कोविड-19 से संबंधित अभ्यास

अधिकांश उत्तरदाताओं (92%) ने हमेशा घर से बाहर निकलते समय मास्क पहनने और खांसते/छींकते समय मुंह ढकने (94%) की प्रथा का पालन किया। 70% उत्तरदाताओं ने हमेशा बिना हाथ धोए आंख, नाक और मुंह को छूने से परहेज किया।

आरोग्य सेतु एप्लिकेशन की जागरूकता और उपयोग

भारी बहुमत (784, 95%) ने आरोग्य सेतु ऐप के बारे में सुना था। उत्तरदाताओं में से तीन चौथाई (77%) से अधिक लोग ऐप का उपयोग कर रहे थे। जिन प्रतिभागियों को ऐप के बारे में जानकारी थी उनमें (784), 638 (81%) ऐप का इस्तेमाल कर रहे थे। कुल उत्तरदाताओं में से, 551 (67%) ने इसे उपयोगी पाया और 10% ने इसे उपयोगी नहीं पाया।

नीति क्रियान्वयन

यह अध्ययन नीति निर्माताओं और स्वास्थ्य प्रबंधकों को भारतीय निवासियों के व्यवहार संबंधी मंशा को समझने और कोविड -19 की रोकथाम और स्वास्थ्य शिक्षा के लिए लक्षित आबादी को बेहतर तरीके से पहचानने में मदद कर सकता है।

3.1.2 भारत में कोविड-19 महामारी के मनो-वैज्ञानिक प्रभाव को समझना

(प्रधान अन्वेषक- प्रो. संजय गुप्ता सह अन्वेषक- डॉ अर्पिता गुप्ता, डॉ. स्नेहिल कुमार, श्री हरकेश सिंह)

सामान्य उद्देश्य

कोविड-19 महामारी के कारण लगाए गए लॉकडाउन के कारण भारत की सामान्य आबादी के मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभावों का पता लगाने के लिए और यह विभिन्न अन्य सामाजिक-जनसांख्यिकीय और रोग संबंधी कारकों से कैसे संबंधित है।

विशिष्ट उद्देश्य

- अध्ययन के उत्तरदाताओं में सामाजिक-जनसांख्यिकीय विशेषताओं का आकलन करने के लिए।
- अध्ययन के उत्तरदाताओं में संबद्ध जोखिम कारकों का आकलन करने के लिए।

- डीएएसएस-21 प्रश्नावली का उपयोग करते हुए अध्ययन के उत्तरदाताओं में अवसाद, चिंता और तनाव के जोखिम का आकलन करने के लिए।
- अध्ययन उत्तरदाताओं के बीच लॉकडाउन से जुड़े औचित्य, अनुपालन और कठिनाइयों को समझना
- बुजुर्ग आबादी (>60 वर्ष) में अन्य कारकों के संबंध में अवसाद, चिंता और तनाव के जोखिम को समझना।

अध्ययन डिजाइन और अध्ययन जनसंख्या

शोध अध्ययन एक वेब आधारित सर्वेक्षण पद्धति का उपयोग करके किया गया था, जहां डेटा संग्रह उपकरण के रूप में गूगल प्रपत्रों का उपयोग किया जाता था। प्रश्नावली (सर्वेक्षण) का ऑनलाइन लिंक संस्थान की वेबसाइट और राष्ट्रीय शीत-श्रृंखला और टीका प्रबंधन संसाधन केंद्र वेबसाइट पर होस्ट किया गया था।

सम्मिलित करने के मापदंड

भारत में रहने वाले सभी भारतीय नागरिक, जिनकी आयु 18 वर्ष से अधिक थी, शामिल थे। सभी भाग लेने के लिए सहमत हैं।

अध्ययन से बाहर रखने की शर्त

जिन लोगों ने भाग लेने के लिए सहमति नहीं दी, उन्हें अध्ययन से बाहर रखा गया

डेटा संग्रह: अवधि मई से जून 2020 तक थी

इस अध्ययन में दो प्रश्नावलियों का उपयोग एक संयुक्त रूप किया गया था :

i) सामान्य प्रश्नावली: डेटा संग्रह के लिए सामाजिक-जनसांख्यिकीय विशेषताओं और कोरोनावायरस संक्रमण से जुड़े कुछ जोखिम कारकों का आकलन करने के लिए एक अर्ध-संरचना प्रश्नावली का उपयोग किया गया था। प्रश्नावली में ऐसे खंड भी थे जो उत्तरदाताओं की लॉकडाउन, लॉकडाउन व्यवहार (कठिनाई और अनुपालन सहित) के औचित्य के साथ-साथ सामाजिक आर्थिक प्रभाव की समझ का आकलन करते थे।

ii) डीएएसएस-21 प्रश्नावली: अध्ययन उत्तरदाताओं में अवसाद, चिंता और तनाव के जोखिम का आकलन करने के लिए1. भारत में पिछले अध्ययनों में इस्तेमाल की गई डीएएसएस - 21 प्रश्नावली पहले से ही अंग्रेजी और हिंदी में पूर्व-मान्य थी।

डेटा विश्लेषण:

राष्ट्रीय शीत-श्रृंखला और टीका प्रबंधन संसाधन केंद्र की इन-हाउस एमआईएस टीम ने डिजिटल टूल बनाया है। गूगल फॉर्म में कैप्चर किए गए डेटा को एक्सेल शीट में बदल दिया गया और फिर उसका विश्लेषण किया गया।

परिणाम का सारांश

अंतिम विश्लेषण कुल 1542 उत्तरदाताओं का किया गया था।

कई उत्तरदाताओं द्वारा कई जोखिम कारकों की सूचना दी गई है। कुल मिलाकर, 20.7% (एन= 399) को मधुमेह, उच्च रक्तचाप, सीओपीडी, अस्थमा, कैंसर या गुर्दे की बीमारी जैसी कुछ पुरानी बीमारियाँ थीं, जबकि अन्य 79.3% (एन= 1223) को उनमें से कोई भी नहीं थी। उनमें से कुछ, लगभग 3.6% (एन= 56) ने पिछले एक महीने में बुखार या खांसी के इतिहास की सूचना दी, जबकि बाकी 96.4% (एन= 1486) का ऐसा कोई इतिहास नहीं था। उत्तरदाताओं के 3.2% (एन= 50) में पुष्टि या संदिग्ध मामले के साथ निकट संपर्क का इतिहास मौजूद था और शेष 96.8% (N=1492) का ऐसा कोई संपर्क का इतिहास नहीं था। केवल 2.2% (एन= 34) को घर या संस्थान में क्वारंटाइन स्टैम्प प्राप्त हुआ था, जबकि बाकी 97.8% (एन= 1508) को कोई क्वारंटाइन स्टैम्प प्राप्त नहीं हुआ था। अवसाद के तहत, सामान्य के रूप में वर्गीकृत उत्तरदाताओं का अनुपात 66.1% (एन= 1019) था, 10.6% (एन= 163) को हल्के, 13.4% (एन= 206) के साथ मध्यम, 4% (एन= 61) के साथ गंभीर और 6% (एन= 93) के साथ अत्यंत गंभीर अवसाद के रूप में वर्गीकृत किया गया है। तनाव के साथ, सामान्य के रूप में वर्गीकृत उत्तरदाताओं का अनुपात 75.4% (एन= 1162) था और बाकी विभिन्न स्तरों के तनाव के साथ, जैसे 7.6% (एन= 117) उत्तरदाताओं को हल्के, साथ 8% (एन= 123) उत्तरदाताओं को मध्यम, 5.6% (एन= 87) उत्तरदाताओं को गंभीर तथा केवल 3.4% (एन= 53) उत्तरदाताओं को अत्यधिक गंभीर तनाव था। चिंता करने वाले उत्तरदाताओं में, 73.8% (एन= 1138) गंभीर चिंता वाले, 6.2% (एन= 95) सामान्य चिंता वाले, 11.1% (एन= 171) मध्यम चिंता वाले, 4.1% (एन= 63) गंभीर चिंता वाले तथा ४.९% (एन= 75) अत्यंत गंभीर चिंता करने वाले उत्तरदाता थे।

नीति क्रियान्वयन

इस अध्ययन के परिणाम नीति निर्माताओं को भारतीय नागरिकों के मनोवैज्ञानिक स्वास्थ्य की ओर आवश्यक ध्यान आकर्षित करने के लिए साक्ष्य प्रदान करते हैं।

- सरकार प्रकोप के दौरान व्यक्तियों को भावनात्मक समर्थन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से सामाजिक कार्यक्रम तैयार कर सकती है, विशेष रूप से अलगाव में रहने वालों के लिए।

- चिंता को कम करने के लिए अन्य पुरानी बीमारियों से निपटने वालों के लिए विशेष परामर्श सत्रों पर जोर देने की आवश्यकता है।
- निष्कर्ष कार्यक्रम प्रबंधकों को वर्तमान महामारी से जुड़े मानसिक स्वास्थ्य पहलुओं में सुधार के लिए विशिष्ट हस्तक्षेप तैयार करने में मदद कर सकते हैं।

3.1.3 देश में टीकाकरण कार्यक्रम प्रबंधकों के लिए आयोजित किए जा रहे आभासी प्रशिक्षण की स्वीकार्यता और व्यवहार्यता, प्रमुख चुनौतियों और प्रभावशीलता का आकलन करना

(प्रधान अन्वेषक-प्रो. संजय गुप्ता, सह-अन्वेषक- डॉ अर्पिता गुप्ता, डॉ. सुमीत जुनेजा, डॉ स्नेहिल कुमार, श्री शशिकांत रे और श्री राकेश कुमार)

सामान्य उद्देश्य

देश में टीकाकरण कार्यक्रम प्रबंधकों के लिए आयोजित किए जा रहे आभासी प्रशिक्षण की स्वीकार्यता और व्यवहार्यता, प्रमुख चुनौतियों और प्रभावशीलता का आकलन करना।

विशिष्ट उद्देश्यों

- आभासी पाठ्यक्रम की स्वीकार्यता और व्यवहार्यता का आकलन करना।
- आभासी प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित करते समय प्रतिभागियों और प्रशिक्षकों के सामने आने वाली प्रमुख चुनौतियों की पहचान करना।
- वस्तुतः प्रशिक्षित होने पर प्रतिभागियों की मुख्य दक्षताओं में परिवर्तन का आकलन करना।
- भविष्य के आभासी प्रशिक्षण बैचों में सुधार के लिए साक्ष्य-आधारित सिफारिशें तैयार करना।

अध्ययन डिजाइन (संक्षेप में)

नमूना: उद्देश्यपूर्ण नमूनाकरण किया गया है और टी-वीएसीसी के पहले आभासी बैच में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों को अध्ययन में शामिल किया गया था। पहले आभासी प्रशिक्षण बैच का हिस्सा बनने के लिए टी-वीएसीसी प्रशिक्षण आयोजित करने की रणनीतिक योजना के अनुसार कुछ राज्यों का चयन किया गया है। इनमें एमपी, छत्तीसगढ़, गुजरात, उड़ीसा, महाराष्ट्र और झारखंड शामिल हैं।

डेटा संग्रह/परिणाम आकलन

प्रतिभागियों को एनसीसीवीएमआरसी वेबसाइट पर होस्ट किए गए टी-वीएसीसी पाठ्यक्रम के लिए विकसित एक आईटी एप्लिकेशन का उपयोग करके डेटा संग्रह प्रपत्र प्रशासित किए गए थे। गुणात्मक डेटा को आभासी प्रशिक्षण की प्रक्रिया का विश्लेषण करके और पाठ्यक्रम के बारे में प्रतिक्रिया एकत्र करके (ओपन एंडेड प्रश्नावली का उपयोग करके) एकत्र किया गया था।

डेटा विश्लेषण

टी-वीएसीसी प्रशिक्षण सॉफ्टवेयर में डेटा कैप्चर किया गया था, जो पहले से ही एनसीसीवीएमआरसी द्वारा उपयोग किया जा रहा है।

परिणाम का सारांश

उत्तरदाताओं की पृष्ठभूमि

उनकी औसत आयु 49.7 वर्ष थी। उनमें से अधिकांश, यानी 23 में से 19 (82.6%) जिला टीकाकरण अधिकारी थे और केवल 17.4% राज्य के अधिकारी थे। वैक्सीन और कोल्ड चेन प्रबंधन में उनके अनुभव का औसत वर्ष 5 वर्ष था। प्रशिक्षण के दौरान उन्होंने जिस प्रकार के उपकरण का इस्तेमाल किया, उनमें से 82.6% ने लैपटॉप या डेस्कटॉप का इस्तेमाल किया, 13% ने मोबाइल फोन का इस्तेमाल किया और केवल 4.3% ने टैबलेट का इस्तेमाल किया। उनमें से 69.6% को टीकाकरण में आभासी प्रशिक्षण का पिछला अनुभव है।

प्रमुख चुनौतियां /कथित बाधाएं

वर्चुअल ट्रेनिंग के लिए तकनीकी सहायता से संबंधित कुल 35 सपोर्ट कॉल थे। कॉल मुख्य रूप से तकनीकी चुनौतियों से संबंधित हैं, जैसे खराब कनेक्टिविटी, कोर्स असाइनमेंट पूरा करने के लिए आवश्यक सहायता, ऐप लोड नहीं हो रहा है, और पाठ्यक्रम सामग्री को नेविगेट करने से संबंधित चुनौतियां।

स्वीकार्यता और व्यवहार्यता (संगीत उपकरण)

पूरे डोमेन में औसत स्कोर आम तौर पर 5 या उससे अधिक (प्रत्येक डोमेन के लिए अधिकतम 6 के स्कोर में से) था, यह दर्शाता है कि प्रतिभागियों ने व्यवहार्यता, स्वीकार्यता और अपनाने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों को अनुकूल रूप से रेट किया है। केवल कुछ क्षेत्रों में, स्कोर 5 से कम थे, जिसमें प्रतिभागियों को स्व-गति से और अपने तरीके से सीखने की स्वतंत्रता शामिल थी।

नीति क्रियान्वयन

- चूंकि, प्रतिभागियों ने अपनी गति तय करने की स्वतंत्रता पर प्रशिक्षण को निम्न दर्जा दिया है, एनसीसीवीएमआरसी-एनआईएचएफडब्ल्यू प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का एक मिश्रित रूप तैयार कर सकता है, जिसमें स्व-गति और सुविधा के नेतृत्व वाले प्रशिक्षण का मिश्रण होता है।
- लाभों को देखते हुए, आभासी प्रशिक्षण पद्धति महामारी के बाद भी टिकाऊ हो सकती है।

3.1.4 अंतरराष्ट्रीय यात्रियों के लिए पीओई में एपीएचओ, पीएचओ और एलएचबी इकाइयों का मूल्यांकन (अंतर्राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रभाग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय)

(प्रमुख अन्वेषक- प्रो. वी. के. तिवारी सह-अन्वेषक- डॉ. रमेश गंदोत्रा, डॉ. ए एम एलिजाबेथ, डॉ. शेरिन राज और श्री बच्चू सिंह)

सामान्य उद्देश्य

मौजूदा एपीएचओ/पीएचओ/एलएचयू को प्रवेश बिंदु पर मजबूत करने के लिए 12वीं पंचवर्षीय योजना के तहत प्राप्त धन के साथ योजना में प्राप्त भौतिक और वित्तीय प्रगति का आकलन करना।

विशिष्ट उद्देश्य

1. एपीएचओ, पीएचओ और एलएचयू द्वारा की गई विभिन्न गतिविधियों का आकलन करना।
2. योजना के तहत मानदंडों के अनुसार मानव संसाधन की उपलब्धता का आकलन करना।
3. योजना के तहत सृजित सुविधाओं और उपकरणों का आकलन करना।
4. योजना के तहत बजट की उपलब्धता और किए गए खर्च का आकलन करना।
5. योजना के बेहतर क्रियान्वयन के लिए विभिन्न उपायों की सिफारिश करना और भविष्य में विस्तार के लिए सिफारिश करना।

अध्ययन योजना

डेटा संग्रह उपकरण का एपीएचओ, इन्दिरा गांधी एयरपोर्ट दिल्ली में परीक्षण किया गया था। अनुसंधान ने प्रमुख अधिकारियों के साथ अर्ध-संरचित साक्षात्कार की एक श्रृंखला के साथ-साथ आईएच डिवीजन के साथ उपलब्ध डेटा के संग्रह सहित मिश्रित पद्धति दृष्टिकोण को नियोजित किया।

परिणाम का सारांश

तकनीकी जनशक्ति, संगरोध और अलगाव सुविधाओं और उपकरणों द्वारा सभी अंतरराष्ट्रीय प्रवेश बिंदुओं को आईएचआर (2005) के अनुरूप बनाने के लिए, 12 वीं पंचवर्षीय योजना के तहत, मौजूदा इकाइयों को मजबूत करने और 29 नई इकाइयों की स्थापना को कुल 226.73 करोड़ की लागत के साथ 2015 में अनुमोदित किया गया था। इस योजना के लिए अतिरिक्त पदों के निर्माण, आरआर के अनुमोदन और शिपिंग मंत्रालय, नागरिक उड्डयन और भारतीय भूमि बंदरगाह प्राधिकरण (एलपीएआई) द्वारा अंतरिक्ष आवंटन की आवश्यकता है।

चौबीसों घंटे नियमित सेवाएं सुनिश्चित करना:

(i) यह पाया गया है कि कोविड-19 महामारी के दौरान, किसी विशेष स्थान पर पीएचईआईसी के लिए विशिष्ट उपायों की आवश्यकता के अनुसार पीओई में विशिष्ट कार्यभार के अनुसार फ्लोटिंग पोस्ट का उपयोग किया गया था।

(ii) एमईआरएस-सीओवी, जीका और अन्य संभावित पीएचईआईसी घटनाओं की निगरानी वर्तमान में लगभग सभी मौजूदा सुविधाओं पर की जाती है लेकिन कुछ नई स्थापित सुविधाओं में प्रदर्शन की कमी थी।

(iii) प्रशासन, निगरानी और मूल्यांकन का समर्थन करने के लिए और सभी पीओई में आईएचआर के समान कार्यान्वयन के लिए तकनीकी मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए, डीजीएचएस में मुख्यालय इकाई डीडीजी (आईएच) के तहत स्थापित की गई है जिससे सूचना और तकनीकी और वित्तीय पर्यवेक्षण का उचित रिकॉर्ड सक्षम हो गया है।

(iv) डीजीएचएस में प्रावधानित डेटा संकलन, डेटा प्रबंधन सहित पर्यवेक्षण, निगरानी, योजना और प्रशासन के लिए विशिष्ट तकनीकी जनशक्ति जो अंतरराष्ट्रीय चिंताओं की सार्वजनिक स्वास्थ्य आपात स्थिति के दौरान सभी इकाइयों को कार्यात्मक बना सकती है।

पीएचईआईसी (PHEIC) के दौरान, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में पी एचआईएच डिवीजन ने अतिरिक्त सार्वजनिक स्वास्थ्य उपाय किए हैं जैसे-प्रवेश/निकास के बिंदुओं पर आने वाले/जाने वाले यात्रियों की स्क्रीनिंग, संदिग्धों के अलगाव और संगरोध, प्रभावित यात्रियों के लिए उपायों की योजना बनाना, अन्य हस्तक्षेप के साथ गैर की सुरक्षा करते हुए वाहन और कार्गो -प्रभावित यात्रियों और यातायात और व्यापार में नियमित सार्वजनिक स्वास्थ्य उपायों के पर्यवेक्षण और निगरानी के लिए खाद्य सुरक्षा, वेक्टर नियंत्रण और कीटाणुशोधन में तकनीकी विशेषज्ञता को और मजबूत किया गया।

एपीएचओ के आसपास के क्षेत्र में संगरोध सुविधा बनाई गई है। तदनुसार, 12 नई संगरोध सुविधाएं भी स्थापित की गईं।

अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों पर नई संगरोध सुविधाओं के लिए स्वास्थ्य/नागरिक उड्डयन मंत्रालय, हवाई अड्डा प्रबंधन, एपीएचओ और केंद्रीय डिजाइन ब्यूरो डिवीजन और डीजीएचएस के बीच बेहतर समन्वय की आवश्यकता है। चूंकि रोग और घटनाएं विभिन्न माध्यमों जैसे कि वैक्टर, भोजन, प्रभावित व्यक्तियों से स्राव, विकिरण, रसायन, वायु/बूंदों आदि द्वारा प्रेषित होती हैं, मौजूदा सुविधाओं ने स्क्रीनिंग, संदिग्ध यात्रियों के परिवहन, परिशोधन, कीटाणुशोधन और संगरोध के लिए समय पर और उचित योजना बनाई। निगरानी में यात्रियों की संख्या, पुष्ट/रोगसूचक यात्रियों को अलग-थलग करना, यह सुनिश्चित करना कि संदिग्ध/प्रभावित यात्रियों से संक्रमण आम यात्रियों में न फैले आदि।

PHEIC के दौरान, घटनाओं की वास्तविक समय पर निगरानी की जाती है और यात्रियों की जांच की जाती है, हवाई अड्डे पर संदिग्धों के रूप में पता लगाया जाता है, संगरोध / अलगाव के तहत रखा जाता है, प्रयोगशाला के नमूने एकत्र किए जाते हैं और संपर्कों का परीक्षण किया जाता है, तैनात स्वास्थ्य कर्मियों आदि को एकत्र, विश्लेषण, एकीकृत, संकलित और एकत्र किया जाता है। एनएफपी/निदेशालय जीएचएस/एमओएचएफडब्ल्यू/डब्ल्यूएचओ को अधिसूचित किया गया है।

संस्तुतियाँ

- कई हवाईअड्डा स्वास्थ्य संगठनों में कामकाज के लिए प्रदान किया गया स्थान अत्यधिक अपर्याप्त है और यात्रियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए हवाई अड्डे पर अधिक स्थान की आवश्यकता है।
- यह चिंता का विषय है कि नए स्थापित एपीओ में 80-90% पद रिक्त हैं जिन पर विचार करने की आवश्यकता है। नए एपीएचओ/पीएचओ में संविदा पद भी नहीं भरे गए हैं। नए कर्मचारियों को नियुक्ति के तुरंत बाद प्रशिक्षण के लिए भेजा जाना चाहिए।
- यह पाया गया है कि एपीएचओ और पीएचओ को दी गई एसएफसी योजना के तहत नियमित और बजट का इष्टतम उपयोग नहीं किया जा रहा है। बजट का सकल कम उपयोग नव स्थापित एपीएचओ के पास है और पीएचओ रिक्त पदों और आवश्यक उपकरणों की कम खरीद के कारण हो सकता है।
- यह देखा गया है कि चिकित्सा अधिकारियों/सीएमओ और अन्य चिकित्सा कर्मियों को प्रशिक्षण दिया जाता है जबकि चिकित्सा कर्मियों के अलावा अन्य को प्रशिक्षण की कमी है, इसलिए गैर-चिकित्सा कर्मचारियों को भी संबंधित विषय में जिम्मेदारियों के बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रशिक्षित किया जाना चाहिए।
- वेक्टर नियंत्रण गतिविधियों के लिए नगर निगम के साथ बेहतर समन्वय की आवश्यकता है।
- पिछले दशक के दौरान विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा घोषित 3 पी एच ई आई सी (एच1एन1, i वी डी और जीका) और सार्स , मार्स-CoV, एच7एन9 आदि जैसी संभावित पी एचईआईसी घटनाओं सहित कई कार्यक्रम हुए हैं। इसके अलावा, आईएचआर (2005) को भी विशिष्ट क्षमताओं के साथ अन्य खतरों से संबंधित घटनाओं का पता लगाने, मूल्यांकन और रिपोर्टिंग के लिए दक्षता मुख्य क्षमताओं की आवश्यकता होती है। ।
- हवाई अड्डों और समुद्री बंदरगाहों और भूमि-सीमाओं पर मौजूदा "प्रवेश बिंदु" के लिए जिम्मेदारियों के बोझ को देखते हुए, मौजूदा योजना को अगले 5 वर्षों तक जारी रखने के लिए दृढ़ता से अनुशंसा की जाती है।

3.1.5 'वायरल हेपेटाइटिस की निगरानी पर राष्ट्रीय कार्यक्रम' का मूल्यांकन

(प्रधान अन्वेषक-प्रो. जे.के. दास सह अन्वेषक-डॉ. सरिता गौतम, डॉ. जे.पी. शिवदासानी, श्रीमती वैशाली जायसवाल और श्रीमती भावना कथूरिया)

सामान्य उद्देश्य

वायरल हेपेटाइटिस (एनपीएसवीएच) की निगरानी के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम का तीसरा पक्ष मूल्यांकन करना।

विशिष्ट उद्देश्य

- तीव्र हेपेटाइटिस की निगरानी करने के लिए क्षेत्रीय प्रयोगशालाओं और उत्कृष्टता केंद्र की तैयारियों का आकलन करना।
- क्रोनिक हेपेटाइटिस की निगरानी करने के लिए कार्यक्रम की तैयारियों का आकलन करना।
- वायरल हेपेटाइटिस की अगली कड़ी की निगरानी करने की व्यवहार्यता और तंत्र का आकलन करना।
- तीव्र वायरल हेपेटाइटिस की निगरानी करने वाली प्रयोगशालाओं का आकलन करना।
- वायरल हेपेटाइटिस के बारे में जागरूकता पैदा करने की दिशा में जागरूकता गतिविधियों का पता लगाना।

क्रियाविधि:

राष्ट्रीय स्तर पर कार्यक्रम से माध्यमिक डेटा एकत्र किया गया, उत्कृष्टता केंद्र और कार्यक्रम के तहत चयनित क्षेत्रीय प्रयोगशालाओं की पहचान की गई। राष्ट्रीय स्तर पर कार्यक्रम के साथ-साथ क्षेत्रीय प्रयोगशालाओं और पूर्व-निर्धारित चेकलिस्ट के माध्यम से मौजूदा रिकॉर्ड से जानकारी प्राप्त की गई थी। राष्ट्रीय स्तर पर निदेशक, एनसीडीसी, कार्यक्रम अधिकारी, कार्यक्रम के तहत पहचाने गए नोडल व्यक्ति के साथ-साथ चिकित्सा अधीक्षक / डीन और कार्यक्रम के तहत काम पर रखे गए कर्मचारियों सहित हितधारकों के साक्षात्कार के लिए अर्ध-संरचित साक्षात्कार अनुसूची का उपयोग किया गया था। तीव्र हेपेटाइटिस की निगरानी के लिए कार्यक्रम की तैयारियों को समझने के लिए, 4 क्षेत्रीय प्रयोगशालाओं और उत्कृष्टता केंद्र यानी राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र (एनसीडीसी) की प्रयोगशाला का मूल्यांकन शुरू में किया गया था। हालांकि, कोविड के कारण, पहचाने गए चार स्थलों में से तीन का मूल्यांकन किया गया था, जिसमें एम्स, नई दिल्ली, मद्रास मेडिकल कॉलेज, चेन्नई में क्षेत्रीय प्रयोगशाला और लखनऊ में किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी मेडिकल कॉलेज शामिल थे। साथ ही सेंटर ऑफ एक्सीलेंस का भी मूल्यांकन किया गया।

क्रोनिक हेपेटाइटिस और सीक्वेल की निगरानी करने के लिए कार्यक्रम की तैयारी को समझने के लिए, संबंधित हितधारकों के साक्षात्कार अनुसूची के साथ-साथ रिकॉर्ड की डेस्क समीक्षा का

उपयोग करके निगरानी की गतिविधियों को करने के लिए पहचाने गए तंत्र का मूल्यांकन किया गया था।

कार्यक्रम और क्षेत्रीय साइट के बीच समझौता ज्ञापन, बुनियादी ढांचे, वित्त, मानव संसाधन स्वीकृत और स्थिति और प्रदान की गई सेवाओं से संबंधित रिकॉर्ड प्रहरी साइट के साथ-साथ उत्कृष्टता केंद्र से एकत्र किए गए थे। क्रोनिक हेपेटाइटिस की निगरानी करने के लिए पहचाने गए तंत्र और इसके अनुक्रम से संबंधित अभिलेखों का भी अध्ययन किया गया।

परिणामों का सारांश: खरीद से संबंधित मुद्दे

- वायरल हेपेटाइटिस की निगरानी के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम को चलाने में परीक्षण किट और उपकरणों की खरीद एक बड़ी चुनौती है।
- निविदा विभिन्न कारणों से विफल रही जैसे अधिकांश परीक्षण किटों के लिए अंतिम खरीद मूल्य एल1 से कम था। अगले उदाहरण में, किट गुणवत्ता में विफल रही और निविदा रद्द कर दी गई।

कर्मचारियों की भर्ती

- कुछ संस्थानों को कुछ प्रशासनिक प्रक्रियाओं के कारण कर्मचारियों की भर्ती के मुद्दों का सामना करना पड़ा।

कार्यक्रम की उप-इष्टतम कार्यप्रणाली

- अधिकांश चिकित्सा महाविद्यालयों में, किट या उपकरण की अनुपलब्धता के कारण विभाग/इकाई में वायरल हेपेटाइटिस संबंधी सेवाओं की निगरानी या तो गैर-कार्यात्मक थी या उप-कार्यात्मक थी।
- अपर्याप्त आईईसी गतिविधियां
- आवश्यक आईईसी सामग्री (जैसे पोस्टर, चार्ट, आदि) की खरीद या तैयार नहीं की गई है। कम से कम आईईसी सामग्री या तो प्रयोगशाला में या संस्थानों के बाहर प्रदर्शित की गई थी जो रोगियों और स्थानीय समुदाय को वायरल हेपेटाइटिस कार्यक्रम की निगरानी के बारे में जागरूक कर सकती थी।

प्रशासनिक मुद्दे

- केंद्र और संबंधित मेडिकल कॉलेज के अधिकारियों के स्तर पर प्रशासनिक समस्याएं और अड़चनें थीं, जिसमें प्रक्रियात्मक देरी और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय से अपर्याप्त संचार शामिल थे, जिसके कारण कार्यान्वयन की गति धीमी थी।

कार्यक्रम की निरंतरता

- कार्यक्रम को जारी रखा जाना चाहिए और इसका विस्तार सभी 36 राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में किया जाना चाहिए ताकि प्रत्येक राज्य/संघ राज्य क्षेत्र में एक प्रहरी स्थल हो।

परीक्षण किट/उपकरणों की खरीद

- एनसीडीसी के कार्यक्रम प्रभाग को जेम के माध्यम से परीक्षण किट और उपकरणों की खरीद की संभावना का पता लगाना चाहिए और परीक्षण किट की खरीद के लिए आवश्यक अधिक गोल्डन पैरामीटर को शामिल करने के लिए जीईएम के साथ बातचीत करना चाहिए और परीक्षण किट की आपूर्ति की व्यवस्था करना चाहिए।
- चूंकि निगरानी करने के लिए परीक्षण किटों के गुणवत्ता परीक्षण की खरीद में एक चुनौती थी, राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम के तहत प्रयोगशालाओं के संघ द्वारा मान्य एचआईवी और हेपेटाइटिस बी और हेपेटाइटिस सी के परीक्षण किटों को एनएआरआई पुणे में सचिवालय के साथ अनुमति दी जानी चाहिए। जीएफआर के अनुसार सीमित निविदा (अर्थात केवल मान्य परीक्षण किट से) के माध्यम से सीधे खरीदे गए।

समन्वित प्रयासों से प्रशासनिक मुद्दों का समाधान

- शीघ्र निवारण और सभी मुद्दों का समाधान किया जा सकता है। नियमित रूप से स्टॉक लेने (समीक्षा बैठकों के माध्यम से) की व्यवस्था होनी चाहिए जहां छोटे मुद्दों को समय पर ढंग से संबोधित किया जा सके।

पेशेवर जनशक्ति की भर्ती

- प्रहरी स्थलों के नोडल अधिकारी की स्थिति के लिए, एक अतिरिक्त प्रभार के बजाय एक समर्पित पूर्णकालिक अधिकारी को तैनात किया जाना चाहिए। साथ ही रिक्त पदों को जल्द से जल्द भरने का प्रयास किया जाए।

कार्यबल को बनाए रखने और प्रेरित करने के उपाय

- यह सुनिश्चित किया जाए कि कार्यक्रम के तहत तैनात कर्मचारियों को उनका वेतन नियमित और समय पर मिले। वेतन / पारिश्रमिक (उनकी योग्यता और नौकरी की जिम्मेदारियों के अनुरूप) में संशोधन पर भी विचार किया जा सकता है।

नीति क्रियान्वयन

यह मूल्यांकन अध्ययन वायरल हेपेटाइटिस की निगरानी करने में मदद करेगा, और आवश्यक मध्य-पाठ्यक्रम सुधार करने के लिए योजना के कार्यान्वयन में बाधाओं की पहचान करेगा।

3.1.6 "रोगाणुरोधी प्रतिरोध (एएमआर) रोकथाम पर राष्ट्रीय कार्यक्रम" का मूल्यांकन

(प्रधान अन्वेषक- प्रो. संजय गुप्ता डॉ. एस. रामचंद्र राव, सह अन्वेषक-डॉ. किरण रंगारी, डॉ. रूपेश गुप्ता, डॉ. रुचि गेलॉन्ग)

सामान्य उद्देश्य

अध्ययन का उद्देश्य राष्ट्रीय रोगाणुरोधी प्रतिरोध नियंत्रण कार्यक्रम का तृतीय-पक्ष मूल्यांकन करना था।

विशिष्ट उद्देश्य

1. टीओआर/दिशानिर्देशों के अनुसार बुनियादी ढांचे के विकास की स्थिति और उपयोग का पता लगाना।
2. टीओआर/दिशानिर्देशों के अनुसार प्रशिक्षित मानव संसाधन की उपलब्धता का निर्धारण करना।
3. एंटीबायोटिक खपत अध्ययन करने वाली नेटवर्क साइटों की संख्या का आकलन करना।
4. नेटवर्क साइटों पर आईपीसी और एचएआई निगरानी के सुदृढ़ीकरण की प्रगति का आकलन करना।
5. स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं और सामान्य समुदाय के बीच एएमआर पर जागरूकता बढ़ाने के लिए की गई गतिविधियों का दस्तावेजीकरण करना।
6. राष्ट्रीय एएमआर नियंत्रण कार्यक्रम के तहत अब तक विभिन्न गतिविधियों में निधियों के उपयोग का पता लगाना।
7. कार्यक्रम के कार्यान्वयन में बाधाओं, यदि कोई हो, का दस्तावेजीकरण करना और संभावित समाधान सुझाना।

अध्ययन योजना

उल्लिखित उद्देश्यों को पूरा करने के लिए एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन किया गया था। वित्त, अभिकर्मकों और उपभोग्य सामग्रियों की आपूर्ति, बुनियादी ढांचे, उन्नयन, स्वीकृत और स्थिति में मानव संसाधन और सेवाएँ दी गयी।

गूगल मीट प्लेटफॉर्म का उपयोग करके वर्चुअल मोड के माध्यम से साक्षात्कार अनुसूचियों के माध्यम से बुनियादी ढांचे और सेवाओं की गुणवत्ता के बारे में प्राथमिक डेटा एकत्र किया गया था। एएमआर कार्यक्रम के तहत एनसीडीसी में स्थापित राष्ट्रीय संदर्भ प्रयोगशाला (एनआरएल) का भी आकलन किया गया। विभागाध्यक्षों (एचओडी) और कार्यक्रम के तहत काम पर रखे गए कर्मचारियों के साथ कार्यक्रम के तहत पहचाने गए नोडल व्यक्ति से एक पूर्वनिर्धारित ओपन-एंडेड अर्ध-संरचित पूर्व-परीक्षित साक्षात्कार अनुसूची का उपयोग करके डेटा कैप्चर किया गया था।

परिणाम का सारांश

विभिन्न हितधारकों के साथ हुई चर्चा के आधार पर, एएमआर नियंत्रण कार्यक्रम के कार्यान्वयन के संबंध में निम्नलिखित मुद्दे सामने आए:

क. खरीद से संबंधित मुद्दे:

उपभोज्य वस्तुओं और उपकरणों की समय पर खरीद कार्यक्रम के लिए एक बड़ी बाधा रही है। एएमआर कंटेनमेंट प्रोग्राम के तहत निगरानी करने में टेस्टिंग किट और उपकरणों की खरीद एक बड़ी चुनौती है। पीएफएमएस पोर्टल के माध्यम से खरीद एक कठिन काम है, और अक्सर उपभोग्य सामग्रियों की गुणवत्ता से समझौता किया जाता है। GeM पोर्टल पर स्थानीय विक्रेताओं के पास अक्सर विशेष अभिकर्मक उपलब्ध नहीं होते हैं।

ख. कर्मचारियों की भर्ती:

कुछ संस्थानों को कुछ प्रशासनिक प्रक्रियाओं के कारण कर्मचारियों की भर्ती के साथ समस्याओं का सामना करना पड़ा। कर्मचारियों का बार-बार कारोबार एक बड़ी बाधा के रूप में देखा गया।

ग. प्रशिक्षण:

नियुक्त किए गए प्रशिक्षित कर्मचारियों का बार-बार कारोबार और इसलिए ठीक से और समय पर प्रशिक्षित नहीं।

घ. अपर्याप्त आईईसी गतिविधियां:

आईईसी गतिविधियां मुख्य रूप से एनसीडीसी द्वारा संचालित की जानी थीं। यद्यपि मीडिया सामग्री विकसित की गई है, लेकिन स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय से समय पर अनुमोदन की कमी के कारण प्रसार अभियान सफल नहीं रहे हैं।

ड़. प्रशासनिक मुद्दे:

केंद्र और संबंधित मेडिकल कॉलेज के अधिकारियों के स्तर पर प्रशासनिक समस्याएं और अड़चनें थीं। प्रक्रियात्मक विलंब, अपर्याप्त संचार और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय से विलंबित प्रतिक्रिया के कारण भी कार्यान्वयन की गति धीमी हुई।

च. निधि (फ़ंड) संबंधित:

केंद्र और संबंधित मेडिकल कॉलेज के अधिकारियों के स्तर पर प्रशासनिक समस्याओं और बाधाओं के कारण फंड जारी करने में देरी। प्रक्रियात्मक देरी, अपर्याप्त संचार के कारण आवंटित बजट का कम उपयोग हुआ।

नीति क्रियान्वयन:

कार्यक्रम को संशोधित करने और इसे और अधिक प्रभावी बनाने के लिए निम्नलिखित सिफारिशों का सुझाव दिया गया था:

- नेटवर्क साइटों पर विभिन्न गतिविधियों को लागू करने के लिए एक अच्छी तरह से परिभाषित पर्याप्त रूप से कर्मचारी कार्यक्रम समन्वय इकाई आवश्यक है।
- एनसीडीसी अच्छी गुणवत्ता वाले उपभोग्य सामग्रियों की पूरी तरह से केंद्रीकृत खरीद की संभावना तलाश सकता है ताकि साइटों को समय पर वितरण सुनिश्चित किया जा सके। इसके अतिरिक्त, एनसीडीसी जीईएम के माध्यम से या सीधे सीमित निविदा (जीएफआर के अनुसार पूर्व-मान्य सूची से) के माध्यम से उपभोग्य सामग्रियों की खरीद की संभावना का पता लगा सकता है।
- इस कार्यक्रम के माध्यम से एएमआर आइसोलेट्स के नियमित आणविक परीक्षण और साक्ष्य-आधारित अनुसंधान के लिए राष्ट्रीय संदर्भ प्रयोगशालाओं में आवश्यक योग्य वैज्ञानिक कर्मचारी। राष्ट्रीय संदर्भ प्रयोगशाला या उत्कृष्टता केंद्र को उभरते हुए एएमआर उपभेदों के आणविक लक्षण वर्णन को शामिल करने और फंगल रोगजनकों में एएमआर का पता लगाने के लिए अपने कार्यक्षेत्र का विस्तार करना चाहिए।
- समय पर प्रशिक्षण सुनिश्चित करने के लिए, एनसीडीसी कर्मचारियों के लिए पूर्व-रिकॉर्डेड प्रशिक्षण मॉड्यूल विकसित कर सकता है और उन्हें व्यापक रूप से वितरित कर सकता है, और वर्चुअल मोड के माध्यम से प्रशिक्षण आयोजित कर सकता है।
- कार्यक्रम के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए, प्रशिक्षण मॉड्यूल विशेष रूप से चिकित्सकों और प्रशासकों के लिए डिज़ाइन किए जा सकते हैं, और इन प्रशिक्षणों के दौरान चिकित्सकों को प्रशिक्षकों के रूप में भी शामिल किया जा सकता है।

3.1.7 ईएमआर, डीजीएचएस के तहत केंद्रीय क्षेत्र की योजनाओं का समवर्ती मूल्यांकन

(प्रधान अन्वेषक- प्रो. मनीष चतुर्वेदी सह अन्वेषक- डॉ. जे. पी. शिवदासानी, डॉ. रमेश गंदोत्रा, डॉ. इशांत कुमार)

सामान्य उद्देश्य

केंद्रीय क्षेत्र की योजनाओं का मूल्यांकन- **(१)** स्वास्थ्य क्षेत्र आपदा तैयारी और प्रतिक्रिया और **(२)** आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं के लिए मानव संसाधन विकास।

विशिष्ट उद्देश्य

1. राष्ट्रीय और राज्य की राजधानियों में संचालन केंद्रों की स्थापना की स्थिति का पता लगाना
2. 36 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में कौशल केंद्रों की स्थापना की स्थिति का पता लगाना
3. पाठ्यक्रम विकास, प्रशिक्षित मानव संसाधन और आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं में चार पाठ्यक्रमों के वित्त पोषण की स्थिति निर्धारित करने के लिए
4. 36 राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में तृतीयक/माध्यमिक/प्राथमिक स्तर पर सीबीआरएन केंद्रों की स्थिति का पता लगाना।
5. भारत में एचएसडीपीआर परियोजना के तहत आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं के विकास के लिए विभिन्न मानकों में अब तक निधियों के उपयोग का पता लगाना।
6. कौशल केंद्रों की परिचालन स्थिति का पता लगाना।
7. विभिन्न अंतरालों, चुनौतियों पर चर्चा करना और बीच-बीच में सुधार के उपायों का सुझाव देना।

क्रियाविधि

अनुसंधान ने मिश्रित पद्धति के दृष्टिकोण को नियोजित किया जिसमें चयनित क्षेत्र क्षेत्रों में प्रमुख मुखबिरों के साथ अर्ध-संरचित साक्षात्कार की एक श्रृंखला के साथ-साथ सिस्टम को और मजबूत करने के लिए दस्तावेज़ के लिए उपलब्ध डेटा का संग्रह शामिल है। अध्ययन के उद्देश्य से 20 कौशल केंद्रों में से 4 केंद्रों की पहचान की गई है, जिनमें एमएमसी चेन्नई, आईजीएमसी, पुडुचेरी, जीआईएमएस गुलबर्गा, एम्स भोपाल शामिल हैं। 11 हेल्थ इमरजेंसी ऑपरेशन सेंटर (एचईओसी) में से 2 की पहचान अध्ययन के उद्देश्य से की गई थी, जिनमें दिल्ली और चेन्नई शामिल हैं । उत्कृष्टता के चार सीबीआरएन केंद्रों में, चेन्नई की पहचान की गई है।

निधि प्रदाता एजेंसी: स्वास्थ्य एव्न परिवार कल्याण मंत्रालय

अध्ययन निष्कर्ष:

- प्रशिक्षण मॉड्यूल विकसित किए गए हैं और 122 प्रशिक्षुओं को "विकिरण आपात स्थितियों के चिकित्सा प्रबंधन" पर प्रशिक्षित किया गया है।
- प्रशिक्षण मॉड्यूल विकसित किया गया है और 178 प्रशिक्षुओं को मनो-सामाजिक देखभाल में प्रशिक्षित किया गया है।
- पाठ्यक्रम सामग्री विकसित की गई है और 222 वरिष्ठ अस्पताल प्रशासकों को 8 प्रतिभागी केंद्रों के नेटवर्क के माध्यम से सार्वजनिक स्वास्थ्य आपात स्थितियों के लिए अस्पताल की तैयारी में प्रशिक्षित किया गया है।
- पाठ्यक्रम सामग्री विकसित की गई और 262 जिला स्वास्थ्य अधिकारियों को 8 प्रतिभागी केंद्रों के नेटवर्क के माध्यम से जन स्वास्थ्य आपात स्थिति के लिए जिला तैयारियों में प्रशिक्षित किया गया।
- तृतीयक स्तर के सीबीआरएन केंद्रों के लिए उपयोगकर्ता आवश्यकता, विनिर्देश तैयार किए गए। केंद्र की स्थापना के लिए अब तक 1 (स्टेनली मेडिकल कॉलेज, चेन्नई) केंद्र की पहचान की गई है। कार्यकारी एजेंसी की पहचान की गई। इसके लिए डीपीआर एडवांस स्टेज में है।
- माध्यमिक स्तर के सीबीआरएन केंद्रों के लिए उपयोगकर्ता आवश्यकताएं तैयार की गईं, विशिष्टताओं को अंतिम रूप दिया गया, कार्यकारी एजेंसी की पहचान की गई, लेकिन एकल बोलीदाता प्रतिक्रिया के कारण अमल में नहीं लाया जा सका।
- एचईओसी के लिए उपयोगकर्ता की आवश्यकता और विनिर्देश को अंतिम रूप दिया गया। कार्यकारी एजेंसी की पहचान की गई।
- एचईओसी के लिए उपयोगकर्ता की आवश्यकता और विनिर्देश को अंतिम रूप दिया गया। कार्यकारी एजेंसी की पहचान की गई।

संस्तुतियाँ

- समीक्षा बैठकों के माध्यम से नियमित स्टॉक लेने के साथ समन्वित प्रयासों के माध्यम से प्रशासनिक मुद्दों का निवारण।
- नामांकन के लिए राज्य नोडल/समन्वय अधिकारी की पहचान, भविष्य में स्वास्थ्य आपात स्थिति में इन अधिकारियों के उपयोग आदि।
- प्रशिक्षित किए जाने वाले स्वास्थ्य जनशक्ति को अधिमानतः सार्वजनिक स्वास्थ्य (सार्वजनिक स्वास्थ्य में प्रशिक्षित एमडी या जीडीएमओ) में विशेषज्ञता होनी चाहिए।
- विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षित पेशेवरों का एक केंद्रीय डेटाबेस तैयार किया जाना चाहिए ताकि जब भी आवश्यक हो कार्यबल की तैनाती के लिए इसका उपयोग किया जा सके।
- अंतरराष्ट्रीय स्वास्थ्य विनियम (आईएचआर) के कर्मचारियों को भी एक ही पृष्ठ पर होना चाहिए जैसे सीबीआरएन, कौशल केंद्र आदि।

- सभी प्रशिक्षण पाठ्यक्रम डेस्क टॉप अभ्यासों की सहायता से अधिक संवादात्मक और अधिक व्यावहारिक होने चाहिए। प्रतिभागियों के प्रदर्शन के लिए मॉक ड्रिल की योजना बनाई जा सकती है।
- यह भी अनुशंसा की जाती है कि प्रस्तावित बुनियादी ढांचे की गतिविधियों और समग्र निगरानी की निगरानी के लिए एमओएचएफडब्ल्यू, नई दिल्ली में एक विशेष पर्यवेक्षण केंद्र भी स्थापित किया जाना चाहिए।

3.1.8 "लेप्टोस्पायरोसिस की रोकथाम और नियंत्रण के लिए कार्यक्रम" के लिए कार्यक्रम का तृतीय पक्ष मूल्यांकन

(प्रधान अन्वेषक- प्रो. वी.के. तिवारी सह-अन्वेषक- डॉ रेणु सहरावत)

सामान्य उद्देश्य

मानव में लेप्टोस्पायरोसिस के कारण रुग्णता और मृत्यु दर को कम करने के लिए कार्यक्रम का मूल्यांकन करना।

विशिष्ट उद्देश्य:

- राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर कार्यक्रम कार्यान्वयन के लिए संस्थागत व्यवस्थाओं का आकलन करना
- मूल्यांकन करने के लिए कि क्या लेप्टोस्पायरोसिस प्रबंधन रोकथाम और नियंत्रण के लिए चिकित्सा अधिकारियों के लिए राज्य स्तरीय प्रशिक्षण नियमित रूप से आयोजित किया जाता है
- मूल्यांकन करने के लिए कि क्या कार्यक्रम में अनुमानित और प्रयोगशाला पुष्ट मामलों की रिपोर्टिंग की व्यवस्था है
- मूल्यांकन करने के लिए कि क्या लेप्टोप्सिओरिस मामलों पर सामुदायिक जागरूकता पैदा करने के लिए आईईसी सामग्री राष्ट्रीय स्तर पर विकसित की गई है और इसका प्रसार किया गया है
- मूल्यांकन करने के लिए कि क्या कार्यक्रम में लेप्टोस्पायरोसिस के मामलों के निदान के लिए सुविधाएं उपलब्ध हैं
- मूल्यांकन करने के लिए कि क्या लेप्टोस्प्रोसिस के लिए राष्ट्रीय राज्य स्तर पर नियमित समीक्षा बैठक और क्षेत्र का दौरा किया गया था।
- मूल्यांकन करना कि कार्यक्रम राज्यों में लेप्टोस्पायरोसिस की रोकथाम और नियंत्रण को प्रभावी ढंग से करने के लिए राज्य को संवेदनशील बनाने में सक्षम है या नहीं।
- भौतिक और वित्तीय प्रगति सहित योजना की ताकत और कमजोरियों का आकलन करना।

- भविष्य में योजना अपने रणनीतिक ढांचे और कार्यान्वयन योजना में कैसे सुधार कर सकती है, इसकी सिफारिशें प्रदान करें।
- इस योजना को 2020 से जारी रखने की आवश्यकता का आकलन करना।

अध्ययन योजना

कोविड -19 संक्रमण और राज्यों में यात्रा प्रतिबंधों के कारण, माध्यमिक डेटा का उपयोग करके मूल्यांकन किया जाता है। एनसीडीसी की वार्षिक रिपोर्ट और उपलब्ध अन्य साहित्य द्वारा उपलब्ध कराई गई जानकारी और दस्तावेजों को विश्लेषण के लिए संदर्भित किया गया था। इसके अलावा, एक विस्तृत प्रश्नावली विकसित की गई और कार्यक्रम की देखरेख करने वाले राज्य नोडल अधिकारियों को भेजी गई। प्रदान की गई जानकारी का विश्लेषण किया गया और रिपोर्ट में शामिल किया गया।

परिणाम का सारांश:

राज्यों से प्राप्त फीडबैक के अनुसार, रोग की निगरानी को मजबूत किया गया है और आईडीएसपी पोर्टल के माध्यम से नियमित रूप से मामले और प्रकोप की सूचना दी जाती है। यह कार्यक्रम 8 स्थानिक राज्यों जैसे गुजरात, केरल, महाराष्ट्र, कर्नाटक, तमिलनाडु, असम, उत्तर प्रदेश, गोवा और 3 केंद्र शासित प्रदेशों, अंडमान और निकोबार द्वीप और डीडी और डीएनएच में लागू किया जा रहा है। राज्यों के लिए एनएचएम पीआईपी के माध्यम से वित्त वर्ष 2020-21 कार्यक्रम के लिए कुल 173.54 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं।

यह कार्यक्रम राज्य सरकार के अधिकारियों को बीमारी के महत्वपूर्ण सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रभाव के बारे में जागरूक करने में सक्षम रहा है। रोग की निगरानी को मजबूत किया गया है और आईडीएसपी पोर्टल के माध्यम से नियमित रूप से मामले और प्रकोप की सूचना दी जाती है। पिछले 5 वर्षों के दौरान राज्यों से रिपोर्ट किए गए प्रयोगशाला पुष्ट मामलों की संख्या के बारे में ऑनलाइन/ऑफ़लाइन जानकारी के अनुसार, यह पाया गया कि सबसे अधिक मामले केरल, कर्नाटक, गुजरात और उसके बाद असम से सामने आए। राज्यों से प्राप्त रिपोर्टों के अनुसार, तमिलनाडु से सबसे अधिक प्रकोप की सूचना मिली है, इसके बाद महाराष्ट्र, केरल और कर्नाटक का स्थान है।

- स्वास्थ्य विभाग बीमारियों का सामना कर रहे अधिकांश राज्यों में प्रकोपों के प्रसार को रोकने में सक्षम थे।
- तर्कसंगत उपचार के लिए रोग की पुष्टि के लिए नैदानिक सुविधाएं/प्रयोगशालाएं बनाने में कार्यक्रम सफल रहा है।

- कार्यक्रम में लेप्टोस्पायरोसिस प्रबंधन में प्रशिक्षण को उचित महत्व दिया गया। कई स्थानिक राज्यों ने लेप्टोस्पायरोसिस प्रबंधन में जिला स्तरीय प्रशिक्षण और प्रशिक्षित सेवा प्रदाताओं का आयोजन किया। गुजरात राज्य ने अधिकतम 6386 कर्मियों को प्रशिक्षित किया है जिसके बाद केरल और तमिलनाडु का स्थान है।
- कार्यक्रम में डॉक्सीसाइक्लिन टैबलेट की आपूर्ति की जाती है और स्थानिक स्थिति में इसकी पर्याप्त उपलब्धता प्रयोगशाला पुष्टि के बाद उपचार के लिए आवश्यक है। कई स्थानिक राज्यों ने कीमो-प्रोफिलैक्सिस लागू किया है।

संस्तुतियाँ

- दक्षिणी राज्यों आदि में डेटा की गुणात्मक रिपोर्टिंग और यूपी, असम जैसे राज्यों में बेहतर कवरेज के लिए निगरानी को और मजबूत करने की आवश्यकता है।
- भौगोलिक सूचना प्रणाली (जीआईएस) आधारित रिपोर्टिंग स्थानीय के लिए उपयोगी होगी। उच्च स्थानिक राज्यों/जिलों में सीएचसी स्तर पर उन्नत नैदानिक सुविधाओं का निर्माण करने की आवश्यकता है।
- उच्च स्थानिक राज्यों में प्रयोगशाला कर्मचारियों, स्वास्थ्य कर्मियों, डॉक्टरों को प्रशिक्षण को और मजबूत करने की आवश्यकता है।
- कर्नाटक को छोड़कर जहां पीआरआई शामिल हैं, लगभग सभी राज्यों में आईईसी सामान्य रूप से कमजोर है। उच्च स्थानिक राज्यों में पंचायती राज संस्थाओं को शामिल करने का सुझाव दिया गया है।
- स्वास्थ्य विभाग के साथ पशुपालन विभाग/पशु चिकित्सा विभागों के बीच अंतर-क्षेत्रीय समन्वय को मजबूत करने की आवश्यकता है। इस तरह के सहयोग के लिए एक केंद्रीय दिशानिर्देश विकसित किया जा सकता है।
- सभी कार्यक्रम राज्यों में बजट उपयोग कम रहा है। बजट के उपयोग के लिए ऑनलाइन सॉफ्टवेयर विकसित करने या पीएफएमएस के उपयोग की आवश्यकता है।
- यह सुझाव दिया जाता है कि केंद्रीय कार्यक्रम अधिकारी वर्ष में कम से कम एक बार उन सभी राज्यों में मौके का दौरा कर सकते हैं जहां धन उपलब्ध कराया गया है।
- सभी कार्यक्रम जिलों में लेप्टोस्पायरोसिस की रोकथाम और प्रबंधन पर सामुदायिक सर्वेक्षण करने की आवश्यकता है।

3.1.9 राष्ट्रीय रेबीज नियंत्रण कार्यक्रम के लिए कार्यक्रम का मूल्यांकन

(प्रमुख अन्वेषक- डॉ. मीराम्बिका महापात्रो सह-अन्वेषक-डॉ. ए.एम. एलिजाबेथ, श्रीमती भावना कथूरिया और डॉ. पूजा गर्ग)

सामान्य उद्देश्य

सुधारात्मक उपायों, यदि कोई हो, का सुझाव देने के उद्देश्य से उद्देश्यों और परिचालन दिशानिर्देशों में परिभाषित परियोजना की प्रगति का आकलन करना।

विशिष्ट उद्देश्य

1. रेबीज निगरानी (राष्ट्रीय स्तर पर टीओटी, आदि) पर राज्यों की क्षमता निर्माण के लिए की गई गतिविधियों की समीक्षा करना।
2. जानवरों के काटने और रेबीज के मामलों की निगरानी में सुधार के लिए राष्ट्रीय स्तर पर किए गए प्रयासों का निरीक्षण करना।
3. समुदाय में रेबीज के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर की गई आईईसी गतिविधियों की समीक्षा करना।
4. एनआरसीपी और संबंधित प्रशिक्षण में सुदृढ़ प्रयोगशालाओं की स्थिति का आकलन करना।
5. रेबीज की रोकथाम और नियंत्रण के लिए अंतर-क्षेत्रीय समन्वय के लिए राष्ट्रीय स्तर के तंत्र को समझना।
6. एनआरसीपी के तहत राज्य द्वारा निधि के उपयोग का अध्ययन करना।

पद्धति

मूल्यांकन अध्ययन प्राथमिक और द्वितीयक आंकड़ों के आधार पर किया जाता है। कोविड-19 संक्रमण और राज्यों में यात्रा प्रतिबंधों के कारण, राज्य के नोडल अधिकारियों के साथ टेलीफोनिक साक्षात्कार का उपयोग करके मूल्यांकन किया जाता है। केवल 06 राज्यों (गुजरात, एमपी, बिहार, उड़ीसा, मणिपुर और पुडुचेरी) ने डेटा भेजा था, जिसका विश्लेषण किया गया था। एनसीडीसी द्वारा प्रदान की गई जानकारी और दस्तावेज; प्रासंगिक वार्षिक रिपोर्ट अन्य उपलब्ध साहित्य को विश्लेषण के लिए संदर्भित किया गया था।

परिणाम

राज्यों की प्रतिक्रिया के अनुसार, बीमारी की निगरानी को मजबूत किया गया है और आईडीएसपी पोर्टल के माध्यम से नियमित रूप से मामलों और प्रकोपों की सूचना दी जाती है। यह कार्यक्रम केंद्र शासित प्रदेशों सहित सभी राज्यों में लागू किया जा रहा है। वित्तीय वर्ष 2020-21 में, प्रशिक्षण, निगरानी, एआरवी/एआरएस खरीद, आईईसी और निगरानी, और मूल्यांकन के रूप में गतिविधियों के लिए एनआरसीपी कार्यक्रम के लिए 32 राज्यों के लिए कुल 8244 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई है।

उपरोक्त मूल्यांकन के आधार पर परिणाम बताते हैं कि मानव घटक पर, कार्यक्रम बीमारी के महत्वपूर्ण सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रभाव के बारे में राज्य सरकार के अधिकारी को संवेदनशील बनाने में सक्षम है। रोग की निगरानी को मजबूत किया गया है और आईडीएसपी पोर्टल के माध्यम से नियमित रूप से मामलों और प्रकोपों की सूचना दी जाती है। यद्यपि प्रोटोटाइप आईईसी सामग्री एनसीडीसी द्वारा विकसित की गई है और इसे केवल कुछ राज्यों में ही प्रसारित किया गया है। पशु घटक पर, कार्यक्रम निगरानी, सर्वेक्षण और उपचार के लिए रोग के प्रबंधन के लिए नैदानिक सुविधाएं/प्रयोगशाला सेवाएं बनाने में सफल रहा है। निमहेन्स, एम्स जोधपुर, पशु चिकित्सा प्रयोगशाला गोवा और एनसीडीसी, दिल्ली नाम से चार क्षेत्रीय प्रयोगशालाओं की पहचान की जा रही है और उन्हें मजबूत किया जा रहा है। कार्यक्रम में रेबीज प्रबंधन के प्रशिक्षण को उचित महत्व दिया गया। कई राज्यों ने रेबीज प्रबंधन में जिला स्तरीय प्रशिक्षण और प्रशिक्षित सेवा प्रदाताओं का आयोजन किया है। राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों-26 राज्यों और 5 संघ राज्य क्षेत्रों के नोडल अधिकारियों और मास्टर प्रशिक्षकों के लिए एनआरसीपी के तहत एनसीडीसी में आयोजित तीन मास्टर प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण। कुछ राज्यों ने अपने राज्यों में प्रशिक्षण कार्यक्रम को आगे नहीं बढ़ाने के कारण के रूप में कोविड-19 महामारी का उल्लेख किया है।

निष्कर्ष और संस्तुतियाँ

मूल्यांकन के आधार पर, अध्ययन कुछ विशिष्ट उपायों की सिफारिश करता है। अनुशंसित दिशानिर्देशों के अनुसार सही पीईपी नुस्खे सुनिश्चित करने के लिए पशु काटने के पीड़ितों के इलाज में शामिल सरकारी और निजी स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं के क्षमता निर्माण के लिए नियमित प्रशिक्षण कार्यक्रम की आवश्यकता है। इसके कार्यान्वयन को और मजबूत करने के लिए समर्पित कर्मचारियों की आवश्यकता है। एचआर राज्य और जिला स्तर पर उपलब्ध कराया जा सकता है। संसाधनों की कमी के मामले में, कुत्ते के काटने और रेबीज के मामलों के केसलोएड के आधार पर जिले को प्राथमिकता दी जा सकती है। गतिविधि की संयुक्त रूप से समीक्षा करने के लिए एक आवधिक तंत्र विकसित किया जा सकता है। जनसंख्या की जरूरतों से निपटने के लिए साझा प्रयासों के लिए हर जिले में राज्यों में लागू करने के लिए स्वास्थ्य विभाग के साथ पशु विभागों के बीच अंतर-विभागीय समन्वय के लिए एक रणनीतिक योजना तैयार करने की आवश्यकता है। प्रभावी निगरानी और निगरानी के लिए, रेबीज को एक उल्लेखनीय बीमारी बनाना महत्वपूर्ण है। आईडीएसपी पोर्टल को ध्यान में रखते हुए केवल जानवरों के काटने के डेटा को कैप्चर किया जाता है, पीईपी के अनुपालन की निगरानी के लिए पीईपी कवरेज को पकड़ने के लिए एक आईटी पोर्टल विकसित किया जा सकता है। सूचना के द्वि-दिशात्मक प्रवाह के लिए आईडीएसपी पोर्टल और प्रस्तावित एनआरसीपी पोर्टल के बीच लिंकेज विकसित किया जा सकता है। एआरवी और एआरएस के स्टॉक की निगरानी के लिए मौजूदा पोर्टल का उपयोग किया जा सकता है।

केंद्रीय और साइट दोनों स्तरों पर कर्मचारियों को बनाए रखने के लिए वेतन, अतिरिक्त प्रोत्साहन, समीक्षा बैठकें और समय पर प्रशिक्षण सुनिश्चित करने के लिए एनसीडीसी में एक विशेष कार्यक्रम इकाई बनाई जा सकती है। सभी राज्यों, जिला-स्तरीय सुविधाओं आदि को शामिल करने के लिए कार्यक्रम का विस्तार किया जाना चाहिए।

3.1.10 राष्ट्रीय आरोग्य निधि का मूल्यांकन

(टीम सदस्य- डॉ. पूनम खट्टर, डॉ. अंकुर यादव, श्री वाई के सिंघल, डॉ. आकृति धीर और श्री महावीर रावत)

सामान्य उद्देश्य

राष्ट्रीय आरोग्य निधि (आरएएन) की अम्ब्रेला योजना का मूल्यांकन

विशिष्ट उद्देश्य

1. प्रदान किए गए माध्यमिक डेटा का विश्लेषण करने के लिए
2. योजना की ताकत और कमजोरियों की जांच करने के लिए
3. योजना के प्रभावी उपयोग के लिए बाधाओं की पहचान करना
4. सिफारिशें प्रदान करने के लिए

क्रियाविधि

निम्न प्रकार से द्वितीयक डेटा का उपयोग करके मूल्यांकन किया गया था:

1. स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा प्रदान की जाने वाली सामग्री:
   स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा उपलब्ध कराई गई जानकारी और दस्तावेज, प्रासंगिक वार्षिक रिपोर्ट अन्य उपलब्ध साहित्य को विश्लेषण के लिए संदर्भ बिंदु के रूप में लिया गया था।
2. प्रासंगिक कीवर्ड का उपयोग करके डेटा बेस की खोज
3. कोई अन्य डेटा और/या कोई स्पष्टीकरण प्राप्त करने के लिए स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अधिकारियों के साथ व्यक्तिगत बातचीत द्वारा।

प्रमुख निष्कर्ष और समापन

1. सोसायटी द्वारा 2014 से 2019 तक चलाई जा रही आरएएन योजना के तहत छह साल की अवधि में 5,819 मरीजों को आर्थिक सहायता से लाभान्वित किया गया। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा अम्ब्रेला योजना को अपने हाथ में लेने के बाद, 1-1-2019

से 30-11-2020 तक आरएएन के तहत 1,298 रोगियों को वित्तीय सहायता से लाभान्वित होने की सूचना है।

2. समाज द्वारा 2014 से 2019 तक चलाई जा रही स्वास्थ्य मंत्री कैंसर रोगी निधि योजना के तहत छह वर्ष की अवधि में वित्तीय सहायता योजना से लगभग 20,859 रोगी लाभान्वित हुए। जबकि राष्ट्रीय आरोग्य निधि की छत्र योजना के तहत योजना को कवर करने के बाद, 1-1-2019 से 30-11- 2020 तक कुल 3113 रोगियों को वित्तीय सहायता से लाभान्वित होने की सूचना मिली थी।
3. दुर्लभ रोग घटक को स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग द्वारा अपने कब्जे में लेने के बाद आर.ए.एन. की छत्रछाया में शामिल किया गया था। 1-1-2019 से 30-11-2020 तक वित्तीय सहायता से 33 रोगी लाभान्वित हुए हैं।
4. जैसा कि व्यक्तिगत बातचीत के दौरान सूचित किया गया था, अधिकांश आरटीआई शिकायतें उपचार के लिए आवेदन दाखिल करने की प्रक्रिया के बाद राहत राशि की मंजूरी में देरी से संबंधित थीं। योजना से जुड़े लाभ को लेकर भी शिकायतें की गईं कि सिर्फ एकमुश्त वित्तीय सहायता ही क्यों दी जाती है।

संस्तुतियाँ

राष्ट्रीय आरोग्य निधि की अंब्रेला योजना भारत सरकार द्वारा गरीब रोगियों के उपचार के लिए एक अच्छी पहल है और गरीब रोगियों के लाभ के लिए इसे जारी रखा जा सकता है। उपलब्ध आंकड़ों और निष्कर्षों को ध्यान में रखते हुए, निम्नलिखित सिफारिशें प्रस्तावित हैं:

आवेदनों का प्रसंस्करण

यह अनुशंसा की जाती है कि हार्ड कॉपी में ऑफ़लाइन आवेदन पत्र प्राप्त करने की वर्तमान प्रथा के बजाय, मंत्रालय को एक प्रमुख स्थान पर स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय वेबसाइट पर लिंक को हाइलाइट करके ऑनलाइन आवेदन भरने और प्राप्त करने का एक तंत्र विकसित करना चाहिए।

वित्तीय तंत्र

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय पर वित्तीय प्रतिबंधों का बोझ कम करने के लिए इस योजना को राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की छत्रछाया में भी शामिल किया जा सकता है।

सरकारी अस्पतालों में परिक्रामी निधि में वृद्धि

वर्तमान में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने रुपये का एक परिक्रामी कोष बनाया है। राष्ट्रीय आरोग्य निधि घटक के लिए सोलह प्रमुख तृतीयक देखभाल अस्पतालों में 1 करोड़ और स्वास्थ्य मंत्री कैंसर राहत कोष के लिए अट्ठाईस प्रमुख कैंसर अस्पतालों में और वाराणसी के होमी भाभा कैंसर अस्पताल में 50 लाख परिक्रामी निधि। बाकी अस्पतालों के पास रिवाल्विंग फंड नहीं है। इसलिए, लाभार्थियों को वित्तीय सहायता की मंजूरी के समय को कम करने के लिए, मंत्रालय सरकारी अस्पतालों में कम से कम 25 लाख रुपये की रिवॉल्विंग फंड स्थापित करने के बारे में सोच सकता है, जहां पिछले वर्षों में या रिमोट में कुछ मामले सामने आए हैं, जैसे- उत्तर पूर्व अंडमान और निकोबार द्वीप समूह आदि क्षेत्र।

राष्ट्रीय आरोग्य निधि की अंब्रेला योजना की मांग सृजन:

भारत सरकार को सभी स्तरों पर मास मीडिया अभियानों और आईईसी गतिविधियों के माध्यम से गरीबी रेखा से नीचे के लोगों के बीच इस योजना को व्यापक रूप से प्रसारित करने की पहल करनी चाहिए। मीडिया गतिविधियाँ विशेष रूप से तृतीयक देखभाल अस्पतालों में शुरू की जा सकती हैं जहाँ भारत के विभिन्न हिस्सों में अधिकांश बीमारियों का उपचार उपलब्ध है।

पंजीकरण काउंटरों/स्टाफ नर्स/चिकित्सा अधिकारियों पर अग्रिम पंक्ति के कार्यकर्ताओं के लिए संवेदीकरण कार्यशाला की शुरुआत:

साहित्य खोज में यह भी सामने आया है कि राष्ट्रीय आरोग्य निधि की अंब्रेला योजना से संबंधित फ्रंटलाइन कार्यकर्ताओं का ज्ञान सीमित है। इसलिए अस्पतालों में सभी स्वास्थ्य पेशेवरों के बीच एक दिवसीय अभिविन्यास कार्यशाला आयोजित की जानी चाहिए।

सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) स्थापित करना

जानलेवा बीमारियों के इलाज के लिए बड़ी संख्या में लाभार्थियों तक पहुंचने के लिए निजी तृतीयक देखभाल अस्पतालों को गुणवत्ता और पहुंच से समझौता किए बिना योजना में शामिल किया जा सकता है। इससे अधिक संख्या में रोगी उपचार से सेवाओं का लाभ उठा सकेंगे। पीपीपी के लिए वित्तीय तंत्र तैयार किया जा सकता है।

दुर्लभ बीमारियों से पीड़ित गरीब मरीजों के लिए आर्थिक सहायता योजना में सुधार का सुझाव

इस योजना के तहत वर्तमान में दुर्लभ बीमारियों के इलाज के लिए केवल एकमुश्त वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। माध्यमिक डेटा से पता चलता है कि इसके कारण कई रोगी पीड़ित होते हैं और कभी-कभी कानूनी सहारा लेते हैं। इसलिए, यह अनुशंसा की जाती है कि दुर्लभ बीमारी वाले लोगों को एक से अधिक बार वित्तीय सहायता प्रदान करने की संख्या में वृद्धि की जाए,

जिसकी अधिकतम सीमा राशि रु. 15 लाख है। दुर्लभ बीमारियों के लिए राष्ट्रीय मसौदा नीति, 2020 में भी दुर्लभ बीमारियों के संबंध में सुझाव दिए गए हैं।

3.1.11 जूनोटिक रोगों की रोकथाम और नियंत्रण के लिए अंतर-क्षेत्रीय समन्वय को सुदृढ़ करने के लिए कार्यक्रम का मूल्यांकन

(प्रधान अन्वेषक- प्रो. मनीष चतुर्वेदी, सह-अन्वेषक-डॉ. राजेश कुमार, कर्नल (डॉ.) अजय कुमार)

सामान्य उद्देश्य

जूनोटिक रोगों की रोकथाम और नियंत्रण के लिए अंतर-क्षेत्रीय समन्वय को मजबूत करने के लिए कार्यक्रम का तृतीय पक्ष मूल्यांकन करना।

विशिष्ट उद्देश्य

1. जूनोटिक रोगों की रोकथाम और नियंत्रण के लिए अंतर-क्षेत्रीय समन्वय के लिए राष्ट्रीय स्तर के तंत्र की स्थिति का निर्धारण करना।
2. राष्ट्रीय और क्षेत्रीय स्तर पर देश में जनशक्ति के प्रशिक्षण के लिए की गई गतिविधियों का आकलन करने के लिए (राष्ट्रीय और क्षेत्रीय स्तर पर आयोजित संयुक्त प्रशिक्षण, प्रशिक्षित प्रतिभागियों की संख्या आदि)
3. जूनोटिक रोगों की रोकथाम के लिए आयोजित संसाधन सामग्री और आईईसी गतिविधियों की समीक्षा करना
4. क्षेत्रीय स्तर पर जूनोटिक रोगों के लिए प्रयोगशालाओं के सुदृढ़ीकरण का आकलन करना।
5. भारत में आईएससी परियोजना में अंतर-क्षेत्रीय समन्वय को मजबूत करने के लिए अब तक विभिन्न मानकों में निधियों के उपयोग का पता लगाना।
6. विभिन्न अंतरालों, चुनौतियों पर चर्चा करना और बीच-बीच में सुधार के उपायों का सुझाव देना।

अध्ययन निष्कर्ष

राज्य के मंत्रालयों से अपर्याप्त समर्थन

आरसी ने बताया कि राज्य इसे प्राथमिकता नहीं दे रहे हैं इसलिए कुछ राज्यों में प्रयोगशालाओं के नेटवर्क विकास और मैपिंग में देरी हो रही है। राज्य के विभागों ने आज तक कई क्षेत्रीय कार्यालयों में नोडल अधिकारियों के नामों की जानकारी नहीं दी है.

- स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय से निधियां जारी करने में देरी
- कर्मचारियों की भर्ती:

कुछ संस्थानों को कुछ प्रशासनिक प्रक्रियाओं के कारण कर्मचारियों की भर्ती के मुद्दों का सामना करना पड़ा। कुछ अधिकारियों द्वारा यह सुझाव दिया गया था कि इस कार्यक्रम के बेहतर कार्यान्वयन के लिए कोई अन्य जिम्मेदारी लिए बिना कार्यक्रम के नोडल अधिकारी को अलग व्यक्ति होना चाहिए।

अपर्याप्त आईईसी गतिविधियां:

इस संबंध में न तो कोई तैयारी की गई और न ही कुछ खरीदा गया। अत: कोई प्रसार गतिविधियां संपन्न नहीं हो सकीं। संस्थानों के अंदर या बाहर शायद ही कोई आईईसी सामग्री प्रदर्शित की गई थी जो रोगियों और स्थानीय समुदाय को जूनोटिक रोग निगरानी कार्यक्रम के बारे में जागरूक कर सकती थी।

प्रशासनिक मुद्दे:

केंद्र और संबंधित संस्था अधिकारियों के स्तर पर प्रशासनिक समस्याएं और अड़चनें थीं। प्रक्रियात्मक विलंब, अपर्याप्त संचार और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय से विलंबित प्रतिक्रिया के कारण भी कार्यान्वयन की गति धीमी हुई।

संस्तुतियाँ

- समन्वित प्रयासों के माध्यम से प्रशासनिक मुद्दों का निवारण।
- नियमित रूप से स्टॉक लेने की व्यवस्था होनी चाहिए (समीक्षा बैठकों के माध्यम से) जहां छोटे मुद्दों को समय पर संबोधित किया जा सकता है। समय पर राशि का वितरण सुनिश्चित करें।
- एक स्वास्थ्य : एक केंद्र

कार्यक्रम का विस्तार सभी 36 राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में इस प्रकार किया जाना चाहिए कि प्रत्येक राज्य/संघ राज्य क्षेत्र में एक केंद्र/प्रहरी स्थल हो। मानव और जानवरों के लिए सामान्य बीमारियों के अनुसंधान अध्ययन और रिपोर्टिंग का समन्वय करना।

- आईडीएसपी के साथ अभिसरण; डेटा साझाकरण और विश्लेषण को आसान बनाने के लिए प्रविष्टियां आसान की गईं।
- पशुपालन और चिकित्सा समकक्षों के बीच डेटा साझा करने के लिए केंद्र से आदेश प्राप्त करने की आवश्यकता है।
- कोविड महामारी के दौरान हुई संवर्धित कार्यक्रम गतिविधियों को बनाए रखना

3.1.12 भारत के एनपीएसपी का पोलियो से जन स्वास्थ्य में संक्रमण का मध्यावधि आकलन - 2020 (प्रधान अन्वेषक- प्रो. हर्षद ठाकुर सह अन्वेषक- प्रो. जे.के. दास)

उद्देश्य:

1. भारत की राष्ट्रीय पोलियो संक्रमण योजना के प्रमुख तत्वों की समीक्षा और अद्यतन करना।
2. राष्ट्रीय और उप-राष्ट्रीय स्तरों पर सहमत एनपीएसपी संक्रमणकारी गतिविधियों के कार्यान्वयन की प्रगति और समय-सीमा की समीक्षा करना।
3. आपातकालीन प्रतिक्रिया सहित टीकाकरण और अन्य सार्वजनिक स्वास्थ्य कार्यक्रमों के प्रबंधन में देश/राज्य स्तर के अवसरों और एनपीएसपी की भागीदारी की समीक्षा करना।
4. राष्ट्रीय टीकाकरण कार्यक्रमों और अन्य राष्ट्रीय और उप-राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राथमिकताओं के विभिन्न घटकों को मजबूत करने के लिए भविष्य के एनपीएसपी संक्रमण के अवसरों की सिफारिश करना।

छह राज्यों और छह जिलों का उद्देश्यपूर्ण नमूना लिया गया। चयनित राज्यों ने पोलियो संक्रमण समयरेखा श्रेणियों में से प्रत्येक से दो राज्यों का प्रतिनिधित्व किया (अर्थात त्वरित और क्रमिक मापन)। इसके अलावा, चयनित राज्यों ने छह डब्ल्यूएचओ-एनपीएसपी क्षेत्रों में से प्रत्येक का प्रतिनिधित्व किया। इस प्रकार चुने गए छह राज्य बिहार, कर्नाटक, महाराष्ट्र, ओडिशा, पंजाब और उत्तर प्रदेश थे। इसके अलावा, प्रत्येक संक्रमण समयरेखा श्रेणियों में से दो जिलों का चयन किया गया था।

निष्कर्ष:

मूल्यांकन दल ने नोट किया कि एनपीएसपी का पोलियो से सार्वजनिक स्वास्थ्य तक का विकास अद्वितीय रहा है, और इसने वैश्विक पोलियो उन्मूलन कार्यक्रम को सबक प्रदान किया है। ऐसा इसलिए है क्योंकि 2014 में भारत को पोलियो मुक्त प्रमाणित होने से पहले और 2018 में एनपीएसपी संक्रमण ढांचे के विकसित होने से पहले से ही एनपीएसपी पोलियो संक्रमण प्रयासों में सबसे आगे था। इस संबंध में, मूल्यांकन दल ने नोट किया कि एनपीएसपी निम्नलिखित प्रयासों के माध्यम से पोलियो से जन स्वास्थ्य में प्रभावी रूप से संक्रमण कर रहा है:

- एएफपी रिपोर्टिंग नेटवर्क और प्रशिक्षण कार्यशालाओं में एएफपी मामले की जांच, मल नमूना संग्रह, नमूना शिपमेंट, सक्रिय मामले की खोज (एसीएस) जैसे आवश्यक पोलियो कार्यों को मुख्यधारा में लाने के लिए सरकार को क्षमता हस्तांतरित करना।
- उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों को शामिल करके आईएमआई के लिए समर्थन, फ्रंटलाइन कार्यकर्ताओं की क्षमता निर्माण, प्रशिक्षण नियमावली के विकास, वकालत, जवाबदेही विकास

और माइक्रोप्लान के विकास सहित नियमित टीकाकरण संबंधी गतिविधियों को मजबूत करना।

- देश में प्रतिरक्षण (एईएफआई) निगरानी प्रणाली के बाद प्रतिकूल घटना की स्थापना और कामकाज का समर्थन करना।
- एक रिपोर्टिंग नेटवर्क की स्थापना, संबंधित स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की क्षमता निर्माण, डेटा प्रबंधन और वीपीडी प्रयोगशाला नेटवर्क के विस्तार के लिए समर्थन सहित प्रयोगशाला आधारित वीपीडी निगरानी को बढ़ाना।
- रिपोर्टिंग नेटवर्क की स्थापना, संबंधित स्वास्थ्य कर्मचारियों की क्षमता निर्माण, डेटा प्रबंधन, जवाबदेही विकास, अंतर-क्षेत्रीय समन्वय और कैच-अप अभियानों के लिए समर्थन सहित एमआर उन्मूलन संबंधी गतिविधियों को मजबूत करना।
- नए टीके पेश करना, जिसमें परिचालन दिशा-निर्देशों का विकास, तैयारियों का आकलन और परिचय के बाद मूल्यांकन (पीआईई) शामिल हैं।
- स्वास्थ्य आपात स्थितियों के लिए प्रतिक्रिया को मजबूत करने की दिशा में, एनपीएसपी कार्यबल की देशव्यापी ताकत ने कई मौकों पर, भारत में कोविड -19 के प्रकोप सहित बाढ़, चक्रवात, संक्रामक रोगों के बड़े प्रकोप के बाद महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। भूमिका में तैयारी, योजना और प्रतिक्रिया में स्वास्थ्य कार्यबल की क्षमता को मजबूत करना शामिल है लेकिन यही तक सीमित नहीं है; साक्ष्य-आधारित वकालत करना; प्रतिक्रिया गतिविधियों की निगरानी; रोग निगरानी को मजबूत करना; और हितधारकों के साथ समन्वय करना।

संस्तुतियाँ:

- भारत सरकार और एनपीएसपी को पोलियो संक्रमण का अधिक व्यापक रोडमैप बनाने के लिए मिलकर काम करना चाहिए, जिसमें सभी स्तरों पर पोलियो संक्रमण प्रगति को ट्रैक करने के लिए एक जवाबदेही ढांचा और निगरानी प्रणाली शामिल है।
- स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार को राज्य सरकारों को संक्रमण प्रक्रिया में पूरी तरह से शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए।
- स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय को उन चुनिंदा कार्यों को करने के लिए एक नोडल व्यक्ति की भर्ती/नियुक्ति करनी चाहिए जो वर्तमान में केंद्रीय स्तर पर एनपीएसपी संरचना द्वारा समर्थित हैं।
- स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय और डब्ल्यू.सी.ओ. भारत- एनपीएसपी को संयुक्त रूप से एनपीएसपी की भागीदारी के लिए डब्ल्यू.सी.ओ. भारत के अनुरोधों को प्राथमिकता देने की प्रक्रिया विकसित करनी चाहिए।
- एनपीएसपी समर्थित गतिविधियों को अपनाने में कोई संतोषप्रदता नहीं होनी चाहिए।

- स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय को तकनीकी और साथ ही संक्रमण के वित्तीय पहलुओं की आवधिक समीक्षा करने के लिए स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, एनपीएसपी और संबंधित भागीदार संगठनों दोनों के प्रतिनिधियों से बनी एक समिति स्थापित करनी चाहिए।
- स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय को डब्ल्यूसीओ इंडिया के साथ समन्वय कर यह सुनिश्चित करना चाहिए कि एनपीएसपी को पोलियो से जन स्वास्थ्य में संक्रमण के लिए भारत सरकार से डब्ल्यूसीओ इंडिया को समय पर और अबाधित धन का प्रवाह हो।
- स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय को एनसीडीसी के आईडीएसपी और एनपीएसपी के बीच निगरानी कार्यों के प्रभावी एकीकरण के विकल्पों का पता लगाना चाहिए।
- डब्ल्यूसीओ इंडिया को संक्रमण योजना का विस्तृत जोखिम मूल्यांकन करना चाहिए और जोखिम न्यूनीकरण योजना विकसित करनी चाहिए।
- डब्लूसीओ इंडिया को एक विस्तृत ट्रांजिशन कॉस्टिंग एक्सरसाइज करनी चाहिए, जिसके बाद बजट आवश्यकताओं, फंडिंग गैप और कमियों को भरने के लिए ठोस योजनाओं पर नियमित अपडेट किया जाना चाहिए।
- डब्ल्यू.सी.ओ. भारत को राष्ट्रीय स्तर पर एक पूर्णकालिक फोकल व्यक्ति की स्थापना करनी चाहिए जो देश में संक्रमण प्रगति की बारीकी से समीक्षा करे और संक्रमण के आसपास मौजूद बहुआयामी जटिलताओं को देखते हुए हितधारकों का मार्गदर्शन करे। डब्ल्यूसीओ इंडिया को राज्यों द्वारा एसएमओ के समय का कार्यभार अध्ययन या विश्लेषण करना चाहिए ताकि गैर-पोलियो कार्य करने के लिए एनपीएसपी कर्मचारियों की वर्तमान और भविष्य की बैंडविड्थ को समझ सकें।
- डब्ल्यू.सी.ओ. भारत को राष्ट्रीय स्तर पर एक आंतरिक ट्रांज़िशन ओवरसाइट टीम स्थापित करने पर विचार करना चाहिए।

3.2 संस्थान द्वारा संचालित सतत अनुसंधान अध्ययन

शैक्षणिक वर्ष 2020-2021 में चल रहे शोध अध्ययन निम्नलिखित हैं:

क्रम	शोध अध्ययन का विषय	प्रधान अन्वेषक	सह-अन्वेष
3.2.1	नर गर्भनिरोधक के विकास के लिए हार्मोन के साथ संयोजन में इस्तेमाल होने वाले नर चूहों में विषाक्तता पर नीम फाइटोकेमिकल निकालने का मूल्यांकन: एक पायलट अध्ययन	डॉ. एस. रामचंद्र राव	डॉ. राजेश कुमार
3.2.2	दिल्ली में झुग्गी-झोपड़ी और गैर-झुग्गी-झोपड़ी में रहने वालों के बीच 50 वर्ष और उससे अधिक उम्र के पुरुषों में प्रोस्टेट विशिष्ट एंटीजन के लिए पुरुष जनसंख्या की जांच के लिए एक पायलट अध्ययन	डॉ. राजेश कुमार	डॉ. एस. रामचंद्र राव
3.2.3	एलएन अस्पताल, नई दिल्ली के प्रसवपूर्व क्लिनिक में भाग लेने वाली विवाहित व्यवहृत दुर्व्यहृत (Abused) गर्भवती महिलाओं की स्वास्थ्य स्थिति पर व्यवहार हस्तक्षेप पैकेज का प्रभाव- एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण	डॉ. मीराम्बिका महापात्रो	प्रो. सुधाप्रसाद प्रो. नीरा धर
3.2.4	उत्तराखंड राज्य में एनयूएचएम के तहत पीपीपी मोड में परिचालित शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों (यूपीएचसी) का मूल्यांकन	प्रो. मनीष चतुर्वेदी	प्रो. संजय गुप्ता, डॉ. रमेश चंद, डॉ. जे. पी. शिवदासानी, डॉ. जी. एस. करोल

3.2.5	मध्य प्रदेश के मिशन परिवार विकास जिलों में युवा व्यवहार परिवर्तन पर स्वास्थ्य और परिवार कल्याण कार्यक्रम से संबंधित सूचना शिक्षा संचार गतिविधियों का प्रभाव: एक पायलट अध्ययन	डॉ. अंकुर यादव	प्रो. मिहिर कुमार मलिक

3.3 पूर्ण एमडी (सीएचए)/डीएचए थीसिस और शोध प्रबंध

तीन साल की अवधि के एमडी (सीएचए)/डीएचए पाठ्यक्रम (बैच 2018-2021) करने वाले छात्रों द्वारा निम्नलिखित 08 शोध अध्ययन पूरे किए गए हैं:

3.3.1	दिल्ली के सरकारी स्कूलों में स्कूल स्वास्थ्य सेवाओं का आकलन	डॉ शीतल दधीच	प्रो. मनीष चतुर्वेदी
3.3.2	दिल्ली में नेत्रहीनों के कल्याण और/या पुनर्वास के लिए काम करने वाले संगठनों में नेत्रहीनता के साथ रहने वाले लोगों के जीवन की गुणवत्ता और समस्याओं का एक अध्ययन	डॉ अनंत वर्मा	प्रो. विवेक एस. अधीश
3.3.3	दिल्ली में सरकारी संतानहीनता क्लिनिक में भाग लेने वाले संतानहीन दंपतियों की उपचार व्यवहार मांग तथा खर्चीला उपचार	डॉ. जनेन्दर सिंह नेगी	डॉ. रेणु शहरावत
3.3.4	दिल्ली के एक सार्वजनिक तृतीयक देखभाल अस्पताल में दर्दनाक आर्थोपेडिक चोटों के पीड़ितों में देखभाल की गुणवत्ता और जेब खर्च पर एक अध्ययन	डॉ. भावेश	प्रो. विवेक एस. अधीश
3.3.5	दिल्ली में तृतीयक देखभाल अस्पताल में नर्सिंग पेशेवरों के बीच प्रदाता की संतुष्टि का एक अध्ययन	डॉ. नीरज कुमार	प्रो. रजनी बग्गा
3.3.6	दिल्ली में सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधाओं में रक्त आधान सेवाओं के कामकाज का आकलन करने के लिए एक अध्ययन	डॉ. पूजा सिंह	प्रो. संजय गुप्ता
3.3.7	हरियाणा के एक जिले में मिशन इंद्रधनुष के कार्यान्वयन पर अध्ययन	डॉ. अजीत प्रियम अग्रवाल	प्रो. वी. के. तिवारी
3.3.8	दिल्ली में प्रमुख गैर-संचारी रोगों के लिए शहरी मलिन बस्तियों के वयस्कों (30-60 वर्ष) के बीच स्वास्थ्य चाहने वाले व्यवहार का अध्ययन	डॉ. रवि कुमार	प्रो. मनीष चतुर्वेदी

3.4 एमडी (सीएचए)/डीएचए छात्रों द्वारा किए जा रहे थीसिस कार्य

एमडी (सीएचए)/ डीएचए छात्रों (बैच 2019-2022) द्वारा 09 चल रहे थीसिस कार्य निम्नलिखित हैं:

क्रम	थीसिस का विषय	छात्र का नाम	निर्देशक का नाम
3.4.1	हरियाणा राज्य के एक जिले में आरएमएनसीएच+ए में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) निधियों के उपयोग का अध्ययन।	डॉ रुचि गेलॉन्ग	प्रो. वी. के. तिवारी
3.4.2	दिल्ली के एक तृतीयक देखभाल अस्पताल में आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना का आकलन।	डॉ. श्याम सुंदर दुर्गम	प्रो. संजय गुप्ता
3.4.3	दिल्ली में शहरी स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं की डिलीवरी में मोहल्ला क्लीनिक का मूल्यांकन।	डॉ. गौरव झा	प्रो. मनीष चतुर्वेदी
3.4.4	तृतीयक देखभाल अस्पतालों के ब्लड बैंक में संचालित रक्त सुरक्षा के संबंध में हीमोविजिलेंस कार्यक्रम का मूल्यांकन।	डॉ. इशांत कुमार	प्रो. जे.के. दास (पर्यवेक्षक) प्रो. मनीष चतुर्वेदी (सह-पर्यवेक्षक)
3.4.5	दिल्ली में टाइप -2 मधुमेह के लिए एलोपैथिक और आयुर्वेदिक उपचार पर चिकित्सकों और रोगियों की धारणा का अध्ययन।	डॉ रूपेश गुप्ता	प्रो. संजय गुप्ता

3.4.6	तृतीयक देखभाल अस्पतालों में कार्य हिंसा और स्वास्थ्य देखभाल पेशेवरों की भलाई पर इसका प्रभाव	डॉ मनोज कुमार	प्रो. रजनी बग्गा
3.4.7	शहरी आबादी के बीच घरेलू स्तर पर बचे हुए दवा निपटान अभ्यास दिल्ली, भारत: एक क्रॉस सेक्शनल अध्ययन।	डॉ. पूजा गर्ग	डॉ. रेणु शहरावत
3.4.8	दिल्ली में शहरी स्लम पुनर्वास कॉलोनी में कई वयस्क आबादी में उच्च रक्तचाप की रोकथाम और प्रारंभिक पहचान: एक विश्लेषणात्मक अध्ययन।	डॉ दिपायन बनर्जी (डीएचए)	प्रो. पी. स्वैन
3.4.9	दिल्ली के एक मेडिकल कॉलेज में छात्रों के बीच मादक द्रव्यों के सेवन की व्यापकता (थीसिस सबमिट नहीं की गई)	डॉ. अरूण कुमार (डीएचए)	प्रो. पूनम खट्टर

3.5 एमडी (सीएचए/डीएचए) छात्रों किए जारहे थीसिस कार्य

एमडी (सीएचए)/डीएचए छात्रों (बैच 2020-2023) द्वारा जारी 11 थीसिस कार्य निम्नलिखित हैं:

क्रम	थीसिस का विषय	छात्र का नाम	निर्देशक का नाम
3.5.1	दिल्ली में एक तृतीयक देखभाल अस्पताल में पीएमजेएवाई के तहत भर्ती मरीजों के ख़र्चीले इलाज पर एक अध्ययन।	डॉ. शिवार्चका ओंकार	प्रो. मनीष चतुर्वेदी
3.5.2	एम स्वास्थ्य मंच अनमोल: दिल्ली/एनसीआर के एक जिले में उपयोगिता और कार्यान्वयन।	डॉ. अभिषेक दीक्षित	प्रो. मनीष चतुर्वेदी
3.5.3	दिल्ली की शहरी मलिन बस्तियों में गर्भवती महिलाओं द्वारा अंतर्गर्भाशयी देखभाल उपयोग पर COVID-19 महामारी के प्रभाव पर अध्ययन।	डॉ. अथिरा के.आर.	डॉ. रेणु शहरावत
3.5.4	दिल्ली के चयनित जिलों में पोषण अभियान का मूल्यांकन।	डॉ. चिराग गुप्ता	प्रो. संजय गुप्ता
3.5.5	दिल्ली में कोविड-19 टीकाकरण का कोविड आने के बाद का मूल्यांकन	डॉ. कंचन	प्रो. वी. के. तिवारी
3.5.6	दिल्ली में तृतीयक देखभाल अस्पतालों में राष्ट्रीय अंग प्रत्यारोपण कार्यक्रम (एनओटीपी) के कार्यान्वयन का अध्ययन	डॉ प्रशांत भारद्वाज	प्रो. संजय गुप्ता
3.5.7	दिल्ली में राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत दिशा (किशोरों के स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए दिल्ली पहल) क्लीनिक का आकलन।	डॉ. राजन	प्रो. वी. के. तिवारी
3.5.8	दिल्ली के एनसीटी में जॉइन कमीशन इंटरनेशनल (जेसीआई) से मान्यता प्राप्त अस्पतालों में मेडिकल वैल्यू ट्रैवल की वर्तमान स्थिति।	डॉ. विनीत गौतम	प्रो. संजय गुप्ता
3.5.9	दिल्ली में प्रबंधन कोविड-19 रोगी में शामिल स्वास्थ्य कर्मियों के बीच मानसिक स्वास्थ्य	डॉ. वर्षा (डीएचए)	डॉ मीराम्बिका महापात्रो
3.5.10	भारत में कोविड -19 की शुरुआत के बाद से तंबाकू नियंत्रण और विकास: साहित्य की समीक्षा	डॉ. अंकुर (डीएचए)	प्रो. पूनम खट्टर
3.5.11	भारतीय युवाओं में गैर-संचारी रोगों से जुड़े जोखिम कारकों का एक अध्ययन	डॉ. सनी सहगल (डीएचए)	प्रो. पी. स्वैन

3.6 पीजीडीपीएचएम छात्रों द्वारा जारी थीसिस कार्य

पीजीडीपीएचएम के छात्रों (बैच2020-2021) द्वारा 06 चल रहे शोध प्रबंध कार्य निम्नलिखित हैं।

क्रम	थीसिस का विषय	छात्र का नाम	निर्देशक का नाम
3.6.1	नई दिल्ली के एक तृतीयक स्वास्थ्य अस्पताल में टेलीमेडिसिन को अपनाने के ज्ञान धारणा दृष्टिकोण का आकलन	डॉ. अंजू मोहन	डॉ. धर्मेंद्र कुमार यादव
3.6.2	दिल्ली में वरिष्ठ नागरिकों के बीच स्वस्थ बुढ़ापा: जीवन शैली पैटर्न और रोग प्रसार का प्रभाव	डॉ. प्रियारेधु	प्रो. मिहिर कुमार मलिक
3.6.3	कोविड -19 और प्राथमिक विद्यालय के बच्चों की शिक्षा, सामाजिक जीवन और नियमित जीवन शैली पर इसका प्रभाव (6-11 वर्ष) दिल्ली, भारत	डॉ. प्रिया अग्रवाल	प्रो. नदिनी सुब्बैया
3.6.4	मोहल्ला क्लीनिक, दिल्ली में कर्मचारियों के बीच बायोमेडिकल अपशिष्ट प्रबंधन के संबंध में ज्ञान और अभ्यास पर एक अध्ययन	डॉ. आभा सिंधवाल	डॉ. रामचंद्र राव
3.6.5	हरियाणा के गुरुग्राम जिले में स्कूल जाने वाले किशोरों के बीच एनसीडी के जोखिम कारकों पर एक आकलन	डॉ. कंचन सिंह	डॉ. राजेश कुमार
3.6.5	महाराष्ट्र में कोविड-19 महामारी के दौरान स्कूली शिक्षकों के शारीरिक और मनोवैज्ञानिक स्वास्थ्य पर ऑनलाइन शिक्षण का आकलन	डॉ मधुरा शिरसत	डॉ. अंकुर यादव

राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान द्वारा कई विशिष्ट परियोजनाओं के अंतर्गत विभिन्न गतिविधिओं जैसे- राष्ट्रीय शीत श्रृंखला एवं टीका प्रबंधन संसाधन केंद्र, राष्ट्रीय कौशल प्रयोगशाला (दक्ष), स्वास्थ्य सूचना विज्ञान केंद्र, मातृ एवं शिशु ट्रैकिंग सुविधा केंद्र, राष्ट्रीय टीकाकरण तकनीकी सलाहकार समूह परियोजना आदि के संचालन का प्रबंध किया जाता है।

4.0 विशिष्ट परियोजनाएं एवं कंसोर्टियम गतिविधियां

राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान द्वारा कई विशिष्ट परियोजनाओं के अंतर्गत विभिन्न गतिविधिओं जैसे- राष्ट्रीय शीत श्रृंखला एवं टीका प्रबंधन संसाधन केंद्र, राष्ट्रीय कौशल प्रयोगशाला (दक्ष), स्वास्थ्य सूचना विज्ञान केंद्र, मातृ एवं शिशु ट्रैकिंग सुविधा केंद्र, राष्ट्रीय टीकाकरण तकनीकी सलाहकार समूह परियोजना आदि के संचालन का प्रबंध किया जाता है।

4.0 विशिष्ट परियोजनाएं एवं कंसोर्टियम गतिविधियां

4.1 राष्ट्रीय शीत श्रृंखला एवं टीका प्रबंधन संसाधन केन्द्र (एनसीसीवीएमआरसी)

राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय तथा यूनिसेफ की एक संयुक्त पहल द्वारा वर्ष 2013 में एनसीसीवीएमआरसी की स्थापना की गई। एनसीसीवीएमआरसी भारत सरकार का एक सर्वोच्च संसाधन केंद्र है। इस केंद्र का उद्देश्य उच्च गुणवत्ता प्रदान करना, प्रभावी और कुशल टीकाकरण की सुविधा प्रदान करना तथा सुरक्षित और प्रभावी टीकों के साथ सार्वभौमिक टीकाकरण सुनिश्चित करना है। वित्तीय वर्ष 2020-21 में एनसीसीवीएमआरसी ने कोविड महामारी की स्थिति के बावजूद कई गतिविधियों का आयोजन किया।

एनसीसीवीएमआरसी ने भारत में स्वास्थ्य कार्यबल के क्षमता निर्माण के लिए कई आभासी कार्यशालाओं का आयोजन किया, जिसमें आईएलआर-डीएफ और वीएस (1 बैच) की मरम्मत तथा रखरखाव पर आभासी प्रशिक्षण, टी-वीएसीसी (1 बैच) पर प्रशिक्षण, झारखंड राज्य हेतु वीसीसीएच (वैक्सीन एवं कोल्ड चेन) पर प्रशिक्षण, कोविड-19 टीकाकरण अभियान के रोल-आउट के लिए परिचालन दिशानिर्देशों पर राष्ट्रीय टीओटी, वर्चुअल एनसीसीएमआईएस एवं सहायक पर्यवेक्षण (आरआई, कोल्ड चेन एवं कोविड-19 सत्र साइट निगरानी) समीक्षा तथा पुन: अभिविन्यास कार्यशाला (17 राज्य /केंद्र शासित प्रदेश), तथा 4 तकनीकी सचिवालय विकास समूह (टीएसडीजी) की बैठकें शामिल हैं।

एनसीसीवीएमआरसी ने वीसीसीएच की प्रशिक्षण आवश्यकताओं का आकलन, आभासी प्रशिक्षण द्वारा प्रभावशीलता एवं चुनौतियों पर एक शोध अध्ययन, भारतीयों के मध्य कोविड-19 के प्रति ज्ञान, दृष्टिकोण एवं आकलन का आकलन, भारत में कोविड-19 महामारी का मनोवैज्ञानिक प्रभाव, तथा भारत में विद्युत शीत श्रृंखला उपकरण के जीवन काल विश्लेषण जैसी कई अनुसंधान गतिविधियां आयोजित की एवं उनमें भाग लिया । एनसीसीवीएमआरसी को कोविड-19 टीकाकरण अभियान शुरू होने से पहले भारत में कोल्ड चेन स्टोरेज स्पेस की उपलब्धता की गणना करने की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। एनसीसीवीएमआरसी ने पिछले साल कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रकाशनों के माध्यम से टीकाकरण आपूर्ति श्रृंखला (वेबसाइट का विवरण,

http://nccmis.org/Publications) के विभिन्न डोमेन में मान्यता प्राप्त है। एनसीसीवीएमआरसी ने एक पूर्ण सत्र एवं एक मौखिक पेपर प्रस्तुति के माध्यम से भारतीय महामारी विज्ञान फाउंडेशन (ईएफआईसीओएन 2020) के राष्ट्रीय सम्मेलन में भी प्रतिनिधित्व किया। । एनसीसीवीएमआरसी ने 3 राज्यों के वर्चुअल डेटा क्लीनिंग अभ्यास का कार्य किया तथा कोविड सत्र साइट निगरानी के लिए मोबाइल अनुप्रयोग विकसित किया।

एनसीसीवीएमआरसी ने भारत में कोविड-19 वैक्सीन की शुरुआत करने हेतु स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय का सहयोग करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जिसमें परिचालन दिशा-निर्देश तैयार करना, प्रशिक्षण सामग्री तैयार करना, टीकाकरण रोल-आउट हेतु राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण आयोजित करना, यूआईपी के अंतर्गत खरीदे गए नए उपकरणों को संचालित करने हेतु मानक संचालन प्रक्रिया स्थापित करना (जैसे गोदरेज फ्रंट ओपनिंग आईएलआर) शामिल हैं।, डब्ल्यूआईसी और डब्ल्यूआईएफ की मरम्मत और रखरखाव के संबंध में जीएमएसडी कोलकाता, जीएमएसडी करनाल तथा बिहार राज्य को तकनीकी सहायता प्रदान करना, टीकाकरण अभियान हेतु उपयोग किए जाने वाले रसद का विश्लेषण, संशोधित टीकाकरण अपशिष्ट प्रबंधन दिशानिर्देश विकसित करना तथा नई सीसीई खरीद तैयार करना एवं वितरण योजना शामिल हैं।

4.2 राष्ट्रीय स्वास्थ्य पोर्टल (एनएचपी) हेतु स्वास्थ्य सूचना-विज्ञान केन्द्र (सीएचआई)

स्वास्थ्य सूचना-विज्ञान केन्द्र (सीएचआई) ने सर्वप्रथम इस क्षेत्र में पहल की और स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं को डिजिटल स्वास्थ्य देखभाल सुविधा के रूप में परिवर्तित करने के क्रम में उल्लेखनीय कार्य किया। अप्रैल 2020 से मार्च 2021 के दौरान की गई विभिन्न प्रमुख पहलें तथा उपलब्धियां नीचे सूचीबद्ध हैं :

स्वास्थ्य सूचना-विज्ञान केन्द्र ने गैर-संचारी रोगों के लिए जनसंख्या आधारित सर्वेक्षण हेतु 'आयुष्मान भारत : व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा कार्यक्रम' को लागू किया है। स्वास्थ्य सूचना-विज्ञान केन्द्र ने विज़ुअलाइज़ेशन(साकार करने) के माध्यम से कार्यक्रम की निगरानी करने और प्रासंगिक आंकड़े प्राप्त करने हेतु स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के विभिन्न प्रभागों को विश्लेषणात्मक और निगरानी उपकरण प्रदान किए। स्वास्थ्य सूचना-विज्ञान केन्द्र ने ब्लाइंडनेस प्रोग्राम, बजट डिवीजन, दुर्लभ बीमारियों, वृद्धजनों की देखभाल तथा आईडीएसपी के लिए विभिन्न निगरानी उपकरण भी विकसित किए। स्वास्थ्य सूचना-विज्ञान केन्द्र ने अधिकारियों द्वारा संचालित कार्यक्रमों के विभिन्न स्तरों की निगरानी के लिए एक पोर्टल 'सुमन' (https://suman.nhp.gov.in/) भी विकसित किया है। लाभार्थियों को जानकारी प्रदान के उद्देश्य से 10 अक्टूबर 2019 को इस पोर्टल का शुभारम्भ किया गया। सीएचआई ने एन.एच.पी के

लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु प्रगति एवं इस संबंध में की गई कार्रवाई की निगरानी करने हेतु राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति 2017 डैशबोर्ड को विकसित किया तथा उसके रखरखाव का कार्य किया है। सीएचआई ने कार्यक्रम की प्रगति की निगरानी के लिए एक पोर्टल स्वास्थ्य एवं आरोग्यता केंद्र विकसित और होस्ट किया है। 15 फरवरी 2021 तक 59714 एचडब्ल्यूसी बनाए गए हैं। सार्वजनिक सुविधाओं में स्वास्थ्य सेवा की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए उचित निर्णय लेने हेतु अस्पताल में प्राप्त सेवाओं के लिए रोगी की प्रतिक्रिया प्राप्त करने के लिए मेरा अस्पताल कार्यक्रम की शुरुआत नवंबर 2016 में की गई थी ।

15 फरवरी 2021 तक, 7400 अस्पतालों ने इस आवेदन हेतु नामांकित किया है। प्रधान मंत्री राष्ट्रीय डायलिसिस कार्यक्रम (पीएमएनडीपी) के कार्यान्वयन की निगरानी हेतु सीएचआई प्रौद्योगिकी प्रणाली को विकसित कर रहा है। वर्तमान में, सीएचआई ने डेटा संग्रह के माध्यम से देश भर में कोविड स्थिति तथा प्रतिक्रिया का विश्लेषण करने, समझने तथा उसकी निगरानी हेतु स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय हेतु कोविड-19 वेब प्लेटफॉर्म के विकास एवं रखरखाव का कार्य किया है। रोगी विश्लेषण, नियंत्रण क्षेत्र विश्लेषण, मामले और बुनियादी ढांचे का विश्लेषण, निगरानी, डैशबोर्ड, परीक्षण किट खरीद, रिपोर्ट और एसएमएस एकीकरण जैसी सुविधाओं के साथ, यह एक वास्तविक समय(रियल टाइम) वेब प्लेटफॉर्म है।

4.3 राष्ट्रीय कौशल प्रयोगशाला (दक्ष)

स्वास्थ्य प्रदाताओं जैसे- ए.एन.एम./एलएचवी/स्टाफ नर्स/चिकित्सा अधिकारियों/नर्सिंग सुपरवाइज़रों तथा संकाय सदस्यों/प्रसूति केन्द्रों पर उत्तम आरएमएनसीएच+ए सेवाएं उपलब्ध कराने हेतु कार्यरत प्रसूति विशेषज्ञों एवं शिशु रोग चिकित्सकों के कौशल को उन्नत बनाने के उद्देश्य से एलएसटीएम, यू.के तथा मातृत्व स्वास्थ्य प्रभाग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के सहयोग से भारत सरकार द्वारा 9 मार्च, 2015 को राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान में राष्ट्रीय कौशल प्रयोगशाला (दक्ष) की स्थापना की गई।

कौशल प्रयोगशाला स्वास्थ्य देखभाल प्रदाताओं के लिए एक प्रोटोटाइप प्रदर्शन, सीखने की सुविधा तथा योग्यता आधारित प्रशिक्षण पर केंद्रित है। कौशल प्रयोगशाला में पुनरावृत्ति कौशल अभ्यास, क्लिनिकल परिदृश्य में सिमुलेशन प्रशिक्षण, योग्य प्रशिक्षकों के पर्यवेक्षण में प्रशिक्षण के अवसर भी प्रदान किए जाते हैं। इस प्रयोगशाला में 4 कौशल स्टेशन तथा 1 मॉडल प्रसूति कक्ष है, जहाँ प्रशिक्षणार्थी पुतलों पर अभ्यास, अनुकरणात्मक अभ्यास, प्रदर्शन, भूमिका प्रदर्शन, विडियो और प्रस्तुतिकरणों के माध्यम

से 6 दिनों में 35 मूलभूत कौशल सीखते हैं। प्रशिक्षणार्थीयों को प्रसव-पूर्व, प्रसव के दौरान, प्रसवोत्तर और नवजात देखभाल, परिवार नियोजन, संक्रमण की रोकथाम, जटिलताओं का प्रबंधन, किशोर परामर्श और अन्य आरएमएनसीएच+ए सेवाओं के क्षेत्रों में प्रशिक्षण दिया जाता है।

दक्ष की स्थापना के पश्चात से 31 मार्च 2021 तक कुल 861 स्वास्थ्य देखभाल व्यावसायिकों को प्रशिक्षित किया गया है। इसमें से 30 प्रतिभागियों को समीक्षाधीन वर्ष के दौरान 2 बैचों में प्रशिक्षित किया गया।(दक्ष प्रशिक्षण: प्रतिभागियों के साथ एक बैच में 03 प्रतिभागी एवं दक्षता प्रशिक्षण: एक बैच, 27 प्रतिभागियों का)

4.4 राष्ट्रीय प्रतिरक्षण तकनीकी सलाहकार ग्रुप परियोजना (एनएटीजीआई)

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के एक आदेश द्वारा वर्ष 2001 में राष्ट्रीय प्रतिरक्षण तकनीकी सलाहकार ग्रुप परियोजना (एनएटीजीआई) की स्थापना की गई। एनटीएजीआई टीकाकरण में भारत का एक शीर्षस्थ सलाहकारी निकाय है, यह देश में टीका प्रतिरक्षित रोगों के प्रभावी नियंत्रण हेतु स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय को टीका (वैक्सीनेशन) एवं टीकाकरण सेवाओं के प्रावधानों पर मार्गदर्शन एवं सलाह प्रदान करता है। इसकी अध्यक्षता स्वास्थ्य सचिव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय तथा सह-अध्यक्षता सचिव, जैव प्रौद्योगिकी विभाग और सचिव, स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग द्वारा की गई। एनटीएजीआई में एक स्थायी तकनीकी उप-समिति (एसटीएससी) भी शामिल है। एसटीएससी जिसमें स्वतंत्र सदस्य है,टीकाकरण नीति और कार्यक्रमों से संबंधित मामलों पर वैज्ञानिक साक्ष्य की तकनीकी समीक्षा करने का कार्य सौंपा गया है। एनटीएजीआई ने अंतिम संस्तुतियों का प्रारूप एसटीएससी और अन्य प्रासंगिक साक्ष्य से प्राप्त वैज्ञानिक समीक्षा को ध्यान में रखकर तैयार किया ।

राष्ट्रीय प्रतिरक्षण तकनीकी सलाहकार सचिवालय: एनटीएजीआई, एसटीएससी तथा इसके अंतर्गत कार्यरत समूहों को तकनीकी-प्रबंधकीय सहायता प्रदान करने हेतु वर्ष 2013 में 'राष्ट्रीय प्रतिरक्षण तकनीकी सलाहकार सचिवालय' की स्थापना की गई। राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान में सचिवालय ने मई, 2017 से अपना कामकाज शुरू किया। एनटीएजीआई सचिवालय साल में एक एनटीएजीआई और चार एसटीएससी बैठकों के आयोजन का कार्य करता है।

वर्ष 2020-21 में एनटीएजीआई सचिवालय द्वारा निम्नलिखित प्रमुख गतिविधियों को सुगम बनाया गया:

- एनटीएजीआई की एक बैठक: 10 दिसंबर, 2020 को आयोजित हुई।
- चार एसटीएससी बैठकें: 26 जून, 8 अक्टूबर, 24 नवंबर, 2020 और 11 जनवरी, 2021 को आयोजित की गईं।
- वैक्सीन प्रिवेंटेबल डिजीज सर्विलांस पर स्टैंडिंग वर्किंग ग्रुप (एसडब्ल्यूजी) की दो बैठकें: 14 जुलाई तथा 10 नवंबर, 2020 को आयोजित की गईं।
- एसडब्ल्यूजी-टीकाकरण और वैक्सीन अनुसंधान और क्षमता निर्माण की चार बैठकें: 12 मार्च, 16 दिसंबर, 2020, 22 जनवरी, 2021 और 01 फरवरी, 2021 को आयोजित की गईं।
- कोविड-19 वर्किंग ग्रुप की पंद्रह बैठकें: 24 अगस्त, 18 सितंबर, 28 सितंबर, 01 अक्टूबर, 03 अक्टूबर, 06 अक्टूबर, 20 अक्टूबर, 02 नवंबर, 16 नवंबर, 20 नवंबर, 8 दिसंबर, 16 दिसंबर, 2020 13 जनवरी, 2021, 05 फरवरी, 2021 तथा 17 फरवरी, 2021 को आयोजित हुई।
- हैजा वर्किंग ग्रुप की एक बैठक: 12 मार्च, 2020 को आयोजित हुई ।
- इन्फ्लुएंजा वर्किंग ग्रुप की एक बैठक: 07 अगस्त, 2020 को आयोजित की गई।
- मातृ टीकाकरण उपसमूह की दो बैठकें: 07 अगस्त, 2020 तथा 13 जनवरी, 2021 को आयोजित की गईं।
- वैक्सीन कॉन्फिडेंस सबग्रुप की एक बैठक: 03 सितंबर, 2020 को आयोजित की गई।
- लागत प्रभावशीलता विश्लेषण कार्य समूह की एक बैठक: 05 अक्टूबर, 2020 को आयोजित की गई।
- जापानी इंसेफेलाइटिस वर्किंग ग्रुप की दो बैठकें: 09 दिसंबर, 2020 तथा 15 जनवरी, 2021

4.5 जन-स्वास्थ्य,आपात स्थितियों में क्षमता निर्माण तथा स्वास्थ्य आपातकाल के समय अस्पताल की तैयारी (पीएचईएम परियोजना-सीबी)

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के ईएमआर डिवीजन द्वारा राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान को "जन-स्वास्थ्य आपातकाल तथा स्वास्थ्य आपातकाल हेतु अस्पताल की तैयारियों में क्षमता निर्माण" परियोजना सौंपी गई। इस परियोजना का उद्देश्य देश भर में जन-स्वास्थ्य आपात स्थितियों को मजबूत करके आपदा के कारण होने वाली रुग्णता मृत्यु दर को कम करना तथा एक समग्र, सक्रिय और प्रौद्योगिकी संचालित रणनीति द्वारा स्वास्थ्य देखभाल संस्थानों को आपदा के अनुकूल बनाना है। इस योजना के अंतर्गत विशेषज्ञों के सहयोग से दो प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम तैयार किए जा रहे हैं। अस्पताल प्रबंधन/तैयारी के क्षेत्र में अस्पताल प्रशासकों) एसएचए (और जन स्वास्थ्य आपातकाल प्रबंधन के क्षेत्र में जिला स्वास्थ्य अधिकारियों के लिए बारह दिन का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। अतः संस्थान ने लक्ष्य की प्राप्ति हेतु, उपरोक्त दोनों पाठ्यक्रमों में वरिष्ठ अस्पताल प्रशासकों तथा जिला स्वास्थ्य

अधिकारियों को कैस्केड प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदान करने हेतु 8 सहयोगी संस्थानों का सहयोग लिया।

- पाठ्यक्रम सामग्री विकसित की गई है तथा 222 वरिष्ठ अस्पताल प्रशासकों को 8 प्रतिभागी केंद्रों के नेटवर्क के माध्यम से जन स्वास्थ्य आपात स्थितियों के लिए अस्पताल प्रबंधन/तैयारी में प्रशिक्षित किया गया है।
- पाठ्यक्रम सामग्री विकसित की गई तथा 262 जिला स्वास्थ्य अधिकारियों को 8 प्रतिभागी केंद्रों के नेटवर्क के माध्यम से जन स्वास्थ्य आपात स्थिति के लिए जिला तैयारियों में प्रशिक्षित किया गया।

4.6 राष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम में राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के कर्मचारियों का क्षमता निर्माण

4.6.1 प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के सहयोग से राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम ने शेष प्रतिभागियों हेतु प्रशिक्षकों का ऑनलाइन प्रशिक्षण किया ।

छह प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण (टीओटी) कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किए गए हैं तथा 204 प्रतिभागियों में से कुल 164 को विशेषज्ञों एवं संसाधन व्यक्तियों द्वारा तंबाकू नियंत्रण के विभिन्न पहलुओं में प्रशिक्षित किया गया था। 40 प्रतिभागी विभिन्न बाधाओं के कारण टीओटी में शामिल नहीं हो सकें। इसलिए, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने शेष प्रतिभागियों हेतु 13-17 अप्रैल 2020 तक एक अतिरिक्त प्रशिक्षण आयोजित करने का प्रस्ताव रखा। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने दिनांक 10 फरवरी 2020 के पत्र के माध्यम से शेष प्रतिभागियों के लिए एक अतिरिक्त प्रशिक्षण आयोजित करने की स्वीकृति दी। कोविड-19 संकट के कारण, अतिरिक्त प्रशिक्षण आयोजित नहीं किया जा सका। इसे देखते हुए स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा एक ऑनलाइन प्रशिक्षण का सुझाव दिया गया था। राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान ने अभी तक जारी बजट में से शेष राशि का प्रस्ताव प्रस्तुत किया।

4.7 मातृ एवं शिशु ट्रैकिंग सुविधा केंद्र (एमसीटीएफसी)

राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान में 29 अप्रैल 2014 को मातृ एवं शिशु ट्रैकिंग सुविधा केन्द्र की स्थापना हुई थी। यह सुविधा राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य परिचर्या सेवाओं में सुधार लाने की दिशा में भारत सरकार द्वारा उठाया गया एक महत्वपूर्ण कदम है।

मातृ एवं शिशु ट्रैकिंग सुविधा केन्द्र की परिकल्पना आंकड़ों की गुणवत्ता को बेहतर बनाने में एमसीटीएस को सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से की गई थी। मातृ एवं शिशु ट्रैकिंग सुविधा केन्द्र द्वारा एमसीटीएस में पंजीकृत किए गए लाभानुभोगियों (गर्भवती महिलाओं तथा शिशुओं) को फोन कॉल किए जाते हैं तथा उनके रिकार्डों की पुष्टि की जाती है।

4.7.1 मातृ एवं शिशु ट्रैकिंग सुविधा केन्द्र का संरचनात्मक ढांचा

राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान के परिसर में 86 हेल्पडेस्क तथा अन्य प्रबंधकीय कर्मचारियों के बैठने की क्षमता सहित स्टेट ऑफ आर्ट कॉल सेंटर की स्थापना की गई है। इस केन्द्र में होस्टिंग सर्वरों, नेटवर्क तथा दूरसंचार उपकरणों एवं अनुप्रयोग के लिए एक केंद्रीय सर्वर कक्ष भी है।

4.7.2 मातृ एवं शिशु ट्रैकिंग सुविधा केन्द्र अनुप्रयोग

लाभार्थियों तथा स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के साथ हुए वार्तालाप के आधार पर, एमसीटीएफसी की रिपोर्टिंग प्रणाली द्वारा कार्य-निष्पादन-रिपोर्ट तैयार की जाती हैं, जिसे स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय को फीडबैक हेतु प्रस्तुत किया जाता हैं। कुछ प्रमुख कार्य-निष्पादन संकेतकों (परफारमेंस इंडिकेटर) का इन रिपोर्टों से पता लगाया गया है तथा इन प्रमुख निष्पादन संकेतकों के आधार पर राज्यों के कार्य-निष्पादन का आकलन किया गया है। तदनुसार राज्यों द्वारा अपने निष्पादन संकेतकों (परफारमेंस इंडिकेटर) में सुधार लाने के लिए आवश्यक निवारक कार्यवाही की जाती है।

4.7.3 मातृ एवं शिशु ट्रैकिंग सुविधा केन्द्र का संचालन

एजेंट द्वारा राष्ट्रीय अवकाश के दिनों के अतिरिक्त प्रत्येक दिन आउटबाण्ड कॉल की जाती हैं तथा लाभानुभोगियों तथा स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को कॉल के माध्यम से प्रश्नों का उत्तर देते हैं। इसके अतिरिक्त 2 चिकित्सकों को भी नियुक्त किया गया हैं जो लाभार्थियों और स्वास्थ्य कर्मियों के विशिष्ट प्रश्नों का उत्तर देते हैं और उन्हें गैर-नैदानिक सलाह भी प्रदान करते हैं।

5.0 विशिष्ट सेवाएं

राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण के क्षेत्र में कई विशिष्ट सेवाओं का संचालन कर रहा है जैसे - एमसीएच और बांझपन-प्रबंधन, किशोर और युवा स्वास्थ्य, रजोनिवृत्ति स्वास्थ्य, नैदानिक प्रयोगशाला सेवाएं, राष्ट्रीय प्रलेखन केंद्र सेवाएँ, प्रेस इकाई, ऑडियो-विज़ुअल से कंप्यूटर सेंटर सेवाएँ, छात्रावास सेवाएं आदि।

5.0 विशिष्ट सेवाएं

5.1 संस्थान का क्लिनिक

राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान के क्लिनिक में नैदानिक सेवाएं प्रदान की जाती हैं। इन सेवाओं में बांझपन प्रबंधन, प्रजनन संबंधी एंडोक्रिनोलॉजिकल और स्त्री रोग संबंधी विकारों के प्रबंधन, प्रसवपूर्व देखभाल, जन्म से रोगियों तथा बच्चों के लिए सेवाएं प्रदान की जाती हैं। दोपहर में, किशोर और युवा एवं महिला क्लीनिक भी चलाए जाते हैं। सभी रोगियों के लिए पंजीकरण निःशुल्क है। प्रयोगशाला सेवाओं सहित गरीब रोगियों को सेवाएं बिना किसी भी शुल्क के मुफ्त प्रदान की जाती हैं। शेष रोगियों के लिए, संस्थान के मानदंडों के अनुसार शुल्क लागू होते हैं। क्लिनिक में गरीब मरीजों को मुफ्त दवा देने के लिए एक इन-हाउस फार्मेसी भी है। नि:संतान मरीजों को पहली बार आने पर प्रबंधन के लिए एक जोड़े के रूप में पंजीकृत किया जाता है। बाद के सभी अनुवर्ती परामर्श उसी चिकित्सक के साथ निर्धारित किए जाते हैं, जो देखभाल की निरंतरता सुनिश्चित करता है और डॉक्टर-रोगी संबंध बनाता है। अधिकांश प्रयोगशाला इन-हाउस रूप में उपलब्ध हैं और प्रयोगशाला सेवाएं स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं के निवारक और उपचारात्मक पहलुओं की रीढ़ हैं। हर रोगी के लिए रिकॉर्ड रूम में बहिररोगी चिकित्सा रिकॉर्ड बनाए जाते हैं और जब भी मरीज आगे परामर्श के लिए जाते हैं तो उनका रिकार्ड पुनः प्राप्त कर लिया जाता है। सभी इन-हाउस प्रयोगशाला रिपोर्ट मरीजों के संबंधित केस रिकॉर्ड फाइलों में दर्ज

की जाती हैं ताकि मरीज द्वारा रिपोर्ट-संग्रह की परेशानी को कम किया जा सकें। प्रदान की जा रही सेवाओं का विवरण इस प्रकार है:

1. **क्लिनिकल सेवाएँ**

प्रात:कालीन क्लिनिक (सुबह 9 बजे - दोपहर 1:00 बजे):

- प्रसवपूर्व सेवाएं (जांच, समस्या की पहचान और रेफरल सहित उचित कार्रवाई)
- पल्स पोलियो प्रतिरक्षण (पीपीआई) सहित राष्ट्रीय टीकाकरण अनुसूची के अनुसार टीकाकरण
- गर्भनिरोधक सेवाएं
- बांझ दंपतियों का प्रबंधन
- प्रजनन संबंधी एंडोक्रिनोलॉजिकल और स्त्री रोग संबंधी विकारों का प्रबंधन

अपराह्न का क्लिनिक (दोपहर *2:00* बजे - शाम *4:00* बजे):

- किशोर और युवा क्लिनिक (10 वर्ष - 24 वर्ष की आयु)
- महिला सम्पूर्ण स्वास्थ्य क्लिनिक (35 वर्ष - 60 वर्ष की आयु)

विशिष्ट प्रक्रिया

- अंतरगर्भाशयी गर्भाधान

सहायक नैदानिक सेवाएं

प्रयोगशाला सेवाएं

- नियमित रक्त एवं मूत्र परीक्षण
- चुनिंदा सीरोलॉजिकल परीक्षण
- वीर्य विश्लेषण
- रक्त जैव रसायन
- हार्मोनल परख
- शुक्राणु कार्यशीलता परीक्षण
- हिस्टोपैथोलॉजी- ईबी ऊतक और एफएनएसी और पैप स्मीयर *

रेडियोलॉजिकल सेवाएं

- एक्स-रे
- हिस्टेरोस्लापिंगोग्राफी
- अल्ट्रासोनोग्राफी*

फोलिकुलर
पैल्विक पैथोलॉजी
प्रारंभिक गर्भावस्था

माइनर ओटी सर्विसेज

- एंडोमेट्रियल बायोप्सी
- वृषण एफएनएसी

* कार्य में नहीं है

वित्तीय वर्ष 2020-21 के लिए इन सेवाओं का विवरण नीचे दिया गया है:

		नए मामले	**अनुवर्ती मामलों**	
अप्रजननशीलता		424 जोड़े	महिला	पुरूष
			1920	1338
प्रजनन एंडोक्रिनोलॉजी स्त्रीरोग		363	395	
एएनसी		89	137	
किशोर				
	महिला	28	18	
	पुरूष	0	0	
सम्पूर्ण महिला स्वास्थ्य क्लिनिक		08	05	
सामान्य स्टाफ				
	महिला	02	01	
	पुरूष	07	07	
सामान्य				
	महिला	77	118	
	पुरूष	180	175	
बच्चे (केवल टीकाकरण)	महिला	85	176	
	पुरूष	92	207	

प्रयोगशाला सेवाएं

नियमित रक्त और मूत्र परीक्षण (एचबी, टीएलसी, डीएलसी, ईएसआर, मूत्र आर / ई, मूत्र एम / ई)	1506
सीरोलॉजिकल टेस्ट (वीडीआरएल, ब्लड ग्रुप)	1230
वीर्य विश्लेषण	1385
ब्लड बायो-केमिस्ट्री (ब्लड शुगर, एलएफटी, केएफटी,जीटीटी, लिपिड प्रोफाइल, जीटीसी)	938
हार्मोनल जांच (प्रोलैक्टिन, इंसुलिन, एलएच, एफएसएच, टीएसएच, टेस्टोस्टेरोन, टी 3, टी 4, ई 2)	1131
शुक्राणु आकृति विज्ञान	72
जीसीएम	52
वीर्य जैव रसायन (जीपीसी, फ्रुक्टोज, एसिड फॉस्फेट)	60
शुक्राणु श्लेष्मा पैठ परीक्षण	19
आईयूआई नमूना तैयार करना	30
गर्भावस्था परीक्षण	238
पश्च कोइटल परीक्षण	713

रेडियोलॉजिकल सेवाएं

एक्स-रे	18
हिस्टेरोसाल्पिंगोग्राफी	01

गौण ओटी सेवाएँ

एंडोमेट्रियल बायोप्सी	21
विशिष्ट प्रक्रिया: आईयूआई (अंतर्गर्भाशयी गर्भाधान)	30

गर्भ निरोधक सेवाएं

कॉपर-टी प्रविष्टि	7
ओरल गर्भनिरोधक लाभार्थी	296
गर्भनिरोधकों का वितरण	2300

संस्थान के क्लिनिक की प्रयोगशाला

27.03.2020 के बाद से कोविड-19 महामारी के कारण देशव्यापी लॉकडाउन के दौरान ओपीडी सेवाएं बंद कर दी गईं थीं। सभी सुरक्षा उपायों को पूरा करते हुए 20.05.2020 से सेवाओं को पुनः से आरंभ कर दिया गया।

1. कोविड -19 टीकाकरण केंद्र

15 मार्च 2021 से दिल्ली सरकार के सहयोग से संस्थान के क्लिनिक में कोविड-19 टीकाकरण केंद्र आरंभ किया गया था तथा लगभग 150-160 लाभार्थी दैनिक आधार पर इन सेवाओं का लाभ उठाते हैं।

संस्थान के क्लिनिक में कोविड-19 टीकाकरण

5.2 प्रेस इकाई

संस्थान के अनुसंधान, प्रशिक्षण, परामर्श और प्रशासनिक गतिविधियों का प्रकाशन और मुद्रण प्रेस यूनिट द्वारा किया जाता है। दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से स्वास्थ्य और परिवार कल्याण प्रबंधन, अस्पताल प्रबंधन, स्वास्थ्य संवर्धन, स्वास्थ्य संचार, अनुप्रयुक्त महामारी विज्ञान और सार्वजनिक स्वास्थ्य पोषण में डिप्लोमा पाठ्यक्रम के लिए पृष्ठभूमि दस्तावेज (मॉड्यूल और ब्लॉक) प्रतिवेदित

वर्ष के दौरान तैयार किए गए थे। विभिन्न प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों, सर्वेक्षण कार्यक्रम और प्रशासनिक उद्देश्य के लिए अन्य रूपों की पृष्ठभूमि और परिचयात्मक दस्तावेज भी पुन: तैयार किए गए।

5.2.1 मुद्रण और प्रकाशन सेवाएँ

संस्थान अपने सतत शिक्षा कार्यक्रम के एक हिस्से के रूप में प्रति वर्ष विभिन्न प्रकाशनों को मुद्रित और प्रकाशित करता है। कुछ महत्वपूर्ण प्रकाशन निम्न प्रकार थे:

- विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए बहुरंगीय ब्रोशर
- डीएलसी के मॉड्यूल/ब्लॉक
- संस्थान की वार्षिक रिपोर्ट
- संस्थान की वार्षिक लेखा रिपोर्ट
- कार्यक्रम सलाहकार समिति (पीएसी) दस्तावेज़
- सभी विभागों की स्टॉक सत्यापन रिपोर्ट, रास्वापक. संस्थान
- पत्रिका 'जन स्वास्थ्य धारणा'
- नए भर्ती किए गए सीएचएस चिकित्सा अधिकारियों के लिए एक हस्त पुस्तिका
- संस्थान न्यूजलैटर
- जर्नल: स्वास्थ्य और जनसंख्या : परिप्रेक्ष्य एवं मुद्दे
- एनटीसीपी का प्रशिक्षण मॉड्यूल

5.2.2 स्वास्थ्य और जनसंख्या: परिप्रेक्ष्य एवं मुद्दे

संस्थान 1978 से नियमित रूप से अपने आईएसएसएन-संख्या वाले बहु-विषयक त्रैमासिक जर्नल, स्वास्थ्य और जनसंख्या: परिप्रेक्ष्य और मुद्दों को नियमित रूप से प्रकाशित कर रहा है। राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर व्यापक प्रसार के साथ, इसमें वैज्ञानिक और शैक्षिक रुचि के लेख शामिल हैं। स्वास्थ्य सेवाओं, परिवार कल्याण, जनसंख्या, अस्पताल प्रशासन, स्वास्थ्य-अर्थशास्त्र, स्वास्थ्य-संचार, जनसंख्या, सामाजिक विज्ञान और अन्य संबद्ध विषयों के क्षेत्र। जर्नल इंडेडेड, एनआईसी, नई दिल्ली और गूगल स्कॉलर में अनुक्रमित है।

जर्नल में प्रकाशित पत्रों के सार संस्थान की वेब साइट www.nihfw.org पर भी उपलब्ध हैं; जबकि पूर्ण दस्तावेज़ एनआईसी, नई दिल्ली (http://medind.nic.in/index.html) पर उपलब्ध हैं।

5.3 श्रव्य-दृश्य सेवाएँ

प्रतिवेदित अवधि में विभिन्न गतिविधियों के लिए संस्थान द्वारा कला, फोटो और प्रक्षेपण सेवाएं प्रदान की गईं।

5.4 राष्ट्रीय प्रलेखन केंद्र

राष्ट्रीय प्रलेखन केंद्र में उपलब्ध पुस्तकालय सुविधाएं, इस क्षेत्र में संभवतः भारत में सर्वश्रेष्ठ पुस्तकालयों में से एक हैं। दो दशकों की अवधि में, राष्ट्रीय प्रलेखन केंद्र ने 62000 से अधिक दस्तावेजों का विधिवत, संतुलित और अद्यतित संग्रह विकसित किया है, जिसमें किताबें, पत्रिकाएं, तकनीकी रिपोर्ट, वार्षिक रिपोर्ट, सांख्यिकीय रिपोर्ट, सम्मेलन की कार्यवाहियाँ, मॉड्यूल और गैर-पुस्तकीय सामग्री और दुनिया भर में जानकारी ले जाने वाले स्वास्थ्य, जनसंख्या, परिवार कल्याण और संबद्ध क्षेत्रों के बारे में विशेष संग्रह शामिल हैं।

5.4.1 राष्ट्रीय प्रलेखन केंद्र निम्नलिखित ऑनलाइन सेवाओं का सदस्य है:

राष्ट्रीय प्रलेखन केंद्र 258 पत्रिकाओं की मुफ्त इलेक्ट्रॉनिक पत्रिकाओं को एक्सेस करने कि सुविधा प्रदान करने के लिए http://www.nihfw.org/ERMEDConsorsiumJournals. html पर एनएमएल-ईआरएमईडी इंडिया कंसोर्टियम का एक सक्रिय सदस्य है।

5.4.2 राष्ट्रीय प्रलेखन केंद्र की निम्नलिखित गतिविधियों का लिंक

http://www.nihfw.org/WNDC.aspx के माध्यम से सुलभ है।

- एमडी (पीएसएम), एमडी (सीएचए), अस्पताल प्रशासन, आदि में स्नातकोत्तर अनुसंधान का डेटाबेस।
- दिल्ली में स्वास्थ्य विज्ञान पुस्तकालयों में उपलब्ध गैर-प्रिंट सामग्री की केंद्रीय सूची।
- स्वास्थ्य और परिवार कल्याण से संबंधित रिपोर्टों/ दस्तावेजों का संग्रह।
- डिजिटलीकरण परियोजना ने अपना पहला चरण पूरा कर लिया है। अधिकांश दुर्लभ और महत्वपूर्ण प्रकाशनों जैसे कमेटी रिपोर्ट, तकनीकी रिपोर्ट, एचपीपीआई जर्नल और प्रकाशन आदि का डिजिटलीकरण किया गया है।

5.4.3 राष्ट्रीय प्रलेखन केंद्र निम्नलिखित ऑनलाइन सेवाएं भी प्रदान कर रहा है:

- ऑनलाइन पब्लिक एक्सेस कैटलॉग
- ई-स्वास्थ्य समाचार प्रेस कतरन (हिंदी और अंग्रेजी)
- स्वास्थ्य समाचार रिपोजिटरी (अंग्रेजी और हिंदी)
- स्वास्थ्य संबंधित समिति/आयोगों की रिपोर्ट
- स्वास्थ्य और परिवार कल्याण सार
- 'स्वास्थ्य और जनसंख्या: परिप्रेक्ष्य और मुद्दे' जर्नल
- अतिरिक्त सूची

उपरोक्त के अलावा, वेब ओपेक के माध्यम से, सभी प्रकाशनों/ दस्तावेजों की ग्रंथ सूचियों का विवरण http://14.1393.63.242/ लिंक पर उपलब्ध है। राष्ट्रीय प्रलेखन केंद्र 1999 से स्वास्थ्य विज्ञान पुस्तकालय में सूचना प्रबंधन के लिए सूचना प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग पर एक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित कर रहा है। राष्ट्रीय प्रलेखन केंद्र संगठनों और व्यक्तियों को जानकारी साझा करने और प्रसार के उद्देश्य से एक सार्वजनिक स्वास्थ्य पुस्तकालय संघ की स्थापना करने की योजना बना रहा है। जिसमें जनसंख्या, स्वास्थ्य, परिवार कल्याण और अन्य गतिविधियों जैसे कि थीसिस/डिजर्टेशन का डिजिटलीकरण, आरएफआईडी पद्धति का संस्थापन और उपयोगकर्ताओं के लिए एक साइबर प्रयोगशाला बनाना आदि शामिल हैं।

5.5 कंप्यूटर केंद्र की सुविधा

संस्थान में कैंपस वाइड एरिया नेटवर्क के माध्यम से सभी संकायों, छात्रों, अनुसंधान और प्रशासनिक कर्मचारियों को कंप्यूटर और इंटरनेट की सुविधा प्रदान की गयी है। पूरा नेटवर्क कंप्यूटर सेंटर से संचालित किए गए पांच सर्वरों से जुड़ा है, जो राष्ट्रीय ज्ञान नेटवर्क (एनकेएन) द्वारा प्रदान की गई 1 जीबी बैंडविड्थ कनेक्टिविटी के माध्यम से संस्थान में 400 नोड्स को जोड़ता है।

कंप्यूटर सेंटर सक्रिय रूप से डेटा विश्लेषण, प्रोग्रामिंग और कंप्यूटर असिस्टेड अधिगम में लगा हुआ है। कंप्यूटर सेंटर में शिक्षण/प्रशिक्षण उद्देश्यों और छात्रों के उपयोग के लिए दो सुसज्जित कंप्यूटर प्रयोगशालाएँ हैं। संस्थान में विकसित इंट्रानेट सॉफ्टवेयर का उपयोग वेतन, पेंशन और बिलों की जानकारी देने के लिए किया जाता है। बायोमेट्रिक उपस्थिति अनुवीक्षण पद्धति संस्थान में कार्यशील है। ये सुविधाएं सभी कर्मचारियों और छात्रों के लिए सुलभ है। संस्थान की अपनी गतिशील वेबसाइट www.nihfw.org है और अधिकारियों के लिए ई-मेल सुविधाएं हैं।

कंप्यूटर केंद्र वीडियो-कॉन्फ्रेंसिंग सुविधा से युक्त है जोकि ई-लर्निंग और बैठकों के लिए उपयोग किया जाता है। केंद्र में एक विशेष रूप से डिज़ाइन किया गया साउंड प्रूफ रूम, एंटरप्राइज क्लास, पॉलीकॉम वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग उपकरण और हाई बैंडविड्थ इंटरनेट लाइन है। कॉन्फ्रेंसिंग कक्ष में अधिकतम 20 प्रतिभागी शामिल हो सकते हैं।

6.0 परामर्श सेवाएं

संस्थान के निदेशक तथा संकाय सदस्य भिन्न क्षमताओं में विभिन्न राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय एवं स्वैच्छिक संगठनों को सलाहकारी एवं परामर्श सेवाएं प्रदान करते हैं।

6.0 निदेशक, संकाय एवं अन्य अधिकारियों की गतिविधियां

6.1 बैठक/सम्मेलन/कार्यशाला में भाग लिया

क्रम संख्या	कार्यशाला/सेमिनार/बैठक का शीर्षक	तिथि/अवधि	स्थान
प्रोफ़ेसर हर्षद ठाकुर			
1.	राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रणाली संसाधन केंद्र (एनएचएसआरसी) की 18वीं कार्यकारी समिति की बैठक	20 मई 2020	नई दिल्ली
2.	आईआईएचएमआर, नई दिल्ली की शासी निकाय की 14वीं बैठक	26 मई 2020	नई दिल्ली
3.	राष्ट्रीय/राज्य रिपोर्टों के लिए चैप्टर तथा तालिका योजना पर चर्चा तथा इसे अंतिम रूप देने हेतु वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग (वीसी) के माध्यम से एनएफएचएस -5 के लिए तकनीकी सलाहकार समिति की बैठक	12 जून 2020	नई दिल्ली
4.	स्वास्थ्य और खेल सेवा अनुभागीय समिति' एसएसडी 05 की प्रथम अनुभागीय बैठक	02 जुलाई 2020	नई दिल्ली
5.	आईआईपीएचडी -भारतीय जन स्वास्थ्य सलाहकार परिषद, दिल्ली की बैठक	09 जुलाई 2020	नई दिल्ली
7.	दिल्ली स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ, दिल्ली विश्वविद्यालय की सलाहकार परिषद की प्रथम बैठक	18 जुलाई 2020	नई दिल्ली
8.	राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रणाली संसाधन केंद्र के शासी निकाय की 16वीं बैठक।	22 जुलाई 2020	नई दिल्ली
9.	आईआईएचएमआर, नई दिल्ली के वर्चुअल फ्रेशर उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया	10 अगस्त 2020	नई दिल्ली
10.	वर्तमान कोविड स्थिति के अंतर्गत राज्यों/ केंद्रशासित प्रदेशों के शेष जिलों में सर्वेक्षण कार्य के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए संशोधित प्रोटोकॉल पर चर्चा करने के लिए विडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से एनएफएचएस-5 के तकनीकी सलाहकार समिति की बैठक	08 अगस्त 2020	नई दिल्ली
11.	सचिव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण की अध्यक्षता में सतत विकास लक्ष्यों पर राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की तृतीय बैठक	28 अक्टूबर 2020	नई दिल्ली
12.	सीएसडी की सामान्य निकाय की बैठक (ऑनलाइन)	22 दिसंबर 2020	नई दिल्ली
13.	राष्ट्रीय स्वास्थ्य अनुसंधान नीति पर आधारभूत समिति तथा कार्य समूह के संबंध में बैठक	14 जनवरी 2021	नई दिल्ली
14.	आईआईपीएस की सामान्य परिषद की बैठक (अंतर्राष्ट्रीय जनसंख्या विज्ञान संस्थान, मुंबई	02 मार्च 2021	नई दिल्ली
15.	राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रणाली संसाधन केंद्र की कार्यकारी समिति की 19वीं बैठक (एनएचएसआरसी)	11 मार्च 2021	नई दिल्ली
16.	स्वास्थ्य, खेल एवं तंदरुस्ती अनुभागीय समिति (एसएसडी 05) की द्वितीय बैठक,	18 मार्च 2021	नई दिल्ली
17.	राष्ट्रीय जन स्वास्थ्य, प्रशिक्षण एवं अनुसंधान (एनआईपीएचटीआर) मुंबई द्वारा वर्चुअल मंच पर अस्पताल प्रबंधन में स्नातकोत्तर उपरांत डिप्लोमा पर राष्ट्रीय परामर्श कार्यक्रम	24 मार्च 2021	नई दिल्ली
प्रोफ़ेसर मनीष चतुर्वेदी			
1.	आईआईएम अहमदाबाद द्वारा डिजाइन किए गए एनडीएमए दिशानिर्देशों के अनुसार अस्पताल सुरक्षा पर राष्ट्रीय मॉड्यूल तैयार करने के लिए कोर कमेटी में एक विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया	13 अगस्त 2020	आईआईएम अहमदाबाद
2	जे.एस. नीति के अध्यक्ष के अंतर्गत आईपीएचएस के अनुसार सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधाओं के जनसंख्या मानदंडों की समीक्षा हेतु आभासी बैठक में भाग लिया	17 फरवरी 2021	स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय
3.	राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड द्वारा आयोजित एमसीक्यू लेखन कार्यशाला में एक विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया	11 मार्च 2021	ताज विवांता, द्वारका, दिल्ली

4.	एमडी (सीएचए) छात्रों द्वारा प्रस्तुत थीसिस प्रोटोकॉल की स्वीकृति के लिए 'संस्थागत आचार समिति (उप-समिति)' के सदस्य के रूप में कार्य किया	29 दिसंबर 2020	राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान
डॉ. एस. रामचंद्र राव			
1.	राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान में जन स्वास्थ्य प्रयोगशाला विकसित करने के लिए मदन मोहन मालवीय अस्पताल में डॉ.एम.एम.दिनकर के साथ बैठक	21 मई 2020	मालवीय नगर, नई दिल्ली
2.	क्लैरिवेट द्वारा संचालित तथा वेब ऑफ साइंस द्वारा आयोजित 'वेब ऑफ साइंस ट्रेनिंग एंड सर्टिफिकेशन प्रोग्राम 2020' की आधारभूत श्रृंखला में भाग लिया	18, 20 तथा 25 अगस्त 2020	ऑनलाइन
3.	क्लैरिवेट द्वारा संचालित तथा वेब ऑफ साइंस द्वारा आयोजित 'वेब ऑफ साइंस ट्रेनिंग एंड सर्टिफिकेशन प्रोग्राम 2020' की उन्नत श्रृंखला में भाग लिया	8, 10, तथा15 सितंबर, 2020	ऑनलाइन
4.	स्वास्थ्य मानव संसाधन पर आभासी संगोष्ठी: भारत में सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज में गति लाने के लिए स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं का इष्टतम उपयोग	3 तथा 4 दिसंबर, 2020	ऑनलाइन
5.	बायोरैड द्वारा आयोजित भारत ड्रॉपलेट डिजिटल पीसीआर की तृतीय संगोष्ठी	8-10 दिसंबर, 2020	ऑनलाइन
डॉ.राजेश कुमार			
1.	आभासी अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आईएसएसआरएफ-2021 में भाग लिया	19 से 21 फरवरी 2021	
2.	हेपेटाइटिस/टीबी आदि सहित सभी रोगों हेतु एक व्यापक कानून का मसौदा तैयार करने के लिए गठित समिति के अध्यक्ष तथा सुश्री आरती आहूजा एएस(एच) के साथ बैठक	08 तथा 26 फरवरी 2021	निर्माण भवन, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय
डॉ मोनिका सैनी			
1.	भारत अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव 2020 (कॉन्क्लेव)	22-25 दिसंबर 2020	आभासी मंच (विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, एमओएच एफडब्लू तथा सीएसआईआर द्वारा आयोजित)
2.	भारत में वृद्धजनों की स्वास्थ्य देखभाल प्रबंधन तथा एलएएसआई रिपोर्ट (वेबिनार) के प्रमुख निष्कर्ष	18 मार्च 2021	आभासी मंच (रास्वापक संस्थान)
3.	एनवीआईवीओ के साथ गुणात्मक विश्लेषण	24-25 अप्रैल 2021	आभासी मंच (कॉमाकैड एजुकेशन टेक्नोलॉजीज द्वारा आयोजित)
डॉ. धर्मेन्द्र यादव			
1.	सांख्यिकीय मॉडलिंग और जनसंख्या विज्ञान पर अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार	11 जुलाई 2020	ऑनलाइन (बीएचयू)
2.	कोविड परिदृश्य में चुनौतियों और अवसरों पर राष्ट्रीय वेबिनार	05 जून 2020	ऑनलाइन (जय नारायण पी.जी.कॉलेज, लखनऊ)
3.	विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, मानविकी, वाणिज्य और प्रबंधन (आईओसीएएस) -2020 में सांख्यिकी के अनुप्रयोगों पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय ऑनलाइन सम्मेलन	29-30 जून, 2020	सांख्यिकी विभाग, केसी कॉलेज, मुंबई, भारत
4.	"स्वास्थ्य के लिए मानव संसाधन: भारत में सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज में गति लाने के लिए स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं का इष्टतम उपयोग" विषय पर आभासी वैश्विक संगोष्ठी	03-04 दिसंबर 2020	ऑनलाइन (रास्वापक संस्थान)
5.	इंडियन सोसाइटी फॉर मेडिकल स्टैटिस्टिक्स का 38वां वार्षिक सम्मेलन (आईएसएमसीओएन-2020)	10-12 दिसंबर 2020	ऑनलाइन
6.	भारत अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव-2020 में स्वास्थ्य अनुसंधान सम्मेलन	22-25 दिसंबर 2020	ऑनलाइन
7.	एनसीएवीईएस इंडिया फोरम 2021	14-28 जनवरी 2021	

डॉ. षेरिन राज टी.पी			
1.	राष्ट्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण संस्थान के साथ संयुक्त रूप से आयोजित 41वें आईएएसपी वार्षिक सम्मेलन में भाग लिया तथा भारत के चयनित राज्यों में "कैंसर, मधुमेह, हृदय रोगों और स्ट्रोक की रोकथाम और नियंत्रण पर राष्ट्रीय कार्यक्रम हेतु आयुष सेवाओं के परिप्रेक्ष्य" पर एक पेपर प्रस्तुत किया।	28-30 नवंबर, 2020	रास्वापक संस्थान, नई दिल्ली

6.2 पुरस्कार/उपलब्धियां

क्रम संख्या	पुरस्कार का शीर्षक	तिथि/अवधि	स्थान
डॉ मीराम्बिका महापात्रो			
1.	भारतीय मानव विज्ञान संघ के सह संपादकीय सलाहकार के रूप में नियुक्त	2020 के पश्चात	दिल्ली विश्वविद्यालय
डॉ. एस. रामचंद्र राव			
1.	इलेक्ट्रोकेमिकल सेंसर फ्रंटियर्स के संपादकीय बोर्ड में "समीक्षा संपादक" के रूप में नियुक्त (विशेषकर सेंसर फ्रंटियर्स के रूप में)	23 मई 2020 के पश्चात	स्विट्ज़रलैंड
2.	"जर्नल ऑफ़ इंडोनेशियाई केमिकल सोसाइटी" अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका के जैविक रसायन विज्ञान अनुभाग के संपादक	दिसंबर 2022 तक	इंडोनेशिया
3.	11वां एजिस ग्राहम बेल अवार्ड्स, दूसरा जूरी राउंड	5 फरवरी 2021	नई दिल्ली (आभासी)
डॉ. धर्मेन्द्र यादव			
1.	रिसर्च एक्सीलेंस अवार्ड-2020	2020-21	प्रबुद्धों का संस्थान (आईएनएससी), बैंगलोर, भारत
श्री सुभाष चंद			
1.	सर्वश्रेष्ठ अनुसंधानकर्ता	2020-2021	रास्वापक संस्थान

6.3 परीक्षक गतिविधियाँ

क्रम संख्या	परीक्षा का नाम	तिथि/अवधि	स्थान
प्रोफ़ेसर वी. के. तिवारी			
1.	"भारत के दक्षिणी राज्यों में उच्च और अत्यधिक उच्च रक्त शर्करा स्तर संबंधी महामारी विज्ञान : जोखिम कारकों की खोज" विषय पर पीएच.डी. का मूल्यांकन	23.11.2020	एसजीपीजीआई लखनऊ
2.	"पोस्ट-पार्टम अमेडोरिया अवधि के जैव-जनसांख्यिकीय पहलू तथा प्रजनन क्षमता पर इसका प्रभाव" विषय पर पीएच.डी. का मूल्यांकन	2020	जैव सांख्यिकी एवं स्वास्थ्य सूचना विज्ञान विभाग, एसजीपीजीआईएमएस,
3.	उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिले में "मध्याह्न भोजन योजना तथा प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालय के बच्चों की पोषण स्थिति" विषय पर पीएच.डी. थीसिस का मूल्यांकन किया गया।	4.5.2020	आईआईपीएस, मुंबई
4.	मणिपुर में सार्वजनिक स्वास्थ्य देखभाल अगम्य सुविधाएँ " विषय पर पीएच.डी. का मूल्यांकन	2020	जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
5.	"मध्य प्रदेश में प्रजनन संक्रमण: सामाजिक-आर्थिक विकास प्रक्रिया की भूमिका" पर वाइवा-वॉयस।	17/7/2020	

प्रोफ़ेसर मनीष चतुर्वेदी			
1.	"किशोरावस्था के स्कूली बच्चों में मस्कुलोस्केलेटल लक्षण और शारीरिक मनोवैज्ञानिक स्वास्थ्य पर उनका प्रभाव।" विषय पर श्रीमती मौमिता कांजीलाल की पीएचडी के लिए बाह्य परीक्षक के रूप में कार्य किया	11 जनवरी 2021	संतोष विश्वविद्यालय
2.	एमपीएच छात्र सुश्री साक्षीसुपेइया, बैच 2019 के निबंध मूल्यांकन के लिए वाह्य परीक्षक के रूप में कार्य किया	2019 बैच	एम्स ऋषिकेश
3.	सामुदायिक चिकित्सा की एमडी अंतिम परीक्षा के लिए बाह्य परीक्षक के रूप में कार्य किया	15 से 16 जुलाई	एसएनएमसी, आगरा
प्रोफ़ेसर एम.के. मलिक			
1.	स्वास्थ्य संवर्धन शिक्षा में डिप्लोमा (डीएचपीई)	18.12.2020	राष्ट्रीय जनस्वास्थ्य एवं अनुसंधान संस्थान मुंबई
डॉ. एस. रामचंद्र राव			
1.	आईआईपीएच-एच बेंगलुरु परिसर में पीजीडीपीएचएम छात्रों के बाह्य परीक्षक के रूप में कार्य किया	12-13 अक्टूबर 2020	आईआईपीएच-एच बेंगलुरु (ऑनलाइन)

6.4 एक विशेषज्ञ के रूप में की जाने वाली गतिविधियाँ

क्रम संख्या	कार्यशाला/सेमीनार/बैठक का शीर्षक	तिथि/अवधि	स्थान
प्रोफ़ेसर हर्षद पी. ठाकुर			
1.	डेमोक्रेटिक सेक्युलर स्टूडेंट्स फोरम. द्वारा आयोजित कोविड महामारी विज्ञान एवं नियंत्रण रणनीतियाँ" (वेबिनार)	15 मई 2020	टाटा सामाजिक विज्ञान संस्थान (टीआईएसएस), मुंबई
2.	अंतर्राष्ट्रीय टीका केंद्र (आईवीएसी), जॉन्स हॉपकिन्स स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ, और ग्लोबल हेल्थ स्ट्रैटेजीज (जीएचएस) की साझेदारी में 'ट्रांसलेशनल हेल्थ साइंस एंड टेक्नोलॉजी इंस्टीट्यूट' द्वारा जन स्वास्थ्य हस्तक्षेप पर साक्ष्य-आधारित संदेशों को बढ़ाना विषय पर आयोजित ।(वेबिनार)	28 मई 2020	ट्रांसलेशनल हेल्थ साइंस एंड टेक्नोलॉजी इंस्टीट्यूट, फरीदाबाद
डॉ. पुष्पांजलि स्वैन			
1.	एचआईवी प्रहरी निगरानी, विषय पर गुजरात का 17वां दौरा	14 से 20 फरवरी 2020	गुजरात
डॉ मीराम्बिका महापात्रो			
1.	"स्वास्थ्य देखभाल सुविधाओं तक सामान्य पहुंच में सामाजिक असमानता" पर राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम	11 से 15 मई 2020	(आईसीईडी), जयपुर
2.	'कोविड-19 तथा जन-स्वास्थ्य के आक्षेप' विषय पर वेबिनार	30 जुलाई 2020.	ईएससीआई नई दिल्ली
प्रोफ़ेसर मनीष चतुर्वेदी			
1.	दिल्ली विश्वविद्यालय के लिए योग्यता आधारित एमडी सीएचए पाठ्यक्रम तैयार किया	जनवरी से जून 2020	
2.	कोविड प्रबंधन हेतु राज्य के स्वास्थ्य विभागों की सहायता के लिए केंद्रीय जन स्वास्थ्य समूह की तैनाती के अंतर्गत लखनऊ, यूपी में समूह प्रमुख के रूप में भाग लिया	9 से 23 मई 2020	ईएमआर-डीजीएचएस-एमओएचएफडब्ल्यू
3.	एनआरसीपी के अंतर्गत संविदात्मक श्रमशक्ति की भर्ती के लिए ऑनलाइन साक्षात्कार	7 सितंबर 2020	एनसीडीसी, रास्वापक संस्थान
डॉ. एस. रामचंद्र राव			
1.	प्रमुख वैज्ञानिक सलाहकार और वाणिज्य विभाग एफआईईओ द्वारा "आर एंड डी सेवा निर्यात को बढ़ावा देने" पर पहला गोलमेज सम्मेलन आयोजित किया गया	19 जनवरी 2021	नई दिल्ली (आभासी)
2.	कायाकल्प पुरस्कार योजना के अंतर्गत तृतीयक देखभाल अस्पतालों का बाह्य मूल्यांकन	23-26 मार्च 2021	एम्स, नई दिल्ली

3.	कायाकल्प पुरस्कार योजना के अंतर्गत तृतीयक देखभाल अस्पतालों का बाह्य मूल्यांकन	31 मार्च से 2 अप्रैल 2021	एम्स, भोपाल
4.	कायाकल्प पुरस्कार योजना के अंतर्गत तृतीयक देखभाल अस्पतालों का बाह्य मूल्यांकन	7-9 अप्रैल 2021	एनआईएमएचएएनएस बैंगलोर
5.	कायाकल्प पुरस्कार योजना के अंतर्गत तृतीयक देखभाल अस्पतालों का बाह्य मूल्यांकन	16-18 अप्रैल 2021	सीएनसीआई-कोलकाता
डॉ.राजेश कुमार			
1.	एनसीडीसी के साथ राज्य/जिला निगरानी अधिकारियों तथा मेडिकल कॉलेजों के नोडल अधिकारियों आईडीएसपी के अंतर्गत टीओटी प्रशिक्षण मॉड्यूल -6 प्रयोगशाला सुदृढ़ीकरण के लिए विशेषज्ञ समिति सदस्य।	अक्टूबर 2020	एनसीडीसी, दिल्ली
डॉ. धर्मेन्द्र यादव			
1.	मुख्य समन्वयक-मातृ स्वास्थ्य तथा मुख्य समन्वयक -मातृ स्वास्थ्य (एम एंड एचएसएस) के पद के लिए वॉक इन इंटरव्यू के लिए वाह्य विशेषज्ञ	19 फरवरी 2020	एनएचएसआरसी, नई दिल्ली

6.5 पेपर प्रेजेंटेशन/ लिखित पुस्तक

क्रम संख्या	कार्यशाला/सेमिनार का शीर्षक	तिथि/अवधि	स्थान
डॉ शेरिन राज टी.पी. एवं प्रो. वी. के. तिवारी			
1.	राष्ट्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण संस्थान के साथ संयुक्त रूप से आयोजित 41वें आईएएसपी वार्षिक सम्मेलन में भाग लिया तथा भारत के चयनित राज्यों में "कैंसर, मधुमेह, हृदय रोगों और स्ट्रोक की रोकथाम और नियंत्रण पर राष्ट्रीय कार्यक्रम हेतु आयुष सेवाओं के परिप्रेक्ष्य" पर एक पेपर प्रस्तुत किया।	28-30 नवंबर 2020	रास्वापक संस्थान नई दिल्ली
प्रोफ़ेसर पुष्पांजलि स्वैन			
1.	राष्ट्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण संस्थान के साथ संयुक्त रूप से आयोजित 41वें आईएएसपी वार्षिक सम्मेलन में भाग लिया और भारत में महिला यौनकर्मियों पर कोविड-19 के प्रभाव पर एक पेपर प्रस्तुत किया।	28-30 नवंबर 2020	रास्वापक संस्थान नई दिल्ली
डॉ मीराम्बिका महापात्रो			
1.	भारतीय प्रजननशीलता समाज-फर्टिविजन 2020 में 'अप्रजननशीलता पर सामाजिक निर्माण और बदलते लिंग संबंधों' पर एक पेपर प्रस्तुत किया	29 नवंबर 2020.	नई दिल्ली
2.	कोविड -19 महामारी के विशेष संदर्भ में प्रजनन और पर्यावरणीय स्वास्थ्य में चुनौतियों और रणनीतियों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में"कोविड में उत्तम जनस्वास्थ्य के लिए- एसआरएच तथा मनोसामाजिक मुद्दों पर एक परिप्रेक्ष्य" पर एक पेपर प्रस्तुत किया।	21फरवरी 2021	नई दिल्ली
डॉ मोनिका सैनी			
1.	विभिन्न पारिस्थितिक क्षेत्रों के लिए अनुकूलन विषय पर मानव विज्ञान (ऑनर्स) में स्नातक डिग्री कार्यक्रम के लिए इकाइयाँ, इग्नू	06 अप्रैल 2020	इग्नू, नई दिल्ली
2.	अनुप्रयुक्त मानवविज्ञान तथा फोरेंसिक मानवविज्ञान विषय पर मानवविज्ञान (सामान्य) में स्नातक डिग्री कार्यक्रम के लिए लिखित इकाइयाँ, इग्नू	23 सितंबर 2020	इग्नू, नई दिल्ली

3.	परिपक्वता के उपाय विषय पर मानवविज्ञान में स्नातकोत्तर, उड़ीसा राज्य, मुक्त विश्वविद्यालय (एमएएनई 01)	16 मार्च 2021	उड़ीसा राज्य, मुक्त विश्वविद्यालय

अध्यक्षता समारोह / अध्यक्षता सत्र

क्रम संख्या	सत्र समारोह / का शीर्षक	तिथि/अवधि	स्थान
प्रोफ़ेसर हर्षद पी. ठाकुर			
1.	विज्ञान और प्रौद्योगिकी अनुसंधान-नीति-सीएपी-आरईएस डीएसटी-जीओआई के अंतर्गत जलवायु जोखिम प्रबंधन के लिए इंटरफेस परियोजना, आपदा जोखिम प्रबंधन पर प्रधान मंत्री के एजेंडा-10 को लागू करना, विज्ञान और प्रौद्योगिकी का लाभ उठाना विषय पर आयोजित सत्र की अध्यक्षता की तथा "परिवर्तनशील जलवायु और आपदा सुरक्षात्मक विकास" विषय पर विशेष पैनल चर्चा सत्र में भाग लिया	26 अगस्त 2020	एनआईडीएम, नई दिल्ली
2.	"सामूहिक प्रयासों को संगठित और मजबूत करना: मानवता के 1/6वें भाग के लिए समग्र पोषण और स्वास्थ्य सुनिश्चित करने के लिए भारत की प्रतिबद्धता" विषय पर भारत पोषण सप्ताह के उद्घाटन संस्करण में मुख्य संभाषण प्रस्तुत किया	01 सितम्बर 2020	आईएचडब्ल्यू, नई दिल्ली
3.	बहु-क्षेत्रीय अभिसरण "तंबाकू या स्वास्थ्य (एनसीटीओएच) पर 5वें राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान 2030 तक तंबाकू मुक्त भारत के लिए बहु-क्षेत्रीय अभिसरण: एसडीजी की दिशा में अग्रणी" विषय पर आभासी समारोह।" समारोह की अध्यक्षता की	25 सितम्बर 2020	पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़
4.	इंटीग्रेटेड हेल्थ एंड वेलबीइंग काउंसिल द्वारा आयोजित ब्रेस्ट कैंसर एक्शन मंथ में "पुरुषों में स्तन कैंसर : दुर्लभ, किंतु इससे इंकार नहीं किया जा सकता" सत्र के लिए विशिष्ट अतिथि	11 अक्टूबर 2020	आईएचडब्ल्यू, नई दिल्ली
5.	स्वास्थ्य प्रणाली की तैयारी ; आईएपीएसएमसीओएन 2021 के दौरान आपदाओं के लिए प्रतिक्रिया " सत्र हेतु सह अध्यक्षता की	20 मार्च 2021	पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़
6.	22-26 मार्च 2021 के दौरान "ई-अंतर्राष्ट्रीय जन स्वास्थ्य प्रबंधन विकास कार्यक्रम (आईपीएचएमडीपी) के समापन समारोह में विशिष्ट अतिथि"	26 मार्च 2021	पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़
प्रोफ़ेसर वी. के. तिवारी			
1.	राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान के साथ संयुक्त रूप से 41वां आईएएसपी वार्षिक सम्मेलन आयोजित किया गया	28-30 नवंबर 2020	राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान
डॉ. पुष्पांजलि स्वैन			
1.	41वें आईएएसपी सम्मेलन में एक सत्र की अध्यक्षता की	28-30 नवंबर 2020	राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान , नई दिल्ली
डॉ मीराम्बिका महापात्रो			
1.	भारतीय मानव विज्ञान कांग्रेस में एक सत्र की अध्यक्षता की	21-23 फरवरी 2021	नई दिल्ली

डॉ. धर्मेंद्र कुमार यादव			
1.	इंडियन एसोसिएशन फॉर स्टडी ऑफ पॉपुलेशन (आईएएसपी) सम्मेलन के 41वें वार्षिक सम्मेलन में वृद्धजनों के मुद्दों पर तकनीकी सत्र की अध्यक्षता की	28-30 नवंबर 2020	राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान , नई दिल्ली

6.7 अतिथि संकाय सदस्य के रूप में सत्र में भाग लिया

क्रम संख्या.	कार्यशाला/सेमिनार/बैठक का शीर्षक	तिथि/अवधि	स्थान
प्रोफ़ेसर हर्षद पी. ठाकुर			
1.	"कोविड के पश्चात स्वास्थ्य देखभाल कार्यक्षेत्र का बदलता परिदृश्य" (वेबिनार) पैनलिस्ट के रूप में भाग लिया	02 मई 2020	मेदिका बाज़ार, मुंबई
2.	आईटीईसी देशों के वरिष्ठ स्वास्थ्य सेवा प्रशासकों के लिए अंतर्राष्ट्रीय जनस्वास्थ्य प्रबंधन विकास कार्यक्रम के दौरान "कोविड 19 महामारी का प्रबंधन - भारत में अनुभव और सर्वोत्तम अभ्यास" (वेबिनार) पैनलिस्ट के रूप में भाग लिया	18 मई 2020	पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च (पीजीआईएमईआर), चंडीगढ़
3.	'भारतीय जन स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली: चुनौतिया एवं अवसर' विषय पर -कोविड 19 श्रृंखला में एक विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया	21 जून 2020	जेएनयू दिल्ली
4.	स्वस्थ एवं आत्मनिर्भर मध्य प्रदेश की ओर, उप समूह 1-में एक पैनलिस्ट एवं विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया	10 अगस्त 2020	मध्य प्रदेश सरकार
5.	भारत के रोटरी इंटरनेशनल द्वारा स्वास्थ्य सम्बन्ध-नशामुक्ति पर आयोजित जागरूकता, क्षमता निर्माण, स्वास्थ्य हितधारकों की पहचान विषय पर स्वास्थ्य व्यावसायिकों के लिए पैन इंडिया संगोष्ठी में पैनलिस्ट के रूप में भाग लिया	30 अगस्त 2020	मुंबई
6.	"एनीमिया मुक्त भारत, आइए हम हर गर्भावस्था को एनीमिया मुक्त बनाएं- वॉक द टॉक" एफओजीएसआई द्वारा एनीमिया मुक्त गर्भावस्था शिखर सम्मेलन में पैनलिस्ट के रूप में भाग लिया	28 नवंबर 2020	एफओजीएसआई, मुंबई
7.	भारतीय महामारी विज्ञान संघ (ईएफआईसीओएन 2020) के वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान राष्ट्रीय शीत श्रृंखला तथा वैक्सीन प्रबंधन संसाधन केंद्र की भूमिका और कोविड-19 महामारी में इसकी प्रतिक्रिया पर पूर्ण व्याख्यान	19 दिसंबर 2020	अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, ऋषिकेश
प्रो. मनीष चतुर्वेदी			
1.	राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान द्वारा आयोजित वेबिनार में एनआईडीएम दिल्ली के लिए "दिल्ली राज्य में कोविड-19 के प्रबंधन में चुनौतियां और मुद्दे" पर व्याख्यान और चर्चा	दिनांक 27 अगस्त 2020	राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान (एनआईडीएम)
2	ऑनलाइन मोड के माध्यम से स्नातक छात्रों के अस्पताल अपशिष्ट प्रबंधन विषय पर व्याख्यान	दिनांक 1 सितंबर 2020	आईआईएचएमआर विश्वविद्यालय जयपुर
3.	ऑनलाइन मोड के माध्यम से भारतीय जन स्वास्थ्य संस्थान के आपदा प्रबंधन में प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम के लिए आपदा प्रतिक्रिया में व्यावहारिक (सीसीडीएम) नैतिकता पर व्याख्यान	दिनांक अक्तूबर, 2020	पीएफएचआई, आईआईपीएच गुडगाँव
4.	प्रसार भारती द्वारा आयोजित कोविड संकट में मीडिया व्यावसायिकों हेतु उपयुक्त व्यवहार एवं कार्यस्थल के लिए कोविड प्रोटोकॉल विषय पर वर्चुअल प्रशिक्षण एवं सम्मलेन	दिनांक 23 नवंबर 2020	प्रसार भारती कार्यालय
5.	एनआईडीएम और डीपीएस गुरदासपुर, पंजाब के सहयोग से आयोजित विद्यालयी सुरक्षा पर ऑनलाइन सेमिनार में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में कार्य किया	दिनांक 3 मार्च 2021.	डीपीएस, एनआईडीएमए
डॉ. धर्मेंद्र कुमार यादव			
1.	"स्वास्थ्य अनुसंधान में नमूना आकार निर्धारण" पर आमंत्रित वार्ता में भाग लिया	दिनांक 04 मार्च, 2020	राम लाल आनंद कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय

2.	उच्च शिक्षा संकाय सदस्यों के लिए ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम में "उच्च शिक्षा में ई-लर्निंग के लिए मशीन लर्निंग तकनीकों के अनुप्रयोग" पर एक संसाधन व्यक्ति के रूप में व्याख्यान दिया	14जुलाई, 2020.	शिक्षण अधिगम केंद्र (टीएलसी), रामानुजन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
3.	"सामाजिक विज्ञान में सांख्यिकी की आधारभूत सामग्री" पर आमंत्रित वार्ता	16 जुलाई, 2020	वर्धा स्कूल ऑफ थॉट, वर्धा, महाराष्ट्र
4.	संकाय विकासात्मक कार्यक्रम 2020 में "जूम और गूगल मीट के जरिए ई-लर्निंग' पर व्याख्यान दिया	26 मई ,2020	केटीएचएम कॉलेज, नासिक, महाराष्ट्र
5.	"संक्रामक रोगों की गणितीय मॉडलिंग" पर आमंत्रित वार्ता	12 सितंबर, 2020.	डीजी वैष्णव कॉलेज, चेन्नई
6.	सांख्यिकी में पीजी छात्रों के लिए कैरियर तैयारी और कौशल विकास कार्यक्रम (सीआरएसडीपी-2021) पर कौशल विकास प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम में "सांख्यिकीविदों के लिए सरकारी क्षेत्रों में अवसर" पर एक व्याख्यान दिया	22 जनवरी 2021.	सांख्यिकी विभाग, भारथिअर विश्वविद्यालय, कोयंबटूर, तमिलनाडु
7.	सीएसआरडी, जेएनयू, नई दिल्ली में आरडी 645 विद्यार्थियों के लिए "स्वास्थ्य अनुसंधान में नमूना आकार निर्धारण तकनीक" पर एक व्याख्यान दिया	5 मार्च 2021	सीएसआरडी, जेएनयू, नई दिल्ली

वर्ष 2020-21 के दौरान कोविड-19 से संबंधित गतिविधियां

वर्ष 2020-21 में, भारत कोरोना रोग -19 की विश्वव्यापी महामारी का हिस्सा रहा है जिसने भारत के साथ-साथ पूरी दुनिया को भी प्रभावित किया है। सरकार महामारी को नियंत्रित करने के लिए कई प्रयास कर रही है, इस क्रम में संस्थान ने कोविड-19 का सामना करने के लिए प्रशिक्षण और अनुसंधान के क्षेत्र में कुछ पहल की है। वर्ष 2020-21 के दौरान की गई मुख्य पहलें निम्नवत हैं: -

1. **संस्थान के संकाय सदस्यों ने, मई 2020 के दौरान कोविड प्रबंधन में राज्य स्वास्थ्य विभागों के सहयोग हेतु स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा गठित केंद्रीय जन स्वास्थ्य टीम में सदस्य के रूप में कार्य किया। संस्थान के संकाय सदस्य चार समूहों के सदस्य रहे हैं:** -

   (i) प्रोफेसर जे. के. दास- जयपुर, राजस्थान
   (ii) प्रोफेसर विवेक अधीश- कृष्णा जिला, आंध्र प्रदेश,
   (iii) प्रोफेसर संजय गुप्ता- आगरा, उत्तर प्रदेश तथा
   (iv) प्रोफेसर मनीष चतुर्वेदी- लखनऊ, उत्तर प्रदेश गठित टीमों ने कोविड -19 से निपटने के लिए राज्य सरकारों द्वारा उठाए गए उपायों का निरीक्षण किया तथा कोविड -19 के प्रबंधन में उपचारात्मक उपायों का भी सुझाव दिया।

2. संस्थान ने कोविड -19 से संबंधित निम्नलिखित वेबिनार आयोजित किए: -

(i) कोविड -19 के प्रतिउत्तर में जन स्वास्थ्य आपातकालीन प्रबंधन (पीएचईएम)
(ii) कोविड -19 प्रबंधन के दौरान स्वास्थ्य देखभाल प्रदाताओं के बीच बढ़ता तनाव: चुनौतियां और निवारक रणनीतियाँ

(iii) कोविड -19 के प्रतिउत्तर में सार्वजनिक स्वास्थ्य संस्थान- मुद्दे और चुनौतियाँ।
(iv) कोविड -19 के प्रतिउत्तर में सीबी-पीएचईएम समन्वय प्रकोष्ठ के अंतर्गत वेबिनार।
(v) बच्चों एवं उनकी उपचर्या प्रबंधन पर कोविड -19 का प्रभाव।

3 इसके अतिरिक्त कोविड-19 के प्रबंधन में संस्थान द्वारा किए गए शोध निम्नवत हैं:-

1. भारतीय निवासियों के बीच कोविड -19 के प्रति ज्ञान, दृष्टिकोण और व्यवहार का आकलन करना।
2. भारत में कोविड -19 महामारी के मनोवैज्ञानिक प्रभाव को समझना।
3. दिल्ली की शहरी मलिन बस्तियों में गर्भवती महिलाओं द्वारा 'अंतर्गर्भाशयी देखभाल' उपयोग पर कोविड -19 महामारी के प्रभाव पर अध्ययन।
4. दिल्ली में कोविड -19 टीकाकरण का परिचय-पश्चात मूल्यांकन

7.0 प्रशासनिक समाचार

प्रतिवेदित अवधि के दौरान संस्थान में सेवानिवृत्ति, पेंशन, पदोन्नति, नियुक्ति आदि से संबंधित विषयों को अंतिम रूप देने के लिए अनेक प्रशासनिक कार्य-विधियों को सुप्रवाही किया गया है।

7.1 शासी निकाय (जी.बी.)

संस्थान के कार्यों के प्रबंधन का मुख्य उत्तररदायित्व शासी निकाय का है जोकि स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के माननीय केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री की अध्यक्षता के अधीन गठित की गई है । बैठक में संस्थान के कामकाज में सुधार हेतु नीतिगत निर्णय लिए जाते हैं। शासी निकाय की 40वीं बैठक 18 फ़रवरी,2021 हो हुई।

7.2 स्थायी वित्त समिति (एस.एफ.सी.)

स्थायी वित्त समिति एक अन्य महत्वपूर्ण समिति है, जो संस्थान के वित्तीय प्रबंधन हेतु मार्गदर्शन करती है। रास्वापक संस्थान की स्थायी वित्तीय समिति की 62वीं बैठक 14 अगस्त, 2020 को श्री राजेश भूषण, सचिव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की अध्यक्षता में हुई थी।

7.3 कार्यक्रम सलाहकार समिति (पीएसी)

समिति में विभिन्न विषयों/अनुशासनों के प्रतिनिधि शामिल हैं, जो केंद्रीय एवं राज्य स्तर तथा केंद्रीय प्रशिक्षण संस्थानों से संबन्धित हैं तथा देश में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण कार्यक्रमों के संवर्धन में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से शामिल हैं । शिक्षण गतिविधियों के मार्गदर्शन करने हेतु तथा संस्थान की गतिविधियों की समीक्षा के लिए समिति की सामान्यतः एक वर्ष में दो बार बैठक आयोजित की जाती है। इस वर्ष संस्थान की कार्यक्रम सलाहकार समिति (पीएसी) की बैठक 11 दिसंबर 2020 को ऑनलाइन माध्यम से हुई थी।

कार्यक्रम सलाहकार समिति गतिविधिय ने सभी प्रशिक्षण एवं अनुसंधान (पीएसी)ोंं के साथ-साथ संस्थान में चल रहे अध्ययनों की वर्तमान स्थिति की समीक्षा की। बैठक में सभी

संस्थान में राजभाषा नीति के कारगर क्रियान्वयन संबंधी प्रगति की समीक्षा करने के लिए संस्थान के निदेशक की अध्यक्षता में एक राजभाषा कार्यान्वयन समिति कार्यरत है। प्रतिवेदित अवधि में 1 अप्रैल, 2020 से 31 मार्च, 2021 के दौरान इस समिति की सभी त्रैमासिक बैठकें नियमित रूप से आयोजित की गईं।

8.0 सरकारी कामकाज में हिन्दी का प्रयोग

संस्थान में राजभाषा नीति के कारगर क्रियान्वयन संबंधी प्रगति की समीक्षा करने के लिए संस्थान के निदेशक की अध्यक्षता में एक राजभाषा कार्यान्वयन समिति कार्यरत है। प्रतिवेदित अवधि में 1 अप्रैल, 2020 से 31 मार्च, 2021 के दौरान इस समिति की सभी त्रैमासिक बैठकें नियमित रूप से आयोजित की गईं।

सरकारी कामकाज में हिन्दी का प्रयोग

संस्थान की राजभाषा कार्यान्वयन समिति का वर्तमान गठन निम्न प्रकार से हैः संस्थान की राजभाषा कार्यान्वयन समिति का गठन (31 मार्च, 2021 के अनुसार)

1.	प्रोफेसर हर्षद ठाकुर, निदेशक	अध्यक्ष
2.	डॉ. वी.के. तिवारी, डीन एवं प्रोफेसर, योजना एवं मूल्यांकन विभाग	उपाध्यक्ष
3.	प्रोफेसर मिहिर कुमार मलिक, कार्यवाहक उप-निदेशक (प्रशा.)	सदस्य
4.	डॉ. (श्रीमती) पूनम खट्टर, कार्यवाहक विभागाध्यक्ष, संचार विभाग	सदस्य
5.	डॉ. (श्रीमती) पुष्पांजलि स्वैन, विभागाध्यक्ष एवं प्रोफेसर, जनांकिकीय एवं जनसांख्किकीय	सदस्य
6.	डॉ. मनीष चतुर्वेदी, प्रोफेसर, योजना एवं मूल्यांकन विभाग	सदस्य
7.	डॉ. अंकुर यादव, सहायक प्रोफेसर, संचार विभाग एवं संकाय प्रभारी हिंदी कक्ष	सदस्य
8.	डॉ. गीतांजलि, चिकित्सा अधिकारी, प्रजनन जैव चिकित्सा विभाग	सदस्य
9.	डॉ. गौरव शर्मा, उप-निदेशक (तकनीकी), परियोजना	सदस्य
10.	अनुभाग अधिकारी (प्रशा.1)	सदस्य
11.	अनुभाग अधिकारी (प्रशा.2)	सदस्य
12.	प्रभारी अधिकारी, (अकादमिक)	सदस्य
13.	कार्यशाला एवं अनुरक्षण अधिकारी	सदस्य
14.	लेखा अधिकारी	सदस्य
15.	अनुभाग अधिकारी (भण्डार)	सदस्य
16.	डॉ. गणेश शंकर श्रीवास्तव, उप-संपादक (हिन्दी)	सदस्य-सचिव

प्रतिवेदित अवधि (1 अप्रैल, 2020 से फ़रवरी, 2021) में, संस्थान में राजभाषा नीति के क्रियान्वयन संबंधी प्रगति रिपोर्ट का संक्षिप्त विवरण निम्न प्रकार से हैः

पत्र व्यवहार में हिन्दी का प्रयोग

इस अवधि के दौरान, 83.36% पत्र (ई-मेल और फैक्स संदेश सहित) हिन्दी में जारी हुए अर्थात् 'क' क्षेत्र के 86.28% पत्र, 'ख़' क्षेत्र के 72.51% पत्र तथा 'ग' क्षेत्र के लिए क्रमशः 74.39% पत्र

हिन्दी में जारी किए गए जबकि 'क' और 'ख़' क्षेत्रों के लिए निर्धारित लक्ष्य 100% है तथा 'ग' क्षेत्र के लिए यह लक्ष्य 65% है। उक्त अवधि(अर्थात अप्रैल, 2020 से मार्च, 2021) के दौरान शत-प्रतिशत सामान्य आदेश हिन्दी में जारी किए गए थे। इसी प्रकार हिंदी में प्राप्त सभी पत्रों के उत्तर हिंदी में दिए गए।

हिंदी में दिन-प्रतिदिन के अनुवाद कार्य के अतिरिक्त, कई विशिष्ट अनुवाद कार्य भी पूरे किए गए जिनमें वार्षिक रिपोर्ट तथा वार्षिक लेखा 2020-21, प्रोफार्मा, सर्वेक्षण कार्यक्रम, प्रमाण पत्र से संबंधित सामग्री, बैनर और विभिन्न विभागों के विज्ञापन शामिल हैं।

हिन्दी शिक्षण योजना

हिन्दी शिक्षण योजना के अंतर्गत स्टाफ सदस्यों को हिन्दी आशुलिपि तथा हिन्दी टंकण में प्रशिक्षण। संस्थान के 9 नियमित अंग्रेजी आशुलिपिकों में से 8 आशुलिपिकों को हिन्दी आशुलिपि में प्रशिक्षित किया जा चुका है तथा एक आशुलिपिक तथा नए भर्ती हुए लिपिकों में से 4 लिपिक प्रशिक्षणाधीन है।

स्टाफ का हिन्दी-प्रशिक्षण

संस्थान के सभी 188 स्टाफ सदस्यों को हिन्दी भाषा का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त है, जिनमें से 95 को हिन्दी में प्रवीणता प्राप्त है तथा शेष 93 को हिन्दी भाषा का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त है।

सरकारी कामकाज में हिन्दी के प्रगामी प्रयोग संबंधी प्रोत्साहन योजना

प्रतिवेदित अवधि में संस्थान के 06 कर्मचारियों ने उपरोक्त प्रोत्साहन योजना में भाग लिया था। वित्तीय वर्ष 2020-21 हेतु, उनके कार्य का मूल्यांकन निदेशक के अनुमोदन से गठित एक उप-समिति द्वारा किया जाएगा।

हिन्दी पखवाडा

1-15 सितंबर, 2020 की अवधि के दौरान, संस्थान में हिन्दी पखवाड़ा आयोजित किया गया था, जिसके अंतर्गत निम्नलिखित गतिविधियाँ आयोजित की गई थीं:

i. 1 सितम्बर 2020 को संस्थान के कर्मचारियों के लिए हिंदी निबंध प्रतियोगिता आयोजित की गई। हिंदी भाषी व अहिन्दी भाषी प्रतिभागियों के लिए निबंध का विषय क्रमश: "आत्मनिर्भर भारत" तथा "उत्तम स्वच्छत्ता से ही उत्तम स्वास्थ है" निर्धारित किया गया था।
ii. 3 सितम्बर, 2020 को हिन्दी टिप्पण एवं प्रारूपण तथा भाषा ज्ञान प्रतियोगिता आयोजित की गई।

iii. 5 सितम्बर, 2020 को "अपनाएँ योग रहे सदा निरोग" विषय पर हिंदी में एक व्याख्यान का आयोजन किया गया ।
iv. 7 सितम्बर, 2020 को "कोरोना काल में लागू लॉकडाउन से आए सामाजिक व आर्थिक बदलाव: अच्छा या बुरा" विषय पर हिंदी वाक प्रतियोगिता आयोजित की गई।
v. 10 सितम्बर, 2020 को संस्थान के बहुकार्यकारी कर्मचारियों के लिए हिंदी श्रुतलेख प्रतियोगिता आयोजित की गई।
vi. संस्थान में 14 सितम्बर, 2020 को ऑनलाइन माध्यम से 'हिंदी दिवस' का आयोजन किया गया, समारोह की अध्यक्षता निदेशक, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने की। निदेशक महोदय ने संस्थान के कर्मचारियों को संबोधित किया तथा 1-15 सितम्बर, 2020 के दौरान हिंदी पखवाड़ा गतिविधियों के विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं के नाम की घोषणा की।

संसदीय राजभाषा समिति की प्रारूपण एवं साक्ष्य उप-समिति की बैठक

संसदीय राजभाषा समिति की प्रारूपण एवं साक्ष्य उप-समिति की बैठक 18 नवंबर 2020 को अशोका होटल, नई दिल्ली में आयोजित की गई। बैठक में संस्थान के प्रभारी निदेशक प्रोफेसर विजय कुमार तिवारी, सहायक प्रोफेसर डॉ अंकुर यादव तथा उप-संपादक (हिंदी) डॉ. गणेश शंकर श्रीवास्तव ने भाग लिया।

प्रभारी निदेशक प्रो. विजय कुमार तिवारी ने समिति को संस्थान में हो रहे राजभाषा क्रियान्वयन कार्यों से अवगत कराया।

समिति ने हिंदी पत्राचार को बढ़ाने का निर्देश दिया ताकि शत-प्रतिशत पत्राचार लक्ष्य को प्राप्त किया जा सके। समिति ने यह भी सुझाव दिया कि कार्यालय में नियमित रूप से 2-3 माह के अंतराल पर हिन्दी कार्यशालाएं आयोजित की जानी चाहिए, जिसमें कविता एवं अन्य रचनात्मक विधाओं को भी प्रस्तुत किया जा सकता है। बड़ी संख्या में इस तरह की कार्यशालाओं का होना प्रशंसनीय होगा।

बैठक के अंत में, नराकास के अध्यक्ष ने सभी माननीय संसद सदस्यों का धन्यवाद ज्ञापन किया।

संस्थान का राजभाषाई निरीक्षण

03 मार्च 2021 को श्री कुमार पल शर्मा, सहायक निदेशक (राजभाषा), क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय,दिल्ली, राजभाषा विभाग गृह मंत्रालय द्वारा संस्थान में राजभाषा के कार्यान्वयन की प्रगति के निरीक्षण हेतु संस्थान का दौरा किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने संस्थान के निदेशक के साथ बैठक भी की।

'जन स्वास्थ धारणा' का विमोचन

प्रतिवेदित अवधि के दौरान, 9 मार्च 2019 को संस्थान के वार्षिक दिवस समारोह के अवसर पर संस्थान की हिंदी पत्रिका "जन स्वास्थ्य धारणा" के 26वें अंक का विमोचन मुख्य अतिथि श्री वी.के.पॉल, सदस्य,नीति आयोग द्वारा किया गया।

9.0 घटनाक्रम

44वाँ वार्षिक दिवस समारोह

संस्थान ने 9 मार्च 2021 को अपना 44वाँ वार्षिक दिवस ऑनलाइन माध्यम से मनाया । इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. विनोद के. पॉल, सदस्य, नीति आयोग ने भाग लिया ।

संस्थान के निदेशक प्रो. हर्षद ठाकुर ने प्रतिवेदित अवधि में संस्थान की प्रमुख उपलब्धियों को प्रस्तुत किया तथा आगामी भविष्य में होने वाली कुछ गतिविधियों पर प्रकाश डाला । दूरस्थ शिक्षण के माध्यम से एमडी (सामुदायिक स्वास्थ्य प्रशासन), पीजीडीपीएचएम और पीजी डिप्लोमा पाठय़क्रमों के मेधावी छात्रों को पुरस्कार दिए गए। इस अवसर पर, विभिन्न श्रेणियों के सर्वश्रेष्ठ कर्मचारी को पुरस्कार प्रदान किए गए ।

डॉ. वी.के.पॉल ने अपने संबोधन में संस्थान को अनुसंधान एवं प्रशिक्षण की दिशा में लिए जाने वाले दिशा-निर्देशों के संबंध में अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने संस्थान द्वारा विभिन्न मोर्चों पर की गई विभिन्न गतिविधियों की सराहना की । उन्होंने आशा व्यक्त की कि राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के साथ नेटवर्किंग के माध्यम से संस्थान प्रशिक्षण, अकादमिक अनुसंधान तथा शिक्षा के क्षेत्र में गतिविधियों को और अधिक बढ़ाने का प्रयास करेगा। ।

अंत में, प्रोफेसर संजय गुप्ता, अध्यक्ष, वार्षिक दिवस समिति द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव दिया गया ।

स्वतंत्रता दिवस समारोह

संस्थान में 15 अगस्त, 2020 को, स्वतंत्रता दिवस मनाया गया। संस्थान के निदेशक प्रो. हर्षद ठाकुर ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया तथा उपस्थित गणों को संबोधित किया। राष्ट्रगान के पश्चात विभिन्न वरिष्ठ अधिकारियों ने सभा को संबोधित किया। संस्थान के स्टाफ सदस्यों के बच्चों द्वारा एक संगीत कार्यक्रम आयोजित किया गया।

विश्व जनसंख्या दिवस-2020

राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान में विश्व जनसंख्या दिवस 11 जुलाई, 2020 को 11:00 बजे से 1:15 बजे तक वेबिनार के रूप में ऑनलाइन पोर्टल 'गूगल मीट' से मनाया गया।

यह समारोह सांख्यिकी एवं जनसांख्यिकीय विभाग द्वारा प्रथम वर्ष के एमडी (सीएचए)/डीएचए छात्रों की मदद से आयोजित किया गया था। एमडी (सीएचए) के प्रथम वर्ष के छात्र डॉ. अभिषेक दीक्षित ने कार्यक्रम की मेजबानी की तथा सभी गणमान्य व्यक्तियों, संकाय सदस्यों, सलाहकारों, छात्रों और सभी स्टाफ सदस्यों का स्वागत करते हुए कार्यवाही शुरू की। प्रो. पुष्पांजलि स्वैन ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान के निदेशक प्रो. हर्षद पी. ठाकुर का स्वागत किया। इसके उपरांत, प्रो. हर्षद पी. ठाकुर ने कार्यक्रम के संदर्भ में प्रारंभिक संभाषण दिया तथा गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत किया।

इसके पश्चात सांख्यिकी एवं जनसांख्यिकी विभागाध्यक्ष प्रो. पुष्पांजलि स्वैन ने विश्व जनसंख्या दिवस के संदर्भ में प्रस्तावना प्रस्तुत की। उन्होंने विश्व जनसंख्या दिवस के इतिहास पर एक सिंहावलोकन दिया तथा उन्होंने विश्व जनसंख्या दिवस 2020 की विषय "कोविड -19 पर विराम लगाना: महिलाओं एवं लड़कियों के स्वास्थ्य एवं अधिकारों की सुरक्षा कैसे करें" के संबंध में जानकारी प्रदान की।

श्री ए.आर.नंदा, पूर्व स्वास्थ्य सचिव, भारत सरकार ने अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम को आनंदमय बना दिया तथा उन्होंने संस्थान के साथ अपने अनुभव एवं संबंध साझा करने के साथ अपने वक्तव्य की शुरुआत की। यह कार्यक्रम प्रो. शीला मिश्रा द्वारा "लैंगिक मुख्यधारा और मनो-सामाजिक मुद्दों (कोविड-19)" पर एक वार्ता के साथ अग्रसर हुआ । उन्होंने महामारी के दौरान महिलाओं एवं लड़कियों के समक्ष आने वाले मनोसामाजिक मुद्दों के संबंध में भी चर्चा की। कार्यक्रम का समापन डॉ. धर्मेंद्र कुमार यादव, सहायक प्रोफेसर, सांख्यिकी एवं जनसांख्यिकी विभाग के धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ।

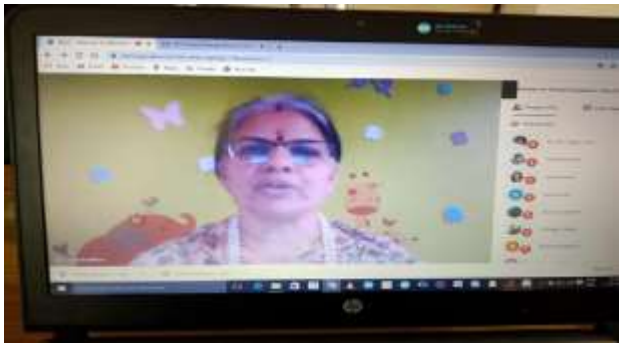

सतर्कता जागरूकता सप्ताह-2020

केंद्रीय सतर्कता आयोग के निर्देशानुसार राष्ट्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण संस्थान, नई दिल्ली ने 27 अक्टूबर से 2 नवंबर, 2020 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह "सतर्क भारत, समृद्ध भारत" विषय के साथ मनाया।

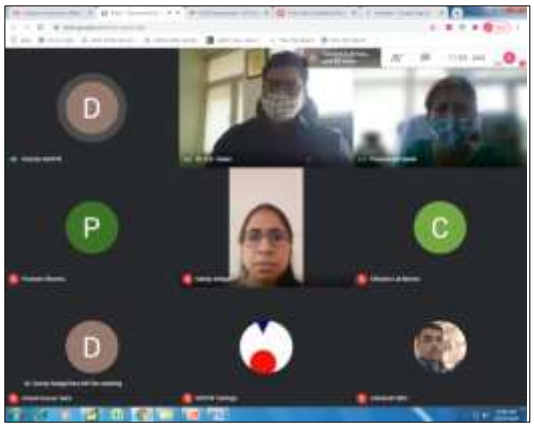

संस्थान के निदेशक प्रो. हर्षद पी. ठाकुर ने 27 अक्टूबर,2020 को पूर्वाह्न 11.00 बजे संस्थान के कर्मचारियों के मध्य शपथ दिलाई, जिसमें डॉ. पुष्पांजलि स्वैन, सतर्कता अधिकारी भी उपस्थित थे

सप्ताह भर के उत्सव के दौरान विभिन्न गतिविधियाँ जैसे स्लोगन लेखन प्रतियोगिता, वाद-विवाद प्रतियोगिता तथा प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। संस्थान के कर्मचारियों ने सप्ताह भर चलने वाले कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग लिया। सतर्कता जागरूकता पर स्लोगन लेखन प्रतियोगिता से चुने गए नारों को संस्थान के दीवारों तथा नोटिस बोर्ड पर स्वागत क्षेत्र, कैंटीन, हॉस्टल, टीचिंग ब्लॉक, क्लिनिक, प्रशासनिक ब्लॉक एवं संस्थान के विभिन्न भवनों के प्रवेश बिंदु जैसे कई प्रमुख स्थानों पर हिंदी तथा अंग्रेजी दोनों भाषाओं में प्रदर्शित किया गया था।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह का समापन समारोह सोमवार 2 नवंबर, 2020 को दोपहर 4.30 बजे आयोजित किया गया। डॉ. पुष्पांजलि स्वैन, सतर्कता अधिकारी ने सतर्कता जागरूकता सप्ताह के दौरान आयोजित कार्यक्रमों का विवरण दिया।

विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं की घोषणा संस्थान के निदेशक प्रो. हर्षद पी. ठाकुर द्वारा जूरी सदस्यों, संकायों, कर्मचारियों एवं छात्रों की उपस्थिति में ऑनलाइन गूगल मीट प्लेटफॉर्म पर की गई। प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र वितरित किए गए। इस अवसर पर निदेशक प्रो. हर्षद पी. ठाकुर ने ऑनलाइन माध्यम से श्रोतागण को संबोधित किया।

गणतंत्र दिवस समारोह

26 जनवरी 2021 को, गणतंत्र दिवस मनाया गया। संस्थान के निदेशक, प्रोफेसर हर्षद पी. ठाकुर ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया तथा सभी कर्मचारियों को बधाई दी। निदेशक, प्रोफेसर हर्षद पी. ठाकुर ने सभा को संबोधित करते हुए जोर दिया कि हम सभी को राष्ट्र के प्रति हमारी जिम्मेदारियों को निष्ठापूर्वक निभाना चाहिए। संकाय सदस्य , अनुसंधान कर्मचारी एवं प्रशासनिक कर्मचारी के अतिरिक्त आउटसोर्स स्टाफ कार्यक्रम में शामिल हुए। बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

गणतंत्र दिवस समारोह

10.0 प्रकाशन

10.0 राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान, भारत सरकार के संकाय अनुसंधान सदस्यों द्वारा वर्ष **2020-21** के दौरान विभिन्न पत्रिकाओं में प्रकाशित लेखों/आलेखों की सूची इस प्रकार है-

क्रम संख्या	लेख का शीर्षक/ आलेख और वेबलिंक	क्रमानुसार लेखक का नाम	पत्रिका का नाम	संस्करण नंबर	अंक संख्या	प्रारंभ और समाप्ति पृष्ठ संख्या	प्रकाशन का महीना और वर्ष
प्रो. हर्षद ठाकुर							
1	भारतीय शहरों के निजी अस्पताल में स्वास्थ्य देखभाल प्राप्त करते समय वृद्धजनों का अनुभव	सह-लेखक	जरा विज्ञान और जराचिकित्सा	6	-	1-10	2020
2	ऑनलाइन प्रशिक्षण की ओर अग्रसित होना- भारतीय परिवेश में शिक्षकों/प्रशिक्षकों के दृष्टिकोण के माध्यम से संभावित चुनौतियाँ	सह-लेखक	भारतीय सामुदायिक स्वास्थ्य पत्रिका	32	4	620-623	2020
3	मुंबई, भारत में रिफैम्पिसिन प्रतिरोधी टीबी से पीड़ित बच्चों और किशोरों के उपचार के लिए नई टीबी दवाएं	सह-लेखक	अंतर्राष्ट्रीय क्षय रोग और फेफड़े रोग पत्रिका	24	12	1265-1271	2020
4	भारत में स्वास्थ्य का सतत विकास: स्वास्थ्य प्रणाली को सुदृढ़ बनाने हेतु एक स्थिर स्थानीय सहयोगात्मक संचालन की आवश्यकता की समीक्षा;	सह-लेखक	एचपीपीआई	43	1	5-21	2020
5	भारत में स्वास्थ्य का सतत विकास: बेहतर गुणवत्तापरक जीवन को बनाए रखने के लिए स्वास्थ्य और आरोग्यता के संबंध में अंतर-मंत्रालयी योगदान;	सह-लेखक	एचपीपीआई	44	1	19-32	2021
6	मुंबई के प्राथमिक विद्यालयी बालकों के संबंध में शौचालय शिष्टाचार और स्वच्छता को लेकर पानी, सफ़ाई व्यवस्था और स्वच्छता आधारित कार्यक्रम की प्रभावशीलता	सह-लेखक	अंतर्राष्ट्रीय सामुदायिक चिकित्सा और जन स्वास्थ्य पत्रिका	8	4	1826-1835	2021
7	आरोग्य सेतु- भारत का कोविड-19 संपर्क ट्रेसिंग मोबाइल एप्लिकेशन: कोविड-19 महामारी के दौरान भारतीयों के बीच इस एप्लिकेशन के बारे में जागरूकता और उपयोगिता का आकलन	सह-लेखक	अंतर्राष्ट्रीय सामुदायिक चिकित्सा और जन स्वास्थ्य पत्रिका	8	4	1802-1808	2021
8	बच्चों, किशोरों और उनकी देखभाल करने वालों के लिए दवा-प्रतिरोधी टीबी उपचार यात्रा की चुनौतियां : एक गुणात्मक अध्ययन;	सह-लेखक	जन पुस्तकालय विज्ञान (पीएलओएस)	16	3	1-15	2021
9	नियमित टीबी कार्यक्रम, मुंबई, भारत में दवा-प्रतिरोधी टीबी उपचार प्राप्त करने वाले बच्चों और किशोरों में उपचार के परिणाम	सह-लेखक	सार्वजनिक पुस्तकालय विज्ञान (पीएलओएस)	16	2	1-12	2021
10	क्या रोगी बीएमआई क्रोनिक मैकेनिकल लो बैक पेन (कमर के निचले हिस्से में दर्द) में मल्टीमॉडल रिहैबिलिटेशन प्रोटोकॉल के परिणाम को प्रभावित करता है?;	सह-लेखक	मेरुदण्ड/स्पाइन	-	-	-	Feb 2021
11	कोविड -19 महामारी के दौरान में भारत में जन स्वास्थ्य की सुदृढ़ता, कमजोरियों, अवसरों और खतरों का विश्लेषण;	प्रथम लेखक	भारतीय सामुदायिक औषध पत्रिका	46	1	1-3	2021
12	ऑनलाइन प्रशिक्षण की ओर अग्रसित होना- भारतीय परिवेश में शिक्षकों/प्रशिक्षकों के दृष्टिकोण के माध्यम से संभावित चुनौतियाँ	सह-लेखक	भारतीय सामुदायिक औषध पत्रिका	32	4	620-623	2021
13	भारत में क्षय रोग नियंत्रण की स्थिति और चुनौतियाँ - हितधारकों का दृष्टिकोण	सह-लेखक	भारतीय क्षय रोग पत्रिका	68	3	334-339	2021
प्रो. वी.के. तिवारी							
1	दिल्ली में तृतीयक स्वास्थ्य देखभाल अस्पताल में दीर्घकालिक हेपेटाइटिस बी और सी वायरस संक्रमण के उपचार का व्यय एवं परिणाम	सह-लेखक	भारतीय जन स्वास्थ्य पत्रिका	64	4	409-12	2020

2	दिल्ली की शहरी मलिन बस्तियों में रहने वाली महिलाओं के बीच एएनसी सेवाओं के बारे में जागरूकता और उपयोग: एक अवलोकनपरक अध्ययन	सह-लेखक	स्वास्थ्य और जनसंख्या: परिप्रेक्ष्य और मुद्दे	43	1	22-32	2020
प्रो. रजनी बग्गा							
1	कोविड-19 प्रबंधन के दौरान स्वास्थ्य देखभाल प्रदाताओं में बढ़ता तनाव और अक्रियाशीलता: चुनौतियाँ और निवारक रणनीतियाँ (संपादकीय)	प्रथम लेखक	स्वास्थ्य और जनसंख्या: परिप्रेक्ष्य और मुद्दे	43	2	51	अप्रैल-जून 2020
2	कोविड-19 महामारी के बीच प्रथम पंक्ति स्वास्थ्य देखभाल योद्धा (फ्रंटलाइन हेल्थ केयर वॉरियर्स) के खिलाफ हिंसा और उनके मनो-सामाजिक स्वास्थ्य पर इसका प्रभाव	सह-लेखक	स्वास्थ्य और जनसंख्या: परिप्रेक्ष्य और मुद्दे	43	2	52- 60	अप्रैल-जून 2020
3	कोविड-19 का मुकाबला करने वाली संस्कृति: भारतीय नृजाति चिकित्साविज्ञान की दृष्टि से परिप्रेक्ष्य	सह-लेखक	स्वास्थ्य और जनसंख्या: परिप्रेक्ष्य और मुद्दे	43	3	103-13	2020
डॉ. पुष्पांजलि स्वैन							
1	भारत में स्वास्थ्य का सतत विकास: स्वास्थ्य प्रणाली को सुदृढ़ बनाने हेतु एक स्थिर स्थानीय सहयोगात्मक संचालनपरक आवश्यकता की समीक्षा;	प्रथम लेखक	स्वास्थ्य और जनसंख्या: परिप्रेक्ष्य और मुद्दे	43	1	5-21	2020
2	भारत में प्रजनन क्षमता के संदर्भ में बड़े परिवार के आकार के निर्धारक: जिला स्तरीय घरेलू सर्वेक्षण आंकड़ों के आधार पर साक्ष्य	प्रथम लेखक	अंतर्राष्ट्रीय सांख्यिकीय विज्ञान पत्रिका	20	2	*171-190*	2020
3	दिल्ली की शहरी मलिन बस्तियों में किशोरों के बीच सड़क यातायात सुरक्षा के प्रति जानकारी और अनुपलन्न के स्तर का आकलन	सह-लेखक	अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान पत्रिका-ग्रंथालय	8	5	165-172	मई 2020
4	दिल्ली की शहरी मलिन बस्तियों के किशोरों में तंबाकू और अल्कोहल उपभोग के प्रति जानकारी और व्यवहार का आकलन	प्रथम लेखक	निवारक चिकित्सा और समग्र स्वास्थ्य की पत्रिका	6	1	10-15	जनवरी-जून 2020
डॉ. संजय गुप्ता							
1	जन स्वास्थ्य आपातकालीन स्थितियां जैसे कि कोविड-19 प्रबंधन को लेकर कार्यक्रम प्रबंधकों के लिए डिजिटल उपकरण उपलब्धता	प्रथम लेखक	स्वास्थ्य और जनसंख्या परिप्रेक्ष्य और मुद्दे	42	2	83-91	अप्रैल-जून 2020
2	भारतीय स्नातक पाठ्यक्रम में रोगी सुरक्षा और स्वास्थ्य देखभाल कार्यबल की प्रशिक्षण की आवश्यकताएँ: एक मिश्रित- अध्ययन पद्धति	सह-लेखक	भारतीय जन स्वास्थ्य पत्रिका	64		227-284	2020
3	ऑनलाइन प्रशिक्षण की ओर अग्रसित होना- भारतीय परिवेश में शिक्षकों/प्रशिक्षकों के दृष्टिकोण के मध्यम से संभावित चुनौतियां	सह-लेखक	भारतीय सामुदायिक स्वास्थ्य पत्रिका	32	4	620-623	2020
4	दिल्ली के एक जिले में सरकारी स्वास्थ्य सुविधा केंद्रों में शीत श्रृंखला उपकरण और उनके प्रबंधन का आकलन: एक प्रतिकूल-अनुभागीय वर्णनात्मक अध्ययन	सह-लेखक	भारतीय जन स्वास्थ्य पत्रिका	64	1		जनवरी-मार्च 2020
5	राज्य प्रभावी टीका प्रबंधन आकलन (ईवीएमए), असम, भारत: आभासी आंकड़ा शोधन (वर्चुअल डेटा क्लीनिंग)	प्रथम लेखक	डब्ल्यूएचओ-वैश्विक टीकाकरण न्यूज़ लेटर				जून 2020
6	टीका और शीत श्रृंखला प्रबंधकर्ता (वीसीसीएच) मॉड्यूल को लेकर प्रशिक्षकों के आभासी प्रशिक्षण (टीओटी) का प्रथम बैच, झारखंड राज्य, भारत: आभासी प्रशिक्षण की चुनौतियों को कम करना	प्रथम लेखक	डब्ल्यूएचओ-वैश्विक टीकाकरण न्यूज़ लेटर				नवंबर 2020
7	कोविड-19 महामारी के बीच टीकाकरण कार्यक्रम प्रबंधकों के लिए टीका और शीत श्रृंखला प्रबंधन (T- VaCC) पर आभासी प्रशिक्षण का प्रथम बैच	प्रथम लेखक	डब्ल्यूएचओ-वैश्विक टीकाकरण न्यूज़ लेटर				नवंबर 2020
डॉ मीराम्बिका महापात्रो							
1	रीति-रिवाज, अपराध और कोविड-19: एक लैंगिक परिप्रेक्ष्य	प्रथम लेखक	स्वास्थ्य और जनसंख्या: परिप्रेक्ष्य और मुद्दे	43	3	95 -102	2020

2	रायपुर, नोएडा में बीस से पच्चीस वर्षीय आयु वर्ग के युवाओं में अवसाद और निद्रा अनियमितताओं पर एक अध्ययन	सह-लेखक	अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक और अनुसंधान प्रकाशन पत्रिका	10	2	164-182	2020
3	मीडिया की लोकप्रिय भूमिका और घरेलू हिंसा के चक्र को तोड़ना doi.org/10.1002/pa.2618	प्रथम लेखक	जन प्रशासन पत्रिका	-	1	19-22	2021
4	दुर्व्यवहार करने वालों के साथ रहते हुए कोविड-19 के लॉकडाउन के दौरान घरेलू हिंसा से पीड़ित महिलाओं में सामाजिक सहयोग की भूमिका: पारिवारिक परामर्श केंद्र, अलवर, भारत में पंजीकृत मामलों का विश्लेषण	प्रथम लेखक	पारिवारिक प्रकाशन पत्रिका	-	-	1-16	2021
5	घरेलू हिंसा- एक सामान्य सत्य	प्रथम लेखक	नरची बुलेटिन, एमएएमसी	-	1	19-22	फरवरी 2021
डॉ. नंदिनी सुब्बैया							
1	आक्षेप/कलंक/भेदभाव: कोविड-19 का सबसे खतरनाक दुश्मन	प्रथम लेखक	अंतर्राष्ट्रीय सामुदायिक स्वास्थ्य परिचर्या पत्रिका	3	2	19-23	2020
2	महिलाओं पर कोविड -19 के दौरान लॉकडाउन का प्रभाव	प्रथम लेखक	अंतर्राष्ट्रीय सामुदायिक स्वास्थ्य परिचर्या पत्रिका	3	2	9-14	2020
3	परामर्शदाता: स्वास्थ्य पेशेवरों की शिक्षा के लिए एक वरदान	सह-लेखक	भारतीय परिचर्या पत्रिका	सीएक्सआई	5		सितंबरा-अक्तूबर 2020
4	आक्षेप/कलंक/भेदभाव: कोविड-19 का सबसे खतरनाक दुश्मन	प्रथम लेखक	अंतर्राष्ट्रीय सामुदायिक स्वास्थ्य परिचर्या पत्रिका	3	2	19-23	2020
5	दिल्ली के एक जन स्वास्थ्य संस्थान में कार्यरत कर्मचारियों के समूह "सी" में कार्डियोवैस्कुलर जोखिमपरक कारकों की व्यापकता	सह-लेखक	भारतीय अध्येता अनुप्रयुक्त चिकित्सा विज्ञान पत्रिका				2020
6	केंद्रीय क्षेत्र योजना के तहत नर्सों के लिए प्रशिक्षण का संचालन करने वाले संस्थानों में प्रशिक्षण सुविधाओं का मूल्यांकन	प्रथम लेखक	स्वास्थ्य और जनसंख्या: परिप्रेक्ष्य और मुद्दे	43	1	33-40	जनवरी-मार्च 2020
प्रो. मनीष चतुर्वेदी							
1	कोविड-*19* के उपरांत स्वास्थ्य देखभाल की स्थिति' नामक पुस्तक में "कोविड-*19* जैसे प्रकोप के जोखिम के बारे विस्तृत जानकारी: प्रभाव, पुन: सामान्य स्थिति और अनुशंसाए'	प्रथम लेखक	स्प्रिंग	-	-	397-412 (15 *पृष्ठ*)	2020
2	कोविड-*19* महामारी: भारत में एक प्रगतिशील जटिल आपातकालीन	प्रथम लेखक	स्वास्थ्य और जनसंख्या; परिप्रेक्ष्य और मुद्दे	44	1	11-18	*जनवरी-मार्च* 2021
डॉ. एस. रामचंद्र राव							
1	मानव बाल अपशिष्ट को एक नए पूर्व उपचार के रूप में उपयोग करके अम्ल में कीमती धातुओं से सोने की वापसी-मुफ्त हरित सामग्री	सह-लेखक	पर्यावरण रासायनिक अभियांत्रिकी पत्रिका	9	1	104724 (9 *पृष्ठ*)	फरवरी, 2021
2	मेजबान का उपयोग कर तेजी से और कुशल धातु पृथक्करण के लिए छोटी बूंद माइक्रोफ्लुइडिक डिवाइस- बाह्य रसायन विज्ञान	अनुरूपी लेखक	ऊर्जा और पर्यावरण अनुप्रयोगों हेतु माइक्रोफ्लुइडिक प्रौद्योगिकियों में प्रगति	-	-	1-19	*मई* 20, 2020
3	टी-टाइप माइक्रोरिएक्टर सिस्टम में कैलिक्स [*4*] एरेन डेरिवेटिव्स का उपयोग करके लिथियम एक्सट्रैक्शन के द्रव गतिकी के अध्ययन हेतु नई अवधारणा	सह-लेखक	*विश्लेषण*	8	5	70 (13 *पृष्ठ*)	*मई* 20, 2021
डॉ. रेणु शहरावत							
1	कोविड -19 महामारी के दौरान अनुर्वरता (बांझपन) सेवाएं प्रदान करने वाले चिकित्सा केंद्र को दोबारा खोलना: एक केस अध्ययन	प्रथम लेखक	प्रजनन स्वास्थ्य देखभाल और चिकित्सा पत्रिका	15	2		2021

2	कोविड-19 महामारी के दौरान प्रजनन स्वास्थ्य	सह-लेखक	प्रजनन स्वास्थ्य देखभाल और चिकित्सा पत्रिका	14	2		2021
डॉ. अंकुर यादव							
1	कोविड 19- एक आध्यात्मिक दृष्टिकोण	सह-लेखक	मन और समाज	9	3&4	7-9	सितंबर.-दिसंबर., 2020
2	जिला फिरोजाबाद (यू.पी.), भारत में कांच कारखाने के श्रमिकों के बीच व्यावसायिक स्वास्थ्य संबंधित सूचना, दृष्टिकोण और सुरक्षा पद्धति- एक वर्णनात्मक प्रतिकूल-अनुभागीय अध्ययन	सह-लेखक	भारतीय अनुप्रयुक्त अनुसंधान पत्रिका	11	2	1-3	फरवरी , 2021
3	आध्यात्मिक स्वास्थ्य और आत्म-प्रत्यक्षीकरण	सह-लेखक	अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान और अनुसंधान पत्रिका	10	2	1052-1058	फरवरी, 2021
4	कोविड 19: तनाव और चिंता-संबंधित चिकित्सीय साहित्य की आलोचनात्मक समीक्षा	सह-लेखक	अंतर्राष्ट्रीय बहुविषयक अनुसंधान और विकास पत्रिका	8	2	72-77	फरवरी, 2021
5	भारत में कोविड -19 महामारी के संदर्भ में पोषण संबंधी चुनौतियों की खोज	अनुरूपी लेख	भारतीय अनुप्रयुक्त अनुसंधान पत्रिका	11	3	1-3	मार्च, 2021
6	भारतीय परंपराए और हमारा स्वास्थय	प्रथम लेखक	जन स्वास्थय धारणा	26		11-12	मार्च, 2021
डॉ . मोनिका सैनी							
1	संस्कृति समाघात कोविड -19: भारतीय नृजाति चिकित्साविज्ञान की दृष्टि से विश्लेषण	प्रथम लेखक	स्वास्थ्य और जनसंख्या: परिप्रेक्ष्य और मुद्दे	43	3	103-113	2020

डॉ. धर्मेंद्र कुमार यादव							
1	कृषि सर्वेक्षण में जनसंख्या माध्य के बेहतर अनुमान हेतु प्रतिदर्श आमाप की जानकारी का प्रयोग doi: https://doi.org/10.20546/ijcmas.2021.1002.xx	प्रथम लेखक	इंटरनेशनल जर्नल ऑफ करंट माइक्रोबायोलॉजी एंड एप्लाइड साइंसेज।	10	02	809-815	2021
2	सहायक जानकारी की सहायता से जनसंख्या के दो अनुपात के बेहतर अनुमान लगाने हेतु	सह-लेखक	सांख्यिकी एवं विश्वसनीयता इंजीनियरिंग की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका	7	2	242-248	2020
3	कोविड-**19** के संदर्भ में वैश्विक परिदृश्य में भारत की वर्तमान स्थिति का विश्लेषण(doi: 10.20944/preprints202007.0001.v1).	प्रथम लेखक	प्री-प्रिंट 2020070001	-	-	-	2020
डॉ. जे.पी. शिवदासानी							
1	कोविड-19 मामलों के दोगुने होने में लॉकडाउन का प्रभाव: विकसित देशों से भारत का एक तुलनात्मक अध्ययन	प्रथम लेखक	स्वास्थ्य एवं जनसंख्या: परिप्रेक्ष्य एवं मुद्दे	43	4	158-172	2020
डॉ. वी. भट्टाचार्य							
1.	आयुष्मान भारत योजना	प्रथम लेखक	जन स्वास्थ्य धारणा		25	23-26	मार्च 2020
2.	स्कूल ऑफ डेवलपमेंट स्टडीज, इग्नू द्वारा कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी में यूनिट कान्ट्रब्यूशन पी.जी. डिप्लोमा	प्रथम लेखक	इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय				फ़रवरी , 2021
डॉ. ए.एम.एलिजाबेथ							
1	भारत में स्वास्थ्य का सतत विकास: स्वास्थ्य प्रणाली को सुदृढ़ बनाने हेतु एक स्थिर स्थानीय सहयोगात्मक संचालन की आवश्यकता की समीक्षा;	प्रथम लेखक	स्वास्थ्य एवं जनसंख्या: परिप्रेक्ष्य एवं मुद्दे	43	1	5-21	2020
डॉ. मनीषा							
1	रक्त दान - कुछ महत्त्वपूर्ण तथ्य:	प्रथम लेखक	धारणा	25		27-28	2020
डॉ. षेरिन राज टी.पी							

1	कोविड-19 की रोकथाम में केरल के शीर्ष पर होने का कारण क्या है?	प्रथम लेखक	स्वास्थ्य एवं जनसंख्या: परिप्रेक्ष्य एवं मुद्दे	43	4	173-184	अक्टू.-दिसंबर, 2020
2	दिल्ली में एक तृतीयक देखभाल अस्पताल में दीर्घकालिक हेपेटाइटिस बी एवं सी वायरस संक्रमण का उपचार व्यय एवं परिणाम	सह-लेखक	भारतीय जन स्वास्थ्य पत्रिका	64	4	409-12	2020
3	बिहार, भारत में परिवार नियोजन प्रथाओं के सामाजिक निर्धारक।	सह-लेखक	स्वास्थ्य विज्ञान अनुसंधान पत्रिका	5	1-2	29-48	2021
4	भारत में निजी स्वास्थ्य क्षेत्र और सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज: स्वास्थ्य ढांचे के अधिकार के आलोक में एक आकलन	सह-लेखक	सामाजिक विज्ञान अनुसंधान में अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका	10	1	28-31	जनवरी, 2021
5	भारत में सिजेरियन डिलीवरी की क्षेत्रीय असमानताएं और निर्धारक।	सह-लेखक	इंडियन जर्नल यूथ एंड एडोलसेंट हेल्थ	7	4	15-23	2020
डॉ. जी. एस. करोल							
1	राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन (एनआरएचएम) और मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य देखभाल में परिवर्तन: राजस्थान में एक मूल्यांकन अध्ययन http://dx.doi.org/10.21474 /IJAR01/11363.	प्रथम लेखक	उन्नत अनुसंधान की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका	8	7	1010-1017	जुलाई ,2020
श्री बच्चू सिंह							
1	स्वास्थ्य में आहार, योग और जीवन शैली की भूमिका	प्रथम लेखक	संस्थान की हिंदी पत्रिका जन स्वास्थ्य धारणा	26		23-26	2021
2	भारत में स्वास्थ्य का सतत विकास: स्वास्थ्य प्रणाली को सुदृढ़ बनाने हेतु एक स्थिर स्थानीय सहयोगात्मक संचालन की आवश्यकता की समीक्षा;	सह-लेखक	स्वास्थ्य एवं जनसंख्या: परिप्रेक्ष्य एवं मुद्दे	43	1	5-21	2021
श्रीमती वैशाली जायसवाल							
1	स्वच्छ ईंधन कार्यक्रम की शुरुआत के पश्चात ग्रामीण परिवारों में ईंधन की पसंद के निर्धारकों में व्यवहारिक परिवर्तन: एक जिला स्तरीय केस स्टडी	प्रथम लेखक	विली ऑनलाइन पत्रिका वैश्विक चुनौतियां	2021, 5, 2000004	2056-6646 (ऑनलाइन)	1-8	अक्टूबर 2020
2	खाना पकाने के ईंधन के जलने से श्वसनीय कण पदार्थ (Pm2.5) और कार्बन मोनोऑक्साइड (Co) के संपर्क में आने से रसोइयों पर प्रतिकूल स्वास्थ्य प्रभाव की आशंका	प्रथम लेखक	आईजेसीआरटी	8	7	4675-4685	जुलाई 2020
3	संपादकीय: वायु प्रदूषण एवं भारत में राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम	प्रथम लेखक	स्वास्थ्य एवं जनसंख्या: परिप्रेक्ष्य एवं मुद्दे	43	1	72-79	5-21/2020
4	घरेलू ऊर्जा मुद्दों को संबोधित करके सतत विकास लक्ष्यों का समर्थन करना	प्रथम लेखक	स्वास्थ्य एवं जनसंख्या: परिप्रेक्ष्य एवं मुद्दे	41	3&4	129-140	जुलाई - दिसंबर ,2018
5	भारत में स्वास्थ्य का सतत विकास: स्वास्थ्य प्रणाली को सुदृढ़ बनाने हेतु एक स्थिर स्थानीय सहयोगात्मक संचालन की आवश्यकता की समीक्षा;	सह-लेखक	स्वास्थ्य एवं जनसंख्या: परिप्रेक्ष्य एवं मुद्दे	43	1	5-21	2020
6	सार्स-कोव-2 महामारी के बीच नई दिल्ली में तालाबंदी के दौरान वायु गुणवत्ता में बदलाव	प्रथम लेखक	स्वास्थ्य एवं जनसंख्या: परिप्रेक्ष्य एवं मुद्दे	44	1	38-48	जनवरी -मार्च , 2021
7	आत्मनिर्भर भारत: कोरोना काल में स्वास्थ्य के क्षेत्र में देश कैसे आत्मनिर्भर हुआ	प्रथम लेखक	जन स्वास्थ्य धारणा	26		16-19	मार्च, 2021
श्रीमती भावना कथूरिया							
1	कोविड-19 महामारी के विरुद्ध लड़ाई में राजस्थान सरकार की पहल	प्रथम लेखक	स्वास्थ्य एवं जनसंख्या: परिप्रेक्ष्य एवं मुद्दे	43	2	71-82	2020
2	भारत में सिजेरियन डिलीवरी की क्षेत्रीय असमानताएं और निर्धारक।	प्रथम लेखक	इंडियन जर्नल यूथ एंड एडोलसेंट हेल्थ	7	4	15-23	2020

11.0 नियुक्ति, पदोन्नति और सेवानिवृत्ति

पदोन्नति

1. डॉ. रेणु शेहरावत, सहायक प्रोफेसर - स्टेज-3
2. डॉ राजेश कुमार, सहायक प्रोफेसर - स्टेज-3
3. डॉ अंकुर यादव, सहायक प्रोफेसर - स्टेज-3
4. डॉ मीराम्बिका महापात्रो, प्रोफेसर
5. डॉ. नादिनी सुबैया, प्रोफेसर
6. डॉ. गीतांजलि सिंह, मुख्य चिकित्सा अधिकारी
7. श्री एस.डी. शर्मा सहायक

एमएसीपी/वित्तीय उन्नयन

1. श्री सलेक चंद, वरिष्ठ प्रलेखन अधिकारी
2. श्रीमती वैशाली जायसवाल, सहायक अनुसंधान अधिकारी - 28.02.2019
3. डॉ. रेखा मीणा, सहायक अनुसंधान अधिकारी (आरबीएम)- 25.08.2019
4. श्री अमर नाथ गुप्ता, कनिष्ठ अभियंता (सिविल)- 19.11.2019
5. श्री बैज नाथ, सहायक रसोइया - 28.01.2020
6. श्री हरकेश, एमटीएस - 01.02.2020
7. श्री एसपी सिंह, परिवहन पर्यवेक्षक - 01.02.2020
8. श्रीमती बबिता, सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष - 12.02.2020
9. श्रीमती पूनम शर्मा, तकनिकी सहायक. (प्रयोगशाला)- 07.04.2020
10. श्री आर.एन. तिवारी, आशुलिपिक ग्रेड-1- 30.04.2020
11. श्री स्वरूप चंद राणा, सहायक -4.5.2020
12. श्री ए.ए.ए. खान, फोटोग्राफर - 18.06.2020
13. श्री सुरेंद्र प्रसाद, कॉपी होल्डर - 11.07.2020
14. श्रीमती चंचल, डीईओ, ग्रेड 'बी'- 22.09.2020
15. श्री हर्ष कुमार, आंकड़ा प्रविष्टि प्रचालक, ग्रेड 'बी'- 08.10.2020
16. श्री जगदीश गुप्ता, आशुलिपिक ग्रेड-1 (तदर्थ)- 31.10.2020
17. श्री यशवंत सिंह, सहायक -30.11.2020

सेवानिवृत्ति/त्यागपत्र

1. श्री एस. पी. सिंह, उच्च श्रेणी लिपिक -04.01.2021 (वीआरएस)
2. श्री राजेंद्र कुमार, रसोइया-31.01.2021

3. श्रीमती शशि बाला जैन, उच्च श्रेणी लिपिक- 31.03.2021
4. श्री आर.एन. तिवारी - स्टेनोग्राफर ग्रेड I - 30.04.2020
5. श्री रवि तिवारी, आशुलिपिक ग्रेड II - 31.05.2020
6. श्रीमती मंजू गाबा, उच्च श्रेणी लिपिक -31.07.2020
7. श्री एस.डी. शर्मा, सहायक - 31.07.2020
8. श्री जी.पी. देवरानी, अनुसंधान अधिकारी - 31.08.2020
9. श्री रमेश चंदर, तकनीकी सहायक (प्रेस)- 31.08.2020
10. श्रीमती आलोक बिस्वास, नर्सिंग सिस्टर -31.08.2020
11. डॉ. टी.जी. श्रीवास्तव, प्रोफेसर, आरबीएम विभाग - 30.09.2020
12. श्री मंजीरा भगत, जेरोक्स ऑपरेटर 30.09.2020
13. डॉ. एस.वी. अधीश, प्रोफेसर, सी.एच.ए विभाग - 31.10.2020
14. श्री अरविंद कुमार, सहायक निदेशक (राजभाषा)- 31.10.2020
15. डॉ. जे.के. दास - प्रोफेसर, महामारी विज्ञान 09.11.2020.

संलग्नक

I. शासी निकाय सदस्यों की सूची

II. स्थायी वित्त समिति के सदस्यों की सूची

III. कार्यक्रम सलाहकार समिति के सदस्यों की सूची

IV. संकाय सदस्यों की सूची

V. संस्थान में स्वीकृत श्रमशक्ति की स्थिति

संलग्नक - I

शासी निकाय सदस्यों की सूची
(31 मार्च 2021 तक)

क्र.सं.	नाम	पद	ई-मेल पता / टेलीफोन नं.
1.	डॉ. हर्ष वर्धन केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, निर्माण भवन, नई दिल्ली-110011	अध्यक्ष (पदेन)	ई-मेल :Hfm@gov.in Tel:23063513 23063024
2.	श्री राजेश भूषण सचिव (स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण) स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय निर्माण भवन, नई दिल्ली-110011	उपाध्यक्ष (पदेन)	ई-मेल :secyhfw@nic.in Tel:23061863 23063221
3.	डॉ. सुनील कुमार महानिदेशक (स्वास्थ्य सेवाएँ) स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय निर्माण भवन, नई दिल्ली-110011	सदस्य (पदेन)	ई-मेल :dghs@nic.in Tel:23061063 23061438 23061924-+फ़ैक्स
4.	डॉ. बलराम भार्गव सचिव, स्वास्थ्य, अनुसंधान विभाग (स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय) महानिदेशक, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद अंसारी नगर, नई दिल्ली-110029	सदस्य (पदेन)	ई-मेल :dg@icmr.org.in Tel:26588204 26588662 Mob: 9811132404
5.	डॉ. रणदीप गुलेरिया निदेशक अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान अंसारी नगर, नई दिल्ली-110029	सदस्य (पदेन)	ई-मेल :director@aiims.ac.in Tel:26588500 26588700
6.	श्रीमती आरती आहूजा अपर सचिव (स्वास्थ्य) कमरा नं. 256ए, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय निर्माण भवन, नई दिल्ली-110011	सदस्य (पदेन)	ई-मेल :ash-mohfw@nic.in Tel:23062857 23061447
7.	डॉ. धर्मेन्द्र सिंह गंगवार अतिरिक्त सचिव एवं वित्तीय सलाहकार कमरा नं. 247ए,स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय निर्माण भवन, नई दिल्ली-110011	सदस्य (पदेन)	ई-मेल :asfa-mhfw@nic.in Tel:23061541 23061673
8.	श्री निपुण विनायक संयुक्त सचिव (प्रशिक्षण) कमरा नं. 244 ए स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, निर्माण भवन, नई दिल्ली-110011	सदस्य (पदेन)	ई-मेल :vinayaknipun@nic.in Tel:23063155
9.	प्रो. सौदान सिंह डीन उत्तर डी.एम.सी. चिकित्सा महाविद्यालय हिंदू राव अस्पताल, मलका गंज दिल्ली -110007	सदस्य (पीएसी की अध्यक्ष, रास्वापकसं) (पदेन) 30-01-2019 से	ई-मेल :deanndmcmc@gmail.com दूरभाष :23832127 23905869 Mob: 9871610158
10.	डॉ. के. एस. जेम्स निदेशक अंतर्राष्ट्रीय जनसंख्या विज्ञान संस्थान गोवंडी स्टेशन रोड, देवनार, मुंबई -400 088	सदस्य (पदेन)	ई-मेल :director@iips.net 91+22+25563254/55, 91+22+42372400 Fax:91+22+2556 3257

11.	डॉ. राकेश सरवाल अतिरिक्त सचिव (स्वास्थ्य, पोषण, महिला एवं बाल विकास) कमरा नं. 240, नीति आयोग, संसद मार्ग, नई दिल्ली-110001 पत्राचार संख्या-72686/2016/ स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण	सदस्य (पदेन)	ई-मेल :as-niti@gov.in दूरभाष e:23096544 Mob:9981893695
12.	डॉ. आलोक मुखोपाध्याय, कार्यकारी निदेशक, स्वैच्छिक स्वास्थ्य एसोसिएशन ऑफ इंडिया बी -40, कुतुब इंस्टीट्यूशनल एरिया आईआईटी दिल्ली के दक्षिण में, नई दिल्ली -110016	सदस्य 14-05-2018 से	ई-मेल :admin@vhai.org healthpromotion@vhai.org 011-47004300
13.	प्रोफेसर राजेश कुमार पूर्व डीन चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान स्नातकोत्तर संस्थान (पीजीआईएमआर), मकान संख्या-107, सैक्टर-24 ए, चंडीगढ़ - 160023	सदस्य 14-05-2018 से	ई-मेल : Dr.rajeshkumar@gmail.com Mob: 9876017948
14.	प्रोफेसर संजीव कुमार अध्यक्ष इंडियन एकेडमी ऑफ पब्लिक हेल्थ एम-15, द्वितीय तल, साउथ एक्सटेंशन-II नई दिल्ली -110049	सदस्य 14-05-2018 से	मोबाइल . 7678503003 ई-मेल :drsanjivkumardixit@gmail.com Mob: 7678503003
15.	डॉ. दिलीप मावलंकर निदेशक इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक हेल्थ गांधीनगर, गुजरात - 382042.	सदस्य 14-05-2018 से	Phone: +91-079-66740700 Email: contact@iiphg.org Web: http://www.iiphg.edu.in
16.	डॉ. बी.एस. गर्ग पूर्व डीन एवं सचिव कस्तूरबा हेल्थ सोसाइटी, महात्मा गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान, वर्धा, महाराष्ट्र - 442102	सदस्य 14-05-2018 से	Ph: +91 7152 284341-55 (15 lines) Email: garg.bs@gmail.com मोबाइल .9422141693
17.	डॉ. निखिल टंडन प्रोफेसर एवं विभागाध्यक एंडोक्रिनोलॉजी विभाग, कन्वर्शन भवन 7वीं मंजिल एम्स, नई दिल्ली -110029	सदस्य 14-05-2018	ई-मेल :Nikhil_tandon@hotmail.com दूरभाष : 26593433 26593237
18.	डॉ. शाल्ली अवस्थी प्रोफ़ेसर एवं विभागाध्यक बाल रोग विभाग केजीएमयू, लखनऊ - 226003	सदस्य 14-05-2018 से	ई-मेल :shallyawasthi@kgmcindia.edu 09839221244, 09235444824 055-4011510 ®
19.	डॉ. हर्षद पी. ठाकुर निदेशक राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान,बाबा गंगनाथ मार्ग,मुनिरका, नई दिल्ली-110067	सदस्य सचिव (पदेन)	ई-मेल :director@nihfw.org दूरभाष : 26100057 26185696

संलग्नक - II

स्थायी वित्त समिति के सदस्यों की सूची
(31 मार्च 2021 तक)

क्र. सं.	नाम	पद	ई-मेल पता / टेलीफोन नं.
1.	श्री राजेश भूषण सचिव (स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण) स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय निर्माण भवन, नई दिल्ली-110011	अध्यक्ष	Secyhfw@nic.in दूरभाष : **23061863** **23063221**
2.	डॉ. सुनील कुमार महानिदेशक (स्वास्थ्य सेवाएं) निर्माण भवन, नई दिल्ली-110011	सदस्य (पदेन)	dghs@nic.in दूरभाष : **23061063** **23061438** **23061924+**फ़ैक्स
3.	डॉ. धर्मेन्द्र सिंह गंगवार अतिरिक्त सचिव एवं वित्तीय सलाहकार स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय निर्माण भवन, नई दिल्ली-110011	सदस्य (पदेन)	**asfa-mhfw@nic.in** दूरभाष : **23061541** **23061673**
4.	डॉ. राकेश सरवाल अतिरिक्त सचिव (स्वास्थ्य, पोषण,महिला एवं बाल विकास) कमरा नं. 2401, नीति आयोग, संसद मार्ग, नई दिल्ली-110001	सदस्य (पदेन)	**as-niti@gov.in** दूरभाष :**23096544**
5.	श्री निपुण विनायक संयुक्त सचिव (प्रशिक्षण) स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय निर्माण भवन, नई दिल्ली-110011	विशेष आमंत्रित	**vinayaknipun@nic.in** दूरभाष : **23063155**
6.	डॉ. हर्षद पी. ठाकुर निदेशक राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान, नई दिल्ली।	सदस्य सचिव	**director@nihfw.org** दूरभाष : **26100057,** **26185696**

संलग्नक - III

कार्यक्रम सलाहकार समिति के सदस्यों की सूची
(31 मार्च 2021 तक)

क्र.सं	नाम	पद	ई-मेल पता/टेलीफोन नं.
1.	प्रो. सौदान सिंह डीन उत्तर डी.एम.सी. चिकित्सा महाविद्यालय हिंदू राव अस्पताल, मलकागंज दिल्ली -110007	अध्यक्ष	**दूरभाष**:23832127 23905869 **मोबाइल** : 9871610158 deanndmcmc@gmail.com
2.	डॉ. बलराम भार्गव सचिव स्वास्थ्य, अनुसंधान विभाग (स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय) महानिदेशक, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद, अंसारी नगर, नई दिल्ली-110029	सदस्य (पदेन)	dg@icmr.org.in **दूरभाष**: 26588204 26588662 **मोबाइल** :- 9868333245
3.	डॉ. सुनील कुमार महानिदेशक (स्वास्थ्य सेवाएं) स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय निर्माण भवन, नई दिल्ली-110108	सदस्य (पदेन)	दूरभाष: 23061438 dghs@nic.in
4.	श्री निपुण विनायक संयुक्त सचिव (प्रशिक्षण) स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय निर्माण भवन, नई दिल्ली - 110 108.	सदस्य (पदेन)	js.me-mohfw@nic.in दूरभाष: 23063155
5.	डॉ. राकेश सरवाल अतिरिक्त सचिव (स्वास्थ्य, पोषण,महिला एवं बाल विकास) कमरा नं. 2401, नीति आयोग, संसद मार्ग, नई दिल्ली-110001	सदस्य (पदेन)	ई-मेल :as-niti@gov.in दूरभाष :23096544 मोबाइल :9981893695
6.	डॉ. के.एस. जेम्स निदेशक अंतर्राष्ट्रीय जनसंख्या विज्ञान संस्थान गोवंडी स्टेशन रोड, देवनार, मुंबई 400 088		director@iips.net दूरभाष : 91+22+2556 3254/55, 91+22+42372400 Fax:91+22+2556 3257
7.	डॉ. जयंती एस रावी आयुक्त एवं प्रमुख सचिव (जन स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण) स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, गुजरात सरकार, ब्लॉक नंबर 5, प्रथम मंजिल पुराना सचिवालय, डॉ जीवराज मेहता भवन, सेक्टर नंबर 10, गांधीनगर, गुजरात -382010	सदस्य (पदेन)	मोबाइल . 09978406018 cohealth@gujarat.gov.in
8.	डॉ जोस डी'सा निदेशक (स्वास्थ्य सेवाएं) स्वास्थ्य सेवा निदेशालय, कैम्पल - पणजी, गोवा - 403001	सदस्य (30.01.2019 से)	मोबाइल . 9011025036 directorhealth_goa@yahoo.co.in
9.	डॉ. सी.बी. नारैन निदेशक	सदस्य (30.01.2019	Sihfw.patna@gmail.com दूरभाष : 0612-2286148

	राजकीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान, शेखपुरा, पटना, बिहार-80014	से)	
10.	डॉ. के राजो सिंह निदेशक, मणिपुर स्वास्थ्य निदेशालय, लम्फेल्पट, रिम्स रोड, इंफाल।	सदस्य (30.01.2019 से)	rajosinghjd@gmail.com दूरभाष : 0385 - 2450149
11.	प्रोफ़ेसर भारत भास्कर निदेशक भारतीय प्रबंधन संस्थान, अटल नगर, पी.ओ. कुरन (अभनपुर), रायपुर छत्तीसगढ़-493661	सदस्य (30.01.2019 से)	director@iimraipur.ac.in मोबाइल . 07712474603 07712474604
12.	डॉ. नीरा धर प्रोफ़ेसर एवं विभागाध्यक्ष (प्रशिक्षण एवं शिक्षा विभाग) रास्वापकसं., नई दिल्ली-110067	सदस्य (01.11.2019 से)	दूरभाष :26165959
13.	डॉ पूनम खट्टर प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, संचार विभाग रास्वापकस., नई दिल्ली-110067	सदस्य (दिसम्बर 2020 से)	दूरभाष :26165959
14.	डॉ. आशुतोष हलदर प्रोफ़ेसर एवं विभागाध्यक्ष, प्रजनन जीवविज्ञान विभाग, अखिल भारतीय चिकित्सा संस्थान अंसारी नगर, नई दिल्ली 110029.	सहकारिता सदस्य (04.12.2017 से)	ashutoshhalder@gmail.com मोबाइल s. 09313309579, 8178451207
15.	डॉ. हर्षद पी ठाकुर निदेशक राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान, मुनीरका, नई दिल्ली-110067	सदस्य सचिव (पदेन)	director@nihfw.org दूरभाष : 26100057, 26185696

संलग्नक - IV

संकाय सदस्यों की सूची
(31 मार्च, 2021 तक)

संकाय सदस्य नाम	पद
डॉ. हर्षद पी. ठाकुर	निदेशक
संचार विभाग	
डॉ. पूनम खट्टर डॉ. अंकुर यादव	प्रोफसर एवं कार्यकारी विभागाध्यक्ष सहायक प्रोफेसर
सामुदायिक स्वास्थ्य प्रशासन विभाग	
डॉ. संजय गुप्ता डॉ. नंदिनी सुब्बैया	प्रोफसर एवं विभागाध्यक्ष प्रोफेसर
चिकित्सा देखभाल एवं अस्पताल प्रशासन विभाग	
डॉ. मनीष चतुर्वेदी	प्रोफेसर एवं कार्यकारी विभागाध्यक्ष
शिक्षा एवं प्रशिक्षण विभाग	
डॉ. नीरा धर	प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष
महामारी विज्ञान विभाग	
डॉ. संजय गुप्ता	प्रोफेसर एवं कार्यकारी विभागाध्यक्ष
प्रबंधन विज्ञान विभाग	
डॉ. मिहिर कुमार मलिक	प्रोफेसर एवं कार्यकारी विभागाध्यक्ष
योजना एवं मूल्यांकन विभाग	
डॉ. वी.के. तिवारी डॉ. मनीष चतुर्वेदी डॉ. रमेश चंद	प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष प्रोफेसर सहायक प्रोफेसर
प्रजनन जैव चिकित्सा विभाग	
डॉ. एस.रामचन्द्र राव डॉ. राजेश कुमार डॉ. रेणु शेहरावत	रीडर एवं कार्यकारी विभागाध्यक्ष सहायक प्रोफेसर सहायक प्रोफेसर
सामाजिक विज्ञान विभाग	
डॉ. रजनी बग्गा डॉ. मीराम्बिका महापात्रो डॉ. सरिता गौतम डॉ. मोनिका सैनी	प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष प्रोफेसर सहायक प्रोफेसर सहायक प्रोफेसर
सांख्यिकी एवं जनसांख्यिकी विभाग	
डॉ. पुष्पांजलि स्वैन डॉ. धर्मेन्द्र कुमार यादव,	प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष सहायक प्रोफेसर
कुल संकाय सदस्य:	**19** (निदेशक सहित)

संलग्नक - V

संस्थान में स्वीकृत जनशक्ति की स्थिति

(31 मार्च 2021 तक)

श्रेणी	वर्तमान में पदों की स्थिति (%)	रिक्त पदों की स्थिति (%)	खाली पदों की संख्या
ग्रुप-ए	66	30 (45.4%)	36 (54.5%)
ग्रुप-बी	125	64 (51.2%)	61 (48.8%)
ग्रुप-सी (गैर तकनीकी तथा तकनीकी)	120	75 (62.5%)	45 (37.5%)
ग्रुप-सी (बहुकार्यकारी कर्मचारी) + ग्रुप-सी हेल्पर (ऑफसेट प्रेस) ग्रुप-सी लेबोरेटरी अटेंडेंट	95 (28+67)	50 (12+38) (52.6%)	45 (16+29) (47.3%)
कुल योग	**406**	**219 (53.9%)**	**187 (46%)**

वार्षिक प्रतिवेदन

Annual Report

2020-2021

आरोग्यम् सुखसम्पदा

राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान

बाबा गंगनाथ मार्ग, मुनीरका, नई दिल्ली-110067

The National Institute of Health and Family Welfare

Baba Gangnath Marg, Munirka, New Delhi - 110067

The National Institute of Health and Family Welfare

Organizational Chart of NIHFW

Dr. Harsh Vardhan

(Hon' ble Union Minister of Health and Family Welfare)
Chairperson

Governing Body

Mr. Rajesh Bhushan

Secretary, Health and Family Welfare,
Govt. of India
Chairperson

Standing Finance Committee

Chairperson

Program Advisory Committee

Dr. Saudan Singh

Dr. Harshad Thakur

Director

Dean

Academics

Deputy Director (Admn.)

- Administration I
- Administration II
- Accounts
- Accounts (Project Cell)
- Press
- Reprography
- Stores
- Transport
- Works and Maintenance

Departments and Projects

- Communication
- Community Health Administration
- Education and Training
- Epidemiology
- Management Sciences
- Medical Care and Hospital Administration
- Planning and Evaluation
- Projects
- Reproductive Bio Medicine
- Social Sciences
- Statistics and Demography

Services and Other Units

- Computer Centre
- Distance Learning Cell
- Hindi Cell
- Hostel
- National Documentation Centre

S.No.	Contents	Page No.
	From the Director's Desk	i
	An Overview	ii-vi
1.	Education	1-3
2.	Training	4-10
3.	Research and Evaluation	11-35
4.	Specialized Projects And Consortium Activities	36-41
5.	Specialized Services	42-48
6.	Consultancy and Advisory Services	49-58
7.	Administrative Measures	59
8.	Use of Hindi in Official Work	60-62
9.	Events	63-66
10.	Publications	67-72
11.	Appointments and Superannuations	73
12	Annexures	74-81
I	List of Governing Body Members	75-76
II	List of Standing Finance Committee Members	77
III	List of Programme Advisory Committee Members	78-79
IV	List of Faculty Members	80
V	Sanctioned Manpower	81

FROM THE DIRECTOR'S DESK

It gives me great pleasure to place before you our Annual Report of the year 2020-21. The Institute is currently in its 45th year of functioning and has demonstrated significant growth in all these decades. An effort has been made in this report to provide snapshots of key activities and achievements of the Institute. This report is testimony of our strong foundation and growing performance.

We would have not been able to achieve the prominence in the field of public health without the support of senior officers from the Ministry of Health and Family Welfare for their inspiring and necessary directives to implement various activities. I also sincerely acknowledge the support provided by the eminent members of our Governing Body, Standing Finance Committee and Programme Advisory Committee throughout the year.

The elements of our Mission and Vision are truly reflected in regular academic courses including MD (CHA), DHA, PGDPHM, DLC and other courses. In the year that has gone by, we have tried to build progressive and inspiring environment during all our teaching and training activities. Our faculty based on their professional aspirations have dedicated their efforts in creating learning paths and made efforts to connect the participants with experts towards an up- skilling journey in various trainings/workshops/meetings during the year. About 34 research studies were undertaken in public health. The faculty has provided expertise as resource persons in various extra mural activities ranging from teaching, training and research activities. They have participated in various seminars and conferences and presented papers. We have much to look back on with pride while simultaneously preparing for the challenges ahead. The most important being is shortage of faculty. Further, we clearly need to chart a new way forward in the new normal post covid-19 situation in terms of our teaching, training, evaluation and research activities. In our journey to become evolving with the latest technology, we are updating our IT facilities to match with the best.

On behalf of faculty, staff and students, please accept my sincere thanks for the dedicated hard work and commitment to take our Institution to ever greater heights.

Prof. (Dr.) Harshad Thakur
Director, NIHFW

AN OVERVIEW

The National Institute and Health and Family Welfare, since its inception has made contributions in the field of health and family welfare and public health by conducting diverse activities such as capacity building through educational courses, trainings, research and evaluation activities. The thrust areas of NIHFW include Health and related Policies, Public Health Management, Health Sector Reforms, Health Economics and Financing, Population Optimization, Reproductive Health, Hospital Management, Communication for Health and Training Technology in Health. The ten departments and other projects going on from time to time have made it possible to address a wide range of issues as stated above.

Vision

NIHFW will be an Institute of global repute striving for excellence in imparting training in public health & family welfare. It will strive to become a leading role model in the field of Public Health for the world.

Mission

i) NIHFW will be a think tank, catalyst & innovator for training in public health and related health & family welfare programs. This will be done by pursuing the following:

ii) Education & Training

iii) Research & Evaluation

iv) Consultancy & Advisory services Provision of specialized services through Inter-Disciplinary teams

v) and

Networking with other Institutes and Organizations at National and International level.

Major Committees

The major committees of the Institute include the Governing Body (GB), the Standing Finance Committee (SFC) and the Programme Advisory Committee (PAC). The GB under the Chairmanship of the Union Minister of Health and Family Welfare looks into the overall governance of the Institute. The SFC is headed by the Union Secretary, MoHFW and takes care of the financial aspects. The PAC takes care of the academic activities of the Institute. Director, NIHFW, acts as the Member-Secretary in all these committees.

Education & Training

Academic Activities

Post-Graduate Education

The following educational activities of the Institute are organized to meet the basic public health education requirements and promote academic excellence in the fields of health and family welfare programmes in the country.

(i) **M.D. (Community Health Administration):** Three-year Post Graduate Degree in Community Health Administration M.D. (CHA) is affiliated to University of Delhi and recognized by the Medical Council of India (MCI). This course has been continuing since 1969. There are ten seats each year.

(ii) **Diploma in Health Administration:** The two-year Post-Graduate Diploma in Health Administration (DHA), is affiliated to University of Delhi and is recognized by the Medical Council of India (MCI). This course has an in-take capacity of six students every year.

(iii) **Post-Graduate Diploma in Public Health Management (PGDPHM):** This course was started by the Institute in 2008 in collaboration with the Public Health Foundation of India, and supported by the MoHFW. The course has 30 seats for national candidates and 10 for international candidates. The objective of the course is to enhance the capacity of middle level in-service health professionals. Uttar Pradesh, Uttarakhand, Rajasthan and Jammu &Kashmir States are assigned by MoHFW to NIHFW

AICTE approved PGDM Executive Courses of 15 Months Duration Offered through Distance Learning Mode are as Follows:

(i) Post-graduate Diploma in Management (Executive) in Health and Family Welfare Management
(ii) Post-graduate Diploma in Management (Executive) in Hospital Management Post-graduate Diploma in Management (Executive) in Health Promotion

Three Diploma Courses of One Year Duration are also offered through Distance Learning Mode which include:

(i) Public health nutrition
(ii) Applied epidemiology
(iii) Health communication

Training and Workshop Activities

The Institute organized a number of trainings ranging from Curriculum Design and Evaluation, Health Promotion, Nursing Administration, Social and Behaviour Change Communication, Occupational and Environmental Health, Hospital Administration, Leadership and Counseling, Monitoring & Evaluation. In all, thirty training courses and workshops were organized by the Institute.

Research & Evaluation

Research in different aspects of health and family welfare is a priority area. During the year under review, the Institute was involved in Thirty Five research studies. Out of these, 30 research studies have been completed. This includes eight studies undertaken by the M.D. (CHA) students. The remaining five studies are under progress.

Specialized Services

A brief account of specialized services of the Institute including clinical, documentation, printing and publications is given below:

Clinical Services

The Institute is recognized as one of the centres of excellence in reproductive health care. The NIHFW Clinic provides clinical services which include management of infertility, management of reproductive endocrinological and gynaecological disorders, antenatal care, immunization of antenatal patients, infants & children and contraceptive services.

Laboratory Facilities

The laboratory of the Institute provides an in-depth investigation of the causes of reproductive disorders such as bio-chemical, anatomical, endocrinological, etc. The scientific approaches adopted in the management of endocrinological &reproductive disorders and infertility management have paid rich dividends.

Official Publications

- Health and Population: Perspectives and Issues- a quarterly Journal of Institute since 1978. During the period under review all the issues of HPPI for 2020 (Vol. No. 43 (2, 3 & 4) and 2021 (Vol. No. 44 (1)have been published;
- *JanSwasthyaDhaarna*-A Hindi Magazinesince 1995.

Use of Hindi in Official Work

The official language implementation in the Institute is regularly monitored by a committee duly constituted for this purpose. During the period under report, 83.36% letters (including E-mails and fax messages) 86.28% letters meant for region 'A', 72.51%for region 'B' and 74.39% letters for region 'C' respectively were issued in Hindi against the fixed target of 100% for 'A' & 'B' regions & 65% for 'C' region. Cent percent General Orders were issued bilingually during the said period (i.e. from April, 2020 to March, 2021). Similarly all the letters received in Hindi were replied to in Hindi.

National Documentation Centre

National Documentation Centre is an active member of Developing Library Network (DELNET) and shares its resources with more than 5000 member libraries including Library of Congress, Washington. NDC is also member of NML-ERMED India Consortium to provide free access to 258 journals. In addition to the above, through Online Public Access Catalogue (OPAC), bibliographical details of all publications/documentations are accessible at the link-htttp://14.1393.63.242/. Important publications like committee/commission reports, technical reports, HPPI journals, important NIHFW publications, etc. have been digitized and made accessible through the link –http://www.nihfw.org/WNDC.aspx.

Centre for Health Informatics

The MoHFW has established a Centre for Health Informatics (CHI) at NIHFW to work as the secretariat for managing the activities of the National Health Portal (NHP). The National Health Portal of the CHI serves as a single point of access to multilingual health information, application and resources. A wide-spectrum of users such as academicians, citizens, students, health care professionals, researchers, etc. are benefitted from the National Health Portal.

CHI is currently managing Covid-19 Dashboard/portal for monitoring the preparedness and situation of COVID in the country. MoHFW uses this portal for getting data across states. This portal is used for Hotspot analysis, containment area information, positive cases, and all other facility /user level information.

National Cold-Chain and Vaccine Management Resource Centre (NCCVMRC)

The NCCVMRC has been set-up at NIHFW with the objective of capacity building of all the district-level cold chain technicians involved in Universal Immunization Programme to undertake repair and maintenance of about 70000 cold-chain equipment in about 27000 cold-chain points in the country. In the FY 2020-21, NCCVMRC conducted a host of activities, despite the ongoing COVID pandemic. NCCVMRC conducted a number of virtual workshops for capacity building of health workforce in India, including virtual Training on Repair and Maintenance of ILR-DF and VS (1 batch), Training on T-VaCC (1 batch), VCCH (Vaccine & Cold chain Management) training for Jharkhand State, National ToT on Operational Guidelines for Roll-out of COVID-19 vaccination campaign, Virtual NCCMIS & Supportive Supervision (RI, Cold Chain and COVID-19 session site monitoring) Review and Re-orientation workshop (17 States/UTs), and 4 Technical Secretariat Development Group (TSDG) meetings.

NCCVMRC also conducted and participated in many research activities like Training Needs Assessment of VCCH, a research study on effectiveness and challenges with virtual trainings, Assessing the KAP towards COVID-19 among Indians, Psychological impact of COVID-19 pandemic in India, and Lifespan analysis of Electrical Cold Chain Equipment in India. NCCVMRC was entrusted with the responsibility of calculating the cold chain storage space availability in India before launching the COVID-19 vaccination campaign.

National Technical Advisory Group on Immunization (NTAGI)

The NTAGI Secretariat was established in 2013, to provide techno-managerial support to NTAGI and STSC and its working groups. 09th December, 2016 it was decided that the NTAGI Secretariat would be completely supported by the Government of India and a proposal to establish the NTAGI Secretariat at the National Institute of Health and Family Welfare (NIHFW) was approved. In NIHFW, Secretariat resumed its functioning since May, 2017. The NTAGI Secretariat is responsible for organizing two NTAGI and four STSC meetings in a year.

National Skills Lab (*DAKSH*)

The Government of India has introduced a system of competency-based training and certification programme to be implemented through Skills Labs.

Skills Lab serves as a prototype demonstration and learning facility for healthcare providers; and

focuses on competency-based training. Total 861 health care professionals have been trained since its inception till 31st March 2021.Out of this 30 participants got trained in 2 batches during the year under review.

Mother and Child Tracking Facilitation Centre (MCTFC)

Mother and Child Tracking Facilitation centre has been set up at The National Institute of Health and Family Welfare (NIHFW).It is a major step taken by Government of India under the National Health Mission in improving the maternal and child health care services.

As on 31stMarch, 2021, 1.22 crore calls have been made to the beneficiaries (pregnant women and parents of new born child) through MCTFC for data validation, promotion and facilitation in availing maternal and child health services and government schemes. More than 12.20 lakh calls were made to ASHAs and ANMs for data validation and resolution of their queries. Till 31st March 2021, 63.23 Lakh voice messages on maternal and child care have been delivered to the beneficiaries.

Advisory and Consultancy Services

The Director and faculty members of the Institute provide advisory and consultancy services to various national, international and voluntary organizations in various capacities. The Director and faculty participated in various academic activities at national and international levels.

Facilities

The NIHFW has a state of the art video conferencing facility in addition to a 280-seater auditorium equipped with high-tech public-address systems. An exclusive Teaching Block with multiple halls fitted with modern teaching-aids is dedicated for the training courses that can hold many training courses simultaneously. The Hostel can accommodate around 100 guests at a time. It has a gymnasium, a badminton court and cricket-cum-football ground for out-door games as well as chess, carom and table tennis indoor-games facility.

1.0 EDUCATION

1.0 Education

The Institute is engaged in different types of teaching programmes viz., Three year Post graduate Degree in Community Health Administration (M.D-CHA), Two- year Post Graduate Diploma in Health Administration (DHA), One-year Post-Graduate Diploma in Public Health Management, three Diploma Courses of one year duration through Distance Learning Mode, Certificate Course on Professional Development in Public Health and Health Section Reform through E-Learning Mode, Ph.D. Programme etc.

1.1 Teaching

Institute has undertaken the following teaching programmes during the year under consideration.

1.1.1 Three-year M.D. in Community Health Administration (CHA)

As per the mandate of the Institute to provide appropriate trained manpower to meet the health needs of the country, the Institute has been offering a three-year post-graduate degree course, M.D. in Community Health Administration, since 1969. This course is affiliated to the University of Delhi, and recognised by the Medical Council of India (MCI). Over the years, this course has become very popular among the health professionals in the country. Hitherto, a total of 308 students have passed out this course.

During 2020-2021, 23 students attended the course including eight in the third year, seven in the second year and eight in the first year.

1.1.2 Two-year Post-Graduate Diploma in Health Administration (DHA)

Started in 1993, this two-year Post-Graduate Diploma in Health Administration offered by the Institute is also affiliated to the University of Delhi and is recognised by the Medical Council of India (MCI).

During 2020-2021, 5 students attended the course including two in the second year and three in the first year. Hitherto, a total of 65 students have passed out this course.

1.1.3 One-year Post-Graduate Diploma in Public Health Management

NIHFW in collaboration with the Ministry of Health and Family Welfare, Government of India (GoI) and Public Health Foundation of India offer a Post-Graduate Diploma in Public Health Management. The GoI gives fellowships for ten international students facilitated by Partners in Population and Development (PPD). 07 national students from India enrolled for the year 2020-21. Since the introduction of this course, 211 students have passed out hitherto.

1.2 Distance Learning Courses

1.2.1 Post-graduate Disploma in Management (Executive with specialization in Health and Family Welfare Management through Distance Learning

This course is recognized from AICTE with 100 annual intake admissions for the batch 2020-21 with 15 months duration. The course has been specially designed to impart knowledge to the participants about the existing structure and functioning of the health care system, including its managerial problems. In addition, various management concepts, techniques, tools and resource management are discussed in this course which is open to medical, nursing, dental and AYUSH graduates. Currently, 39 candidates are enrolled for 2020- 21.

This course was formerly known as Diploma in Health & Family Welfare Management with one year duration. Seventeen candidates appeared in this examination in 2020-21, out of which 13 have successfully completed the course. Since the introduction of this course in 1991-92 to 2020-21, 1648 students have been awarded this Diploma.

1.2.2 Post-graduate Diploma in Management (Executive) with specialization in Hospital Management through Distance Learning

This course is recognized from AICTE with 300 annual intake admissions for the batch 2020-21 with 15 months duration. The Post-graduate Diploma in Management (Executive) with specialization in Hospital Management has been specially designed to impart knowledge to the participants about the existing structure and functioning of the health care system including managerial problems in hospitals. In addition, various management concepts, techniques, tools and resource management are discussed in this course which is open to medical, nursing, dental and AYUSH graduates. Currently, 78 candidates were enrolled for the 2020-21.

This course was popular as Diploma in Hospital Management with one year duration. This course was started in August 1995 with the enrollment of 100 students. Hitherto, 2856 students have successfully completed this Diploma Course.

During 2020-21, 110 candidates appeared in the examination out of which 93 have successfully completed the course.

1.2.3 Post-graduate Diploma in Management (Executive) with specialization in Health Promotion through Distance Learning

This course is recognized from AICTE with150 annual intake admissions for the batch 2020- 21 with 15 months duration. This course has been designed to impart knowledge to the participants to focus on lifestyle related problems and is also meant for medical, paramedical and other stakeholders.

The course formerly recognized as the Diploma in Health Promotion was of one year duration. This course was started in the academic year 2010-11. Till now, 367 students have been awarded this Diploma.

1.2.4 Diploma in Applied Epidemiology through Distance Learning

This course was started in 2015-16 with 12 months duration with 100 annual intake admissions. This course is specially designed to impart knowledge of various epidemiological techniques and uses of epidemiology to the participants. There was no admission in batch 2019-20 due to non-recognition of course by AICTE. In 2019-20, 6 candidates appeared in the examination and 5 of them passed. So far a total of 105 candidates have been enrolled out of which 65 have passed.

1.2.5 Diploma in Public Health Nutrition through Distance Learning

This course was started in 2015-16 with 12 months duration with 100 annual intake admissions. The course is specially designed to generate greater awareness and understanding of the nutritional sciences pertaining to Public Health Nutrition (PHN) among the participants. There was no admission in batch 2019-20 due to non-recognition of course by AICTE. In 2019-20, 9 candidates appeared in the examination and 6 of them passed. A total of 126 candidates got enrolled out of which 76 have successfully passed this course.

2.0 Training

The Institute also undertakes various types of training programmes for the health practitioners in public health and family welfare. The training courses (intra-mural and extra- mural) are organized by the Institute every year with an aim to (i) familiarize the participants with the goals and objectives of health and family welfare programmes; (ii) update their knowledge and understanding of operational difficulties in implementation; and (iii) suggest remedial measures to overcome such constraints. A brief of these activities is as follows:

Institute has conducted 32 training courses, 2 workshops and 4 Meetings during the reported financial year 2020-21. A List of Training Courses, during the Financial Year 2020–21 is given below:

2.1 Training Courses

Sl. No.	Title of Course	Name of Coordinator/Nodal Officer	Duration	No. of Participants
1.	Orientation on RTI Act 2005	Prof. Mihir Kumar Mallick	4th April, 2020	30
2.	Online Training Course on Demographic Data Analysis for Health Personnel	Prof. Pushpanjali Swain	17-21 August, 2020	16
3.	Training National skills lab	Prof. Nanthini Subbiah	14-18 September, 2020	11
4.	Training Course on Epidemic Preparedness and Management	Prof. Jayanta K. Das	21-25th September, 2020	25
5.	1st Foundation Training course on General & Hospital Administration for Deputy Director Administration (DDAs) of New AIIMS at Bhopal, Jammu & Kashmir, Nagpur, Rajkot, Bibinagar & Madurai	Prof. Harshad P. Thakur Prof. Sanjay Gupta	21 September- 17 October, 2020	6
6.	Training course on Building Nursing and Midwifery Leadership for achieving UHC/SDG	Prof. Rajni Bagga	5-9 October, 2020	59
7.	Training Courses on Vaccine and Cold Chain Management (T-VACC)	Prof. Sanjay Gupta Dr. Sumeet Juneja	5- 16 October, 2020	23
8.	Training courses on Cold Chain Technicians in Repair and Maintenance of ILR, DF & Voltage Stabilizer at NCCVMRC, NIHFW, New Delhi	Prof. Sanjay Gupta Er. Hitesh Kumar	12- 23 October, 2020	22
9.	Online Training Course on Research Methodology for Nursing Professionals	Prof. Nanthini Subbiah	19- 23 October, 2020	79
10.	"Online Training of Trainers of NTCP"	Dr. Poonam Khattar	2- 10 November, 2020	23
11.	Online Training Course on Statistical Analysis using Epi-Info Software	Prof. Pushpanjali Swain	23- 25November, 2020	27
12.	"Online Training of Trainers of NTCP"	Prof. Harshad Thakur Dr. Poonam Khattar	7- 15 December, 2020	16
13.	Training Course on Application of Biostatistics in Epidemiology and Public Health	Prof. Pushpanjali Swain Prof. Sanjay Gupta	14 - 18 December, 2020	20

Sl. No.	Title of Course	Name of Coordinator/Nodal Officer	Duration	No. of Participants
14.	Training Course on 'Lifestyle Diseases and Health Promotion (Virtual mode)	Prof. Poonam Khattar	9 -12 February, 2021	25
15.	Training Course on Strengthening Midwifery Practices for Safe Motherhood in India (Virtual mode)	Prof. Nanthini Subbiah	1- 5 February, 2021	60
16.	Training Programme on Food Safety Standards Authority of India (FSSAI)	Prof. Sanjay Gupta	1-12 February, 2021	95
17.	IInd Training Programme on Food Safety Standards Authority of India (FSSAI)	Prof. Sanjay Gupta	15- 26 February, 2021	95
18.	Training Course on "Training Course on Hospital Administration for Senior Hospital Administrators (Virtual mode)	Prof. Manish Chaturvedi Prof. Sanjay Gupta	1- 19 February, 2021	31
19.	Training of Trainers on IDSP	Prof. Sanjay Gupta	22 -26 February, 2021	26
20.	Training Course on Environmental and Occupational Health for Health Professionals (Virtual mode.)	Prof. Sanjay Gupta	22- 26 February, 2021	37
21.	Orientation to Hospital Management & National Health Programs	MD (CHA) Second Year students	23-26 February, 2021	70
22.	Training Course on Statistical Data Analysis using R software (Virtual mode).	Dr. Dharmendra Kr. Yadav	1-3 March, 2021	67
23.	26th Training Course on "Logistics and Supply Management System in Health & Family Welfare" (Virtual mode).	Prof. Manish Chaturvedi	1- 5 March, 2021	21
24.	"40th Training Course on Curriculum Design (Virtual mode).	Prof. Neer Dhar	3- 5 March, 2021	39
25.	Training Course on "Gender-Based Violence and Human Rights for Promoting Women Health" (Virtual mode).	Prof. Meerambika Mahapatro	15- 17 March, 2021	39
26.	Training Course on Scientific Writing (Virtual mode).	Dr. Renu Shahrawat	17- 19 March, 2021	56
27.	Training of "Assessors for Kayakalp".	Prof. Sanjay Gupta	18thMarch, 2021	20
28.	15th Training Course on Monitoring and Evaluation of National Health Programmes including NHM (Virtual mode).	Prof. V.K. Tiwari	22- 24 March, 2021	24
29.	Training Course on Building Nursing Leadership for achieving Universal Health Coverage (UHC) and Sustainable Development Goals (SDG) (Virtual mode).	Prof. Rajni Bagga	23- 25 March, 2021	33
30.	Online Training Course on Basic Infertility Management for Healthcare Professionals (Virtual Mode)	Dr. Renu Shahrawa	24-26 March, 2021	49
31.	Training at Daksh National Skills Lab ToT Skills lab.	Dr. Geetanjaly	22- 27 March, 2021	3

Sl. No.	Title of Course	Name of Coordinator/Nodal Officer	Duration	No. of Participants
32.	Virtual Training course on Building Nursing Leadership for achieving Universal Health Coverage (UHC) & Sustainable Development Goals (SDG) 2021 in collaboration with the Ministry of External Affairs, under the eITEC (Indian Technical and Economic Cooperation) programme	Prof. Harshad Thakur Prof. Rajni Bagga	23-25 March 2021	33

Training Course on Integrated Disease Surveillance Programme (IDSP)

These training courses focus on issues like NHM/RCH, National Health Programmes, Reproductive Bio-medicine, Health Care of Elderly, Immunization, Information Technology in Health, Nutrition and Life Disorders, Logistics and Supply Management System, Health Management, Hospital Management, Human Resource Management, Health Communication, Training Technology, Health Promotion, Health Planning, M & E, Health Economics/Health Financing, Statistics and Demography, Social Sciences, Research Methodology etc.

Orientation on RTI Act 2005

Relevant work sheets, case studies and role plays were used matching with the content areas. For the training which requires skill development, 'Hands on Training' was given for practice using dummies, models and other training aids. Field visits were organized whenever required to support the learning experiences. In most of the training, considerable time was planned for developing 'Action Plans' as per the needs and the objectives of the training.

Training Course for Cold Chain Technicians

2.2 Workshops organized

A List of Conference/workshops organized, during the Financial Year 2020–21 is given below:

Sl. No.	Title of Course	Name of Coordinator/ Nodal Officer	Duration	No. of Participants
1.	41st IASP Annual Conference of Indian Association for Study of Population (IASP) Organized jointly with The National Institute of Health and Family Welfare	Prof. Harshad Thakur Prof. V. K. Tiwari	28-30 November, 2020	400
2.	Virtual Global Symposium on Human Resources for Health: Optimizing Health Workforce for accelerating Universal Health Coverage in India in partnership with WHO and UNICEF.	Prof. Harshad Thakur Prof. Rajni Bagga (Convener) Dr. Monika Saini (Core Team Member)	03-05 December 2020	2156

2.2.1 41st Annual Conference of IASP:-

The 41st Annual Conference of IASP was held during 28-30 November2020 using the virtual platform for the first time due to the COVID19Pandemic. The schedule of the conference was announced in May 2020.NIHFW was the co-host of the conference. The theme of the conference was 'Demographic, and Health Aspects ofCOVID19' and abstracts were invited under nine subthemes with 8 of them related to COVID19.

The conference was inaugurated on 28th November 2020 at 10:00 AM by Prof. Harshad Thakur, Director, NIHFW. Dr KVR Subrahmanyam, Treasurer, IASP (IPC) welcomed the guests. Prof. Harshad Thakur delivered the inaugural address. The IASP Presidential address was delivered by Dr U V Somayajulu. Prof. Harshad Thakur, Director, NIHFW released the Conference E Souvenir. Dr. Argentine released the redesigned new website of IASP. Announcement of Prof. Srinivasan Award and Prof. KB Pathak award was made by Dr V K Tiwari, General Secretary, IASP. Prof. Suresh Sharma, Treasurer IASP proposed the vote of thanks. He thanked UNFPA, and IHAT for the financial support and thanked NIHFW for collaborating with IASP.

A total of 124 abstracts were received, and senior demographers reviewed the abstracts through blind review. About 70 papers were accepted for oral and 29 were for poster presentation.

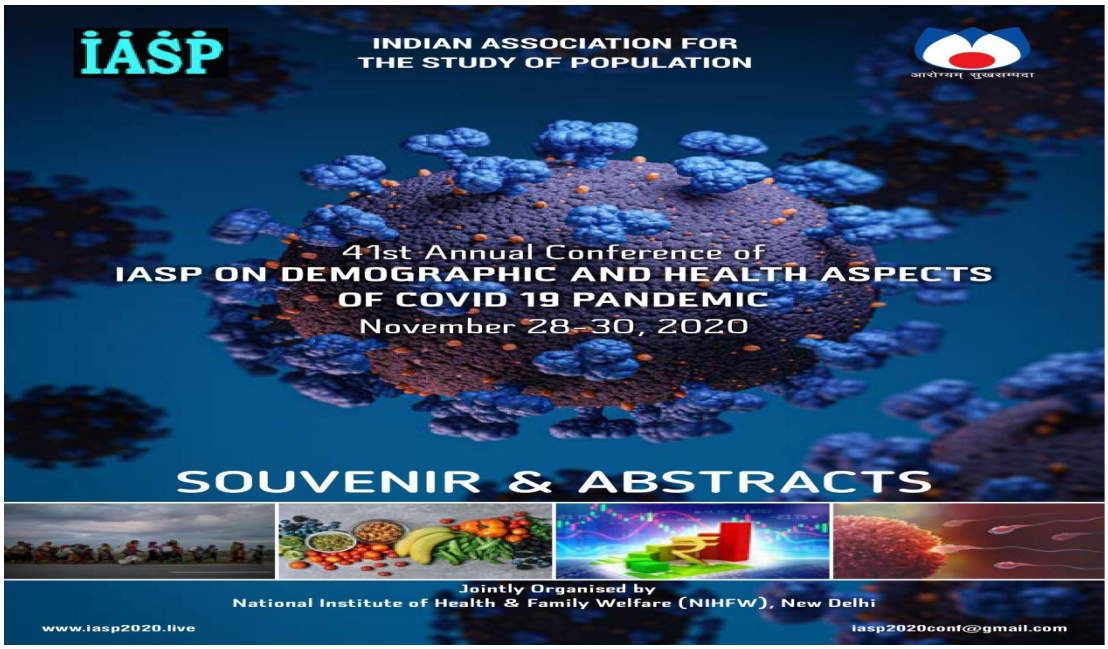

41st IASP Annual Conference of Indian

The Valedictory session of the conference was held on Nov 30,2020. Prof V K Tiwari welcomed the guests and the participants of the session. Opening remarks were given by Dr U V Somayajulu, IASP President. Prof Harshad Thakur, Director, NIHFW addressed the gathering. Dr S Anil Chandran presented a brief report of the conference. The Chief Guest, Dr Omkar Rai, DG, STPI delivered the valedictory address. Prof V K Tiwari announced the poster awards. In the end, Prof Suresh Sharma proposed Vote of Thanks.

2.2.2. Virtual Global Symposium on Human Resources for Health: Optimizing Health Workforce for accelerating Universal Health Coverage in India

A two days symposium on Human Resources for Health: Optimizing Health Workforce for accelerating Universal Health Coverage in India was held on 03rd-04th December 2021 in partnership with UNICEF and WHO. ECHO India extended virtual partnership to hold this Symposium. The Symposium announcement received an overwhelming response from all around and a total 2156 participants registered to attend the two days' event. The sessions encompassing HRH challenges, leadership and governance, strengthening Nursing and Midwifery, transformative education were vast learning experiences this symposium provided and for building the momentum to the existing health care workforce of this country.

The valuable sessions, two Keynote Addresses and four plenary presentations were chaired and Co-Chaired by very distinguished and highly acclaimed experts namely Prof. V. K. Paul, Mr. Manoj Jhalani, Prof. S. D. Gupta, Dr. S. K. Sikdar, Ms.Preeti Sudan, Prof. M.C. Mishra, Mr. Luigi D'Aquino, Prof. Rajib Das Gupta, Dr.Manju Chhugani, Dr. Leila Caleb Verkey, Dr.Nipun Vinayak.

In line with the expected outcome of the Symposium, to provide recommendations to Government of India, towards strengthening the HRH so as to achieving the goal related to UHC and SDGs, the HRH report culminated in to identifying SEVEN CALL FOR ACTIONENDORSEMENTS as the main outcome from this Symposium and are depicted under the symbolic umbrella of UHC.

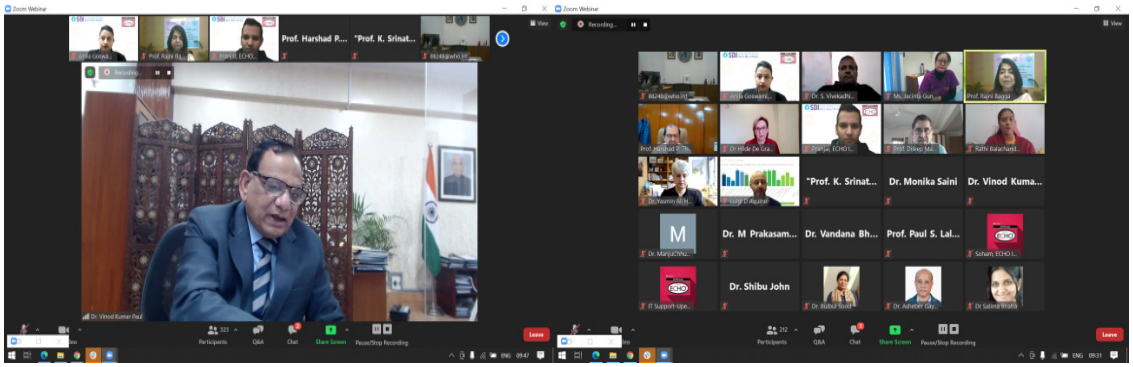

Workshop of Virtual Global Symposium on Human Resources for Health

2.3 Meetings:- SFC/GB/PAC/IRB

A List of meetings organized, during the Financial Year 2020–21 is given below:

Sl. No.	Title of Meeting	Name of Coordinator/Nodal Officer	Duration	Nature of Participants
1.	62nd Standing Finance Committee	Director	14th August 2020	Secretary (MoHFW), AS&FA, DGHS, JS (Training), Director NIHFW
2.	Programme Advisory Committee	Director	11th December, 2020	Faculty Members, Medical Officers and Research Officers
3.	40th Governing Body	Director	18th February 2021	Hon'ble Union Minister of H& FW, Members of GB, Director NIHFW
4.	Institutional Review Board Meeting	Dr. Meerambika Mahapatro	04th March 2021	All the IRB members, Dean of Studies and the Principal Investigators of Various Projects.

Mid-term Meeting of Programme Advisory Committee

2.4 Webinars Conducted

A List of Webinars related to COVID-19 pandemic conducted by NIHFW, during the financial year 2020-21 is given below:

Sl. No.	Title/Theme of Webinar	Co-ordinator (s)	Date	No. of Participants
1.	Public Health Emergency Management (PHEM) in response to COVID-19	Prof. Manish Chaturvedi	5th June,2020	198
2.	Increasing Stress and Burnout among Health Care Providers during the COVID-19 management: Challenges and Preventive Strategies	Prof. Rajni Bagga	19th June, 2020	200
3.	Successes and Challenges of the current Family Planning Program and Outlook for the future	Dr. Rajesh Kumar (jointly with Path Finder International)	21st July,2020	102
4.	Support Breastfeeding for a Healthier Planet	Prof. Nanthini Subbiah	8th August,2020	135
5.	Public Health Institute-Issues & Challenges in response toCOVID-19	Prof. Manish Chaturvedi	21st August,2020	212
6.	Elderly Health and Health System responses in the recent Pandemic	Dr. A. M. Elizabeth Dr. J.P. Shivdasani Dr. Kiran Rangari Dr. Ramesh Gandotra Dr. Sherin Raj T.P	22nd August, 2020	192
7.	Webinar under CB-PHEM coordination cell in response to COVID-19	Prof. Manish Chaturvedi	28th August,2020	208
8.	Successes and Challenges in Rolling Out a New Method of Reversible Contraception within the Public Health System to Promote Access and Choice	Dr. Rajesh Kumar (jointly with Path Finder International)	4th September, 2020	120
9.	Impact of COVID 19 on Children and its Nursing Management	Prof. Nanthini Subbiah	12th September, 2020	260

2.5 Summer Training Programmes

In addition to the various teaching courses, the students from universities are encouraged to pursue their summer training in diverse areas such as bio-technology, bio-chemistry, public health, etc. at the Institute.

Six students completed their short-term summer training courses in various departments of the NIHFW.

3.0 RESEARCH AND EVALUATION

The Institute gives priority attention to research work in different aspects of health and family welfare. The Institute has an Academic Committee and a high level Programme Advisory Committee consisting of eminent experts from all over India. All the educational and research activities of the Institute are scrutinized and deliberated upon thoroughly by these committees for ensuring the quality in academic endeavors. Further, each research proposal is placed before the Ethical Review Board of the Institute which comprises academicians from health, research and relevant technical backgrounds to look into ethical and other relevant issues.
The Institute conducts evaluation studies of various activities and National Health Programmes initiated by the Government of India.

3.0 RESEARCH AND EVALUATION

During the year under review, the Institute was involved in 24 research studies. Out of these research studies, 16 have been completed. This includes 5 studies by the M.D. (CHA) students. The remaining 08 are on-going.

3.1 COMPLETED RESEARCHSTUDIES

3.1.1 To Assess the Knowledge, Attitudes, and Practices towards COVID-19 among Indian Residents

(Principal Investigator- Prof. Sanjay Gupta Co-investigator- Dr Snehil, Dr Sumeet, Mr Shashi)

General Objective

To assess the knowledge, attitude and practice of Indian residents towards COVID-19 and its prevention

Specific Objectives

1. To assess the factors affecting the knowledge, attitude and practice of Indian residents towards COVID-19 and its prevention
2. To assess the use of various preventive measures including AarogyaSetu app toward COVID-19 among Indian residents
3. To describe the myths and beliefs related to COVID-19 among Indian residents
4. To compare the knowledge, attitudes and practices of essential worker with the non-essential workers

To provide evidence based recommendations to the concerned authorities for developing IEC and training material

Study Design

An online cross sectional study was conducted since it was not feasible to do community based study during the lockdown period. The questionnaire was developed using user friendly, free available platforms like Kobo Collect and disbursed using various online and Social Media platforms like WhatsApp, Facebook, Twitter, email etc. For data collection the online tool was shared in various network of NIHFW like EVM groups, T-VaCC groups, Cold Chain Technicians group, SIHFW groups, NCCMIS group etc.

Summary of Results

The duration of study was for ten days in the Month of June, 2020. Across various states, a total of 822 individuals participated in the online survey. The participants belonged to 25 states or union territories of the country with maximum representation from Delhi 144(17.5%) and Bihar (10%).

Knowledge towards COVID-19

The knowledge of the study participants was assessed on 16 questions on the disease epidemiology, its prevention and treatment. The mean knowledge score of the participants came out to be 9.27 out of 16. The knowledge was found to be highest regarding the prevention of the infection by COVID-19 through avoiding going to crowded places such as markets, railway stations and avoid taking public transportations (95%), followed by knowledge on recovering from the infection through early detection and treatment (92%).

Attitude towards COVID-19 and Trust on system

The majority of the respondents had positive attitude towards prevention and control of COVID-19 in India. 44% completely and 36% somewhat agree that COVID-19 pandemic will be controlled in India. Majority i.e 95%, 98% and 99% completely or somewhat agree that public lockdown, frequent hand washing and social distancing respectively are effective measures for prevention and control of the pandemic.

Practices related to COVID-19

Majority of the respondents always followed the practice of wearing the mask when leaving home (92%) and covering the mouth while coughing/ sneezing (94%). 70% respondents always avoided touching eyes, nose, and mouth with unwashed hands.

Awareness and Use of AarogyaSetu Application

Overwhelming majority (784, 95%) had heard about the AarogyaSetu App. More than three quarters (77%) of the respondents were using the app. Among the participants who were aware about the app (784), 638 (81%) were using the app. Of the total respondents, 551 (67%) found it useful and 10% didn't find it useful.

Policy Implications

This study may help the policy makers and health managers to understand behavioural intention for Indian residents and recognize target populations for COVID-19 prevention and health education in a better way.

3.1.2 Understanding the Psychological Impact of COVID-19 Pandemic in India (Principal Investigator- Prof. Sanjay Gupta Co-investigator- Dr.Arpita Gupta, Dr.Snehil Kumar, Mr. Harkesh Singh)

General Objective

To explore the effects on mental health of general population of India, because of lockdown imposed due to COVID-19 pandemic and how it relates to various other socio-demographic and disease related factors.

Specific Objectives

- To assess the socio-demographic features in the study respondents.
- To assess associated risk factors in the study respondents.
- To assess the risk of Depression, Anxiety and Stress in study respondents, using DASS-21 questionnaire
- Understanding the rationale, compliance and difficulties associated with lockdown among study respondents
- Understanding the risk of Depression, Anxiety and Stress in relation to other factors in elderly population (>60 years).

Study design and Study Population

The research study was done using a Web based survey method, where Google forms were used as a data collection tool. The online link to questionnaire (survey) was hosted on NIHFW website and NCCVMRC website.

Inclusion Criteria

All Indian citizens residing in India, above 18 years of age were included. All consenting to participate.

Exclusion Criteria

Those who did not consent to participate were excluded from the study

Data Collection*:* Period was from May to June 2020

Two questionnaires were used in this study, combined as one:

i) General questionnaire: A semi-structures questionnaire for assessing socio-demographic characteristics and some risk factors associated with Coronavirus infection was used for data collection. The questionnaire also had sections which assessed the respondents' understanding of the rationale for lockdown, lockdown behaviors (including diffculties and compliance), as well as socioeconomic impact.

ii) DASS-21 questionnaire: For assessing the risk of Depression, Anxiety and stress in the study respondents[1]. The DASS-21 questionnaire used was already pre-validated in English and Hindi[1] in previous studies in India.

Data Analysis:

In-house MIS team at NCCVMRC made the digital tool. Data captured in Google forms were converted into Excel sheets and then analysed.

Summary of Results

The final analysis was carried out a total of 1542 respondents.

Several risk factors have been reported by many of the respondents. In total, 20.7% (N= 319) had certain chronic illnesses such as diabetes, hypertension, COPD, asthma, cancer or kidney disease while the other 79.3% (N= 1223) had none of them. Some of them, around 3.6% (N= 56) reported for history of fever or cough in last one month while the rest 96.4% (N= 1486) had no such history. The history of close contact with confirmed or suspected case was present in 3.2% (N= 50) of the respondents and remaining 96.8% (N= 1492) gave no such history. Only 2.2% (N= 34) had received quarantine stamp either at home or institution while the rest 97.8% (N= 1508) did not receive any. Under depression, the proportion of the respondents categorised as normal was 66.1% (N= 1019), with 10.6% (N= 163) categorised as having mild, 13.4% (N= 206) with moderate, 4% (N= 61) with severe and 6% (N= 93) with extremely severe depression. As with stress, proportion of the respondents categorised as normal was 75.4% (N= 1162) and the rest with stress of different levels such as 7.6% (N= 117) of the respondents with mild, 8% (N= 123) with moderate, 5.6% (N= 87) with severe and only 3.4% (N= 53) with extremely severe stress. As for anxiety, 73.8% (N= 1138) were assigned normal, 6.2% (N= 95) as having mild, 11.1%(N= 171) moderate, 4.1% (N= 63) severe and 4.9% (N= 75) with extremely severe anxiety.

Policy Implications

The results of this study provide evidence for the policy makers to draw required attention towards psychological health of Indian citizens.

- Government can design social programs aimed at ensuring emotional support to individuals during outbreaks , especially those living in isolation
- Special counselling sessions for those dealing with other chronic illness needs to be emphasized to reduce anxiety.
- The findings may help program managers to formulate specific interventions to improve the mental health aspects associated with current pandemic.

3.1.3 To Assess the Acceptability and Feasibility, Key Challenges, and Effectiveness of Virtual Training Being Conducted for Immunization Program Managers in the Country

(Principal Investigator-Prof. Sanjay Gupta, Co-investigators- Dr. Arpita Gupta, Dr. Sumeet Juneja, Dr. Snehil Kumar, Mr. Shashikant Ray and Mr. Rakesh Kumar)

General Objective

To assess the acceptability and feasibility, key challenges, and effectiveness of virtual training being conducted for Immunization program managers in the country.

Specific Objectives

- To assess the acceptability and feasibility of the virtual course.
- To identify key challenges faced by participants and trainers while conducting virtual training course.
- To assess the change in core competencies of participants when trained virtually.
- To formulate evidence-based recommendations for improvising future virtual training batches

Study Design (in brief)

Sample: Purposive sampling has been done and all the participants who attended the T- VaCC first virtual batch were included in the study. Few States have been selected as per the strategic plan to conduct T-VaCC trainings, to be a part of the first virtual training batch. These include M.P, Chhattisgarh, Gujarat, Orissa, Maharashtra and Jharkhand.

Data Collection/ Outcome Assessment

The participants were administered the data collection forms using an IT application developed for T-VaCC course, hosted on NCCVMRC website. The qualitative data was collected by analysing the process of virtual training and also by collecting feedback about the course (using open ended questionnaire).

Data Analysis

Data was captured in the T-VaCC training software, already in use by NCCVMRC.

Summary of Results

Background of Responds

Their mean age was 49.7 years. Majority of them, i.e. 19 out of 23 (82.6 %) were District Immunization Officials and only 17.4% were State Officials. The mean years of their experience in vaccine and cold chain management was 5years. According to the type of device they used during the training, 82.6% of them used Laptop or desktop, 13% used Mobile Phones and only 4.3% used tablet. 69.6% of them have had previous experience of virtual trainings in immunization.

Key Challenges faced/Perceived Barriers

There were a total of 35 support calls related to technical assistance for the virtual training. The calls primarily related to technical challenges, such as poor connectivity, assistance needed with completing course assignments, the app not loading, and challenges related to navigating the course content.

Acceptability and Feasibility (MUSIC tool)

Mean score across the domains was generally 5 or greater (out of a maximum score of 6 for each domain), indicating that participants rated the training programs favorably for feasibility, acceptability, and adoption. In only few areas, scores were less than 5, which included freedom for participants to learn in self-paced manner and in their way.

Policy Implications

- Since, the participants rated the training low on freedom to decide their own pace, NCCVMRC-NIHFW may create a blended form of training course, wherein there is a mix of self-paced and facilitator-led training.
- Given the advantages, virtual training methodology may be sustainable even after pandemic.

3.1.4 Evaluation of APHO, PHO and LHB Units at POE for International Travellers (International Health Division, MOHFW)

(Principal Investigator- Prof. V. K.Tiwari Co-investigators- Dr. Ramesh Gandotra, Dr A M Elizabeth, Dr Sherin Raj and Mr Bacchu Singh)

General Objective

To assess the physical and financial progress achieved in the scheme with the funding received under 12th Five Year Plan for strengthening of existing APHOs/PHOs/LHUs at point of entry.

Specific Objectives

1. To assess the various activities undertaken by APHOs, PHOs, and LHUs.
2. To assess availability of human resources as per norms under the scheme.
3. To assess facilities and equipment created under the scheme.
4. To assess availability of budget and expenditure made under the scheme.
5. To recommend various measures for better implementation of scheme and to recommend for future extension.

Study Design

The data collection tool was pretested at the APHO, IGI Airport Delhi. The research employed a mixed method approach including a series of semi-structured interviews with key officials as well as collection of available data with the IH Division.

Summary of Results

In order to make all international entry points compliant to IHR (2005) by technical manpower, quarantine and isolation facilities and equipment, under 12th FYP, strengthening of existing Units and establishment of 29 new Units was approved with a total cost of 226.73 Cr. in 2015. The scheme requires creation of additional posts, approval of RRs and space allocations by Ministry of Shipping, Civil Aviation and Land Port Authority of India (LPAI).

Ensuring Routine round the clock services:

(i) It is found that during Covid-19 pandemic, floating posts were used as per the work load of specific at PoEs as per requirement of specific measures for PHEIC at a particular place.
(ii) Surveillance of MERS-CoV, Zika and other potential PHEIC Events are currently done at almost all the existing facilities but some newly established facilities were lacking in performance.
(iii) To support the administration, monitoring and evaluation and to provide technical guidance for uniform implementation of IHR at all PoEs, Headquarter Unit at DGHS are set up under DDG (IH) which enabled proper record of information and technical and financial supervision.
(iv) Specific technical manpower for supervision, monitoring, planning and administration, including data compilation, data management provisioned at DGHS which could make all the Units functional during public health emergencies of international concerns.

During PHEIC, the PHIH Division at the DGHS has put in additional public health measures like screening of arriving/ departing passengers at Points of Entry/exit, isolation and quarantine of suspects, planning of measures for affected passengers, conveyances and cargo while protecting other non-affected travelers and with minimum interference to traffic and trade. For supervision and monitoring of routine public health measures technical expertise in food safety, vector control and disinfection were further strengthened.

The quarantine facility in the near vicinity of APHO is created. Accordingly, 12 new quarantine facilities were also established.

The new quarantine facilities at International Airports require better coordination between Ministries of Health/ Civil Aviation, airport management, APHO and Central Design Bureau division and DGHS. As diseases and events are transmitted by various modes like vectors, food, secretions from affected persons, radiations, chemicals, air/droplets etc., the existing facilities undertook timely and proper planning for screening, transportation of suspect travellers, decontamination, disinfection and quarantine of passengers under observation, isolation of confirmed/ symptomatic passengers etc. ensuring that infection from suspect/ affected travellers does not get transmitted to common travellers.

During PHEIC, events are monitored real time and data regarding passengers screened, detected as suspects at the airport, put under quarantine/ isolation, lab samples collected and tested contacts followed up, health workers deployed etc. are collected, analyzed, integrated, compiled and notified to NFP/ Dte. GHS/ MoHFW/WHO.

Recommendations

- At many airport health organisations the space provided for functioning is highly inadequate and in view of increasing number of travellers more space at the airport is needed.
- It is a matter of concern that 80-90% posts at the newly established APOs are vacant that need to be looked into. The contractual positions are also not filled at the new APHOs/ PHOs. The new staff should be sent for training immediately after appointment.
- It has been found that regular as well as budget under SFC scheme given to APHOs and PHOs are not optimally utilized. The gross underutilization of budget is with newly

established APHOs and PHOs may be because of vacant positions and less purchase of essential equipments.

- It has been observed that training to medical officers/ CMOs and other medical personnel are given while training to other than medical personnel is lacking, therefore, non-medical staff should also be trained in the concerned subject for better performance of responsibilities.
- There is need for better coordination with the Municipal Corporation for Vector Control activities.
- During last decade there have been a number of events including 3 PHEICs (H1N1, EVD and Zika) declared by WHO and potential PHEIC events like SARS, MERS-CoV, H7N9 etc. Further, IHR (2005) also requires core capacities with specific competencies for detection, assessment and reporting of events related to other hazards as well.
- In view of burdening of responsibilities to existing "Point of Entries" at airports and sea-ports and land- borders, the existing scheme is strongly recommended for further continuation for next 5 years or so.

3.1.5 Evaluation of 'National Program on Surveillance of Viral Hepatitis

(Principal Investigator-Prof. J. K. Das Co-investigators-Dr. Sarita Gautam, Dr. J.P. Shivdasani, Mrs. Vaishali Jaiswal and Mrs. Bhawna Kathuria)

General Objective

To conduct a third party evaluation of the National Program for Surveillance of Viral Hepatitis (NPSVH).

Specific objectives

- To assess the preparedness of the regional laboratories and Centre of Excellence for carrying out surveillance of acute hepatitis.
- To assess the preparedness of the program to carry out the surveillance of chronic hepatitis.
- To assess the feasibility and mechanisms of carrying out surveillance of sequel of viral hepatitis.To assess the laboratories carrying out the surveillance of acute viral hepatitis.
- To find out the awareness activities towards generating awareness about viral hepatitis.

Methodology:

Secondary data were gathered from the program at the national level, Centre of excellence and selected regional laboratories identified under the program. Information were captured from the existing records with the program at the national level as well as the regional laboratories and through a pre-defined checklist. Semi- structured interview schedule were used for carrying out interviews of the stakeholders including the Director, NCDC, program officer at the national level, the nodal person identified under the program as well as with the medical superintendent /dean and the staff hired under the program. For understanding the preparedness of the program for carrying out surveillance of acute hepatitis, 4 regional labs and the Centre of Excellence i.e. laboratory at the National Centre for Disease Control (NCDC) were initially identified to be evaluated. However, on account of COVID, three of the four sites identified were evaluated which included regional laboratory at AIIMS, New Delhi, Madras Medical College, Chennai and King George Medical University Medical College at Lucknow. Additionally, Centre of excellence was also evaluated.

For understanding the preparedness of the program for carrying out the surveillance of chronic hepatitis and sequel, the mechanisms identified for carrying out the activities of surveillance were evaluated using interview schedule of the relevant stakeholders as well as desk review of records.

Records related to memorandum of understanding between the program and the regional site, infrastructure, finances, human resource sanctioned and in-position and services provided were gathered from the sentinel site as well as from the Centre of Excellence. Records related to the mechanisms identified for carrying out surveillance of chronic hepatitis and its sequel were also studied.

Summary of Results: Procurement related issues

Procurement of testing kits and equipment is a big challenge in carrying out National Program for surveillance of viral hepatitis.

The tender failed due to various reasons like the last purchase price for most of the test kits was lower than the L1. In the next instance, the kits failed quality and the tender was cancelled.

Recruitment of staff

Few of the institutions faced the issues with the recruitment of staff due to some administrative procedures.

Sub-optimal functioning of the programme

In most of the medical colleges, the surveillance of viral hepatitis related services were either non-functional or sub-optimally functional in the department/unit due to non- availability of kits or equipment.

Inadequate IEC activities

Necessary IEC materials (such as posters, charts, etc) has not been procured or prepared. There was minimal IEC material either displayed in the laboratory or outside the institutions which could have made the patients and the local community aware of the Surveillance of viral hepatitis programme.

Administrative issues

There were administrative problems and bottlenecks at the levels of the Centre and the concerned medical college authorities including procedural delays and inadequate communications from MOHFW leading to slow pace of implementation.

Continuation of the Programme

The programme should be continued and expand to all 36 States/UTs such that there is one sentinel site in each state/UT.

Procurement of testing kits/ equipment

- The program division of NCDC should explore the possibility to procure the test kits and equipment through GEM and in conversation with GEM for inclusion of more golden parameter essential for procurement of test kits and provision of staggered supply of test kits.
- Since there was a challenge in procurement of quality testing of test kits for carrying out surveillance, test kits of HIV and hepatitis B and hepatitis C validated by consortium of labs under the National AIDS Control Program with secretariat at NARI Pune should be allowed to be procured directly through limited tender (i.e. only from the validated test kits) as per GFR.

Redressal of administrative issues through coordinated efforts

- Expeditious redressal and resolution of all issues may be done. There should be a system of regular stock taking (by way of review meetings) where small issues may be addressed in a timely manner.

Recruitment of professional manpower

- For the position of the Nodal officer of sentinel sites, a dedicated full-time officer should be posted rather than with an additional charge. Also efforts should be made to fill up the vacant posts as early as possible.

Measures to retain and motivate the work force

- It may be ensured that the employees deployed under programme get their salaries regularly and in time. Revision of salaries/ remunerations (commensurate with their qualifications and job responsibilities) may also be considered.

Policy Implications

This Evaluation study will help in carrying out surveillance of viral hepatitis, and identify the constraints in the implementation of the scheme for making the required mid-course corrections.

3.1.6 Evaluation of "National Programme on Antimicrobial Resistance (AMR) Containment"

(Principal Investigators- Prof. Sanjay Gupta Dr. S. Ramachandra Rao, Co-investigators-Dr. Kiran Rangari Dr. Roopesh Gupta Dr. Ruchi Gaylong)

General Objective

The Aim of the study was to conduct a third-party evaluation of the National Antimicrobial Resistance Containment Programme.

Specific Objectives

1. To find out the status and utilization of infrastructure development as per TOR/ Guidelines.
2. To determine the availability of trained human resource as per the TOR/Guidelines.

3. To assess the number of network sites conducting antibiotic consumption studies.
4. To assess progress of strengthening of IPC and HAI surveillance at network sites.
5. To document the activities carried out to enhance awareness on the AMR among healthcare providers and general community.
6. To explore the utilization of funds so far in various activities under National Programme for AMR Containment.
7. To document the bottlenecks, if any, in the implementation of the programme and suggest possible solutions.

Study Design

A cross-sectional study was conducted to fulfil the objectives stated. Secondary data was gathered from the Programme division/units at the national level and the regional laboratories (A total 20), identified under the Programme regarding finances, supply of reagents and consumables, infrastructure, up- gradation, sanctioned and in position human resource and services provided. Primary data regarding Infrastructure and quality of the services was collected through Interview Schedules via virtual mode using the Google meet platform. National Reference Laboratory (NRL) established at NCDC under the AMR Programme was also assessed. Data was captured using a predefined open-ended semi-structured pretested interview schedule from the nodal person identified under the Programme along with the Head of Departments (HODs) and the staff hired under the Programme.

Summary of Results

Based on the discussions held with various stakeholders, the following issues emerged in connection with the implementation of the AMR Containment programme:

A. Procurement related issues:

Timely procurement of consumables and equipment has been a major obstacle to the programme. Procurement of testing kits and equipment is a big challenge in carrying out the surveillance under AMR Containment programme. Procurement through the PFMS portal is a tedious task, and often the quality of consumables is compromised. Special reagents are often not available with local vendors at GeM Portal.

B. Recruitment of staff:

Few of the institutions faced issues with the recruitment of staff due to some administrative procedures. Frequent turnover of the staff was observed as a big hurdle.

C. Training:

Frequent turnover of trained staff appointed and hence not properly and timely trained.

D. Inadequate IEC activities:

The IEC activities were primarily to be conducted by NCDC. Though media material has been developed but dissemination campaigns have not been successful due to a lack of timely approvals from MoHFW.

E. Administrative issues:

There were administrative problems and bottlenecks at the levels of the Centre and the concerned medical college authorities. Procedural delays, inadequate communications and delayed response from the MOHFW also led to a slow pace of the implementation.

F. Fund Related:

Delay in fund release due to administrative problems and bottlenecks at the levels of the Centre and the concerned medical college authorities. Procedural delays, inadequate communications led to the underutilization of the allocated budget.

Policy Implications:

The following recommendations were suggested to modify the Programme and make it more effective:

- A well-defined adequately staffed Program coordination unit is essential for implementing the various activities at network sites.
- NCDC could explore the possibility of a completely centralized procurement of good quality consumables to ensure timely distribution to the sites. Additionally, NCDC may explore the possibility of purchasing consumables through GEM or directly through limited tender (from a pre-validated list as per GFR).
- Qualified scientific staff required at the National Reference Labs for regular molecular testing of AMR isolates and for evidence-based research through this programme. The National Reference laboratory or the center of excellence must expand their scope of work to include molecular characterization of emerging AMR strains and to detect AMR in fungal pathogens.
- To ensure timely trainings, NCDC may develop pre-recorded training modules for the staff and distribute them widely, and conduct training *via* virtual mode.
- To increase awareness of the program, training modules can be specifically designed for clinicians and administrators, and clinicians can also be included as trainers during these trainings.

3.1.7 Concurrent Evaluation of Central Sector Schemes under EMR, DGHS (Principal Investigator- Prof. Manish Chaturvedi Co-investigators- Dr. J. P. Shivdasani Dr. Ramesh Gandotra Dr. Ishant Kumar)

General Objective

Evaluation of Central Sector Schemes- (1) Health Sector Disaster Preparedness and Response and (2) Human Resource Development for Emergency Medical Services.

Specific Objective

1. To find out the status of establishment of operation centers at national and state capitals
2. To find out the status of establishment of skill centers in 36 states/UTs
3. To determine the status of course development, trained human resource and funding four courses in emergency medical services

4. To find out the status of CBRN centers at tertiary/secondary/primary level in 36 states/ UTs
5. To explore the utilization of funds so far in various parameters for emergency medical services development under HSDPR project in India.
6. To ascertain the operational status of skill centers.
7. To discuss various gaps, challenges and suggest the measures for mid-course corrections.

Methodology

The research employed a mixed method approach including a series of semi-structured interviews with key informants in the selected field areas as well as collection of available data to document for further strengthening of system. For the purpose of study out of 20 skill centers to which fund has been transferred 4 centers were identified ie MMC Chennai, IGMC, Puducherry, GIMS Gulbarga, AIIMS Bhopal. Out of 11 Health Emergency Operations Centre (HEOC), 2 were identified for the purpose of study ie Delhi and Chennai. Among four CBRN centers of excellence, Chennai has been identified.

Funding Agency: MoHFW

Study Findings:

- Training modules have been developed and 122 trainees have been trained on "Medical Management of Radiation Emergencies"
- Training module has been developed and 178 trainees have been trained in Psycho-social care.
- Course material developed and 222 Senior Hospital Administrators have been trained in Hospital preparedness for public health emergencies through a network of 8 participating centers.
- Course material developed and 262 District Health Officers trained in District preparedness for public health emergencies through a network of 8 participating centers.
- User requirement, specifications for 4 tertiary level CBRN centers prepared. So far 1 (Stanley Medical College, Chennai) center has been identified for setting up of center. Executing agency identified. DPR for the same is in advanced stage.
- User requirements for secondary level CBRN centers prepared, specifications finalized, Executing agency identified, but could not materialize due to single bidder response.
- User requirement and specification for HEOCs finalized. Executing agency identified.
- User requirement and specification for HEOCs finalized. Executing agency identified.

Recommendations

- Redressal of administrative issues through coordinated efforts with regular stock taking by way of review meetings.
- Identification of State nodal/coordination officer for nominations, utilization of these officers in future health emergencies etc.
- Health manpower to be trained should preferably have expertise in public health (MD or GDMOs trained in public health).
- A central database of professionals trained in various courses should be prepared so that it may be utilized as and when required for deployment of workforce.
- The staff of International Health Regulations (IHR) points should also be on the same page like CBRN, skill centers etc.

- All the training courses should be more interactive and more practical with the help of desk top exercises. The mock drills may be planned for exposure to the participants.
- It is also recommended that an exclusive supervision center should also be established at MOHFW, New Delhi to oversee the activities of proposed infrastructure and overall monitoring.

3.1.8 Third Party Evaluation of Program for "Programme for Prevention and Control of Leptospirosis

(Principal Investigator- Prof. V. K. Tiwari Co-investigators- Dr Renu Saharawat)

General objective

To evaluate the programme to reduce morbidity and mortality due to leptospirosis in Humans.

Specific Objectives:-

- To assess the Institutional Arrangements for program implementation at National and State Level
- To evaluate whether state level trainings are regularly conducted for medical officers for Leptospirosis management prevention and control
- To evaluate whether programme states to have mechanism of reporting of presumptive and laboratory Confirmed cases
- To evaluate whether IEC material for generating community awareness on Leptospsioris cases has been developed at national level and disseminated
- To evaluate whether Programme states to have the facilities for diagnosis of leptospirosis cases
- To evaluate whether regular review meeting and field visit were undertaken at national state level for Leptosprosis.
- To evaluate whether programme has been able to sensitize the state to take Leptospirosis prevention and control effectively in programme states.
- To assess the strengths and weaknesses of the Scheme including physical and financial progress.
- Provide recommendations of how scheme can improve its Strategic Framework and Implementation Plan in the future.
- To assess the need for continuing this scheme from 2020 onwards.

Study Design:

Due to Covid-19 infection and travel restrictions to States, the evaluation is done using secondary data. The information and the documents provided by the NCDC Annual Reports and other literature available were referred for analysis. Besides, a detailed questionnaire was developed and sent to State Nodal officers looking after the programme. The information provided was analysed and incorporated in the Report.

Summary of Results:

As per the feedback from States, the surveillance of the disease has been strengthened and cases and outbreak are regularly reported through IDSP portal. The programme is being implemented in 8 endemic states viz Gujarat, Kerala, Maharashtra, Karnataka,

Tamil Nadu, Assam, Uttar Pradesh, Goa and 3 UTs , Andaman & Nicobar island and DD&DNH.A total of Rs 173.54 lakhs has been approved through NHM PIP for FY 2020-21 mechanism for program states.

The program has been able to sensitize the state Government Official about the significant public health impact of the disease. The surveillance of the disease has been strengthened and cases and outbreak are regularly reported through IDSP portal. As per the online/ offline information on number of laboratory confirmed cases reported during last 5 years from states, it was found that highest cases were reported from Kerala, Karnataka, Gujarat followed by Assam. As per reports received from States, highest numbers of outbreaks are reported from Tamilnadu, followed by Maharashtra, Kerala, and Karnataka.

- The health departments were able to contain spread of outbreaks in majority of states facing the diseases.
- The programme has been successful in creating diagnostics facilities/Labs for confirmation of disease for rational treatment.
- Training in Leptospirosis Management was given due importance in the programme. Many endemic states conducted district level training and trained service providers in leptorspirosis management. The state of Gujarat has trained maximum 6386 personnel followed by Kerala and Tamilnadu.
- The tablet Doxycycline is supplied in the programme and its sufficient availability in endemic state is must for treatment after laboratory confirmation. Many endemic States have implemented chemo-prophylaxis.

Recommendations

- The surveillance need to be further strengthened for qualitative reporting of data in southern states and better coverage in states like UP. Assam etc.
- Geographic Information System (GIS) based reporting would be useful for local. In high endemic states/districts advance diagnostic facilities need to be created at CHC level.
- Training to laboratory staff, health workers, doctors need to be further strengthen in high endemic states.
- IEC is normally weak in almost all states, except Karnataka where PRIs are involved. It is suggested to involve PRIs in high endemic states.
- Inter-sectorial coordination between Animal Husbandry Department/veterinary Departments with the health department need to be strengthened. A central guidelines for such collaboration may be evolved.
- Budget utilization in all the programme states has been low. There is need to develop online software or use of PFMS for the utilization of budget.
- It is suggested that central Programme Officers may atleast do on the spot visit once a year in all states where funds are made available.
- There is need to conduct community survey on prevention and management of Leptospirosis in all programme districts.

3.1.9 Evaluation of Program for National Rabies Control Programme

(Principal Investigator- Dr. Meerambika Mahapatro Co-investigators-Dr. A. M Elizabeth, Mrs. Bhawna Kathuria and Dr. Pooja Garg)

General Objective

To assess the progress of the project as defined in the objectives and the operational guidelines with an aim of suggesting corrective measures, if any.

Specific objectives

1. To review the activities undertaken for capacity building of states on rabies surveillance (TOT at the national level, etc.).
2. To observe the efforts undertaken at the national level to improve surveillance of animal bites and rabies cases.
3. To review the IEC activities undertaken at the national level for generating awareness on rabies in the community.
4. To assess the status of laboratories strengthened in the NRCP and the related training.
5. To understand the national level mechanisms for inter-sectoral coordination for rabies prevention and control.
6. To study the fund utilization by the state under NRCP.

Methods

The evaluation study is done based on primary and secondary data. Due to Covid-19 infection and travel restrictions to States, the evaluation is done using telephonic interviews with the state nodal officers. Only 06 states (Gujarat, M.P, Bihar, Orissa, Manipur, and Puducherry) had sent the data, which was analyzed. The information and the documents provided by the NCDC; relevant Annual Reports other literature available were referred for analysis.

Results

As per the feedback from States, the surveillance of the disease has been strengthened and cases and outbreaks are regularly reported through the IDSP portal. The Programme is being implemented in all the states including UTs. In the FY 2020-21, a total amount of 8244 lakhs rupees have been sanctioned for 32 states for NRCP Programme for undertaking activities as training, surveillance, ARV/ARS procurement, IEC & Monitoring, and evaluation.

Based on the above evaluation the results suggest that on the human component, the program has been able to sensitize the state Government Official about the significant public health impact of the disease. The surveillance of the disease has been strengthened and cases and outbreaks are regularly reported through the IDSP portal. Although the Prototype IEC material has been developed by NCDC and it has been disseminated to few states only. On the animal component, the Programme has been successful in creating diagnostics facilities/lab services for the management of the disease for surveillance, survey, and treatment. Four regional labs are being identified and strengthened namely

NIMHANS, AIIMS Jodhpur, Veterinary Laboratory Goa, and NCDC, Delhi. Training in Rabies management was given due importance in the Programme. Many states have conducted district level training and trained service providers in Rabies management. Three numbers of training of Master Trainers held at NCDC under NRCP for nodal officers & Master trainers of states/Uts-26 states and 5 UTS. Few states have mentioned the COVID-19 pandemic as a reason for not scaling up a training program in their states.

Conclusion & Recommendation

Based on the evaluation, study recommends certain specific measures. For capacity building regular training of government and private healthcare providers involved in treating animal bite victims to ensure correct PEP prescription as per recommended guidelines. The dedicated staff is needed to further strengthen program implementation. HR may be provided at the State and District level. In case of lack of resources, the district may be prioritized based on the caseload of dog bites and rabies cases. A periodic mechanism may be developed to review the activity jointly. There is a need to devise a strategic plan for inter-departmental coordination between Animal departments with the health department to be implemented across states in every district for shared efforts to tackle the needs of the population. For effective monitoring and surveillance, it is important to make rabies a notifiable disease. Considering the IDSP portal only captures animal bite data, to monitor the compliance of PEP an IT portal may be developed to capture PEP coverage. The linkage may be developed between the IDSP portal and the proposed NRCP portal for the bi-directional flow of information. To monitor the stock of ARV and ARS, the existing portal may be utilized.

A specialized Programme unit at NCDC may be created ensuring timely release of salaries, additional incentives, review meetings, and timely training to retain the staff both at the central and site level. The Programme should be expanded to include all states, district-level facilities, etc.

3.1.10 Evaluation of Rashtriya Arogya Nidhi

(Team Members- Dr. Poonam Khattar,Dr. Ankur Yadav, Mr. Y.K. Singhal, Dr. Akriti Dheer and Mr. Mahavir Rawat)

General Objective

Evaluation of Umbrella scheme of Rashtriya Arogya Nidhi (RAN)

Specific Objectives

1. To analyze the secondary data provided
2. To examine the strengths and weakness of the scheme
3. To identify barriers for effective utilization of the scheme
4. To provide recommendations

Methodology

Evaluation was undertaken by using the secondary data as follows:

1. Materials provided by the MoHFW:
   The information and the documents provided by the Ministry of Health and Family Welfare, relevant Annual Reports other literature available were taken as reference point for analysis.

2. Search of data base using relevant key words
3. Personal interaction with the officers of the MoHFW for obtaining any other data and/or any clarification.

Key findings and conclusion

1. Under the RAN scheme run by the society from 2014 till 2019, 5,819 patients were benefited by financial assistance during the six-year time period. After the umbrella scheme has been taken over by the Department of Health and Family Welfare, 1,298 patients have been reported to be benefited by the financial assistance from 1-1-2019 till 30-11-2020 under the RAN.
2. Under the Health Minister's cancer Patient Fund scheme run by the society from 2014 till 2019 about 20,859 patients benefited through the financial assistance scheme during six- year period. Whereas after the scheme was covered under the umbrella Scheme of Rashtriya Arogya Nidhi, a total of 3113 patients were reported to have benefited by the financial assistance from 1-1-2019 till 30-11- 2020.
3. Rare Diseases component was incorporated under the umbrella of RAN having been taken over by the Department of Health and Family Welfare. 33 patients have benefited by the financial assistance from 1-1-2019 till 30-11-2020.
4. As informed during the personal interactions, majority of the RTI complaints were related to delay in sanction of relief amount followed by the procedure regarding filing the application for the treatment. Complaints were also raised about the benefits related to the scheme as to why only one-time financial assistance is provided.

Recommendations

The umbrella scheme of Rashtriya Arogya Nidhi is a good initiative by the Government of India for the treatment of poor patients and may be continued for the benefit of poor patients. Keeping in view the available data and findings, the following recommendations are proposed:

Processing of applications

It is recommended that instead of present practice of receiving Offline application form in hard copy, the Ministry should develop a mechanism of filling and receiving the online application by highlighting the link on MoHFW website at a prominent place.

Financial mechanism

To reduce the burden of financial sanctions on the Ministry of Health and Family Welfare, this scheme can also be included under the umbrella of National Health Mission.

Enhance the revolving funds in Government hospitals

At present the MoHFW has made a revolving fund of Rs. 1 crore in sixteen premier tertiary care hospitals for Rasthriya Arogya Nidhi component and twenty eight premier cancer hospitals for Health Minister Cancer Relief Fund respectively and 50 lakhs of revolving fund in Homi Bhabha Cancer Hospital at Varanasi. The rest of the hospitals have no revolving fund. Therefore, in order to reduce the time of sanction of financial

assistance to the beneficiaries, the Ministry can think of setting up revolving funds of minimum amount of about Rupees 25 lakhs in the Government hospitals where few cases have emerged in previous years or in the remote areas like North East Andaman and Nicobar Islands etc.

Demand generation of umbrella scheme of Rashtriya Arogya Nidhi:

Government of India should take initiative of widely disseminating this scheme amongst the Below Poverty Line people through mass media campaigns and IEC activities at all levels. Media activities can be initiated especially in the tertiary Care Hospitals where the treatment of most of the diseases is available in the different parts of India.

Initiation of sensitization workshop for the frontline workers at registration counters / Staff Nurse/Medical Officers:

Literature search has also revealed that the knowledge of frontline workers related to umbrella scheme of Rashtriya Arogya Nidhi is limited. Therefore, a one-day orientation workshop should be conducted among all the health professionals in the hospitals.

Establish Public-Private partnership (PPP)

For reaching large number of beneficiaries for treatment of life threatening diseases private tertiary care hospitals can be included in the scheme without compromising over the quality and accessibility. This will enable more number of patients to avail services from treatment. Financial mechanism for PPP can be worked out.

Suggestion for improvement in financial assistance scheme for poor patients suffering from rare diseases

Under this scheme at present only one time financial assistance is provided for the treatment of rare diseases. Secondary data reveals that due to this many patients suffers and sometimes adopt legal recourse. Therefore, it is recommended to increase the number of providing financial assistance to more than once to rare disease people with a maximum ceiling amount of Rs. 15 lakhs. The National Draft policy for Rare Diseases, 2020 has also put forth suggestions with respect to rare diseases.

3.1.11 Evaluation of Program for Strengthening Inter-Sectoral Coordination for Prevention and Control of Zoonotic Diseases

(Principal Investigator- Prof. Manish ChaturvediCo-investigators-Dr.Rajesh Kumar, Col.(Dr.) Ajay Kumar)

General Objective

To conduct a third party evaluation of the program for strengthening inter-sectoral coordination for prevention and control of zoonotic diseases

Specific Objectives

1. To determine the status of national level mechanism for inter-sectoral coordination for prevention and control of zoonotic diseases.
2. To assess the activities undertaken for training of manpower in the country at National and regional level (Joint trainings held at national & regional level, no .of participants trained etc.)
3. To review the resource material and IEC activities conducted for zoonotic diseases prevention
4. To assess the strengthening of laboratories for zoonotic diseases at regional level.
5. To explore the utilization of funds so far in various parameters for strengthening Inter-Sectoral Coordination in ISC project in India.
6. To discuss various gaps, challenges and suggest the measures for mid-course corrections.

Study Findings

- Inadequate support from state ministries

  RCs informed that the states not prioritizing this therefore the network development and mapping of laboratories is delayed in some of the states. The state departments have not informed about the names of nodal officers till today in many of the regional offices.
- Delayed release of funds from MOHFW
- Recruitment of staff:

  Few of the institutions faced the issues with the recruitment of staff due to some administrative procedures. It was suggested by some of the officers that the Nodal Officer of the program should be separate person without holding any other responsibility for better implementation of this programme.
- Inadequate IEC activities:

  Neither prepared nor procured therefore no dissemination activities. There was hardly any IEC material either displayed in or outside the institutions which could have made the patients and the local community aware of the zoonotic diseases surveillance programme.
- Administrative issues:

  There were administrative problems and bottlenecks at the levels of the Centre and the concerned institution authorities. Procedural delays, inadequate communications and delayed response from the MOHFW also led to slow pace of the implementation.

Recommendations

- Redressal of administrative issues through coordinated efforts.
- There should be a system of regular stock taking (by way of review meetings) where small issues may be addressed in a timely manner. Ensure timely disbursement of funds.
- One Health : One Center

  The program should expand to all 36 States/UTs in such way so that there is one center/ sentinel site in each state/UT. To coordinate the research study and reporting of diseases common to human and animals.
- Convergence with IDSP; Entries made easy so as to make data sharing and analysis easy.

- Need to have order from center for sharing data among animal husbandry & Medical counterparts.
- Sustenance of augmented program activities occurred during COVID pandemic

3.1.12 Mid Term Assessment of Who India's NPSP Transition From Polio to Public Health-2020

(Principal Investigator- Prof. Harshad Thakur Co-investigator- Prof. J.K. Das)

Objectives:

1. To review and update key elements of India's national polio transition plan.
2. To review progress and timelines of the implementation of agreed NPSP transitioning activities at national and sub-national levels.
3. To review country/state level opportunities and involvement of NPSP in management of Immunization and other Public Health Programs, including emergency response.
4. To recommend future NPSP transition opportunities to strengthen various components of national immunization programs and other national and sub-national health priorities.

Purposive sample of six states and six districts was taken. The selected states represented two states from each of the polio transition timeline categories (i.e. accelerated, measured and gradual). Also, the selected states represented each of the six WHO-NPSP regions. The six states so selected were Bihar, Karnataka, Maharashtra, Odisha, Punjab and Uttar Pradesh. Further, two districts from each of the transition timeline categories were selected.

Findings:

The assessment team noted that NPSP's evolution from polio to public health has been unique, and has offered lessons to the global polio eradication programme. This is because even before India was certified polio-free in 2014 and before the NPSP transition framework was developed in 2018, NPSP was already at the forefront of polio transition efforts. In this regard, the assessment team noted that NPSP is effectively transitioning from polio to public health through following efforts:

- Transferring capacity to the government for mainstreaming essential polio functions such as AFP case investigation, stool specimen collection, specimen shipment, active case searches (ACS) at the AFP reporting network and training workshops.
- Strengthening routine immunization related activities, including support for IMI, capacity building of frontline workers, development of training manuals, advocacy, accountability development and enhancement of microplans through inclusion of high-risk areas.
- Supporting establishment and functioning of Adverse Event Following Immunization (AEFI) surveillance system in the country.
- Scaling up of lab-based VPD surveillance, including establishment of a reporting network, capacity building of concerned health workers, data management and support for expansion of VPD laboratory network.
- Strengthening MR elimination related activities, including establishment of a reporting network, capacity building of concerned health staff, data management, accountability development, inter-sectoral coordination and support for catch-up campaigns.
- Introducing new vaccines, including development of operational guidelines, preparedness assessment and post introduction evaluation (PIE).
- In the direction of strengthening response to health emergencies, the country-wide strength of the NPSP workforce has, on many occasions, played significant roles following floods, cyclone, large outbreaks of infectious diseases, including COVID-19

outbreak in India. The role included but not limited to strengthening capacity of health workforce in preparedness, planning and response; performing evidence-based advocacy; monitoring response activities; strengthening disease surveillance; and coordinating with stakeholders.

Recommendations:

- GoI and NPSP should work together to build a more comprehensive roadmap of polio transition, including an accountability framework and monitoring system to track polio transition progress at all levels.
- The MoHFW, GoI should encourage state governments to fully engage in the transition process.
- The MoHFW should recruit/position a nodal person to take on selected functions that are currently supported by NPSP structure at the central level.
- The MoHFW and WCO India-NPSP should jointly develop a process of prioritizing requests to WCO India for NPSP's engagement.
- There should not be any complacency in adsorbing NPSP-supported activities.
- The MoHFW should establish a committee composed of representatives from both MoHFW, NPSP and relevant partner organizations to conduct periodic review of technical as well as financial aspects of transition.
- The MoHFW in coordination with the WCO India should ensure timely and uninterrupted flow of funds from the GoI to WCO India for NPSP transition from polio to public health.
- The MoHFW should explore options for effective integration of surveillance functions between IDSP of the NCDC and NPSP.
- The WCO India should conduct a detailed risk assessment of the transition plan and develop a risk mitigation plan.
- The WCO India should undertake a detailed transition costing exercise followed by regular updates on budget requirements, funding gaps and concrete plans to fill the gaps.
- The WCO India should establish a full-time focal person at national level who should closely review transition progress in the country and guide stakeholders given the multi-faceted complexities that exist around transition. The WCO India should undertake a workload study or analysis of SMO's time by states so as to comprehend current and future bandwidth of NPSP staff to perform non-polio function.

- The WCO India should consider establishing an internal transition oversight team at the national level.

3.2 ON-GOING RESEARCH STUDIES OF THEINSTITUTE

Following are the research studies ongoing in the academic year 2020-2021.

S. No.	Topic of the Research Study	Principal Investigator	Co-investigator
3.2.1	Evaluation of Neem Phytochemical Extract on Toxicity in Male Rats to be used in Combination with Hormones for the Development of Male Contraceptive: A Pilot Study	Dr. S. Ramachandra Rao	Dr. Rajesh Kumar
3.2.2	A Pilot Study to Screen the Male Population for Prostate Specific Antigen in Men 50 Years and Above Among Slum and Non-Slum Dwellers in Delhi	Dr. Rajesh Kumar	Dr. Sathuluri Ramachandra Rao

S. No.	Topic of the Research Study	Principal Investigator	Co-investigator
3.2.3	Impact of Behavioral Intervention Package on the Health Status of Married Abused Pregnant Women Attending Antenatal Clinic of LN Hospital, New Delhi- A Randomized Controlled Trial	Dr. Meerambika Mahaptaro	Prof. SudhaPrasad Prof. Neera Dhar
3.2.4	Evaluation of Urban Primary Health Centers (UPHCs) operational in PPP mode under NUHM in Uttarakhand State	Prof. Manish Chaturvedi	Prof. Sanjay Gupta, Dr Ramesh Chand, Dr. J.P.Shivdesani, Dr G S Karol
3.2.5	Influence of Information Education Communication Activities Related To Health and Family Welfare Programme on Behavior Change Youths in Mission Parivar Vikas Districts of Madhya Pradesh: A Pilot Study	Dr. Ankur Yadav	Prof. Mihir Kumar Mallick

3.3 COMPLETED M.D. (CHA)/DHA THESIS AND DISSERTATION

The following 08 research studies have been completed by the students pursuing the three-year duration M.D. (CHA)/DHA Course (Batch 2018-2021):

S. No.	Topic of the Thesis	Name of the Student	Name of the Supervisor
3.3.1	Assessment of School Health Services in Government Schools of Delhi	Dr. Sheetal Dadhich	Prof. Manish Chaturvedi
3.3.2	A Study of quality of life and Problems faced by people living with blindness in organizations working for the welfare and/or rehabilitation for the Blind in Delhi	Dr. Ananta Verma	Prof. Vivek S. Adhish
3.3.3	Treatment Seeking Behaviour and out of Pocket Expenditure in Infertile Couples attending A Government Infertility Clinic in Delhi	Dr. Janender Singh Negi	Dr. Renu Shahrawat
3.3.4	A Study on quality of care and out of pocket expenditure in the victims of Traumatic Orthopedic Injuries in a public Tertiary care Hospital of Delhi	Dr. Bhavesh	Prof. Vivek S. Adhish
3.3.5	A Study of Provider's Satisfaction among Nursing Professionals in the tertiary care Hospital in Delhi	Dr. Niraj Kumar	Prof. Rajni Bagga
3.3.6	A Study to assess the functioning of Blood transfusion services in public health facilities in Delhi (Theses not submitted)	Dr. Pooja Singh	Prof. Sanjay Gupta
3.3.7	Study on Implementation of Mission Indradhanush in a District of Haryana	Dr. Ajit Priyam Agarwal	Prof. V. K. Tiwari
3.3.8	Study of Health Seeking Behaviour among adults (30-60 years) of urban slums for major Non-Communicable Disease in Delhi	Dr. Ravi Kumar	Prof. Manish Chaturvedi

3.4 On-going Thesis Work by MD (CHA)/DHA Students

Following are the 09ongoing thesis work by M.D.(CHA)/DHA students (Batch 2019-2022).

S. No.	Topic of the Thesis	Name of the Student	Name of the Supervisor
3.4.1	Study of Utilization of National Health Mission (NHM) funds in RMNCH+A in a district in Haryana state.	Dr. Ruchi Gaylong	Prof. V. K. Tiwari
3.4.2	Assessment of Ayushman Bharat Pradhan Mantri Jan Arogya Yojana in a tertiary care hospital in Delhi.	Dr. Shyam Sunder Durgam	Prof. Sanjay Gupta
3.4.3	An appraisal of Mohalla Clinics in Urban Health Care Services delivery in Delhi.	Dr. Gaurav Jha	Prof. Manish Chaturvedi
3.4.4	An appraisal of heamovigilance program in relation to blood safety operating in the blood bank of a tertiary care hospitals.	Dr. Ishant Kumar	Prof. J. K. Das (Supervisor) Prof. Manish Chaturvedi (Co-supervisor)
3.4.5	A study of perception of practitioners and patients on allopathic and ayurvedic treatment for type -2 diabetes in Delhi.	Dr. Rupesh Gupta	Prof. Sanjay Gupta
3.4.6	Work Violence at tertiary Care hospitals and its impact on the well-being of health care professionals	Dr. Manoj Kumar	Prof. Rajni Bagga
3.4.7	The left-over Medicine disposal practices at household level among urban population Delhi, India: A Cross sectional study.	Dr. Pooja Garg	Dr. Renu Shahrawat
3.4.8	Preventive and early detection of hypertension a many the adult population in urban slum resettlement colony in Delhi: An analytical study.	Dr. Dipayan Banerjee (DHA)	Prof. P. Swain
3.4.9	Prevalence of substance abuse amongst the students in a medical college of Delhi (Theses not submitted)	Dr. Arun Kumar (DHA)	Prof. Poonam Khattar

3.5 On-going Thesis Work by MD (CHA/DHA)Students

Following are the 11ongoing thesis work by MD (CHA)/DHA students (Batch2020-2023).

S. No.	Topic of the Thesis	Name of the Student	Name of the Supervisor
3.5.1	A Study on Out of Pocket Expenditure in Patients admitted under PMJAY in a Tertiary Care Hospital in Delhi.	Dr. Sivarchaka Omkar	Prof. Manish Chaturvedi
3.5.2	m Health Platform ANMOL: Usability & implementation in a District of Delhi/NCR.	Dr. Abhishek Dixit	Prof. Manish Chaturvedi
3.5.3	Study on Effect of COVID-19 Pandemic on Intrapartum Care Utilization by Pregnant Women in Urban Slums of Delhi.	Dr. Athira K.R.	Dr. Renu Shahrawat
3.5.4	Evaluation of POSHAN Abhiyaan in Selected Districts of Delhi.	Dr. Chirag Gupta	Prof. Sanjay Gupta

S. No.	Topic of the Thesis	Name of the Student	Name of the Supervisor
3.5.5	Post-Introduction Evaluation (PIE) of COVID-19 Vaccination in Delhi	Dr. Kanchan	Prof. V.K. Tiwari
3.5.6	Study of Implementation of National Organ Transplant Programme (NOTP) at Tertiary Care Hospitals in Delhi.	Dr. Prashant Bhardwaj	Prof. Sanjay Gupta
3.5.7	Assessment of DISHA (Delhi Initiative for Safeguarding Health of Adolescents) Clinics Under Rashtriya Kishor Swasthya Karyakram in Delhi.	Dr. Rajan	Prof. V.K. Tiwari
3.5.8	Current status of Medical Value Travel in Join Commission International (JCI) Accredited Hospitals in NCT of Delhi.	Dr. Vineet Gautam	Prof. Sanjay Gupta
3.5.9	Mental health among healthcare personnel involved in management COVID-19 patient in Delhi	Dr. Varsha(DHA)	Dr. Meerambika Mahapatro
3.5.10	Tobacco control and development since onset of Covid-19 in India: Review of Literature	Dr. Ankur (DHA)	Prof. Poonam Khattar
3.5.11	A Study of Risk Factors Associated with non-Communicable Diseases among Indian Youth	Dr. Sunny Sehgal (DHA)	Prof. Pushpanjali Swain

3.6 On-going Thesis Work by PGDPHM Students

Following are the 06ongoing Dissertation work by PGDPHM students **(**Batch2020-2021).

S. No.	Topic of the Thesis	Name of the Student	Name of the Supervisor
3.6.1	Assessment of Knowledge perception attitude of adopting Telemedicine in a tertiary healthcare hospital of New Delhi	Dr. Anju Mohan	Dr. Dharmender Kumar Yadav
3.6.2	Healthy Ageing among Senior Citizens in Delhi: Influence of Lifestyle Pattern and Disease Prevalence	Dr. PriyaRedhu	Prof. Mihir K. Mallick
3.6.3	Covid-19 and Its Impact on Education, Social life and routine lifestyle of primary school Children(6-11 years) Delhi, India	Dr. Priya Aggarwal	Prof. Nanthini Subbaih
3.6.4	A Study on Knowledge and Practice regarding Biomedical Waste Management among Staff in Mohalla clinics, Delhi	Dr. Abha Sindhwal	Dr. Ramachandra Rao Sathuluri
3.6.5	An Assessment on Risk Factors of NCDs among School Going Adolescent in Gurugram District of Haryana	Dr. Kanchan Singh	Dr. Rajesh Kumar
3.6.6	An assessment of Online Teaching on Physical and Psychological Health of School Teachers During Covid-19 Pandemic in Maharashtra	Dr. Madhura Shirsat	Dr. Ankur Yadav

The NIHFW manages the various activities of many specialized projects like National Cold-Chain and Vaccine Management Resource Centre, National Skills Lab (*DAKSH*), Centre for Health Informatics, Mother and Child Tracking Facilitation Centre, National Technical Advisory Group on Immunization (NTAGI) Project, etc.

4.0 SPECIALISED PROJECTS AND CONSORTIUMACTIVITIES

4.0 SPECIALISED PROJECTS AND CONSORTIUMACTIVITIES

4.1 National Cold-Chain and Vaccine Management Resource Centre (NCCVMRC)

NCCVMRC is an apex resource centre for Government of India, established in 2013 as a joint initiative by the NIHFW, MoHFW and UNICEF, with the objective to facilitate the establishment of high quality, effective and efficient immunization supply chain (ISC) to ensure universal immunization coverage with safe and potent vaccines. In the FY 2020-21, NCCVMRC conducted a host of activities, despite the ongoing COVID pandemic.

NCCVMRC conducted a number of virtual workshops for capacity building of health workforce in India, including virtual Training on Repair and Maintenance of ILR-DF and VS (1 batch), Training on T-VaCC (1 batch), VCCH (Vaccine & Cold chain Management) training for Jharkhand State, National ToT on Operational Guidelines for Roll-out of COVID-19 vaccination campaign, Virtual NCCMIS & Supportive Supervision (RI, Cold Chain and COVID-19 session site monitoring) Review and Re-orientation workshop (17 States/UTs), and 4 Technical Secretariat Development Group (TSDG) meetings.

NCCVMRC conducted and participated in many research activities like Training Needs Assessment of VCCH, a research study on effectiveness and challenges with virtual trainings, Assessing the KAP towards COVID-19 among Indians, Psychological impact of COVID-19 pandemic in India, and Lifespan analysis of Electrical Cold Chain Equipment in India. NCCVMRC was entrusted with the responsibility of calculating the cold chain storage space availability in India before launching the COVID-19 vaccination campaign. NCCVMRC also recognized through several National and International publications last year in different domains of Immunization supply chain (details in website, **http://nccmis.org/Publications**) NCCVMRC also represented at the National Conference of Epidemiology Foundation of India (EFICON 2020) via a Plenary session and an oral paper presentation. NCCVMRC carried out virtual data cleaning exercise of 3 states and developed mobile application for COVID Session site monitoring.

NCCVMRC also played a pivotal role in supporting MoHFW for COVID-19 vaccine introduction in India by undertaking activities including Formulation of Operational Guidelines, designing training materials, conducting National & International trainings for Vaccination roll-out, establishing SOPs for new equipment (such as Godrej Front Opening ILR) procured under UIP, providing technical support to GMSD Kolkata, GMSD Karnal & Bihar state regarding repair & maintenance of WICs & WIFs, analysis of logistics to be used for vaccination campaign, developing revised Immunization waste Management guidelines and preparing new CCE procurement and distribution plan.

4.2 Centre for Health Informatics (CHI) for National Health Portal (NHP)

The Center for Health Informatics (CHI) has initiated and achieved various milestones to transform Healthcare to a digitally enabled continuum of Healthcare. Various key initiatives and achievements during April 2020-March 2021 are listed below:

National Cold Chain & Vaccine Management Resource Centre

The Centre for Health Informatics has implemented population based screening of NCD (non-communicable diseases) Ayushman Bharat Comprehensive Primary Healthcare program. CHI has provided analytical and monitoring tools to various divisions of MoHFW which help them to monitor their program through visualization and backed by relevant data. CHI has also developed various monitoring tools for Blindness Program, Budget division, rare diseases, Elderly care, IDSP and others. CHI has developed and maintained a portal SUMAN (https://suman.nhp.gov.in/) for monitoring of programmes by the various levels of officials and providing information to beneficiaries was launched on 10th October, 2019. CHI has developed and maintained the National Health Policy-2017 Dashboard, to track the progress and action taken to achieve the aims of NHP. CHI has developed and hosted a portal Health and Wellness Centers for monitoring the progress of the programme. 59714 HWCs has been created till 15 February 2021.Mera Aspataal programme was launched on Nov 2016 to capture patient feedback for the services received at the hospital to take appropriate decisions for enhancing the quality of healthcare delivery across public facilities. Till 15 February 2021, 7400 Hospitals have enrolled thisapplication. CHI is developing IT mechanism to monitor the implementation of Pradhan Mantri National Dialysis Programme (PMNDP). Currently, CHI has developed and maintaining the COVID-19 web platform for the MoHFW to analyse, understand and keep track on COVID situation and response across the country through data collection. With features like patient analysis, containment zone analysis, case and infrastructure analysis, surveillance, dashboards, testing kits procurement, reports and SMS integration, it is a real time web platform.

4.3 National Skills Lab–DAKSH

Daksh- National Skills Lab staff training Programmee

National Skills lab - DAKSH at NIHFW was established on 9 March 2015 by Government of India in collaboration with LSTM, UK and the Maternal Health Division of MOHFW to upgrade the skills of health care providers such as ANMs/LHVs/SNs/MOs/nursing supervisors and faculty/obstetricians working at delivery points for providing quality RMNCH+A services.

Skills Lab serves as a prototype demonstration and learning facility for healthcare providers and focuses on competency based training. Skills Lab provides the opportunity for repetitive skills practice, simulation of clinical scenarios and training under the supervision of qualified trainers. The Skills lab comprises of 4 skill stations and 1 Labour room where the trainees learn 35 basic skills in 6 days of training through practicing skills on mannequins, simulation Exercises, demonstrations, role plays, videos and Presentations. Areas in which training is imparted are Antenatal, Intra-natal, Postnatal & Newborn care, Family Planning, Infection Prevention, Management of Complications, Adolescent Counseling and other RMNCH + A Services.

Total 861 health care professionals have been trained since its inception till 31st March 2021. Out of this 30 participants got trained in 2 batches during the year under review. (Daksh Training: one batch with 03 participants and Dakshata Training: one batch with 27 participants).

Daksh- National Skills Lab staff training

4.4 National Technical Advisory Group on Immunization (NTAGI)Project

The National Technical Advisory Group on Immunization (NTAGI) was established by an order of the Ministry of Health and Family Welfare (MoHFW) in 2001. As India's apex advisory body on immunization, the NTAGI provides guidance and advice to the MoHFW on provision of vaccination and immunization services for the effective control of vaccine preventable diseases in the country. It is chaired by Secretary Health, MoHFW and Co-chaired by Secretary, Department of Biotechnology and Secretary, Department of Health Research. The NTAGI includes a Standing Technical Sub-Committee (STSC). The STSC, consisting of independent members, is tasked with undertaking technical review of scientific evidence on matters related to immunization policy and programmes. Final recommendations are drafted by the NTAGI taking into account the scientific review by the STSC and any other relevant evidence.

NTAGI Secretariat: The NTAGI Secretariat was established in 2013, to provide techno-managerial support to NTAGI and STSC and its working groups. In NIHFW, Secretariat resumed its functioning since May, 2017. The NTAGI Secretariat is responsible for organizing NTAGI and four STSC meetings in a year.

The following major activities were facilitated by the NTAGI Secretariat in 2020-21:

- One NTAGI meeting: held on December 10, 2020.
- Four STSC meetings: held on June 26, October 8, November 24, 2020 and January 11, 2021.
- Two meetings of Standing Working Group (SWG) on Vaccine Preventable Disease Surveillance: held on July 14, and November 10, 2020.
- Four meetings of SWG-Immunization and Vaccine Research and Capacity Building: held on March 12, December 16, 2020, January 22, 2021 and February 01, 2021.
- Fifteen meetings of COVID-19 Working Group: held on August 24, September 18, September 28, October 01, October 03, October 06, October 20, November 02, November 16, November 20, December 8, December 16, 2020, January 13, 2021, February 05, 2021, February 17, 2021.
- One meeting of Cholera Working Group: held on March 12, 2020.
- One meeting of Influenza Working Group: held on August 07, 2020.
- Two meetings of Maternal Immunization Subgroup: held on August 07, 2020 and January 13, 2021.
- One meeting of Vaccine Confidence Subgroup: convened on September 03, 2020.
- One meeting of Cost Effectiveness Analysis Working Group: held on October 05, 2020.
- Two meetings of Japanese Encephalitis Working Group: December 09, 2020 and 15 January, 2021.

4.5 Capacity Building in Public Health Emergencies and Hospital Preparedness for Health Emergency (CB-PHEM Project)

Capacity Building in Public Health Emergency & Hospital Preparedness for Health Emergencies" project was assigned to NIHFW by EMR Division, Ministry of Health and Family Welfare Govt. of India. The aim of the project was to make the health care institutions disaster resilient by a holistic, proactive, and technology driven strategy so as to minimize the morbidity and mortality due to disaster by strengthening public health emergencies across the country. Two types of training programmes are being designed with the support of experts i.e. six days of training programme to enhance the knowledge and skills of the Senior Hospital Administrators (SHA) in the area of Hospital Preparedness and twelve days training programme for District Health Officers (DHO) in the area of management of public health emergencies. Hence, to achieve the target NIHFW has collaborated with 8 Partner Institutes (PI) each for SHA and DHO for imparting cascade training programme for both the courses.

- Course material developed and 222 Senior Hospital Administrators have been trained in Hospital preparedness for public health emergencies through a network of 8 participating centers.

- Course material developed and 262 District Health Officers trained in District preparedness for public health emergencies through a network of 8 participating centers.

4.6 Capacity building of the Staff of States/UT's in National Tobacco Control Programme

4.6.1 Training of Trainers

Online Trainings of Trainers for the remaining participants under the National Tobacco Control Programme in collaboration with the MoHFW.

Six Training of Trainers (ToTs) have been successfully conducted and a total of 164 out of 204 participants were trained in various aspects of Tobacco Control by Experts and Resource Persons. 40 participants could not attend the ToT due to various constraints. Therefore, the MoHFW proposed to conduct one Additional Training from 13-17 April 2020 for the remaining participants. The MoHFW vide letter dated 10 Feb. 2020 gave approval to conduct an additional training for the remaining participants. Due to COVID 19 crisis, the additional training could not be conducted. In view of this, an online training was suggested by MoHFW. The NIHFW submitted the proposal for the remaining amount from the budget released so far.

4.7 Mother and Child Tracking Facilitation Centre (MCTFC)

The Mother and Child tracking Facilitation centre has been set up at National Institute of Health and Family Welfare (NIHFW) and it went live on 29th April,2014. It is a major step taken by the Government of India under the National Health Mission in improving the maternal and child health care services.

Mother and Child Tracking Facilitation Centre was envisaged to support MCTS/RCH in improving its data quality. MCTFC is expected to call beneficiaries (Pregnant women and children) registered in MCTS/RCH and validate their records.

4.7.1 Infrastructure at MCTFC

State-of-art call centre has been established at NIHFW campus with seating capacity of 86 Helpdesk Agents and other managerial staff. MCTFC has a central server room for hosting servers, network and telecom equipment and application.

4.7.2 MCTFC Application

Based on the interaction with beneficiaries and health workers, reporting system of MCTFC provides performance reports that are feed back to MoHFW. Some Key Performance Indicators (KPIs) are identified from these reports and the performance of States is assessed based on these KPIs. Accordingly, States take necessary corrective action to improve their performance indicators.

4.7.3 Operationalization of MCTFC

MCTFC Employees Interacting with the Community in the Facility

The agents are responsible for making outbound calls and answering calls of beneficiaries and health workers every day except on national holidays. In addition, there are 2 doctors who respond to the specific queries of beneficiaries and health workers and provide non-clinical advice to them.

5.0 SPECIALISED SERVICES

NIHFW is conducting many specialized services in the field of health and family welfare like MCH and management of Infertility, Adolescent and Youth health, Menopausal health, Clinical Laboratory Services, National Documentation Centre Services, Press Unit, Audio- Visual Services, Computer Centre Services etc.

5.0 SPECIALISEDSERVICES

5.1 NIHFW Clinic

Patients Registration at Reception of NIHFW Clinic

The NIHFW Clinic provides Clinical services, the services include management of infertility, management of reproductive endocrinological and gynecological disorders, antenatal care, immunization of antenatal patients, infants & children and contraceptive services. In the afternoon, adolescent & youth and well-women clinic are also run. Registration is free for all the patients. The services are provided free of any charge to the poor patients including the laboratory services. For rest of the patients, user charges are applicable as per the Institute's norms. The Clinic also has an in-house pharmacy to dispense free medicines to the poor patients. The patients are registered as a couple for the management of infertility on the first visit. All subsequent follow-up consultations are scheduled with the same doctor, which ensures the continuum of care and builds-up the doctor-patient relationship. Most of the laboratory investigations are available in-house and the laboratory services form the backbone of preventive and curative aspects of health care services. Out-patient medical records are maintained in the record room for every patient and are retrieved whenever the patients visit for further consultations. All the in-house laboratory reports get filed in the respective case record files of the patients so as to minimize the hassle of report-collection by the patient. The details of the services being provided are as follows:

Patients Registration at Reception of NIHFW Clinic

I. Clinical Services

Morning Clinics (9.00 am - 1:00 pm):

- Antenatal Services (screening, problem identification and appropriate action including referral)
- Immunization as per National Immunization Schedule including Pulse Polio Immunization (PPI)
- Contraceptive services
- Management of infertile couples
- Management of reproductive endocrinological and gynaecological disorders

Afternoon Clinic (2:00 pm - 4:00 pm):

- Adolescent and Youth Clinic (10 years - 24 years of age)
- Well-Women Clinic (35 years - 60 years of age)

Specialized procedure

- Intrauterine insemination

Supportive diagnostic services

Laboratory Services

- Routine Blood and Urine Tests
- Selected Serological Tests
- Semen Analysis
- Blood Bio-Chemistry
- Hormonal Assay
- Sperm Function Tests
- Histopathology- EB tissue & FNAC and Pap smear

Radiological Services

- X-Ray
- Hysterosalpingography
- Ultrasonography*
  -Follicular monitoring
  -Any pelvic pathology
  -Early Pregnancy

Minor OT Services

- Endometrial Biopsy
- Testicular FNAC

*Presently not functioning

An account of these services for the financial year 2020-21 is given below:

	New Case	Follow-up cases	
Infertility	424 couples	Female	Male
		1920	1338
Reproductive Endocrinology Gynae	363	395	
ANC	89	137	
Adolescents	Female - 28 Male-0	Female - 18	Male-0
Well-Women Clinic	08	05	
Staff General	Female - 02 Male-7	Female - 01	Male-7
General	Female - 77 Male-180	Female - 118	Male-175
Children (immunization only)	Female - 85 Male-92	Female - 176	Male-207

Laboratory Facilities

Routine Blood and Urine Tests (Hb, TLC, DLC, ESR, Urine R/E, Urine M/E)	1506
Serological Tests (VDRL, Blood Group)	1230
Semen Analysis	1385
Blood Bio-Chemistry (Blood Sugar, LFT, KFT, GTT, Lipid Profile, GCT)	938
Hormonal Assay (Prolactin, Insulin, LH, FSH, TSH, Testosterone, T3, T4, E2)	1131
Sperm Morphology	72
GCM	52
Semen biochemistry (GPC, Fructose, Acid phosphatase)	60
Sperm mucous penetration test	19
IUI Sample Preparation	30
Pregnancy Test	238
Post Coital Test	713

Radiological Services

X-Ray	18
Hysterosalpingography	01

Minor OT Services

Endometrial Biopsy	21
Specialized procedure: IUI (Intrauterine Insemination)	30

Contraceptive services

Cu-T insertion	07
Oral contraceptive beneficiaries	296
Condom distribution	2300

Laboratory of the NIHFW Clinic

Amidst COVID-19 pandemic, OPD services were closed during nation-wide lockdown from 27.03.2020 onwards. The services were resumed from 20.05.2020 onwards undertaking all the safety measures.

II. COVID-19 Vaccination Centre

COVID-19 vaccination centre at the NIHFW Clinic was started w.e.f. 15th March 2021 in collaboration with Delhi Government and approximately 150-160 beneficiaries avail the services on a daily basis.

COVID-19 vaccination at the NIHFW Clinic

5.2 Press Unit

The reprography and printing of research, training, consultancy and administrative activities of the Institute are done by the Press Unit. The background documents (modules and blocks) for the Diploma Course in Health and Family Welfare Management, Hospital Management, Health Promotion, Health Communication, Applied Epidemiology and Public Health Nutrition through Distance Learning were reproduced during the year under review. The background and introductory documents for various training courses, survey schedules, and other forms for administrative purpose were also reproduced.

5.2.1 Printing and Publication Services

The Institute prints and publishes various publications every year as a part of its continuing education programme. Some of the important publications were:

- Multi-colour brochures for various training programmes
- Modules /Blocks of DLC
- Annual Report of the Institute
- Annual Accounts of the Institute
- Programme Advisory Committee (PAC)Document
- Stock verification reports of all departments, NIHFW
- Jan Swasthya Dhaarna
- A Hand Book for the newly recruited CHS Medical Officers
- NIHFW Newsletters
- The Journal: Health and Population-Perspective and Issues
- Training Modules of NTCP

5.2.2 Health and Population: Perspectives and Issues

The Institute has been publishing its ISSN-numbered multi-disciplinary quarterly Journal, Health and Population: Perspectives and Issues regularly since 1978. With a wide circulation both at the national as well as international-level, it includes articles of scientific and educational interest in the areas of health services, family welfare, population, hospital administration, health-economics, health-communication, population, social sciences and other allied disciplines. The Journal is indexed in IndMED, NIC, New Delhi and Google Scholar.
The abstracts of papers published in the Journal are also available at the Institute's web-site:www.nihfw.org; while the full papers are available on MedInd, NIC, New Delhi(http://medind.nic.in/index.html).

5.3 Audio-Visual Services

Art, photographic and projection services were provided by the Institute for various activities in the year under report.

5.4. National Documentation Centre(NDC)

The library facilities available at NDC are probably one of the best in India in this field. Over a period of two decades, the NDC has developed a well-balanced and up-to-date collection of over 62000 documents including books, periodicals, technical reports, annual reports, statistical

reports, conference proceedings, UN publications, modules, and non-book materials and special collection in the field of health, population and family welfare and allied areas carrying worldwide information.

5.4.1 The National Documentation Centre is a member of the following online services:

NDC is an active member of NML-ERMED India Consortium to provide free electronic journals access of 258 journals on
http://www.nihfw.org / ERMED_Consorsium_Journals. html.

5.4.2 The National Documentation Centre has completed following activities and accessible through the linkhttp://www.nihfw.org/WNDC.aspx.

- Database of post-graduate research in MD (PSM), MD (CHA), MHA etc.
- Union catalogue of non-print material available in Health Science Libraries in Delhi.
- Compendium of Reports/Documents in Health and Family Welfare.
- Digitization project has completed its first phase. Most of the rare and important publications like Committee Reports, Technical Reports, HPPI journals and NIHFW Publications etc. have been digitized.

5.4.3 The National Documentation Centre has also been providing following online services:

- Online Public Access Catalogue (OPAC)
- e-Health news press clipping (Hindi and English)
- Health News Repositories (English and Hindi)
- Committee/ Commission report on health
- Health & family welfare abstract
- Health and Population: Perspectives and Issues Journal
- List of Edition

In addition to the above, through Web OPAC, bibliographical details of all publications/ documents are accessible at the link- http://14.1393.63.242/. NDC has been conducting a training course on IT Application for Information Management in Health Science Libraries since 1999. NDC is planning to set up a Public Health Libraries Consortium (P-HELICON) for the purpose of sharing and dissemination of information to the organizations and individuals involved in the field of population, Health & Family Welfare and other activities such as Digitization of Thesis/ desertion, Installation of RFID System and to make a Cyber Lab for users.

5.5 Computer Centre Facility

The institute has provided computer and internet access to all its faculty, students, research and administrative staff through Campus Wide Area Network. The whole network is connected with five servers hosted in the Computer Centre, connecting 400 nodes in the institute through a 1 GB bandwidth connectivity provided by National Knowledge Network (NKN).

The Computer Centre is actively engaged in data analysis, programming and computer assisted learning. The Computer Centre has two computer labs for teaching/ training purposes and for

the use of students. The Biometric Attendance Monitoring System has been installed in the Institute and is accessible to all the staff and students. The Institute has its own dynamic website www.nihfw.organd e-mail facilities for the officials.

The Computer Centre has a state of the art video-conferencing facility that is used for e- learning and meetings. It has got a specially designed sound proof room, enterprise class Polycom Video Conferencing equipment and high bandwidth internet line. The Conferencing room can accommodate up to 20 participants.

6.0 Consultancy and Advisory Services

The Director and faculty members of the Institute provide advisory and consultancy services to various national, international and voluntary organizations in various capacities.

6.0 ACTIVITIES OF THE DIRECTOR, FACULTY AND OTHER OFFICIALS

6.1 Meetings/Conference/ Workshop Attended

Sl. No	Title of workshop / Seminar/ Meeting	Date/ Duration	Place
Prof. Harshad P. Thakur			
1.	18th Executive Committee meeting of National Health Systems Resource Center (NHSRC)	20th May, 2020	New Delhi
2.	14th Governing Board Meeting of IIHMR, New Delhi	26th May, 2020	New Delhi
3.	Meeting of Technical Advisory Committee (TAC) for NFHS-5 through Video Conferencing (VC) to discuss and finalize the Chapter and Table plan for National/State Reports	12th June, 2020	New Delhi
4.	First Sectional Meeting of SSD 05 'Health, Fitness & Sports Services sectional committee	02nd July, 2020	New Delhi
5.	IIPHD – Indian Institute of Public Health Delhi Advisory Council	09th July, 2020	New Delhi
7.	The first meeting of the Advisory Council of DSPH (Delhi School of Public Health), DU	18th July, 2020	New Delhi
8.	16th Governing Body meeting of National Health Systems Resource Centre.(NHSRC)	22nd July, 2020	New Delhi
9.	Chief Guest, Virtual Fresher's Inaugural Ceremony of IIHMR, New Delhi	10th August, 2020	New Delhi
10.	Meeting of the TAC of NFHS-5 on through VC to discuss modified protocols for effective implementation of survey work in the remaining districts of Phase-II States/UTs under current COVID situation, reg	08th August, 2020	New Delhi
11.	3rd Meeting of National Task Force on SDG under the chair of Secretary HFW	28th October, 2020	New Delhi
12.	General Body Meeting of CSD (Online)	22nd December, 2020	New Delhi
13.	Meeting regarding Core committee and Working Group on National Health Research Policy (NHRP)	14th January, 2021	New Delhi
14.	The General Council Meeting of IIPS (International Institute of Population Sciences), Mumbai	02nd March,2021	New Delhi
15.	19th Executive Committee Meeting of National Health Systems Resource Centre (NHSRC)	11th March, 2021	New Delhi
16.	Second meeting of Health, Sports and Fitness Sectional Committee, SSD 05	18th March, 2021	New Delhi
17.	National Consultation on Post Graduate Diploma In Hospital Management by National Institute of Public Health, Training and Research (NIPHTR), Mumbai on virtual platform	24th March, 2021	New Delhi

Sl. No	Title of workshop / Seminar/ Meeting	Date/ Duration	Place
Prof. Manish Chatutrvedi			
1.	Participated as an expert in core committee for preparing National Modules on Hospital Safety as per NDMA guidelines designed by IIM Ahmedabad	13th August 2020	IIM Ahmedabad
2	Participated in the virtual meeting to review the population norms of public health facilities as per IPHS under the Chairperson of JS Policy	17th Feb 2021	MOHFW
3.	Participated as an expert in MCQs writing workshop organised by National Board of Examination	11th March 2021	TajVivanta, Dwarka, Delhi
4.	Served as Member Institutional Ethics Committee (Sub-Committee) for ethical clearance of Thesis Protocol submitted by MD (CHA) students	29th December, 2020	NIHFW
Dr. S. Ramachandra Rao			
1.	Meeting with Dr.M.M.Dinker at Madan Mohan Malviya Hospital for developing Public Health Laboratory at NIHFW	21st May, 2020	Malviya Nagar, New Delhi
2.	"Basic series" of the Web of Science Training & Certification program 2020 organized by Web of Science, powered by Clarivate	18th, 20th& 25th August, 2020	Online
3.	Advanced Series" of the Web of Science training & Certification program 2020 organized by Web of Science, powered by Clarivate	8th, 10th ,& 15thSeptember, 2020	Online
4.	Virtual Symposium on Human Resources for Health: Optimizing the Health Workforce for Accelerating the Universal health coverage in India	3rd& 4th December, 2020	Online
5.	3rd India Droplet digital PCR Symposium organized by BioRad	8-10 December, 2020	Online
Dr.Rajesh Kumar			
1.	Participation in the Virtual International Conference ISSRF-2021	19th to 21st February, 2021	
2.	Meeting with Ms. Arti Ahuja, AS(H) and Chairperson, Committee for drafting an overarching law for all diseases including Hepatitis/TB etc on 8.2.21 and 26.2.21 in room no. 256-A Nirman Bhawan MoHFW	08& 26 February, 2021	Nirman Bhawan, MoHFW
Dr. Monika Saini			
1.	India International Science Festival 2020 (Conclave)	22-25 December,2020	Virtual Platform (Organized by Ministry of Science and Technology, MoHFW& CSIR)
2.	Health Care Management of Elderly in India and Key Findings of LASI Report (Webinar)	18thMarch 2021	Virtual Platform (NIHFW)

Sl. No	Title of workshop / Seminar/ Meeting	Date/ Duration	Place
3.	Qualitative Analysis with NVivo	24-25 April,2021	Virtual Platform (Organized by Commacad Education Technologies)
Dr. Dharmendra Kr. Yadav			
1.	International webinar on Statistical Modeling and Population Science	11 July 2020	Online (BHU)
2.	National Webinar on Challenges and Opportunities in COVID Scenario	05 June, 2020	Online (Jai Narayn P.G.College, Lucknow)
3.	Two Days International Online Conference on Applications of Statistics in Science, Social Sciences, Humanities, Commerce and Management (IOCAS) -2020	29-30 June, 2020	Dept of Statistics, KC College, Mumbai, India
4.	Virtual Global Symposium on "Human Resources for Health: Optimizing the Health Workforce for Accelerating the Universal Health Coverage in India"	03-04 December 2020	Online (NIHFW, New Delhi)
5.	38th Annual Conference of Indian Society for Medical Statistics (ISMSCON-2020)	10-12 December, 2020	Online
6.	Health Research Conclave at India International Science Festival-2020	22-25 December 2020	Online
7.	NCAVES India Forum 2021	14-28 January 2021	
Dr. Sherin Raj T.P			
1.	Attended the 41st IASP Annual Conference, organized jointly with The National Institute of Health and Family Welfare, and presented a paper on "Perspectives of AY-USH services for National Programme for Prevention and Control of Cancer, Diabetes, Cardiovascular Diseases and Stroke (NPCDCS) in Selected States in India".	28-30November, 2020	NIHFW, New Delhi

6.2 Awards/Achievements

Sl. No.	Title of Award	Date / Duration	Place
Dr. Meerambika Mahapatro			
1.	Appointed as Associate Editorial Advisory Committee of Indian Anthropology Association	2020 onwards	University of Delhi
Dr. S. Ramachandra Rao			
1.	Appointed as "Review Editor" of Editorial Board of Frontiers in Electrochemical Sensors" (especially Frontiers in Sensors)	May 23 2020 onwards	Switzerland
2.	Section Editor of Biological Chemistry of "Journal of the Indonesian Chemical Society" (JICS) International Journal	Up to December 2022	Indonesia

3.	11th Aegis Graham Bell Awards, 2nd Jury Round	February 5, 2021	New Delhi (virtual)
Dr. Dharmendra Kr. Yadav			
1.	Research Excellence Award-2020	2020-21	Institute of Scholars (InSc), Bangalore, India
Mr. Subhash Chand			
1.	Best Worker for Research	2020-2021	NIHFW

6.3 Examinership

Sl. No.	Name of the exam.	Date / Duration	Place
Prof. V. K. Tiwari			
1.	Evaluation of Ph.D. Topic "Epidemiology of High and very High Blood Glucose levels in the Southern States of India: Exploration of risk factors"	23.11.2020	SGPGI Luc-know
2.	Evaluation of Ph.D. Topic "Bio-demographic Aspects of Post-partum Amedorrhoea Period and its Implication on Fertility",	2020	Dept. of Biostatistics and Health Informatics, SGPGIMS, Lucknow
3.	Evaluated Ph. D. Thesis on the topic "Mid-day Meal Scheme and Nutritional Status of Primary and Upper Primary School Children in Jaunpur District, Uttar Pradesh	4.5.2020	IIPS, Mumbai,
4.	Evaluation of Ph.D. Topic Out-of-pocket Expenditure in Public Health Care Facilities in Manipur"	2020	Jawaharlal Nehru University, New Delhi
5.	Vivva-voce on "Fertility Transition in Madhya Pradesh: role of Socio-Economic Development process".	17/7/ 2020	
Prof. Manish Chatutrvedi			
1.	Served as External Examiner for PhD of Mrs Maumita Kanjilal at Santosh University titled" Musculoskeletal symptoms and their Impact On Physical Psychological Health In Adolescent School Children."	11th January 2021	Santosh University
2.	Served as External Examiner for Dissertation Evaluation of MPH student Ms SakshiSupheia, Batch 2019	2019 batch	AIIMS Rishikesh
3.	Served as external examiner for MD final examination community medicine	15th to 16th July,	SNMC, Agra
Prof. M.K. Mallick			
1.	Diploma in Health Promotion Education (DHPE)	18.12.2020	National Institute of Public Health and Research, Mumbai

Dr. S. Ramachandra Rao			
1.	Served as External Examiner of PGDPHM Students at IIPH-H Bengaluru campus	October 12-13, 2020	IIPH- H Bangalore (online)

6.4 Activities undertaken as an Expert

Sl. No.	Title of workshop / Seminar/ Meeting	Date / Duration	Place
Prof. Harshad P. Thakur			
1.	COVID's Epidemiology and control strategies" (Webinar) organized by Democratic Secular Students' Forum, TISS	15th May 2020	Tata Institute of Social Sciences (TISS),Mumbai
2.	Amplifying Evidence-Based Messaging Around Public Health Interventions (Webinar) organized by Translational Health Science And Technology Institute (THSTI), in partnership with International Vaccine Access Center (IVAC), Johns Hopkins School of Public Health, and Global Health Strategies (GHS)	28th May 2020	Translational Health Science And Technology Institute (THSTI), Faridabad
Dr. Pushpanjali Swain			
1.	HIV Sentinel Surveillance, 17th round visit to Gujarat	14th - 20th Feb 2020	Gujarat
Dr. Meerambika Mahapatro			
1.	National Training Programme on "social disparity in general difference in access to health care facilities	11th May to 15th May, 2020	(ICED), Jaipur
2.	Webinar on Stigma around COVID-19 and public health	30 July 2020.	ESCI, New Delhi
Prof. Manish Chaturvedi			
1.	Prepared the competency based MD CHA curriculum for Delhi University	January to June 2020	
2.	Participated in COVID Pandemic as Team Lead for Lucknow, UP under Deployment of Central Public Health Team for assisting state health departments for COVID management	9th to 23rd May 2020	EMR-DGHS-MOHFW
3.	Online Interview For Recruitment Of Contractual Manpower under NRCP	7th September 2020	NCDC from NIHFW
Dr. S. Ramachandra Rao			
1.	1st Roundtable on "Promotion of R&D Service Exports" 19th January 2021 organized by principal Scientific Adviser & Department of Commerce FIEO	January 19, 2021	New Delhi (virtual)
2.	External assessment of Tertiary care Hospitals under Kayakalp Award Scheme	March 23-26, 2021	AIIMS, New Delhi
3.	External assessment of Tertiary care Hospitals under Kayakalp Award Scheme	March 31 to April 2 2021	AIIMS Bhopal
4.	External assessment of Tertiary care Hospitals under Kayakalp Award Scheme	April 7-9, 2021	NIMHANS Bangalore
5.	External assessment of Tertiary care Hospitals under Kayakalp Award Scheme	April 16-18, 2021	CNCI-Kolkata

Dr. Rajesh Kumar			
1.	Expert Committee Member for Development of ToT training Module-6 Laboratory Strengthening Component under IDSP for State/District Surveillance Officers, State RRTs and Nodal Officers from Medical Colleges with NCDC.	October 2020	NCDC, Delhi
Dr. Dharmendra Kr. Yadav			
1.	External Expert for the Walk in Interview for the Post of Lead Consultant- Maternal Health and Lead Consultant-Maternal Health (M & HSS)	19th February, 2020	NHSRC, New Delhi

6.5 Paper Presentations/Book Written

Sl. No.	Title of workshop / Seminar/	Date / Duration	Place
Dr. Sherin Raj T.P &Prof. V.K.Tiwari			
1.	Attended the 41st IASP Annual Conference, organized jointly with The National Institute of Health and Family Welfare , as the General Secretary of Indian Association for Study of Population (IASP), and also contributed a paper on Perspectives of AYUSH services for National Programme for Prevention and Control of Cancer, Diabetes, Cardiovascular Diseases and Stroke (NPCDCS) in Selected States in India.	November 28-30, 2020	NIHFW, New Delhi
Prof. Pushpanjali Swain			
2.	Attended the 41st IASP Annual Conference, organized jointly with The National Institute of Health and Family Welfare and Presented a paper on Impact of COVID-19 on female sex workers in India.	November 28-30, 2020	NIHFW, New Delhi
Dr. Meerambika Mahapatro			
1.	Presented a paper on Social Construction of Infertility and Changing Gender Relations in the Indian Fertility Society -Fertivision 2020	29th November, 2020.	New Delhi
2.	Presented a paper on "For greater good of public health in COVID- A perspective on SRH and psychosocial Issues" in the International conference on challenges and strategies in reproductive and environmental health with special reference to covid-19 pandemic	February 21, 2021	New Delhi
Dr. Monika Saini			
1.	Units Written for Bachelor's Degree Programme in Anthropology (Honours), IGNOU: Adaptations to Various Ecological Zones	06th April 2020	IGNOU, New Delhi
2.	Units Written for Bachelor's Degree Programme in Anthropology (General), IGNOU: Applied Anthropology and Forensic Anthropology	23rd September 2020	IGNOU, New Delhi
3.	Units Written for Masters Programme (Anthropology), Odisha State Open University (OSOU): Measures of Maturity, MA Anthropology, Odisha State Open University (MANE 01)	16th March 2021	Odisha State Open University (OSOU)

6.1 Chaired / Presided Session/Function

Sl. No.	Title of workshop / Seminar/ Meeting	Date / Duration	Place
Prof. Harshad P. Thakur			
1.	Chairperson, "Special Panel Discussion Session on "Climate Resilience & Disaster Safe Development", as part of Science & Technology Research - Policy - Practice Interface for Climate Risk Management Under CAP-RES DST-GOI Project - Implementing Prime Minister's Agenda 10 on Disaster Risk Management – Item 05, Leveraging Science & Technology"	26th August, 2020	NIDM, New Delhi
2.	Key Note address, "Mobilizing and Fortifying Collective Efforts: India's Commitment to Ensure Holistic Nutrition & Health for 1/6th of humanity" as part of part of this inaugural edition of the Bharat Nutrition Week - 1st - 7th September 2020"	01st September, 2020	IHW, New Delhi
3.	Chairperson, "Plenary Session "Multi-Sectoral Convergence "during the 5th National Conference on Tobacco or Health (NCTOH)-Virtual on the theme "Multi-Sectoral Convergence for Tobacco-Free India by 2030: Leading the way towards SDGs"	25th September, 2020	PGIMER, Chandigarh
4.	Guest of Honour, for the Session on "Breast Cancer in Men: Rare, but Cannot be Ruled Out" at the Breast Cancer Action Monthorganised by Integrated Health & Wellbeing Council	11th October, 2020	IHW, New Delhi
5.	Co-Chair,"for the Session: Health System Preparedness; Response for Disasters during the IAPSMCON 2021"	20th March, 2021	PGIMER, Chandigarh
6.	Guest of Honour,"during the Valedictory function of the "E-International Public Health Management Development Program (IPHMDP) on 22nd – 26th March 2021"	26th March, 2021	PGIMER, Chandigarh
Prof. V.K.Tiwari			
1.	41stIASP Annual Conference, organized jointly with The National Institute of Health and Family Welfare	28-30 November, 2020	The National Institute of Health and Family Welfare
Dr. Pushpanjali Swain			
1.	Chaired a session in 41stIASP conference	28-30 November, 2020	NIHFW, New Delhi
Dr. Meerambika Mahapatro			
1.	Chaired a session in Indian Anthropological Congress	21-23 February, 2021	New Delhi
Dr. Dharmendra Kumar Yadav			
1.	Chaired a technical session on Elderly Issues at 41stAnnual Conference of Indian Association for Study of Population (IASP) Conference	28-30 November, 2020	NIHFW, New Delhi

6.7 Sessions taken as a Guest Faculty

Sl. No.	Title of workshop / Seminar/ Meeting	Date / Duration	Place
Prof. Harshad P. Thakur			
1.	Panelist, "How Landscape of Healthcare Industry is Likely to Change Post COVID" (Webinar)	02nd May, 2020	Medika Bazaar, Mumbai
2.	Panelist, "Managing COVID 19 Pandemic – Experience and Best practices in India" (Webinar) during the International Public Health Management Development Program for senior healthcare Administrators from ITEC countries"	18th May, 2020	Post Graduate Institute of Medical Education and Research (PGIMER), Chandigarh
3.	Expert speaker, "Indian Public Healthcare System: Challenges and Opportunities" (Webinar) as part of Series on COVID19 – "Where experts and experiences matter!!"	21st June, 2020	JNU Delhi
4.	Panelist and Expert, Sub Group 1 – Health on "Towards Swasth and Atmanirbhar Madhya Pradesh"	10th August, 2020	Govt. of Madhya Pradesh
5.	Panelist, "PAN India Seminar for Health Professionals on "Awareness – Capacity Building –Identifying Health stake holders" as part of Health Connect – De-Addiction by Rotary International, India	30th August, 2020	Mumbai
6.	Panelist, "Anaemia Mukt Bharat, Let us begin with making every Pregnancy Anaemia free – Walk the Talk" a part of Anaemia free Pregnancy summit by FOGSI	28th November, 2020	FOGSI, Mumbai
7.	Plenary Lecture on Role of National Cold Chain and Vaccine Management Resource Centre and its response in COVID-19 pandemic during the Annual National Conference of Epidemiological Association of India (EFICON 2020)	19th December, 2020	All India Institute of Medical Sciences, Rishikesh
Prof. Manish Chaturvedi			
1.	Lecture and discussion on "Challenges & Issues in managing COVID-19 in Delhi State" for NIDM Delhi in a WEBINAR from the NIHFW.	27th August 2020	NIDM
2.	Lecture and discussion on "Hospital Waste Management" to graduate students through online mode	1st September 2020	IIHMR university Jaipur
3.	Lecture on Practical Ethics in Disaster Response for Certificate Course in Disaster Management (CCDM) of Indian Institute of Public Health, through online mode.	25th October,2020	PFHI, IIPH Gurgaon
4.	Delivered a lecture to media professionals on "COVID Crisis: Jan Andolan for Appropriate Behaviour" in a "Virtual Training & Conference on COVID Crisis- Jan Andolan for Appropriate Behaviour & Workplace COVID Protocol" organized by Prasar B Prasar Bharti.	23rd November 2020	Prasar Bharti office
5.	Served as an expert speaker in an online seminar on school safety organised in collaboration with NIDM and DPS Gurdaspur, Punjab on	3rdMarch 2021.	DPS, NIDMA

Dr. Dharmendra Kr. Yadav			
1.	Invited talk on "Sample Size Determination in Health Research"	04thMarch, 2020	Ram Lal Anand College, University of Delhi
2.	Delivered a lecture on "Applications of Machine Learning Techniques for E-Learning in Higher Education" as a Resource Person at Online Induction Training Program for Faculties of Higher Education.	14th July, 2020.	Teaching Learning Centre (TLC), Ramanujan College, University of Delhi, New Delhi
3.	Invited talk on "Basic of Statistics in Social Sciences"	16thJuly, 2020	Wardha School of Thought, Wardha, Maharastra
4.	Delivered a lecture on"E-Learning through Zoom & Google Meet" at Faculty Development Program-2020	26th May,2020	KTHM College, Nashik, Maharashtra
5.	Invited talk on "Mathematical Modelling of Infectious Diseases"	12thSept, 2020.	D.G.Vaishnav College, Chennai
6.	Delivered a lecture on "Opportunities in Government Sectors for Statisticians" as a Resource Person in the Skill Development Certificate Course on Career Readiness and Skill Development Program (CRSDP-2021) for PG Students in Statistics	22 January 2021.	Dept. of Statistics, Bharathiar University, Coimbatore, Tamil Nadu
7.	Delivered a talk on "Sample Size Determination Techniques in Health Research" to RD645 students in CSRD, JNU, New Delhi	5th March, 2021	CSRD, JNU, New Delhi

COVID -19 RELATED ACTIVITIES DURING THE YEAR 2020-21

In the year 2020-21, India has been the part of the worldwide pandemic of Corona disease 2019 which has affected India as well as the whole world. Though the Government has been working very hard to control pandemic, the NIHFW also took some initiatives in the field of training and research to combat the COVID-19. The acuities which were taken up during the year 2020-21 are as follows:-

1. The NIHFW's faculty has been the member of Central Public Health Teams formed by MoHFW for assisting State Health Departments for COVID management during the month of May, 2020. NIHFW's faculty has been the member of the four teams vis:-

(i) Professor J. K. Das, Jaipur, Rajasthan,

(ii) Professor Vivek Adhish, Krishna District, Andhra Pradesh,

(iii) Professor Sanjay Gupta, Agra, Uttar Pradesh &

(iv) Professor Manish Chaturvedi, Lucknow, Uttar Pradesh. The teams oversaw the measures taken by the State Governments to combat COVID-19 and also suggested remedial measures in the management of COVID-19.

2. The NIHFW conducted the following **webinars** related to COVID-19:-

(i) Public Health Emergency Management (PHEM) in response to COVID-19

(ii) Increasing Stress and Burnout among Health Care Providers during the COVID-19 management: Challenges and Preventive Strategies.

(iii) Public Health Institute-Issues & Challenges in response to COVID-19.

(iv) Webinar under CB-PHEM coordination cell in response to COVID-19.

(v) Impact of COVID-19 on Children and its Nursing Management.

Apart from this, the researches which were undertaken by NIHFW in the management of Covid-19 are as follows:-

1. To Assess the Knowledge, Attitudes, and Practices towards COVID-19 among Indian Residents.
2. Understanding the Psychological Impact of COVID-19 Pandemic in India.
3. Study on Effect of COVID-19 Pandemic on Intrapartum Care Utilization by Pregnant Women in Urban Slums of Delhi.
4. Post-Introduction Evaluation (PIE) of COVID-19 Vaccination in Delhi.
5. Mental health among healthcare personnel involved in Management COVID-19 patient in Delhi.

7.0 ADMINISTRATIVE MEASURES

During the year under review, several administrative procedures for finalizing the matters relating to retirement, pension, promotion/appointments, etc were streamlined in the Institute.**7.0**

ADMINISTRATIVEMEASURES

7.1 Governing Body(GB)

The major responsibility for management of the Institute's affairs has been entrusted with the Governing Body, constituted under the Chairmanship of the Hon'ble Union Minister for Health and Family Welfare. Policy decisions are taken in the meeting to improve the functioning of the Institute. The 40thmeeting of Governing Body was held on 18th February, 2021.

7.2 Standing Finance Committee (SFC)

The SFC is an important committee which provides guidance in the matters of financial management of the Institute. The 62nd Meeting of the Standing Finance Committee of NIHFW was held on 14August, 2020 under the chairmanship of Shri Rajesh Bhushan, Secretary, Health and Family Welfare, MoHFW.

7.3 Programme Advisory Committee(PAC)

The committee includes representatives of different disciplines, drawn from the Central and State levels and Central Training Institutes, either directly or indirectly involved in the promotion of health and family welfare programmes in the country. The committee normally meets at least twice a year to review the activities of the Institute to provide guidance in academic activities. This year online Meeting was held on 11 December 2020.

The PAC reviewed all the training and research activities as well as the current status of the on-going studies. All the faculty members, Medical Officers and Research Officers attended the meeting.

8.0 USE OF HINDI IN OFFICIAL WORK

An Official Language Implementation Committee is functioning in the Institute under the Chairmanship of Director, NIHFW to monitor the progress of the implementation of Official Language Policy at NIHFW. During the period under report, (i.e. from 01 April, 2020 to 31 March, 2021) Committee held all its quarterly meetings regularly.

USE OF HINDI IN OFFICIALWORK

The present composition of the Official Language Implementation Committee is given below. Composition of the Official Language Implementation Committee (i.e. as on 31 March,2021)

S. No.	Dr. Harshad P. Thakur, Director	Chairman
1.	Dr. V. K. Tiwari, Dean & Professor, Deptt. of Planning & Evaluation	Vice-Chairman
2.	Professor Mihir Kumar Mallik , Acting Dy. Director (Admn.)	Member
3.	Dr. (Mrs.) Poonam Khattar, Actg. Head. & Professor, Deptt. of Communication	Member
4.	Dr. (Mrs.)Pushpanjali Swain, Head. & Professor, Deptt. of S & D	Member
5.	Dr. Manish Chaturvedi,Professor, Acting Head, Deptt. of MCHA	Member
6.	Dr. Ankur Yadav, Asstt. Prof., Deptt. of Communication & F/I Hindi Cell	Member
7.	Dr. Geetanjali,Sr. Medical Officer, Deptt. of R.B.M.	Member
8.	Shri Gaurav Sharma, Dy. Director (Tech.), CHI	Member
9.	Section Officer (Admn.1)	Member
10.	Section Officer (Admn.2)	Member
11.	Officer In-charge (Academic)	Member
12.	Workshop and Maintenance Officer	Member
13.	Accounts Officer	Member
14.	Section Officer (Stores)	Member
15.	Dr. Ganesh Shankar Srivastav, Sub-Editor (Hindi)	Member-Secretary

A brief of the progress regarding implementation of Official Language Policy during the period under report (i.e. from April, 2020 to Feb., 2021) is given as follows:

Use of Hindi in correspondence

During the period under report, 83.36% letters (including E-mails and fax messages) 86.28% letters meant for region "A", 72.51% for region "B""and 74.39% letters for region "C" respectively were issued in Hindi against the fixed target of 100% for "A"&"B"" regions & 65% for region "C". Cent percent General Orders were issued bilingually during the said period (i.e. from April, 2020 to March., 2021). Similarly all the letters received in Hindi were replied to in Hindi.

Apart from day-to-day translation work in Hindi, many specific translation work was also accomplished including annual report and annual accounts 2020-21, proformas, survey schedules, material pertaining to certificates, banners, and advertisements from various departments.

Hindi Teaching Scheme

Training of Staff under Hindi Teaching Scheme in Hindi Stenography and Hindi Typewriting

Out of 9 Stenographers, on regular strength of the Institute, stenographers have already been trained in Hindi Stenography. One Steno is under training and similarly out of newly recruited typists/LDCs, 4 LDCs have been nominated for Hindi typing training session.

Training of Staff in Hindi

Similarly all the 188 eligible staff members of the Institute have attained working knowledge in Hindi, Out of which 95 staff members have proficiency in Hindi and the remaining 93 have acquired the working knowledge in Hindi.

Incentive scheme for progressive use of Hindi in the official work

During the period under report, 06 employees of the Institute have been participating in the aforesaid Incentive Scheme. For the financial year 2020-21, their work will be evaluated by a sub-committee constituted with the approval of Director, NIHFW.

Hindi Fortnight

Hindi fortnight was celebrated in the Institute during 1-15 September, 2020 under which the following activities were organized online mode:

i. On 1st Sept., 2020 an Hindi Essay Competition for the staff of the Institute was organised. The topic for the Essay Competition for Hindi speaking and non-Hindi speaking candidates respectively were 1. Atm Nirbhar Bharat and "2. "Uttam Swachhatta Se hi Uttam Swasthy Hai"

ii. On 3rd Sept., 2020 Hindi Noting and Drafting competition was organised.

iii. On 5rd Sept., 2020 Hindi Vyakhyanmala on topic "Apnaayein Yog Rahe Sada Nirog" was organised.

iv. On 7th Sept. 2020 Hindi Elocution Competition on "Corona Kaal mein laagu lockdown se aaye samajik va aarthik badlaav: achcha ya bura"was organised.

v. On 10th Sept, 2020, Hindi Shrutlekhan (Dictation) competition for M.T.S group staff of the Institute was organised.

vi. Institute Organised on line 'Hindi Day' on 14th September, 2020 Director NIHFW Chaired the function. He addressed the staff of the Institute and also announce winners' name of the various competitions of Hindi Pakhwada activities held during 1-15 September, 2020.

Meeting of the Drafting and Evidence Sub-Committee of the Parliamentary Committee on Official Language

Meeting of the Drafting and Evidence Sub-Committee of the Parliamentary Committee on Official Language was held on 18 November 2020 at Ashoka Hotel, New Delhi. Professor Vijay Kumar Tiwari, Director-in-Charge of the Institute, Dr. Ankur Yadav, Assistant Professor and Dr. Ganesh Shankar Srivastava, Sub- Editor (Hindi), participated in meeting.

Director- in- charge Prof. Vijay Kumar Tiwari apprised the committee about the official language implementation work being done in the institute.

Committee directed to increase the Hindi correspondence so that 100% of the correspondence goal can be achieved. Committee also suggested that Hindi workshops should be organized regularly in the office at intervals of 2-3 months, in which poetry and other creative genres can also be presented. It would be commendable to have such workshops in large numbers.

At the end of the meeting, the Chairman of NARKAS thanked all the Honorable Members of Parliament.

Official Language Inspection of Institute

On 03 March, 2021, to monitor the progress of implementation of Official Language in the Institute, an Inspection visit by Shri Kumar Pal Sharma, Asstt. Director (O.L.`) from Regional Implementation Office (Delhi), Deptt. of Official Language, MHA, was made to the Institute. During the inspection he also had a meeting with Director, NIHFW.

Release of Jan Swasthay Dharana

During the period under report, on 9th March, 2021 on the occasion of Annual Day function of the Institute 26th Issue of Jan Swasthay Dharana, a Hindi magazine of the institute was released by Hon'ble Chief Guest V.K Paul, Member, NITI Aayog.

9.0. EVENT

9.0 Celebration of 44th Annual Day

The Institute celebrated its 44th Annual Day on 9th March 2021 in online mode. The Chief Guest on the occasion was Dr. Vinod K. Paul, Member of the NITI Aayog. All faculty and staff members of NIHFW participated in online mode.

Prof. Harshad Thakur, Director, NIHFW, presented the key achievements of the Institute of the preceding year and highlighted some of the activities to be undertaken in the future.

Prizes were bestowed upon to meritorious students of M.D (Community Health Administration), PGDPHM and PG Diploma courses through distance learning and the best workers of the institute in various categories.

In his address, Dr. Vinod K. Paul gave his views regarding the directions the NIHFW should take in research and training. He appreciated the various activities undertaken by NIHFW on various fronts. He hoped that the Institute would strive to further expand the activities in the areas of training, research and education through networking with national and international organizations.

At the end, a vote of thanks was offered by Prof. Sanjay Gupta, Chairman, Annual Day committee.

Independence Day celebration

Independence Day celebrations

Independence Day celebrations were observed on August 15, 2020 at the National Institute of Health and Family Welfare. On this occasion, Prof. Harshad P. Thakur, Director of the institute hoisted the flag and addressed the attendees. Various senior officers of NIHFW addressed the gathering after the recitation of the National Anthem. A concert was also performed by the children of the staff members of the institute.

World Population Day – 2020

World Population Day was observed as a webinar by NIHFW through online 'Google Meet'

The World Population Day was observed as a webinar through an online portal 'Google Meet' on 11th July 2020 by The National Institute of Health & Family Welfare from 11:00 am to 1:15 pm. The function was organized by the Department of Statistics & Demography with the help of 1st year MD (CHA)/DHA students. Dr. Abhishek Dixit, MD(CHA) 1st year student hosted the event and started the proceeding by welcoming all the dignitaries, faculty members, consultants, students & all the staff members. Prof. Pushpanjali Swain welcomed Prof. Harshad P. Thakur, Director of The National Institute of Health & Family Welfare. Soon after, Prof. Harshad P. Thakur made his opening remarks on the event and welcomed the dignitaries.

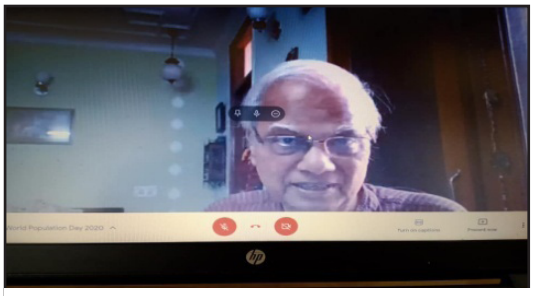

Guest Speaker 1: Shri A.R.Nanda, Former Health Secretary, Govt. of India

This was followed by an introduction about World Population Day by Prof. Pushpanjali Swain, Head, Department of Statistics & Demography. She gave an overview on the history of World Population Day and she briefed about the theme for the World Population Day 2020 ***"Putting the break on Covid-19: How to safeguard the health & rights of Women & Girls now ".***

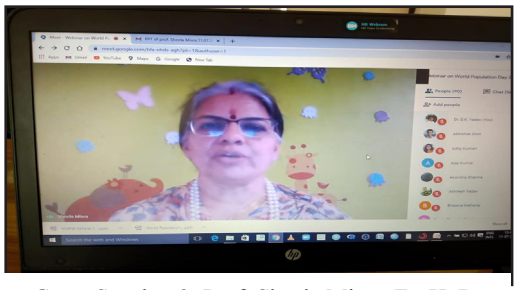

Guest Speaker 2: Prof. Sheela Misra, Ex-HoD, Department of Statistics, University of Lucknow

Shri A.R.Nanda, Former Health Secretary, Government of India made the event blissful with his presence and he begun with sharing his experiences & connection with the institute. The event proceeded with a talk by Prof. Sheela Mishra on ***"Gender Mainstreaming and Psychosocial Issues (COVID-19)".*** She also discussed about the psychosocial issues faced by the women & girls during the pandemic. The event came to an end by the vote of thanks by Dr. Dharmendra Kumar Yadav, Assistant Professor, Department of Statistics & Demography.

Vigilance Awareness Week – 2020

The National Institute of Health and Family Welfare (NIHFW), New Delhi observed the Vigilance online Awareness Week from 27th October to 2nd November, 2020 with the theme

"Vigilant India, Prosperous India" as per direction of Central Vigilance Commission.
Prof. Harshad P. Thakur, Director of the Institute administered the online pledge on 27th October 2020 at 11.0 AM among the employees of the Institute. Dr. Pushpanjali Swain, Vigilance Officer was also present.

During the week-long celebration, various activities such as Online Slogan Writing Competition, Debate Competition and Quiz Competition were organized. The staff of the Institute participated actively in the week long programme. Selected Slogans from Slogan Writing Competition on Vigilance Awareness were displayed on the walls and notice boards of the Institute and at many key places like reception areas, canteen, Hostel, Teaching Block, Clinic, administrative block and the entry points of various buildings of the National Institute of Health and Family Welfare (NIHFW) in both Hindi and English.

The online closing ceremony of Vigilance Awareness Week was organized on Monday 2nd November, 2020 at 4.30 pm. Dr. Pushpanjali Swain, Vigilance Officer gone an overview of events organized during Vigilance Awareness Week.

The winners of the various events were announced by Prof. Harshad P. Thakur, Director NIHFW in online Google Meet platform with the presence of Jury members, faculties, staff and students in the Institute. The prizes and Certificates to the winners were also distributed. At the end of function Prof. Harshad P. Thakur, Director addressed the audience through online on this occasion.

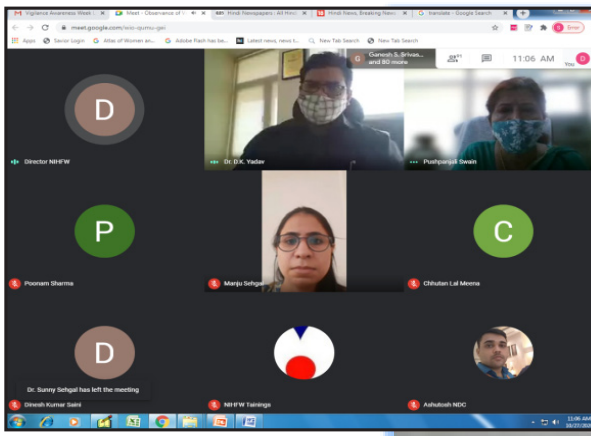

All staff-members taking the oath of Integrity

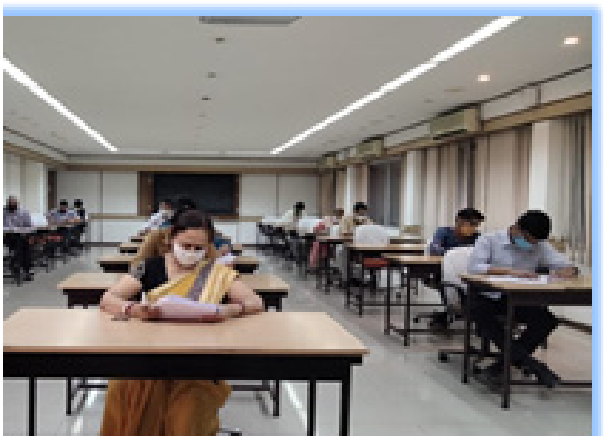
Participants Writing Quiz Competition during Vigilance Awareness Week

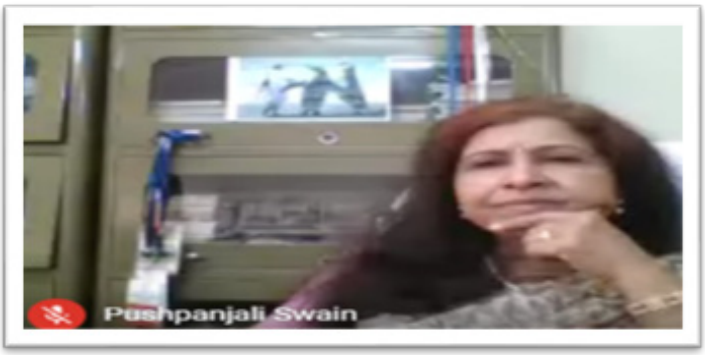

Vigilance Officer in the concluding closing ceremony of Vigilance Awareness Week

Republic Day Celebration

Republic day was celebrated on 26 January, 2021. Prof. Harshad P. Thakur, Director of The NIHFW unfurled the National Flag and greeted the staff. He addressed the gathering and urged everyone to carry out the responsibilities towards the nation.

The faculty, research staff and administrative staff, beside outsourced staff attended the programme. Cultural programme was organized by the children.

Republic Day Celebration

10.0 PUBLICATIONS

10.0 Following is the List of Articles/Research Papers Published By the Faculty Research Staff in Various Journals during the Year 2020-21

s.no.	Title of Article/ Research Paper and Weblink	Name with Serial no. of author	Name of Journal	Vol No.	Issue No.	Starting and ending page number	Month and year of publication
Prof. Harshad Thakur							
1.	Experiences of Older Persons in Seeking Care at a Private Hospital in Urban India.	Co-author	Gerontology & Geriatric Medicine	6	-	1-10	2020
2.	Shifting towards online training - Possible challenges from Educators / Trainers perspective in Indian setting	Co-author	Indian Journal of Community Health	32	4	620-623	2020
3.	New TB drugs for the treatment of children and adolescents with rifampicin-resistant TB in Mumbai, India	Co-author	The International Journal of Tuberculosis and Lung Disease	24	12	1265-1271	2020
4.	Sustainable Development of Health in India: A Review of the Need for a Durable Local Collaborative Governance for Strengthening the Health System;	Co-author	HPPI	43	1	5-21	2020
5.	Sustainable Development of Health in India: An Inter-Ministerial Contribution towards Health and Wellbeing for Optimum Quality of Life;	Co-author	HPPI	44	1	19-32	2021
6.	Effectiveness of water, sanitation and hygiene-based programme on toilet etiquette and sanitation targeted at primary school children of Mumbai	Co-author	International Journal of Community Medicine and Public Health	8	4	1826-1835	2021
7.	Aarogya Setu"- India's COVID-19 contact tracing mobile application: an assessment of awareness and utility among residents of India during the COVID-19 pandemic	Co-author	International Journal of Community Medicine and Public Health	8	4	1802-1808	2021
8.	Challenging drug-resistant TB treatment journey for children, adolescents and their care-givers: A qualitative study;	Co-author	PLoS ONE	16	3	1-15	2021
9.	Treatment outcomes of children and adolescents receiving drug-resistant TB treatment in a routine TB programme, Mumbai, India	Co-author	PLoS ONE	16	2	1-12	2021
10.	Does Patient BMI Affect the Outcome of Multimodal Rehabilitation Protocol in Chronic Mechanical Low Back Pain?;	Co-author	Spine	-	-	-	Feb 2021
11.	A strengths, weaknesses, opportunities, and threats analysis of public health in India in the context of COVID-19 pandemic;	First author	Indian Journal of Community Medicine	46	1	1-3	2021
12.	Shifting towards online training-Possible challenges from Educators/Trainers perspective in Indian setting	Co-author	Indian Journal of Community Health	32	4	620-623	2021
13.	Status and challenges for tuberculosis control in India – Stakeholders' perspective	Co-author	The Indian Journal of Tuberculosis	68	3	334-339	2021
Prof. V.K. Tiwari							
1.	Cost of treatment and consequences for chronic hepatitis B and C virus infection at a tertiary care hospital in Delhi	Co-author	Indian J Public Health	64	4	409-12	2020

s.no.	Title of Article/ Research Paper and Weblink	Name with Serial no. of author	Name of Journal	Vol No.	Issue No.	Starting and ending page number	Month and year of publication
2.	Awareness and Utilization of ANC Services among Women of Urban Slum in Delhi: An Observational Study	Co-author	Health and Population: Perspectives and Issues	43	1	22-32	2020
Prof. Rajni Bagga							
1.	Increasing Stress and Burnout among Health Care Providers during the COVID-19 Management: Challenges and Preventive Strategies (Editorial)	First author	Health and Population: Perspectives and Issues	43	2	51	April-June2020
2.	Violence against Frontline Health Care Warriors amid COVID-19 Pandemic and Its Impact on Their Psycho-Social Health	Co-author	Health and Population: Perspectives and Issues	43	2	52- 60	April-June 2020
3.	Culture Combating COVID 19: Perspectives from Indain Ethno-Medicine	Co-author	Health and Population: Perspectives and Issues	43	3	103-13	2020
Dr. Pushpanjali Swain							
1.	Sustainable development of Health in India: Review of the Need for a Durable Local Collaborative Governance for Strengthening the *Health System*	First author	Health and Population: Perspectives and Issues	43	1	5-21	2020
2.	Determinants of large family size in the context of fertility in India: Evidence from District Level Household Survey data	First author	International Journal of Statistical Sciences	20	2	*171-190*	2020
3.	Assessment of the level of knowledge and practice towards road traffic safety among male adolescents in urban slums of Delhi	Co-author	International Journal of Research – Granthalayah	8	5	165-172	May 2020
4.	Assessment of knowledge and practice towards tobacco and alcohol consumption among male adolescents in urban slums of Delhi	First author	Journal of Preventive Medicine and Holistic Health	6	1	10-15	Jan-June 2020
Dr. Sanjay Gupta							
1.	Digital tools available for programme managers to manage Public Health Emergencies like Covid-19	First author	Health & Population Perspectives and Issues	42	2	83-91	April-June 2020
2.	Patient Safety in graduate curricula and training needs of health workforce in India: a mixed –methods study	Co-author	Indian Journal of Public Health	64		227-284	2020
3.	Shifting towards online training - Possible challenges from Educators / Trainers perspective in Indian setting	Co-author	Indian Journal of Community Health	32	4	620-623	2020
4.	Assessment of cold chain equipment and their management in government health facilities in a District of Delhi: A cross-sectional descriptive study	Co-author	Indian Journal of Public Health	64	1		January-March 2020
5.	Virtual Data Cleaning of State Effective Vaccine Management Assessment (EVMA), Assam, India	First author	WHO-Global Immunization News Letter				June2020
6.	First batch of Virtual Training of Trainers (ToT) on Vaccine and Cold Chain Handlers (VCCH) module, Jharkhand State, India - Mitigating the challenges of virtual training	First author	WHO-Global Immunization News Letter				Nov 2020
7.	First batch of Virtual Training on Vaccine and Cold Chain Management (T- VaCC) for Immunization Programme Managers amid the COVID-19 pandemic	First author	WHO-Global Immunization News Letter				Nov 2020
Dr. Meerambika Mahapatro							
1.	Custom, Crime, and COVID-19: A Gender Perspective	First author	Health and Population: Perspectives and Issues	43	3	95 –102	2020
2.	A study on depression and sleep disturbance among youth in the age group of 20-25 years in Raipur, Noida	Co-author	International Journal of Scientific and Research Publications	10	2	164-182	2020

s.no.	Title of Article/ Research Paper and Weblink	Name with Serial no. of author	Name of Journal	Vol No.	Issue No.	Starting and ending page number	Month and year of publication
3.	Role of popular media and breaking the cycle of domestic violence doi.org/10.1002/pa.2618	First author	Journal of Public Affairs	-	1	19-22	2021
4.	Role of Social Support in Women facing Domestic Violence during Lockdown of Covid-19 while Cohabiting with the Abusers: Analysis of Cases Registered with the Family Counseling Centre, Alwar, India	First author	Journal of Family Issues	-	-	1-16	2021
5.	Domestic Violence- A Truism	First author	NARCHI Bulletin, MAMC	-	1	19-22	February 2021
Dr. Nanthini Subbiah							
1.	Stigmatization: The Most Dangerous Enemy of COVID-19	First author	International Journal of Community Health Nursing	3	2	19–23	2020
2.	Effect of Lockdown during COVID 19 on women	First author	International Journal of Community Health Nursing	3	2	9-14	2020
3.	Mentoring: A Boon to Health Professionals' Education	Co-author	The Nursing Journal of India	CXI	5		September-October 2020
4.	Stigmatization: The Most Dangerous Enemy of COVID-19	First author	International Journal of Community Health Nursing	3	2	19-23	2020
5.	Prevalence of Cardiovascular Risk Factors among Group "c"Employees of a Public Health Institute in Delhi	Co-author	India Scholars Journal of Applied Medical Sciences				2020
6.	Evaluation of Training Facilities of Institutes Conducting Training of Nurses under Central Sector Scheme	First author	Health and Population: Perspectives and Issues	43	1	33-40	January-March2020
Prof. Manish Chaturvedi							
1.	Resilience of Healthcare in COVID-19" for a book titled "Integrated risk of COVID19 like outbreaks: impacts, resilience and recommendations	First author	Springer	-	-	397-412 (15 pages)	2020
2..	COVID-19 Pandemic: A Progressive Complex Emergency in India	First author	Health and Population; Perspectives and Issue	44	1	11-18	Jan-Mar 2021
Dr. S. Ramachandra Rao							
1	Gold recovery from precious metals in acidic media by using human hair waste as a new pretreatment-free green material	Co-author	Journal of Environmental Chemical Engineering	9	1	104724 (9 pages)	February, 2021
2	Droplet Microfluidic Device for Rapid and Efficient Metals Separation Using Host-Guest Chemistry	Corresponding author	Advances in Microfluidic Technologies for Energy and Environmental Applications	-	-	1-19	May 20, 2020
3.	New Concept for the Study of the Fluid Dynamics of Lithium Extraction Using Calix[4]arene Derivatives in T-Type Microreactor Systems	Co-author	Separations	8	5	70 (13 pages)	May 20, 2021
Dr. Renu Shahrawat							
1.	Reopening of a clinic providing infertility services during COVID-19 pandemic: A case study	First author	J Reprod Healthc and Med	15	2		2021
2.	Reproductive health during COVID-19 pandemic	Co-author	J Reprod Healthc and Med	14	2		2021
Dr. Ankur Yadav							
1	Covid 19- A spiritual perspective.	Co-author	Mind and Society	9	3&4	7-9	Sep.- Dec., 2020

s.no.	Title of Article/ Research Paper and Weblink	Name with Serial no. of author	Name of Journal	Vol No.	Issue No.	Starting and ending page number	Month and year of publication
2	Knowledge, Attitude and safety practices related to occupational Health among glass factory workers in District Firozabad (U.P.), India- A descriptive Cross-sectional Study.	Co-author	Indian Journal of Applied Research	11	2	1-3	February, 2021
3	Spiritual Health and Self Actualization.	Co-author	International Journal of Science and Research	10	2	1052-1058	February, 2021
4	Covid 19: Stress and anxiety- A critical review of related literature	Co-author	International Journal of Multidisciplinary Research and Development	8	2	72-77	February, 2021
5	Exploring spectrum of Nutritional challenges in the context of COVID-19 pandemic in India.	Corresponding author	Indian Journal of Applied Research	11	3	1-3	March, 2021
6	भारतीय परंपराए और हमारा स्वास्थ्य	First author	जन स्वास्थ्य धारण	26		11-12	March, 2021
Dr. Monika Saini							
1.	Culture Combating COVID 19: Perspectives from Indian Ethno-Medicine.	First author	Health and Population: Perspectives and Issues	43	3	103-113	2020
Dr. Dharmendra Kr. Yadav							
1.	Utilizing Sample Size Information for Improved Estimation of Population Mean in Agriculture Surveys doi: https://doi.org/10.20546/ijcmas.2021.1002.xx	First author	Inter. J. Curr. Microbiol.App.Sci.	10	02	809-815	2021
2.	On Improved Estimation of Ratio of Two Population Means Using Auxiliary Information	Co-author	International Journal of Statistics and Reliability Engineering	7	2	242-248	2020
3.	Analyzing the Current Status of India in Global Scenario with reference to COVID-19 (doi: 10.20944/preprints202007.0001.v1).	First author	Preprints2020070001	-	-	-	2020
Dr. Shivdasani JP							
1.	Impact of Lockdown on Doubling of Cases of COVID-19: A Comparative Study of India with Developed Countries	First author	Health and Population: Perspectives and Issues	43	4	158-172	2020
Dr.Bhattacharya V							
2.	Ayushman Bharat Yojana	First author	Jan Swasthya Dharana		25	23-26	March2020
3.	Unit contribution P.G. Diploma in Corporate Social Responsibility by the school of Development Studies , IGNOU	First author	IGNOU				Feb, 2021
Dr. A. M. Elizabeth							
1.	Sustainable development of Health in India: Review of the Need for a Durable Local Collaborative Governance for Strengthening the Health System	First author	Health and Population: Perspective and Issues	43	1	5-21	2020
Dr. Manisha							
1.	Rakat Dhaan- Kuch Mahatavpuran Tathya	First author	Dharna	25		27-28	2020
Dr. Sherin Raj T.P							
1.	What Makes Kerala to Stand Top in Preventing COVID-19?	First author	Health and Population: Perspectives and Issues	43	4	173-184	Oct.-Dec, 2020

s.no.	Title of Article/ Research Paper and Weblink	Name with Serial no. of author	Name of Journal	Vol No.	Issue No.	Starting and ending page number	Month and year of publication
2.	Cost of treatment and consequences for chronic hepatitis B and C virus infection at a tertiary care hospital in Delhi	Co-author	Indian J Public Health	64	4	409-12	2020
3.	Social Determinants of Family Planning Practices in Bihar, India.	Co-Author	Journal of Research in Health Science	5	1-2	29-48	2021
4.	The private health sector and universal health coverage in India: an assessment in light of the right to health framework	Co-Author	International Research Journal of Social Sciences	10	1	28-31	January, 2021
5.	Regional Disparities and Determinants of Caesarean Deliveries in India	Co-Author	Indian Journal Youth and Adolescent Health	7	4	15-23	2020
Dr. G. S. Karol							
1	National Rural Health Mission (NRHM) and Changes in Maternal and Child Health Care: An Evaluative Study in Rajasthan http://dx.doi.org/10.21474 / IJAR01/11363.	First author	International Journal of Advanced Research(IJAR)	8	7	1010-1017	July,2020
Mr. Bacchu Singh							
1.	Swasthya Men Aahar, Yoga Aur Jeevan Shailly Ki Bhumika	First author	Institute Hindi Journal Jan Swasthya Dharna	26		23-26	2021
2.	Sustainable Development of Health in India: A Review of the Need for a Durable Local Collaborative Governance for Strengthening the Health System	Co. Author	health and Population; Perspectives	43	1	5-21	2021
Ms.Vaishali Jaiswal							
1.	Behavioural Change in Determinants of Fuels Choice among Rural Households after Introduction of Clean Fuel Programme: A District Level Case Study	First Author	Willey online Journal Global Challenges	2021, 5, 2000004	2056-6646 (online)	1-8	October 2020
2.	Anticipating Adverse Health Effects On Cooks From Exposure To Respirable Particulate Matter (Pm2.5) And Carbon Monoxide(Co) From Burning of Cooking Fuels	First Author	IJCRT	8	7	4675-4685	July 2020
3.	Editorial :Air Pollution and National Clean Air Program in India	First Author	Health and Population: Perspectives and Issues,	43	1	72-79	5-21/2020
4.	Supporting the Sustainable Development Goals by Addressing Household Energy Issues	First Author	HPPI	41	3&4	129-140	July-December,2018
5.	Sustainable development of Health in India: Review of the Need for a Durable Local Collaborative Governance for Strengthening the Health System	Co-author	Health and Population: Perspective and Issues	43	1	5-21	2020
6.	Changes in Air Quality during Lockdown in New Delhi amid theSARS-Cov-2 Pandemic	First Author	Health and Population: Perspective and Issues	44	1	38-48	January-March, 2021
7.	आत्म निर्भर भारतः कोरोना काल में स्वास्थ्य के क्षेत्र में देश कैसे आत्मनिर्भर हुआ।	First Author	Jan Swasthya Dharna	26		16-19	March, 2021

s.no.	Title of Article/ Research Paper and Weblink	Name with Serial no. of author	Name of Journal	Vol No.	Issue No.	Starting and ending page number	Month and year of publication
Ms.Bhawna Kathuria							
1.	Initiatives of Rajasthan Government in the fight against COVID- 19 Pandemic	First author	Health and Population: Perspectives and Issues	43	2	71-82	2020
2.	Regional Disparities and Determinants of Caesarean Deliveries in India.	First author	Indian Journal Youth and Adolescent Health	7	4	15-23	2020

11.0 APPOINTMENTS, PROMOTIONS AND SUPERANNUATIONS

Promotions

1. Dr.Renu Shahrawat, Assistant Professor – Stage-3
2. Dr. Rajesh Kumar, Assistant Professor – Stage-3
3. Dr.Ankur Yadav as Assistant Professor – Stage-3
4. Dr. Meerambika Mahapatro as Professor
5. Dr.Nanthini Subbiah as Professor
6. Dr. Geetanjaly Singh as Chief Medical Officer
7. Shri S.D. Sharma as Assistant

MACP/Financial Upgradation

1. Shri Salek Chand, Sr. Documentation Officer
2. Smt. Vaishali Jaiswal, Assistant Research Officer – 28.02.2019
3. Dr.Rekha Meena, Assistant Research Officer (RBM) – 25.08.2019
4. Shri Amar Nath Gupta, Jr. Engineer (Civil) – 19.11.2019
5. Sh. Baij Nath, Asstt Cook – 28.01.2020
6. Sh. Harkesh, MTS – 01.02.2020
7. Shri S.P. Singh, Transport Supervisor – 01.02.2020
8. Mrs. Babita, Assistant Librarian – 12.02.2020
9. Smt. Poonam Sharma, T.A. (Lab.) – 07.04.2020
10. Shri R.N. Tiwari, Stenographer Gr. I – 30.04.2020
11. Shri Swaroop Chand Rana, Assistant – 4.5.2020
12. Shri A.A.A. Khan, Photographer – 18.06.2020
13. Sh. Surender Prasad, Copy Holder – 11.07.2020
14. Mrs. Chanchal, DEO., Gr. ‹B› – 22.09.2020
15. Sh. Harsh Kumar, DEO., Gr. ‹B› – 08.10.2020
16. Shri Jagdish Gupta, Stenographer Gr. I (ad hoc) - 31.10.2020
17. Shri Yashwant Singh, Assistant – 30.11.2020

Retirements/Resignation

1. Sh. S. P. Singh, UDC on 04.01.2021 (VRS)
2. Sh. Rajinder Kumar, Cook on 31.01.2021
3. Smt. Shashi Bala Jain, UDC on 31.03.2021
4. Shri R.N. Tiwari – Stenographer Grade I – 30.04.2020
5. Shri Ravi Tiwari, Stenographer Grade II – 31.05.2020
6. Smt. Manju Gaba, UDC on 31.07.2020
7. Shri S.D. Sharma, Assistant – 31.07.2020
8. Shri G.P. Devrani, Research Officer – 31.08.2020
9. Shri Ramesh Chander, T.A. (Press) – 31.08.2020
10. Smt. Aloka Biswas, Nursing Sister – 31.08.2020
11. Dr. T.G. Shrivastav, Professor, Deptt. of RBM – 30.09.2020
12. Sh. Manjira Bhagat, Xerox Operator on 30.09.2020
13. Dr. S.V. Adhish, Professor, Deptt. of CHA – 31.10.2020
14. Shri Arvind Kumar, Assistant Director (OL) – 31.10.2020
15. Dr. J.K. Das - Professor, Epidemiology 09.11.2020.

ANNEXURES

I. **List of Governing Body Members**

II. **List of Standing Finance Committee Members**

III. **List of Programme Advisory Committee Members**

IV. **List of Faculty Members**

V. **Sanctioned and In-position Manpower**

Annexure-I

List of Governing Body Members
(As on 31st March 2021)

S.N	Name	Position	Email and Telephone No.
1.	Dr. Harsh Vardhan Hon'ble Union Minister of Health and Family Welfare, Nirman Bhavan New Delhi-110011.	Chairman (Ex. Officio)	E-mail:Hfm@gov.in Tel:23063513 23063024
2.	Mr. Rajesh Bhushan Secretary (Health & Family Welfare) Ministry of Health and Family Welfare Nirman Bhavan, New Delhi-110011.	Vice-Chairperson (Ex. Officio)	E-mail:secyhfw@nic.in Tel:23061863 23063221
3.	Dr. Sunil Kumar Director General of Health Services Ministry of Health and Family Welfare Nirman Bhavan, New Delhi-110011.	Member (Ex. Officio)	E-mail:dghs@nic.in Tel:23061063 23061438 23061924-FAX
4.	Dr. Balram Bhargava Secretary Deptt. of Health Research(MoHFW) and Director General Indian Council of Medical Research Ansari Nagar, New Delhi-110029.	Member (Ex. Officio)	E-mail:dg@icmr.org.in Tel:26588204 26588662 Mob: 9811132404
5.	Dr. Randeep Guleria Director All India Institute of Medical Sciences Ansari Nagar, New Delhi-110029.	Member (Ex. Officio)	E-mail:director@aiims.ac.in Tel:26588500 26588700
6.	Mrs. Arti Ahuja Additional Secretary (Health) R.No. 256-A,MoHFW, Nirman Bhavan New Delhi-110011.	Member (Ex. Officio) ash-mohfw@nic.in	E-mail:ash-mohfw@nic.in Tel:23062857 23061447
7.	Dr. Dharmendra Singh Gangwar Addition Secretary & Financial Advisor R.NO.247-A, Ministry of Health and Family Welfare, Nirman Bhavan, New Delhi-110011.	Member (Ex. Officio)	E-mail:asfa-mhfw@nic.in Tel:23061541 23061673
8.	Dr. Nipun Vinayak Joint Secretary (Trg.), R.No. 244-A, Ministry of Health and Family Welfare Nirman Bhavan, New Delhi-110011.	Member (Ex. Officio)	E-mail:vinayaknipun@nic.in Tel:23063155
9.	Prof. Saudan Singh Dean North D.M.C. Medical College Hindu Rao Hospital, Malka Gang Delhi-110007.	Member (Chairperson of PAC, NIHFW) (Ex. Officio) w.e.f. 30-01-2019	E-:E-mail:deanndmcmc@gmail.com Tel:23832127 23905869 Mob: 9871610158
10.	Dr. K.S. James Director International Institute for Population Sciences Govandi Station Road, Deonar, Mumbai – 400 088	Member (Ex. Officio)	E-mail:director@iips.net 91+22+2556 3254/55, 91+22+42372400 Fax:91+22+2556 3257

11.	Dr. Rakesh Sarwal Additional Secretary (Health, Nutrition, WCD),Room No. 240, NITI Aayog, Sansad Marg, New Delhi-110001. (Correspondence No.72686/2016/H&FW)	Member (Ex. Officio)	E-mail:as-niti@gov.in Tele:23096544 Mob:9981893695
12.	Dr. Alok Mukhopadhyay Executive Director, Voluntary Health Association of India B-40, Qutab Institutional Area, South of IIT Delhi, New Delhi-110016.	Member w.e.f. 14-05-2018	E-mail:admin@vhai.org healthpromotion@vhai.org 011-47004300
13.	Prof. Rajesh Kumar Former Dean, PGIMER House No.107, Sector-24A Chandigarh – 160023.	Member w.e.f. 14-05-2018	E-mail:Dr.rajeshkumar@gmail.com Mob: 9876017948
14.	Prof. Sanjiv Kumar Chairperson Indian Academy of Public Health M-15, Second Floor, South Extension-II New Delhi -110049.	Member w.e.f. 14-05-2018	Mobile No. 7678503003 E-mail:drsanjivkumardixit@gmail.com Mob: 7678503003
15.	Prof. Dileep Mavalankar Director Indian Institute of Public Health Gandhinagar, Gujarat – 382042.	Member w.e.f. 14-05-2018	Phone: +91-079-66740700 Email: contact@iiphg.org Web: http://www.iiphg.edu.in
16.	Prof. B.S. Garg Former Dean and Secretary, Kasturba Health Society, Mahatma Gandhi Institute of Medical Sciences , Wardha, Maharashtra – 442102.	Member w.e.f. 14-05-2018	Ph: +91 7152 284341-55 (15 lines) Email: garg.bs@gmail.com Mobile No.9422141693
17.	Prof. Nikhil Tandon Head Department of Endocrinology, conversion Building 7th Floor, AIIMS, New Delhi-29.	Member w.e.f. 14-05-2018	E-mail:Nikhil_tandon@hotmail.com Tel: 26593433 26593237
18.	Prof. Shalley Awasthi Head Department of Paediatrics KGMU, Lucknow – 226003	Member w.e.f. 14-05-2018	E-mail:shallyawasthi@kgmcindia.edu 09839221244, 09235444824 055-4011510 ®
19.	Prof. Harshad Thakur Director, NIHFW Baba Gangnath Marg, Munirka, New Delhi-110067.	Member-Secretary (Ex. Officio)	E-mail:director@nihfw.org Tel: 26100057 26185696

(1-11 & 19 are ex-officio members and 12-18 are eminent persons nominated as non-official members by the Chairman.

Annexure-II

List of Standing Finance Committee Members
(As on 31st March 2021)

S.No.	Name	Position	Email and Telephone No.
1.	Mr. Rajesh Bhushan Secretary (H&FW) Ministry of Health and Family Welfare, Nirman Bhavan New Delhi – 110 108.	Chairperson	**Secyhfw@nic.in** **Tel: 23061863** **23063221**
2.	Dr. Sunil Kumar Director General of Health Services, Nirman Bhavan New Delhi – 110 108.	Member (Ex. Officio)	**dghs@nic.in** **Tel: 23061063** **23061438** **23061924-FAX**
3.	Dr. Dharmendra Singh Gangwar Additional Secretary & Financial Advisor Ministry of Health and Family Welfare, Nirman Bhavan New Delhi 110 108.	Member (Ex. Officio)	**asfa-mhfw@nic.in** **Tel: 23061541** **23061673**
4.	Dr. Rakesh Sarwal Additional Secretary (Health, Nutrition, WCD) Room No.2401, 2nd Floor NITI Aayog, Sansad Marg New Delhi-110 001.	Member (Ex. Officio)	**as-niti@gov.in** **Tele:23096544**
5.	Dr. Nipun Vinayak Joint Secretary (Trg.) Ministry of Health and Family Welfare, Nirman Bhawan New Delhi – 110 108.	Special Invitee	**vinayaknipun@nic.in** **Tel: 23063155**
6.	Prof. Harshad Thakur Director, NIHFW New Delhi-110 067.	Member-Secretary	**director@nihfw.org** **Tel: 26100057, 26185696**

Annexure-III

List of Programme Advisory Committee Members
(As on 31st March 2021)

S.No.	Name	Position	Email and Telephone No.
1.	Prof. Saudan Singh Dean North D.M.C. Medical College Hindu Rao Hospital, Malka Gang Delhi-110007.	Chairperson	Telephones:23832127 23905869 Mobile No: 9871610158 deanndmcmc@gmail.com
2.	Dr. Balram Bhargava Secretary Deptt. of Health, Research(MoHFW) and Director General Indian Council of Medical Research Ansari Nagar, **New Delhi-110029.**	Member (Ex-Officio)	dg@icmr.org.in Telephones: 26588204 26588662 Mobile No:- 9868333245
3.	Dr. Sunil Kumar Director General of Health Services, Nirman Bhawan New Delhi – 110 108.	Member (Ex-Officio)	Telephone: 23061438 dghs@nic.in
4.	Dr. Nipun Vinayak Joint Secretary (Trg.) Ministry of Health and Family Welfare, Nirman Bhawan New Delhi – 110 108.	Member (Ex-Officio)	vinayaknipun@nic.in Telephone: 23061398 23061706
5.	Dr. Rakesh Sarwal Additional Secretary (Health, Nutrition, WCD) Room No.2401 NITI Aayog, Sansad Marg New Delhi-110 001.	Member (Ex-Officio)	Telephone: 23096544 as-niti@gov.in
6.	Dr. K.S. James Director International Institute for Population Sciences, Govandi Station Road Deonar, **Mumbai – 400 088**	Member (Ex-Officio)	director@iips.net Telephones: 91+22+2556 3254/55, 91+22+42372400 Fax:91+22+2556 3257
7.	Dr. Jayanti S.Ravi Commissioner & Principal Secretary (Public H&FW) Department of Health & Family Welfare, Government of Gujarat, Block No. 5, 1st Floor old Schiwalay Dr. Jivraj Mehta Bhavan Sector No. 10, Gandhinagar-Gujarat-382010.	Member (w.e.f.30.01.19)	Mobile No. 09978406018 cohealth@gujarat.gov.in
8.	Dr. Jose D'sa Director of Health Services Directorate of Health Services Campal – Panaji, Goa-403001	Member (w.e.f.30.01.19)	Mobile No. 9011025036 directorhealth_goa@yahoo.co.in

9.	Dr. C.B. Narain Director, State Institute of Health & Family Welfare (SIHFW) Sheikhpura Patna-80014, Bihar.	Member (w.e.f.30.01.19)	Sihfw.patna@gmail.com Telephone: 0612-2286148
10.	Dr. K. Rajo Singh Director, Manipur Health Directorate, Lamphelpat, RIMS Road, Imphal, Manipur-795004.	Member (w.e.f.30.01.19)	rajosinghjd@gmail.com Mobile No.09402880191 Telephone: 0385 - 2450149
11.	Prof. Bharat Bhasker Director Indian Institute of Management, Atal Nagar, P.O. Kurrn (Abhanpur),Raipur Chhattisgarh-493661.	Member (w.e.f.30.01.19)	director@iimraipur.ac.in Mobile No. 07712474603 07712474604
12.	Prof. Neera Dhar Head, Deptt. of E&T NIHFW, New Delhi-110067.	Member (w.e.f. 01.11.2019)	Telephone:26165959
13.	Prof. Poonam Khattar Head, Department of Communication NIHFW, New Delhi-110067.	Member (w.e.f. December 2020)	Telelephone:26165959
14.	Dr. Ashutosh Halder Prof. & Head Department of Reproductive Biology All India Institute of Medical Science Ansari Nagar, New Delhi 110029.	Co-opting Member (w.e.f. 04.12.2017)	ashutoshhalder@gmail.com Mobile Nos. 09313309579, 8178451207
15.	Prof. Harshad Thakur Director NIHFW, New Delhi-110067.	Member-Secretary (Ex. Officio)	director@nihfw.org Telephones: 26100057, 26185696

Annexure-IV

List of Faculty Members
(As on 31st March 2021)

Prof. Harshad Thakur	**Director**
Department of Communication	
Dr. Poonam Khattar	Professor and Acting Head
Dr. Ankur Yadav	Assistant Professor
Department of Community Health Administration	
Dr. Sanjay Gupta	Professor and Head
Dr. Nanthini Subbiah	Professor
Department of Medical Care and Hospital Administration	
Dr. Manish Chaturvedi	Professor and Acting Head
Department of Education and Training	
Dr. Neera Dhar	Professor and Head
Department of Epidemiology	
Dr. Sanjay Gupta	Professor and Acting Head
Department of Management Sciences	
Dr. Mihir Kumar Mallick	Professor and Acting Head
Department of Planning and Evaluation	
Dr. V. K. Tiwari	Professor and Head
Dr. Manish Chaturvedi	Professor
Dr. Ramesh Chand	Assistant Professor
Department of Reproductive Bio-medicine	
Dr. S. Ramachandra Rao	Reader and Acting Head
Dr. Rajesh Kumar	Assistant Professor
Dr. Renu Shehrawat	Assistant Professor
Department of Social Sciences	
Dr. Rajni Bagga	Professor and Head Professor
Dr. Meerambika Mahapatro	Assistant Professor
Dr. Sarita Gautam	Assistant Professor
Dr. Monika Saini	
Department of Statistics and Demography	
Dr. Pushpanjali Swain	Professor and Head Assistant Pro-
Dr. Dharmendra Kumar Yadav	fessor
Total Faculty members : 19 (including Director)	

Annexure-V

Manpower Position NIHFW (as on 31st March 2021)

Category	Sanctioned No.	No. in Position (%)	Vacant Posts (%)
Group-A (Including Faculty)	66	30 (45.4%)	36 (54.5%)
Group-B	125	64 (51.2%)	61 (48.8%)
Group-C (Non-technical and technical)	120	75 (62.5%)	45 (37.5%)
Group-C (Multi-Tasking Staff)+Other erstwhile group 'D' posts including Group-C Helper (Offset Press)Group-C Laboratory Attendant	95 (28+67)	50 (12+38) (52.6%)	45 (16+29) (47.3%)
Total	406	219 (53.9%)	187 (46%)

राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान
The National Institute of Health and Family Welfare
Munirka, New Delhi - 110067